राष्ट्रीय संस्करण

CopyRight - Jagran.com

वर्ष 3 अंक 139

मूल्य ₹6.00, नई दिल्ली, रविवार, 27 अक्टूबर 2019

दैनिक जागरण

www.jagran.com

पृष्ठ 16

शुभ दीपावली

यह प्रकाश पर्व हम सबके जीवन को सुख, समृद्धि, सद्भाव से आलोकित कर राष्ट्र को समग्र उत्थान की ओर ले जाए और सर्वत्र शुभ का संचार करे, इस आशा के साथ जागरण परिवार की ओर से आप सभी को दीपोत्सव की हार्दिक शुभकामनाएं।

प्रधान संपादक

शुभ मुहूर्त

रविवार शाम 6:46 से 8:42 बजे तक

अवकाश सूचना

आपके साथ दैनिक जागरण परिवार भी 27 अक्टूबर, रविवार को दीपावली की खुशियों में शामिल होगा। इसलिए अगला अंक मंगलवार यानी 29 अक्टूबर को प्रकाशित होगा।

मुख्य महाप्रबंधक

गिनीज बुक में दर्ज हुआ अयोध्या का दीपोत्सव

जागरण संवाददाता, अयोध्या

शनिवार को अयोध्या स्थित राम की पैड़ी दीयों के अनुपम सौंदर्य से आलोकित हो उठी। यहां एक साथ जलते चार लाख दस हजार दीपों ने गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर दीपोत्सव के तीसरे संस्करण को भी ऐतिहासिक बना दिया। यह ऐसा नजारा था जिसे हर कोई अपनी आंखों में बसा लेना चाहता था।

फिजी की संसद की डिप्टी स्पीकर वीणा भटनागर, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व अन्य मंत्रियों की मौजूदगी के बीच गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के प्रतिनिधियों ने इस कीर्तिमान को कैद किया। गिनीज बुक के प्रतिनिधियों ने राज्यपाल और मुख्यमंत्री को प्रमाणपत्र भी सौंपा। राम की पैड़ी के साथ ही अयोध्या के अलग-अलग स्थानों पर कुल मिलाकर 6.11 लाख दीपों को जलाया गया। गत वर्ष तीन लाख 11 हजार दीयों के एक साथ जलने का रिकार्ड बनाया गया था। (पेज-5 भी देखें)

भगवान श्रीराम की नगरी अयोध्या शनिवार को दीपोत्सव पर लाखों दीपों की रोशनी से जगमगा उठी। यहां राम की अयोध्या वापसी की त्रेतायुगीन झलक दिखाई दी। राम की पैड़ी पर चार लाख दस हजार दीप जलाकर विश्व कीर्तिमान स्थापित किया गया। यद्यपि यहां पांच लाख 51 हजार दीप जलाए जाने की योजना थी। हृदेश चंदेल

सैकड़ों वर्षों की गुलामी के बाद देश अपना सत्व भूल गया था और आजादी के बाद जिस सत्व को तत्काल जगाने की आवश्यकता थी उसे जागृत होने में 70 वर्ष लग गए। आश्चर्य है कि पहले की सरकारें अयोध्या से डरती थीं, लेकिन मैं ढाई साल में डेढ़ दर्जन बार यहां आ चुका हूं।
– योगी आदित्यनाथ, उत्तर प्रदेश के सीएम

रविवार विशेष

मोदी ने धोए थे इनके पांव, धुलने लगा समाज का मैल

बांदा : कुंभ मेला के दौरान पीएम नरेंद्र मोदी ने जिन स्वच्छता कर्मियों के पैर धोकर प्रभावी सामाजिक संदेश दिया था, उनके गांवों में सामाजिक बदलाव की बयार बह चली है। आइये, इस दिवाली हम भी बदलें अपनी सोच। (पेज-11)

न्यूज गैलरी

राज-नीति ▸ पृष्ठ 3

सारधा और रोजवैली कांड में नौ पुलिस अफसरों को नोटिस

कोलकाता : सारधा और रोजवैली चिटफंड घोटाले में सीबीआइ ने आइपीएस अधिकारी दमयंती सेन और वकार रजा समेत नौ पुलिस अधिकारियों को नोटिस जारी किया है। इनसे चार नवंबर से बाद पूछताछ होगी। ये अफसर कोलकाता के पूर्व पुलिस आयुक्त राजीव कुमार की अगुआई में गठित एसआइटी में बतौर जांच अधिकारी शामिल थे।

नेशनल न्यूज ▸ पृष्ठ 6

मौसम विभाग ने दी कई राज्यों में भारी बारिश की चेतावनी

नई दिल्ली : मौसम विज्ञान विभाग ने कहा है कि अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय तथा नगालैंड में भारी बारिश हो सकती है। मौसम विभाग ने मिजोरम, त्रिपुरा, तेलंगाना, तटवर्ती कर्नाटक, तमिलनाडु, पुडुचेरी तथा केरल में भी भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। महाराष्ट्र के कोंकण बेल्ट में भी रेड अलर्ट जारी कर दिया गया है।

अंतरराष्ट्रीय ▸ पृष्ठ 13

अस्पताल में भर्ती नवाज शरीफ को हार्ट अटैक, हालत गंभीर

इस्लामाबाद : अस्पताल में भर्ती पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ को हार्ट अटैक आने का दावा किया गया है। उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। यह दावा शनिवार को पाकिस्तान के वरिष्ठ पत्रकार हामिद मीर और शरीफ के वकील ने किया। जबकि अस्पताल प्रशासन ने बताया कि शरीफ को उपचार के दौरान एंजाइना अटैक से जूझना पड़ा था।

शिवसेना ने मांगी 50-50 की गारंटी

सियासत ▸ फड़नवीस बोले, भाजपा नेतृत्व वाला गठबंधन ही देगा मजबूत सरकार

उद्धव ने कहा, पहले से तय बातें पूरा करने के लिए आगे आएं अमित शाह

राज्य ब्यूरो, मुंबई

महाराष्ट्र में सरकार के गठन से पहले शिवसेना ने अपने तेवर और सख्त कर लिए हैं। पार्टी ने ढाई साल के लिए मुख्यमंत्री पद और बराबरी के मंत्रालय के वादे पर भाजपा से लिखित आश्वासन मांगा है। इस पर सहमति न बनने की स्थिति में उद्धव ठाकरे ने दूसरे विकल्प खुले होने के संकेत भी दे दिए हैं। समाचार एजेंसी पीटीआइ के मुताबिक मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस ने कहा है कि भाजपा सबसे बड़ी पार्टी है और उसके नेतृत्व वाला गठबंधन ही राज्य में स्थिर और मजबूत सरकार देगा।

शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे के निवास 'मातोश्री' पर पार्टी के नवनिर्वाचित विधायकों की शनिवार को बैठक हुई। करीब घंटे भर चली बैठक के बाद ठाणे से चुनकर आए विधायक प्रताप सरनाईक ने मीडिया से कहा कि लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह एवं मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस के साथ उद्धव ठाकरे की बातचीत में 50-50 के फार्मूले पर फैसला हुआ था। ढाई-ढाई साल के लिए मुख्यमंत्री पद उसी फार्मूले का हिस्सा था।

हर किसी को इच्छा व्यक्त करने का हक

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष चंद्रकांत पाटिल ने सीएम पद पर शिवसेना के दावे पर कहा कि हर किसी को अपनी इच्छा व्यक्त करने का हक है। इससे पहले, केंद्रीय मंत्री राव साहब दानवे ने कहा था कि शिवसेना सत्ता में समान भागीदारी की जो बातें कर रही है, उसके बारे में पार्टी को कुछ नहीं पता।

अब जब भाजपा इस पर लिखित आश्वासन देगी तभी सरकार बनाने की दिशा में आगे बढ़ा जाएगा।

सरनाईक के मुताबिक बैठक में आदित्य ठाकरे को मुख्यमंत्री बनाने की मांग भी उठी। अपने विधायकों की बात से सहमति जताते हुए उद्धव ठाकरे ने कहा कि यदि भाजपा हमारी बात नहीं मानती, तो हमारे पास दूसरे विकल्प भी खुले हैं। संभवतः दूसरे विकल्पों से उद्धव ठाकरे का आशय कांग्रेस-राकांपा के साथ सरकार बनाने का है।

राकांपा का समर्थन से इन्कार : हालांकि, पीटीआइ के मुताबिक राकांपा प्रमुख शरद पवार ने शनिवार को फिर कहा कि उनकी पार्टी को विपक्ष में बैठने का जनादेश मिला है। उनकी पार्टी शिवसेना को सरकार बनाने के लिए समर्थन नहीं देगी। वहीं, कांग्रेस नेता विजय वाडेट्टीवार ने भी कहा कि उनकी पार्टी को विपक्ष में बैठने का जनादेश मिला है। लेकिन अगर शिवसेना सरकार बनाने के लिए समर्थन मांगती है तो उस पर विचार किया जा सकता है।

शिवसेना का दो निर्दलीयों के समर्थन का दावा

समाचार एजेंसी एएनआइ के मुताबिक नागपुर के रामटेक से निर्दलीय विधायक आशीष जायसवाल और भंडारा से निर्वाचित नरेंद्र भोंडेकर ने शनिवार को उद्धव ठाकरे से उनके आवास पर मुलाकात की। मुलाकात के बाद शिवसेना ने दावा कि दोनों ने पार्टी को समर्थन देने का प्रस्ताव किया है।

दिवाली बाद शुरू होगी सरकार बनाने की प्रक्रिया : दूसरी ओर, दिवाली समारोह में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए फड़नवीस ने कहा कि भाजपा, शिवसेना और अन्य सहयोगी दलों आरपीआइ, आरएसपी, शिव संग्राम के गठबंधन को स्पष्ट जनादेश मिला है, जिसका सम्मान किया जाना चाहिए। इसको लेकर किसी को तनिक भी संदेह नहीं होना चाहिए। 30 अक्टूबर को विधायक दल के नेता का चुनाव होगा और उसके बाद सरकार बनाने की प्रक्रिया शुरू होगी।

(संबंधित खबरें पेज-4 पर)

हरियाणा में आज शपथ लेंगे मनोहर लाल और दुष्यंत

मनोहर लाल को चंडीगढ़ में विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद मिठाई खिलाकर बधाई देते केंद्रीय मंत्री रवि शंकर प्रसाद। प्रेट्र

चंडीगढ़ : हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल दीपावली के दिन रविवार को अपने दूसरे कार्यकाल की नई पारी की शुरुआत करेंगे। शनिवार को केंद्रीय पर्यवेक्षकों की मौजूदगी में उन्हें सर्वसम्मति से भाजपा विधायक दल का नेता चुन लिया गया। समर्थन देने वाली जननायक जनता पार्टी के संयोजक दुष्यंत चौटाला मुख्यमंत्री मनोहर लाल के साथ रविवार को डिप्टी सीएम की शपथ ग्रहण करेंगे। अनिल विज और कंवरपाल गुर्जर के भी उनके साथ शपथ लेने की संभावना है। (पेज-4)

देश में पहली बार हुआ 'सिस्टिक हायग्रोमा' का सफल ऑपरेशन

जागरण संवाददाता, जयपुर

- राजस्थान के बूंदी स्थित सरकारी अस्पताल के डॉक्टर को मिली कामयाबी
- डॉक्टर का दावा-दुनिया में ऐसे सात ही ऑपरेशन किए जाने का रिकार्ड

देश में पहली बार सिस्टिक हायग्रोमा (एक तरह की गांठ) का सफल ऑपरेशन किया गया। राजस्थान के बूंदी स्थित सरकारी अस्पताल में दो साल की बच्ची खुशी का ऑपरेशन करने में डॉक्टर को कामयाबी मिली है। उनका दावा है कि दुनिया में इस तरह के अब तक महज सात ऑपरेशन का ही रिकॉर्ड है। एक सरकारी अस्पताल में इस तरह का ऑपरेशन किए जाने पर चिकित्सा मंत्री डॉ. रघु शर्मा ने खुशी जताई है। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन करने वाले डॉक्टर को सम्मानित किया जाएगा।

बूंदी के जिला अस्पताल के वरिष्ठ सर्जन डॉ. अनिल सैनी ने बताया कि दो साल की बच्ची खुशी के बाएं हाथ की कलाई से कोहनी के बीच 16.50 सेंटीमीटर लंबी और 9.50 सेंटीमीटर चौड़ी गांठ थी। यह गांठ उसके जन्म से ही थी, जो धीरे-धीरे बड़ी होती गई। इससे उसका हाथ भारी हो गया। वह हाथ हिला भी नहीं पा रही थी। इस पर उसके पिता 14 अक्टूबर को अस्पताल उसको लेकर आए तो जांच में सामने आया कि उसके हाथ में इंफेक्शन हो गया है।

सोनोग्राफी में सामने आया कि बच्ची दुर्लभ बीमारी सिस्टिक हायग्रोमा से पीड़ित है। उन्होंने इस बारे में जयपुर के एसएमएस अस्पताल में प्रिंसिपल डॉ.सुधीर भंडारी, अधीक्षक डॉ. डीएस मीणा और सर्जरी विभाग के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ.जीवन कांकरिया से चर्चा की। इसके बाद बच्ची का बूंदी के अस्पताल में ही ऑपरेशन करने का फैसला लिया । 25 अक्टूबर को उन्होंने सफल ऑपरेशन किया गया। बच्ची अब पूरी तरह से स्वस्थ है। उन्होंने देश में सिस्टिक हायग्राम का पहला ऑपरेशन करने का दावा किया। उन्होंने कहा कि 80 फीसद मामलों में यह रोग गले-चेहरे पर और 20 फीसद छाती, पेट एवं पैर में होता है।

बूंदी के अस्पताल में सिस्टिक हायग्रोमा रोग का ऑपरेशन करने वाले डॉ. अनिल सैनी। जागरण

डॉक्टर अनिल सैनी ने बताया कि लसिका तंत्र (लिम्फेटिक सिस्टम) के असामान्य विकसित होने के कारण यह बीमारी हो जाती है। इसमें गांठ धीरे-धीरे बड़ी होती जाती है। यदि यह बीमारी हाथ में है तो यह पूरी तरह काम करना बंद कर देता है। हाथ का मूवमेंट ही खत्म नहीं होता है बल्कि वह काला भी पड़ जाता है ।

भारत को मैन्यूफैक्चरिंग में मदद को चीन तैयार

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- आरसेप पर भारत को मनाने के लिए पड़ोसी ने चला दांव
- ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में भारत की रैंकिंग सुधरने का यह असर

अगले शुक्रवार से बैंकॉक (थाइलैंड) में होने वाली आरसेप की बेहद अहम बैठक से ठीक पहले चीन ने भारत को लुभाने की कोशिश की है। नई दिल्ली में चीन के राजदूत सुन वीडोंग ने कहा है कि उनका देश भारत के साथ औद्योगिक और मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर में ऐसा सहयोग करने को तैयार है जो दोनो देशों के लिए फायेदमंद साबित होगा। इसी तरह का प्रस्ताव चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने कुछ ही दिनों पहले मामल्लपुरम में पीएम नरेंद्र मोदी के साथ अनौपचारिक बैठक में रखा था। अब नई दिल्ली में चीन के राजदूत ने इसे आगे बढ़ाया है। विश्व बैंक की नई रिपोर्ट के मुताबिक ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में भारत की रैंकिंग में बड़ा सुधार हुआ है। वीडोंग ने वैसे तो इस प्रस्ताव को भारत की रैंकिंग में इसी सुधार से जोड़ा है। लेकिन माना जा रहा है कि इसके पीछे असली वजह आरसेप के लिए भारत को मनाना है।

दूसरी तरफ भारत ने आयात बढ़ने व घरेलू उद्योग को नुकसान पहुंचने की आशंकाओं को देखते हुए फूंक-फूंककर आगे बढ़ने की रणनीति अख्तियार कर ली है। भारत की चिंताओं को देखते हुए चीन बार-बार औद्योगिक व मैन्यूफैक्चरिंग सहयोग बढ़ाने पर जोर दे रहा है। जानकारों का मानना है कि चीन बेहतर समझता है कि आरसेप को लेकर भारत की तमाम चिंताओं की जड़ में दरअसल चीन के साथ बढ़ता व्यापार घाटा है। यही वजह है कि चीन इस समझौते के जरिये भारत के मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर में निवेश का प्रस्ताव दे रहा है।

पिछले वर्ष भारत व चीन का द्विपक्षीय कारोबार 95.54 अरब डॉलर का था। लेकिन चीन के पक्ष में व्यापार संतुलन 53 करोड़ रुपये का था यानी चीन जितना आयात भारत से करता है उससे 53 अरब डॉलर का ज्यादा निर्यात करता है। मोदी और चिनफिंग में जिन मुद्दों पर ज्यादा बातचीत हुई यह उनमें सबसे महत्वपूर्ण था। दोनो नेताओं ने आयात व निर्यात का फासला कम करने के लिए एक उच्चस्तरीय समिति गठित करने का फैसला किया है। लेकिन अभी तक इसकी घोषणा नहीं हुई है और इसका असर जमीन पर दिखाई देने में दो-तीन वर्ष का समय लग सकता है। वुहान में मोदी व चिनफिंग के मुलाकात के बाद चीन ने भारत से चावल, दवाई और कुछ कृषि उत्पादों के आयात को मंजूरी दी है। लेकिन इसका कारोबार के डाटा पर कोई असर पड़ता नहीं दिख रहा है।

क्या है आरसेप : रीजनल कांप्रिहेंसिव इकोनॉमिक पार्टनरशिप (आरसेप) आसियान के 10 सदस्य देशों और छह अन्य देशों (भारत, चीन, जापान, कोरिया, ऑस्ट्रेलिया व न्यूजीलैंड) के बीच होने वाला एक मुक्त व्यापार समझौता है। वर्ष 2012 से ही इसके लिए बात हो रही है और वर्ष 2018 में ही इस पर सहमति बनने व हस्ताक्षर होने का लक्ष्य रखा गया था। लेकिन शुरुआत में इस समझौते के प्रति उत्साह दिखाने के बाद भारत का रुख अब बदल गया है। बात यहां तक पहुंच गई है कि दूसरे सभी सदस्य देश यह कहने लगे हैं कि भारत की वजह से ही एफटीए मूर्त रूप नहीं ले पा रहा है। इसे सबसे ज्यादा चीन की तरफ से बढ़ावा मिल रहा है।

ट्रंप की बढ़ी मुश्किल, रूसी दखल मामले की रिपोर्ट संसदीय समिति को दी जाएगी

- अमेरिकी अदालत का आदेश डेमोक्रेट पार्टी की बड़ी जीत, आगे बढ़ेगी महाभियोग की कार्यवाही

वाशिंगटन, एजेंसियां : अमेरिका की एक अदालत ने न्याय विभाग को रूसी दखल मामले में विशेष वकील रॉबर्ट मूलर द्वारा की गई जांच से जुड़ी गुप्त जानकारियां संसदीय समिति से साझा करने का आदेश दिया है। अदालत के इस फैसले को डेमोक्रेटिक पार्टी की बड़ी जीत माना जा रहा है। वह इन जानकारियों का इस्तेमाल अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ महाभियोग की जांच में करना चाहती है।

पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा के कार्यकाल में नियुक्त मुख्य अमेरिकी जिला न्यायाधीश बेरिल हॉवेल ने न्याय विभाग को 30 अक्टूबर तक मूलर की जांच से जुड़ी जानकारियां संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा की समिति को उपलब्ध कराने को कहा है। न्याय विभाग की एक प्रवक्ता ने बताया कि विभाग कोर्ट के निर्णय की समीक्षा कर रहा है। हॉवेल के आदेश में ग्रैंड जूरी का संशोधित दस्तावेज भी शामिल है, जिसका मूलर ने अपनी रिपोर्ट में उल्लेख किया है। दस्तावेज का यह हिस्सा डेमोक्रेट सांसद अभी नहीं देख पाए हैं।

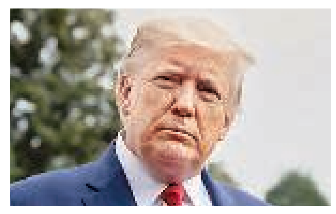

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप। एएफपी

75 पन्नों के फैसले में जज हॉवेल ने प्रशासन के कई तर्कों को खारिज कर दिया। उन्होंने न्याय विभाग के उस तर्क को भी गलत करार दिया, जिसमें उसने कहा था कि वह मौजूदा कानून के तहत ग्रैंड जूरी के दस्तावेजों को नहीं उपलब्ध करा सकता। ह्वाइट हाउस और रिपब्लिकन समर्थकों ने तर्क दिया कि औपचारिक वोट के बिना महाभियोग गैरकानूनी है। इस पर हॉवेल कहा कि वास्तव में सदन में प्रस्ताव की जरूरत ही नहीं है। जज ने न्याय विभाग के इस तर्क को भी खारिज कर दिया है कि मौजूदा कानून के तहत महाभियोग न्यायिक कार्यवाही है ही नहीं, जिसके लिए सूचना दी जा सके।

इस महीने की शुरुआत में सुनवाई के दौरान न्याय विभाग के वकील ने दस्तावेज उपलब्ध कराए जाने का विरोध किया था। उसने कहा था कि डेमोक्रेट सांसदों के पास मूलर की जांच से संबंधित पर्याप्त दस्तावेज उपलब्ध हैं। उनके पास एफबीआइ द्वारा गवाहों से लिए गए बयान की कॉपी भी उपलब्ध है।

ट्रंप के पक्ष में मजबूती से खड़ी हुई रिपब्लिकन नेशनल कमेटी पेज>>13

नया कश्मीर

आतंकियों की बंद की धमकी के बावजूद शनिवार को श्रीनगर में बाजारों में बढ़ी रौनक, सुबह-शाम खुलने वाले बाजार दोपहर में भी खुले, पूरे कश्मीर में नजर नहीं आई कोई पाबंदी

लाल चौक की रंगत ने दिया आतंकियों को जवाब

राज्य ब्यूरो, श्रीनगर

केंद्र सरकार द्वारा पांच अगस्त को जम्मू-कश्मीर के दो केंद्र शासित राज्यों में पुनर्गठन के बाद हालात तेजी से सामान्य हो रहे हैं। इसकी बानगी शनिवार को श्रीनगर के ऐतिहासिक लाल चौक पर देखने को मिली। यहां दोपहर को भी दुकानें खुलीं, जहां खरीदारों की भीड़ उमड़ी। बाजारों में नजर आई यह रौनक आतंकियों को जवाब मानी जा रही है जो जबरन बंद लागू कराने की कोशिश कर रहे हैं।

कश्मीर का नजारा तेजी से बदल रहा है। यहां अब न कोई पाबंदी है और न ही कहीं कंटीले तार नजर आ रहे हैं। वहीं, चौक को जोड़ने वाली सभी सड़कों पर पूरे दिन जाम लगा रहा। पिछले कई दिनों से आतंकी संगठन तरह-तरह से लोगों को धमकाने में लगे हैं। वे न केवल सेब व्यापारियों को निशाना बना रहे हैं, बल्कि स्कूल तक जलाने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन शनिवार को जिस तरह लाल चौक समेत वादी के विभिन्न इलाकों में दुकानें खुलीं और लोगों ने जमकर खरीददारी की उससे उनके मंसूबे नाकाम होते नजर आ रहे हैं। खास बात यह है कि सड़कों पर निजी वाहन ज्यादा दिखाई दे रहे हैं। सार्वजनिक वाहन काफी कम दिख रहे हैं।

अब तक सिर्फ सुबह और शाम को खुलने वाले कई प्रमुख बाजार शनिवार को दोपहर को भी खुले रहे। रेहड़ी वालों की संख्या भी बीते दिनों की तुलना में अधिक रही। बड़ी बात यह कि सुबह से ही आम लोगों और निजी वाहनों की सड़कों पर आवाजाही शुरू हो गई। इतना ही नहीं, हाईवे और श्रीनगर को वादी के विभिन्न शहरों से जोड़ने वाली सड़कों पर टैक्सियां भी चलीं। सभी सरकारी कार्यालय और बैंक खुले रहे। हालांकि नागरिक सचिवालय बंद रहा। वहां सिर्फ जम्मू के लिए रिकार्ड लेकर जाने वाले ट्रक और संबंधित कर्मी ही नजर आए। बनिहाल-बारामुला रेल सेवा लगातार 81वें दिन भी ठप रही।

पूरे कश्मीर सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त रहे : प्रशासन ने किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए सभी संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किए हैं। सभी प्रमुख सड़कों और चौराहों पर पुलिस व अर्ध सैनिक बलों को तैनात किया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि वादी में शनिवार को स्थिति पूरी तरह शांत और नियंत्रित रही।

श्रीनगर के लाल चौक का यह दृश्य कश्मीर में बदलाव की तस्वीर पेश करता है। कभी जिहादी तत्वों का गढ़ रहा लाल चौक अब व्यस्त दिख रहा है। अब न कोई पाबंदी है और न कहीं कंटीले तार। केवल दिख रही है तो नए कश्मीर की तेजी से विकास की राह पर रफ्तार भरने की ललक। कामरान रशीद बट

गलती से हुए अतिरिक्त भुगतान की नहीं की जा सकती वसूली : कोर्ट

राज्य ब्यूरो, चंड़ीगढ़

- सेना की इंजीनियरिंग सर्विस में सेवा दे चुके रिटायर अधिकारी से रिकवरी गलत ठहराई गई
- कोर्ट ने कहा, सिविल कोर्ट को इस प्रकार के मामलों की सुनवाई का अधिकार

मिलिट्री इंजीनियरिंग सर्विस में सेवा दे चुके जनक राज को विभाग की गलती से हुए अतिरिक्त भुगतान की वसूली पर रोक के खिलाफ दायर अपील पंजाब-हरियाणा हाई कोर्ट ने खारिज कर दी। हाई कोर्ट ने साफ शब्दों में कहा कि इस मामले में कर्मी ने कोई फर्जीवाड़ा कर अतिरिक्त राशि नहीं ली है बल्कि विभाग की गलती से भुगतान हुआ है जिसकी रिकवरी नहीं की जा सकती है।

केंद्र सरकार ने हाई कोर्ट में याचिका दाखिल करते हुए कहा था कि जनक राज को उसकी सेवा अवधि के दौरान 32 हजार रुपये अतिरिक्त भुगतान किया गया था जिसकी रिकवरी उनके जीपीएफ से की गई है। इसके खिलाफ जनक राज ने सिविल कोर्ट में अपील दाखिल की थी और सिविल कोर्ट ने उसके हक में फैसला सुनाया। फैसले के खिलाफ अपीलीय कोर्ट में अपील की गई, लेकिन वहां भी अपील खारिज कर दी गई। बाद में केंद्र सरकार ने सिविल कोर्ट के फैसले के खिलाफ हाईकोर्ट से अपील की थी। साथ ही सिविल कोर्ट को इस तरह के मामलों में सुनवाई के लिए अधिकृत न होने की दलील दी थी। केंद्र सरकार की दलील थी कि इस मामले की सुनवाई केवल कैट में की जा सकती है। हाई कोर्ट ने केंद्र सरकार की अपील को खारिज करते हुए स्पष्ट कर दिया कि सिविल कोर्ट को अधिकार है कि वह इस तरह के मामलों की सुनवाई कर सकता है। जनक राज मिलिट्री इंजीनियरिंग सर्विस में थे, ऐसे में सिविल कोर्ट का फैसला सही है। हाई कोर्ट ने यह भी कहा कि अतिरिक्त भुगतान के लिए न तो कोई साजिश रची गई थी और न ही किसी प्रकार की धोखाधड़ी। ऐसे में यह पूरी तरह से विभाग की गलती का नतीजा है।

530 लोगों के चालान प्रदूषण फैलाने पर शुक्रवार को दक्षिणी निगम ने काटे हैं। इनसे निगम ने 27 लाख रुपये का जुर्माना भी वसूल किया है।

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
रविवार 27 अक्टूबर 2019

शुभ दीपावली

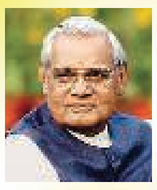

आओ फिर से
दिया जलाएं
भरी दुपहरी में
अंधियारा
सूरज परछाई
से हारा
अंतरतम का नेह निचोड़ें
बुझी हुई बाती सुलगाएं
आओ फिर से दिया जलाएं।

अटल बिहारी वाजपेयी

कनॉट प्लेस में रंग-बिरंगी लाइटों से हुआ दिवाली उत्सव का आगाज

नई दिल्ली में पटाखे रहित दिवाली मनाने के लिए कनॉट प्लेस के सेंट्रल पार्क में आयोजित 'दिल्ली की दिवाली' में लेजर शो के दौरान लेजर लाइट के माध्यम से बनाई गईं आकृतियां। जागरण

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

दिवाली को पटाखा रहित मनाने के लिए शुक्रवार को कनॉट प्लेस स्थित सेंट्रल पार्क में दिल्ली की दिवाली कार्यक्रम का आगाज हुआ। इस चार दिवसीय कार्यक्रम का उद्घाटन उपराज्यपाल अनिल बैजल ने बटन दबाकर किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया भी उपस्थित थे। जैसे ही उपराज्यापल ने बटन दबाया चारों ओर लेजर लाइट की रोशनी फैल गई। लोगों ने तालियों से इस रंग-विरंगे उत्सव का स्वागत किया।

उपराज्यपाल ने कहा कि आज लेजर लाइट के माध्यम से हम इस अनूठी दिवाली को देखने के लिए जुटे हैं। इसकी वजह यह है कि जहां दिल्ली में कभी दो लाख लोग रहा करते थे, अब यह संख्या दो करोड़ हो गई है। इस वजह से दिल्ली में निर्माण भी बढ़ा है जिसकी वजह से प्रदूषण भी बढ़ा है। इसलिए हमें ऐसे कदम उठाने पड़ेंगे जिससे कि दिल्ली में प्रदूषण न बढ़े। उन्होंने इस कार्यक्रम के लिए मुख्यमंत्री व उपमुख्यमंत्री की भी सराहना की।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली में दो करोड़ लोग हैं जोकि हमारे लिए परिवार की तरह हैं। यहां पर सभी धर्मों के लोग परिवार की तरह रहते हैं। जिस प्रकार परिवार में मिलकर दिवाली को मनाया जाता है, इसी प्रकार पूरी दिल्ली परिवार की तरह इकट्ठा होकर यहां दिवाली मनाने के लिए आई है, यह अच्छी शुरुआत है। आज छोटी दिवाली है ऐसे में पिछले कुछ वर्षों में देखें तो इस दिन कई पटाखों की आवाज सुनने को मिला करती थी, लेकिन अब यह आवाज कम हुई है। उन्होंने कहा कि पूरी दिल्ली ने डेंगू पर काबू पाकर दुनिया को सोचने पर मजबूर कर दिया है। दिल्ली में 25 फीसद प्रदूषण कम हुआ है। इसे और भी कम करना है। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि इस बार दिल्ली वाले भगवान श्रीराम का स्वागत पटाखों के बजाय लाइट व दीये जलाकर करेंगे।

उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि दिल्ली में पहली बार इस तरह का आयोजन हो रहा है और इसे देखने के लिए पूरी दिल्ली आई है। आने वाले समय में कैसे दिल्ली को इस स्तर का तक लाया जाए कि दिल्ली में दिवाली के मौके पर पटाखों के बजाय इस तरह के लेजर शो व अन्य कार्यक्रमों का आयोजन हो इसके लिए दिल्ली वाले अपना सुझाव भी दे सकते हैं।

- **उपराज्यपाल अनिल बैजल ने मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री के प्रयासों की सराहना की**
- **केजरीवाल ने कहा, दिल्ली श्रीराम का स्वागत पटाखों से नहीं, दीये और लाइटों से करे**

नई दिल्ली में पटाखे रहित दिवाली मनाने के लिए कनॉट प्लेस के सेंट्रल पार्क में आयोजित लेजर शो का मनोरम नजारा। ध्रुव कुमार

न्यूज गैलरी

जेएनयू के पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष को नोटिस

नई दिल्ली : जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) के चीफ प्रॉक्टर की तरफ से छात्र संघ के पूर्व अध्यक्ष एन साईं बालाजी को एक मामले में नोटिस जारी किया गया है। इसमें उन्हें जवाब देने के लिए पांच नवंबर को एक समिति के सामने हाजिर होने के लिए कहा गया है। बालाजी को 22 अक्टूबर को चीफ प्रॉक्टर ने नोटिस भेजा है। इसमें लिखा है कि 16 अक्टूबर को बालाजी के नाम से शिकायत मिली है। इस मामले में पांच नवंबर को दोपहर तीन बजे तक बालाजी को अपने बचाव में जवाब के साथ हाजिर होने के निर्देश दिए गए हैं। जेएनयू के छात्रों का कहना है कि स्टूडेंट डीन कार्यालय के पास एक प्रदर्शन करने के मामले में बालाजी को नोटिस जारी हुआ है। बालाजी ने कहा है कि उन्हें कोई जानकारी नहीं है कि किस मामले में उन्हें यह नोटिस दिया गया है। (जासं)

भीड़ की वजह से अल्प सूचना पर चलानी पड़ीं दो विशेष ट्रेनें

नई दिल्ली : शनिवार को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर बिहार के यात्रियों की संख्या बढ़ने की वजह से अल्प सूचना पर दो विशेष ट्रेनें चलानी पड़ी। शाम साढ़े छह बजे नई दिल्ली से पटना के लिए विशेष ट्रेन रवाना की गई। उसके बाद रात नौ बजे नई दिल्ली से दरभंगा के लिए विशेष ट्रेन रवाना हुई। शुक्रवार को भी नई दिल्ली और आनंद विहार से दो विशेष ट्रेनें चलाई गई थीं। (जासं)

खजूरी में घर में घुसकर युवक की हत्या

नई दिल्ली : खजूरी खास इलाके में घर में घुसकर एक युवक की हत्या कर दी गई। मृतक की शिनाख्त अमित (26) के रूप में हुई है। पुलिस आशंका जता रही है कि अमित के किसी जानकार ने ही हत्या की है। घर में जबरन घुसने के कोई सुबूत नहीं मिले हैं। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिवार को सौंप दिया है। (जासं)

अड़चन दूर ▸ आम आदमी पार्टी के प्रमुख चुनावी वादों में था मुफ्त वाई-फाई की सुविधा देना, कुछ दिनों में टेंडर हो जाएगा आवंटित

मुफ्त वाई-फाई का रास्ता साफ, नवंबर से लगेंगे हॉट-स्पॉट

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

दिल्ली सरकार की मुफ्त वाई-फाई की सुविधा के आगामी दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले शुरू हो जाने का रास्ता साफ हो गया है। नवंबर से हॉट-स्पॉट लगाने का काम शुरू होने जा रहा है। इसके लिए प्रेस्टो इंफोसॉल्यूशन को 11 हजार हॉट स्पॉट लगाने के लिए अगले कुछ दिनों में टेंडर आवंटित होने जा रहे हैं। इसके लिए प्रेस्टो के साथ एक और निजी कंपनी एयरटेल ने टेंडर भरा था। लेकिन प्रेस्टो की कीमत एयरटेल से कम थी। इसलिए इस कंपनी का चुनाव होना लगभग तय है।

प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में 100 हॉट स्पॉट लगाए जाएंगे। इसके अलावा चार हजार बस स्टॉप पर भी हॉट स्पॉट लगाए जाएंगे। इस तरह पहले चरण में 11 हजार हॉट स्पॉट काम करेंगे। प्रेस्टोइंफो सॉल्यूशन दिल्ली सरकार से प्रत्येक हॉट स्पॉट के लिए हर महीने करीब छह हजार रुपये किराया वसूलेगी। इस पर सालाना 100 करोड़ खर्च होने की संभावना है। मुफ्त वाई-फाई आम आदमी पार्टी का एक प्रमुख चुनावी वादा था। दिल्ली सरकार का दावा है कि यह दुनिया में किसी भी सरकार द्वारा मुफ्त वाई-फाई सुविधा जनता को प्रदान करने की सबसे बड़ी पहल है। पूरी दुनिया में इस तरह का मॉडल नहीं है, जिसमें इतने बड़े स्तर पर मुफ्त वाई-फाई दी जा रही हो।

अरविंद केजरीवाल। (फाइल)

प्रमुख बिंदु

- 100 हॉट स्पॉट प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में लगेंगे।
- चार हजार हॉट स्पॉट चार हजार बस स्टॉप पर लगाए जाएंगे।
- ये ओपेक्स मॉडल है, जिसे सर्विस मॉडल भी कहा जाता है।
- इसमें सारा पैसा संबंधित कंपनी खर्च करेगी।
- सरकार उसे प्रति हॉट स्पॉट और प्रति महीने के हिसाब से भुगतान करेगी।
- हॉट स्पॉट के 50 मीटर की रेंज में जितने लोग होंगे, वे लाभांवित होंगे।
- इसकी स्पीड 200 एमबीपीएस होगी।
- प्रत्येक यूजर हर महीने 15 जीबी तक का डाटा फ्री में इस्तेमाल कर पाएगा।

दिल्ली सरकार ने तीर्थ यात्रियों की संख्या की सीमा हटाई : दिल्ली सरकार ने मुख्यमंत्री तीर्थयात्रा योजना के तहत जाने वाले यात्रियों की संख्या पर लगी सीमा हटा ली है। अब कितने भी बुजुर्ग दिल्ली की किसी भी विधानसभा क्षेत्र से इस यात्रा पर जा सकते हैं। यह फैसला बुजुर्ग यात्रियों के बढ़ते उत्साह को देखते हुए मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के निर्देश पर लिया गया है। इससे पहले एक विधानसभा क्षेत्र से 11 सौ यात्री ही निर्धारित थे।

मुख्यमंत्री ने इस योजना के तहत पहली ट्रेन गत जुलाई में सफदरजंग रेलवे स्टेशन से अमृतसर के लिए रवाना की थी। एक व्यक्ति केवल एक बार इस योजना का लाभ उठा सकता है। बुजुर्गों की मांग पर दूसरे चरण में अब तिरुपति बालाजी, रामेश्वरम, द्वारकाधीश और शिरडी आदि की भी यात्रा कराई जाएगी। इस योजना में सबसे अधिक आवेदन रामेश्वरम के लिए आए हैं। दिल्ली तीर्थयात्रा विकास समिति के अध्यक्ष कमल बंसल ने बताया कि नवंबर के रूट तय हो गए हैं। अब से नवंबर को मिलाकर 16 हजार बुजुर्ग यात्रा का लाभ ले सकेंगे। नवंबर में 16 ट्रेनें विभिन्न तीर्थ स्थलों के लिए रवाना होंगी। इनमें से 29 अक्टूबर को रामेश्वरम, 30 अक्टूबर को तिरुपति बालाजी के लिए पहली बार ट्रेन जाएगी। इसके अलावा 31 अक्टूबर को ट्रेन द्वारकाधीश के लिए रवाना होगी। इसके बाद नवंबर में एक दिन छोड़कर लगातार यात्रियों को लेकर ट्रेनों का जाना जारी रहेगा। शिरडी के लिए सात नवंबर को पहली बार ट्रेन रवाना होगी।

इस योजना के तहत अब तक 60 हजार आवेदन आ चुके हैं। इसमें बुजुर्ग सबसे अधिक रामेश्वर जाने के लिए आवेदन कर रहे हैं। कुल बुजुर्गों में 70 फीसद तक महिलाएं यात्रा पर जा रही हैं।

> मुख्यमंत्री चाहते हैं इस योजना के तहत जितने भी बुजुर्ग यात्रा पर जाना चाहते हैं उन्हें इसका मौका मिले। इसलिए यात्रियों की संख्या की सीमा हटाई गई है। बुजुर्ग लोग इस यात्रा पर जाकर बहुत खुश हैं। यात्रा के दौरान इन्हें बेहतर सुविधाएं दी जाती हैं।
>
> **–कमल बंसल, चेयरमैन तीर्थ यात्रा विकास समिति, दिल्ली सरकार**

बसों में मुफ्त सफर के लिए सोमवार को जारी होगी अधिसूचना

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

▸ **टिकट पर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का संदेश के साथ फोटो भी होगा**

दिल्ली में 29 अक्टूबर से डीटीसी और क्लस्टर स्कीम की सभी बसों में महिलाओं के लिए शुरू होने जा रही मुफ्त सफर योजना के लिए अभी अधिसूचना जारी नहीं हो सकी है। सोमवार को अधिसूचना जारी होगी। इसके अगले दिन यानी मंगलवार से यह योजना लागू हो जाएगी। भैया दूज से महिलाएं इस योजना का लाभ उठा पाएंगी। सरकार ने योजना को लागू करने की तैयारियां पूरी कर ली हैं। टिकट पर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का फोटो और संदेश लिखा गया है कि मैं चाहता हूं कि आप और आपका परिवार खूब तरक्की करे। जब महिलाएं आगे बढ़ेंगी तभी देश आगे बढ़ेगा।

योजना के तहत महिलाओं को एकतरफा यात्रा (सिंगल जर्नी) पास दिया जाएगा, जो पिंक कलर का होगा। इस योजना के लिए अभी डेढ़ करोड़ पिंक पास छपवाए जा रहे हैं। इसमें डीटीसी बसों के लिए एक करोड़ और डिम्ट्स के तहत चलने वाली क्लस्टर बसों के लिए 50 लाख पास छपवाए जा रहे हैं। सरकार मान रही है कि महिलाओं की सुरक्षा के लिहाज से बसों में मुफ्त सफर की योजना बहुत ही अहम कदम है। बसों में सुबह व शाम को मार्शल भी तैनात होंगे। हर रोज डीटीसी बसों में औसतन 31 लाख और क्लस्टर बसों में 12 लाख लोग सफर करते हैं। इनमें से करीब 30 फीसद महिला यात्री होती हैं।

यह योजना लागू होने के बाद बसों में सफर करने वाली महिलाओं की संख्या में भी इजाफा होगा। पिंक कलर का पास एक यात्रा के लिए मान्य होगा और दूसरी बस बदलने पर कंडक्टर द्वारा दूसरा पास दिया जाएगा। अनुमान है कि रोजाना 12 से 14 लाख सिंगल जर्नी पास की जरूरत होगी। हर सिंगल जर्नी पास के बदले डीटीसी को 10 रुपये की राशि सरकार देगी। क्लस्टर बसों के लिए भी यही नियम लागू होगा। एयरपोर्ट और अन्य विशेष सेवाओं के लिए चलाई जाने वाली बसों में भी महिलाओं के लिए मुफ्त यात्रा स्कीम लागू होगी। एनसीआर को जानेवाली डीटीसी और क्लस्टर बसों में भी मुफ्त यात्रा स्कीम लागू होगी।

डीयू का नॉर्थ कैंपस इंटीग्रेटेड कैंपस में बदलेगा

राहुल मानव, नई दिल्ली

▸ **नगर निगम, दिल्ली पुलिस एवं पीडब्ल्यूडी से भी इस बारे में बात की गई है**

दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) भी अब जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) की तरह इंटीग्रेटेड कैंपस (एकीकृत परिसर) में तब्दील हो जाएगा। शुक्रवार एवं शनिवार को डीयू की सर्वोच्च संविधान निकाय कार्यकारी परिषद (ईसी) की बैठक में कई मुद्दों को एजेंडे में शामिल किया गया था। इसमें यह मुद्दा भी शामिल था, जिसे ईसी के सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से अपनी स्वीकृति दे दी। बैठक में कुलपति प्रो योगेश त्यागी ने कहा कि डीयू को इंटीग्रेटेड कैंपस में बदलने का काम अगले एक साल में पूरा किया जाएगा। इस बारे में नगर निगम, दिल्ली पुलिस एवं पीडब्ल्यूडी जैसी एजेंसियों से भी बात की गई है।

उन्होंने बताया कि वर्ष 2021 में डीयू की स्थापना के 100 वर्ष पूरे होने जा रहे हैं। इससे पहले ही नॉर्थ कैंपस को इंटीग्रेटेड कैंपस में बदलने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। डीयू ने हाल ही में कैंपस विकास समिति का भी गठन किया है। इसमें 20 सदस्यों को नियुक्त किया गया है। यह समिति नवंबर के पहले हफ्ते में होने वाली बैठक में इंटीग्रेटेड कैंपस बनाए जाने की योजना पर मंथन करेगी। इसमें कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाने की उम्मीद है। कैंपस में छात्रों और शिक्षकों की सुरक्षा के लिए यह बहुत बड़ा कदम माना जा रहा है।

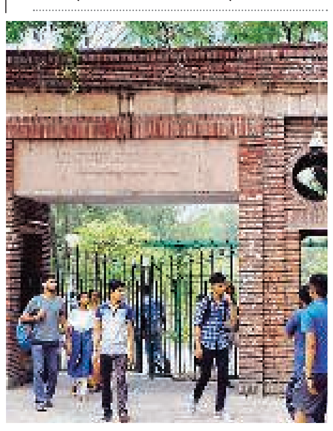

आर्ट फैकल्टी की फाइल फोटो

कैंपस विकास समिति के मीडिया संयोजक डॉ रसाल सिंह ने बताया कि कुछ दिन पहले हुई समिति की बैठक में ही डीयू को एकीकृत कैंपस में बदलने पर सहमति बन गई थी। अब ईसी में स्वीकृति मिलने से तेजी के साथ काम किया जाएगा। इससे छात्रों और शिक्षकों को काफी फायदा होगा। इसके तहत परिसर में बाहरी वाहनों व लोगों की आवाजाही प्रतिबंधित हो जाएगी। इसके लिए मार्ग तय करने के लिए जल्द ही कार्ययोजना बनाई जाएगी। डीयू में बन रही 39 मंजिला निजी इमारत इंटीग्रेटेड कैंपस की राह में सबसे बड़ी बाधा है। इसके निर्माण को रोकने के लिए भी डीयू प्रशासन और समिति द्वारा कदम उठाए जाएंगे।

डीयू को इंटीग्रेटेड कैंपस में बदलने की इसलिए उठी मांग : ईसी के सदस्य राजेश झा ने बताया कि इस फैसले से सभी सदस्य व शिक्षकों में उत्साह है। इसकी मांग 30 साल से भी ज्यादा समय से चल रही थी। दरअसल पिछले दो दशकों में डीयू के नॉर्थ कैंपस में झपटमारी समेत विभिन्न तरह की आपराधिक घटनाओं में वृद्धि देखी गई है। ऐसे में एकीकृत परिसर बनने से डीयू में सुरक्षा व्यवस्था और भी बढ़ेगी। वहीं नॉर्थ कैंपस में कई छात्रावास होने के साथ ही विदेशी छात्रों के लिए भी एक इमारत बनी हुई है। इन्हें भी इससे सुरक्षित माहौल मिल सकेगा।

वाहनों की आवाजाही पर प्रतिबंध बड़ी चुनौती : डॉ. रसाल सिंह ने बताया कि डीयू के आसपास कमला नगर, किंग्सवे कैंप आदि क्षेत्रों में कई रिहाइशी मकान बने हुए हैं। यहां पर जाने के लिए नॉर्थ कैंपस के आम रास्ते का उपयोग किया जाता है। ऐसे में यहां पर वाहनों की आवाजाही को प्रतिबंधित करना सबसे बड़ी चुनौती होगी। इन लोगों के लिए या तो वैकल्पिक मार्ग खोजना होगा या फिर इन्हें भी कैंपस से रास्ता देना होगा।

दिवाली से अगले दिन खतरनाक श्रेणी पर रह सकता है प्रदूषण

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : दिल्ली-एनसीआर में विभिन्न जगहों में शनिवार को प्रदूषण का स्तर खराब श्रेणी में दर्ज हुआ। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के प्रदूषण मॉनीटरिंग स्टेशन में एयर इंडेक्स दिल्ली में शुक्रवार की तुलना में शनिवार को ज्यादा दर्ज हुआ। शनिवार को दिल्ली का एयर इंडेक्स 287 दर्ज हुआ, जबकि शुक्रवार को 284 दर्ज हुआ था। मौसम विज्ञानियों के अनुसार दिल्ली में दिन भर हवा की गति सामान्य रही। सुबह 11.30 बजे से दोपहर 2.30 बजे के दौरान सिर्फ चार किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चली। इसके कारण दिल्ली में मौजूद प्रदूषक कण एक ही जगह पर ठहर गए और यह हवा की तेज गति न होने के कारण आगे नहीं बढ़ सके।

पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के प्रोजेक्ट सफर के पूर्वानुमान के मुताबिक दिवाली और अगले दिन खराब श्रेणी के प्रदूषण का स्तर रहने की आशंका है। दिवाली के दिन दिल्ली का पीएम 2.5 का स्तर 164 माइक्रो ग्राम क्यूबिक मीटर (एमजीसीएम) रहने की आशंका है। पीएम 2.5 का सामान्य स्तर 60 एमजीसीएम होता है। दिवाली के दिन आतिशबाजी होती है तो इससे अगले दिन सोमवार को एयर इंडेक्स बेहद खतरनाक श्रेणी 370 तक जा सकता है।

अनधिकृत कॉलोनियों में भाजपा का दीपोत्सव

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

अनधिकृत कॉलोनियों को नियमित करने के केंद्र सरकार के फैसले के बाद से भाजपा नेताओं ने लोगों के बीच अपनी सक्रियता बढ़ा दी है। इन कॉलोनियों में पहुंचकर लोगों को बता रहे हैं कि केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने दिल्लीवासियों से किया वादा पूरा कर दिया है। लोगों की दशकों पुरानी मांग पूरी हो गई है। इसी कड़ी में शनिवार को दिल्ली की 1797 अनधिकृत कॉलोनियों में भाजपा नेता व कार्यकर्ता पहुंचे। प्रदेश पदाधिकारी, सांसद, विधायक व पूर्व विधायक, पार्षद, जिला अध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष सहित अन्य कार्यकर्ताओं ने इन कॉलोनियों में पहुंचकर दीप जलाकर लोगों के साथ खुशियां मनाईं।

भाजपा नेताओं ने कहा कि दिल्लीवासियों के हित में नरेंद्र मोदी सरकार ने ऐतिहासिक निर्णय लिया है। सरकार ने अनधिकृत कॉलोनियों में रह रहे 40 लाख से अधिक लोगों को उन्हें उनके घर का मालिकाना हक देकर दिवाली का तोहफा दिया है। इस निर्णय के बाद से दिल्ली में दिवाली मनाई जा रही है। भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व दिल्ली प्रभारी श्याम जाजू ने बलजीत नगर में, प्रदेश अध्यक्ष मनोज तिवारी ने सोनिया विहार में, राज्यसभा सदस्य विजय गोयल ने मुकुंदपुर में, सांसद रमेश बिधूड़ी ने पुल प्रहलादपुर में, प्रवेश वर्मा ने सागरपुर में, मीनाक्षी लेखी ने पटेल नगर व मालवीय नगर में, गौतम गंभीर ने विश्वासनगर व लक्ष्मी नगर में, मिजोरम प्रभारी पवन शर्मा ने उत्तम नगर व मोहन गार्डन में, दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष विजेंद्र गुप्ता ने मंडावली में वहां के लोगों के साथ दिवाली मनाई।

मनोज तिवारी ने कहा कि केंद्र सरकार का निर्णय अनधिकृत कॉलोनियों में रह रहे लाखों लोगों के जीवन स्तर में ऐतिहासिक सुधार लाने वाला है। अब सीवर लाइन, पानी की सप्लाई, कूड़ाघर, अस्पताल व स्कूल जैसी सुविधाएं उपलब्ध होंगी। उन्होंने कहा कि इन कॉलोनियों में रहने वालों को आम आदमी पार्टी ने भी कांग्रेस की तरह धोखा दिया है।

भाजपा के दीपोत्सव के दौरान दीप जलाते हुए सांसद प्रवेश वर्मा। जागरण

एम्स में मरीजों को होगी सुविधा

दिसंबर के पहले सप्ताह तक शुरू करने की नई समय सीमा तय, नवनिर्मित ओपीडी ब्लॉक को फायर विभाग से मिला अनापत्ति प्रमाण पत्र

ओपीडी जल्द नए ब्लॉक में होगी स्थानांतरित

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

एम्स में नवनिर्मित ओपीडी ब्लॉक को फायर विभाग से अनापत्ति प्रमाण पत्र मिल गया है। इस वजह से ओपीडी ब्लॉक में चिकित्सा सुविधाएं शुरू करने का रास्ता साफ हो गया है। एम्स प्रशासन ने मुख्य अस्पताल की ओपीडी को नए ब्लॉक में स्थानांतरित करने की नई समय सीमा तय कर दी है। इसके तहत नवंबर के अंतिम सप्ताह या फिर दिसंबर के पहले सप्ताह तक ओपीडी को नए ब्लॉक में स्थानांतरित कर दिया जाएगा। इससे ओपीडी में इलाज के लिए मरीजों को सुविधा होगी।

उल्लेखनीय है कि एम्स में प्रतिदिन ओपीडी में करीब 13 हजार मरीज (मुख्य अस्पताल व सभी सेंटरों की ओपीडी को मिलाकर) इलाज के लिए पहुंचते हैं। इनमें से अकेले मुख्य अस्पताल की ओपीडी में प्रतिदिन नौ हजार मरीज इलाज के लिए पहुंचते हैं।

एम्स की राजकुमारी अमृत कौर ओपीडी में जगह कम पड़ रही है। इस वजह से ओपीडी में डॉक्टरों के कमरों के बाहर मरीजों को ठीक से खड़े होने की जगह भी नहीं मिल पाती। यह भी तब जब कई विभागों की ओपीडी पोर्टा केबिन व दूसरे भवनों में चलती है। यही वजह है कि मस्जिद मोठ के पास नौ मंजिला ओपीडी ब्लॉक बनाया गया है। इसमें करीब 570 नए कमरे बनाए गए हैं। हर मंजिल पर करीब 500 लोगों के बैठने की सुविधा होगी। मरीज आराम से बैठक कर डॉक्टर से दिखाने के लिए अपनी बारी का इंतजार कर सकेंगे। इसलिए मरीजों को इलाज में सहूलियत होगी। इसके अलावा इस ओपीडी ब्लॉक में एक माइनर ऑपरेशन थियेटर भी होगा।

एम्स प्रशासन ने अगस्त में ही इस ओपीडी ब्लॉक को शुरू करने की तैयारी की थी। इसी बीच 17 अगस्त को एम्स के शैक्षणिक ब्लॉक में आग लगने की घटना से नवनिर्मित ओपीडी ब्लॉक को शुरू करने में विलंब हुआ। इसका एक कारण यह भी है कि आग लगने की घटना के बाद ओपीडी ब्लॉक में आग की घटना से बचाव के लिए किए गए इंतजामों का निरीक्षण किया गया। इसमें कुछ खामियां पाई गई थीं। इस वजह से फायर विभाग से अनापत्ति प्रमाण पत्र मिलने में भी दिक्कत आ रही थी। अब यह समस्या दूर हो गई है। एम्स के निदेशक डॉ. रणदीप गुलेरिया ने तीन दिन पहले एम्स के डॉक्टरों व कर्मचारियों को बता दिया है कि ओपीडी को जल्दी ही नए ब्लॉक में स्थानांतरित किया जाएगा।

एम्स की ओपीडी में प्रतिदिन नौ हजार मरीज इलाज के लिए पहुंचते हैं। (फाइल)

पटाखे जलाने और बेचने के मामले में चार लोगों पर केस

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : उत्तर पूर्वी जिला पुलिस ने गश्त और छापेमारी के दौरान प्रतिबंधित पटाखा बेचने और जलाने के मामले में चार लोगों पर मामला दर्ज किया है। चारों अवैध रूप से प्रदूषण फैलाने वाले पटाखे बेच और जला रहे थे। पुलिस के मुताबिक हर्ष विहार में शुक्रवार शाम सात बजे पुलिस गश्त कर रही थी। इस दौरान परशुराम चौक पर 19 वर्षीय सुहैल खान प्रतिबंधित पटाखे जला रहा था। सबोली गांव में रविंदर को भी पटाखे जलाते हुए पकड़ा गया। पुलिस ने दोनों के खिलाफ केस दर्ज किया है। हालांकि दोनों को थाने से ही जमानत दे दी गई। उधर, न्यू उस्मानपुर के साउथ गामड़ी में पुलिस ने एक गोदाम पर छापेमारी की। यहां से आठ बोरियों में प्रतिबंधित पटाखे बरामद हुए। गोदाम मालिक राजेंदर उर्फ कल्लू अवैध रूप से पटाखों को बेचने की तैयारी कर रहा था। इसके साथ करावल नगर में भी पुलिस ने एक दुकान पर छापेमारी कर करीब आठ किलोग्राम पटाखे बरामद किए।

मेट्रो में चार घंटे परिचालन हुआ प्रभावित, यात्री हुए परेशान

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

दिवाली से एक दिन पहले शनिवार को वायलेट लाइन पर मेट्रो ने यात्रियों को परेशान किया। इस कॉरिडोर पर मेवला महराजपुर से ओल्ड फरीदाबाद के बीच सिग्नल में खराबी होने से बल्लभगढ़-फरीदाबाद के बीच सुबह करीब चार घंटे परिचालन प्रभावित रहा। इस दौरान सिग्नल कभी काम करता तो कभी दगा दे जाता था। इसका असर वायलेट लाइन के दिल्ली वाले कॉरिडोर पर भी पड़ा। लिहाजा फरीदाबाद से दिल्ली के बीच आवागमन प्रभावित रहा।

लोगों ने सोशल नेटवर्क पर मेट्रो में तकनीकी खराबी की दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) से शिकायत की। हालांकि डीएमआरसी की तरफ से उन लोगों को कोई जवाब नहीं दिया गया। तकनीकी खराबी के दौरान 25 से 30 मिनट के अंतराल पर मेट्रो उपलब्ध होने से यात्री परेशान हुए। यदि छुट्टी का दिन नहीं होता तो वायलेट लाइन पर व्यवस्था चरमरा जाती और डीएमआरसी के लिए स्थिति संभाल पाना आसान नहीं होता।

डीएमआरसी ने सुबह 7:26 बजे वायलेट लाइन पर राजा नाहर सिंह (बल्लभगढ़) मेट्रो स्टेशन से बदरपुर के बीच परिचालन प्रभावित होने की सूचना दी। डीएमआरसी के अनुसार बदरपुर से कश्मीरी गेट के बीच परिचालन सामान्य रहा, लेकिन दिल्ली के लोगों को बदरपुर से आगे फरीदाबाद जाने के लिए जल्दी मेट्रो नहीं मिल पा रही थी। डीएमआरसी का कहना है कि मेवला महराजपुर से ओल्ड फरीदाबाद के बीच सुबह 10:55 बजे से 11.07 बजे तक सिंगल लाइन पर परिचालन किया गया। दिन में 11:15 बजे सिग्नल की खराबी दूर कर ली गई। इसके बाद परिचालन सामान्य हो गया।

8 लाख से ज्यादा भारतीय वैध रूप से रहते हैं कुवैत में। इनमें से करीब 24,000 भारतीय कुवैत सरकार की विभिन्न नौकरियों में हैं। यह जानकारी कुवैत स्थित भारतीय दूतावास की ओर से दी गई है।

शुभ दीपावली

आज फिर से
तुम बुझा दीपक
जलाओ
है कहां वह आग
जो मुझको
जलाए
है कहां वह ज्वाल मेरे पास आए
रागिनी तुम आज दीपक राग गाओ
आज फिर से तुम बुझा दीपक जलाओ।
डॉ. हरिवंशराय बच्चन

पाकिस्तान आतंकवाद का केंद्र : वेंकैया

बोले उपराष्ट्रपति ▶ दुनिया और खुद के भले के लिए आतंकवाद का रास्ता छोड़े पड़ोसी मुल्क

गुटनिरपेक्ष समूह में हम सभी का फोकस हमारे विकास लक्ष्यों और आकांक्षाओं को पूरा करने पर है

बाकू (अजरबैजान), एएनआइ : पाकिस्तान को आतंकवाद का समकालीन केंद्र बताते हुए उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू ने शनिवार को कहा कि इस्लामाबाद को दुनिया, अपने पड़ोसियों और खुद के भले के लिए आतंकवाद को निर्णायक रूप से त्याग देना चाहिए।

गुटनिरपेक्ष देशों के 18वें सम्मेलन को संबोधित करते हुए वेंकैया नायडू ने कहा कि आतंकवाद का जिक्र आते ही हमारा ध्यान सीधे इसके समकालीन केंद्र पाकिस्तान की ओर जाता है। उपराष्ट्रपति ने पाकिस्तानी राष्ट्रपति आरिफ अल्वी की सम्मेलन के मंच का दुरुपयोग सीमापार आतंकवाद की अपनी दीर्घकालिक नीति को न्यायोचित ठहराने के लिए करने के लिए कड़ी आलोचना की। नायडू ने कहा, 'गुटनिरपेक्ष समूह में हम सभी का फोकस हमारे विकास लक्ष्यों और आकांक्षाओं को पूरा करने पर है। पाकिस्तान को साफ तौर पर अंतरराष्ट्रीय समुदाय का विश्वास अर्जित करने के लिए काफी कुछ करने की जरूरत है।' उपराष्ट्रपति ने आतंकवाद को ऐसा सबसे विनाशकारी खतरा बताया जो लगातार अपना पैर पसारता जा रहा है। उन्होंने कहा, 'इस खतरे से निपटने का सिर्फ एक मार्ग है कि आतंकियों और उनके आकाओं के खिलाफ लड़ाई के सभी वर्तमान अंतरराष्ट्रीय कानूनों और तंत्र को बिना अपवाद मजबूत बनाया जाए और उन्हें लागू किया जाए।' उपराष्ट्रपति ने समूह देशों से अनुरोध किया कि वे प्रभावशाली बने रहने पर फिर फोकस करें और आतंकवाद, वैश्विक शासन सुधार, सतत विकास व सहयोग से जुड़ी चुनौतियों का समाधान निकालें। साथ ही उन्होंने सदस्य देशों से एकजुट होकर सभी तरह के आतंकवाद के खिलाफ साझा मोर्चा बनाने का आह्वान किया क्योंकि हिंसक चरमपंथी विचारधाराओं और आतंकी कार्रवाइयों को सही नहीं ठहराया जा सकता।

अजरबैजान की राजधानी बाकू में शनिवार को गुटनिरपेक्ष आंदोलन के 18 वें शिखर सम्मेलन को संबोधित करते उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू। साथ में हैं विदेश मंत्री एस जयशंकर। एएनआइ

जयशंकर ने कुवैत, बहरीन के समकक्षों के साथ द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा की

बाकू (अजरबैजान), प्रेट्र : विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने शनिवार को कुवैत और बहरीन के अपने समकक्षों के साथ मुलाकात की और द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा की। यह मुलाकात यहां चल रहे गुटनिरपेक्ष आंदोलन (नाम) सम्मेलन से इतर हुई। दोनों खाड़ी देशों के साथ मजबूत द्विपक्षीय संबंधों पर बातचीत हुई है। 120 सदस्य देशों के प्रमुखों को एक मंच पर लाने के लिए शुक्रवार को दो दिवसीय नाम शिखर सम्मेलन शुरू हुआ। भारत इसका संस्थापक सदस्य है। जयशंकर ने ट्वीट किया है, 'कुवैत के विदेश मंत्री शेख सबाह खालिद अल-हमद अल-सबह के साथ मुलाकात अच्छी रही। हमारे ऐतिहासिक दोस्ताना और मजबूत द्विपक्षीय संबंधों का गहराई से मूल्यांकन किया गया।'

कुवैत, भारत का महत्वपूर्ण व्यापारिक साझीदार है। 2017-18 में कुवैत भारत के लिए नौंवा सबसे बड़ा तेल आपूर्तिकर्ता देश रहा। उसने भारत की 4.63 फीसद ऊर्जा जरूरतों को पूरा किया। एक अन्य ट्वीट में जयशंकर ने कहा है, 'बहरीन के विदेश मंत्री खालिद खलीफा मिलकर अच्छा लगा।'

ममता के घर कालीपूजा में शरीक होंगे राज्यपाल धनखड़

जागरण संवाददाता, कोलकाता

▶ जगदीप ने स्वीकार किया आमंत्रण, आज सपत्नीक होंगे शामिल

▶ कहा–अभिभूत हूं, मुझे और किसी सवाल का जवाब देने की जरूरत नहीं

बंगाल सरकार और राज्यपाल जगदीप धनखड़ के रिश्तों में व्याप्त कड़वाहट के बीच मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने उन्हें अपने घर होने वाली कालीपूजा में आमंत्रित किया है। राज्यपाल ने भी कड़वाहट भुलाते हुए रविवार को सपत्नीक पूजा में शरीक होने की बात कही है। शनिवार को उत्तर 24 परगना जिले के बारासात में एक काली पूजा पंडाल का उद्घाटन करने के बाद पत्रकारों ने जब राज्यपाल से इस बाबत सवाल पूछा तो उन्होंने कहा-'न्योता मिलने से बहुत खुश हूं और उत्सुकता से पूजा में शामिल होने का इंतजार कर रहा हूं। आशा है मुझे यहां किसी और सवाल का जवाब देने की जरूरत नहीं है।'

उन्होंने आगे कहा-'1978 से मुख्यमंत्री के कालीघाट स्थित आवास पर हर साल कालीपूजा का आयोजन होते आ रहा है और इसके लिए आमंत्रण मिलने से मैं अभिभूत हूं। मैंने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को पत्र लिखकर बताया था कि मैं और मेरी पत्नी भैया दूज के अवसर पर उनके घर आना चाहते हैं। इसके बाद उत्तर बंगाल की यात्रा से लौटकर मुख्यमंत्री ने मुझे पत्र लिखा और सपत्नीक काली पूजा में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया।' शनिवार को राजभवन की ओर से एक विज्ञप्ति जारी कर भी राज्यपाल के मुख्यमंत्री के घर काली पूजा में शामिल होने की पुष्टि की गई है।

जुबानी जंग बनी थीं सुर्खियां

हाल के दिनों में राज्यपाल व राज्य के मंत्रियों के बीच जुबानी जंग सुर्खियों में रही हैं। जादवपुर विश्वविद्यालय से लेकर दुर्गा पूजा कार्निवल, जियागंज से लेकर प्रशासनिक बैठकों से अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों के नदारद रहने तक को लेकर राज्यपाल व राज्य सरकार में टकराव की तौर पर देखा गया है। इन सभी मामलों को लेकर राज्यपाल ने राज्य सरकार पर करारा हमला बोला है। इसके जवाब में राज्य के मंत्रियों ने भी राज्यपाल पर पलटवार किया है।

गौरतलब है कि राज्यपाल शनिवार को बारासात के जिस क्लब में काली पूजा का उद्घाटन करने पहुंचे थे, उसके मुख्य संरक्षक और तृणमूल कांग्रेस नेता ने धनखड़ को आमंत्रित किए जाने पर अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। इसे लेकर शुक्रवार को विवाद भी हुआ था।

न्यूज गैलरी

भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव के लिए भारत रत्न की मांग

नई दिल्ली : कांग्रेस नेता मनीष तिवारी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से स्वाधीनता सेनानी भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को मरणोपरांत भारत रत्न देने की अपील की है। मनीष तिवारी ने शनिवार को एक ट्वीट कर बताया कि उन्होंने प्रधानमंत्री को औपचारिक रूप से एक पत्र लिखकर अनुरोध किया है कि भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को भारत रत्न प्रदान किया जाए और चंडीगढ़ एयरपोर्ट को भगत सिंह की याद में समर्पित किया जाए। उन्होंने तीनों शहीदों को शहीद–ए–आजम की उपाधि से सम्मानित करने की मांग भी की। पत्र में मनीष तिवारी ने कहा कि भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव ने ब्रिटिश साम्राज्यवाद के खिलाफ अपने कठोर विरोध से देशभक्तों की पूरी पीढ़ी को प्रभावित किया और बाद में 23 मार्च, 1931 को अपना सर्वोच्च बलिदान दे दिया। कांग्रेस नेता ने लिखा, अगर तीनों को 26 जनवरी, 2020 को भारत रत्न से सम्मानित किया जाए तो यह 124 करोड़ भारतीयों के दिलों को छूने वाला काम होगा। (आइएएनएस)

दिवाली पर जवानों से मिलने अग्रिम इलाके में जा सकते हैं पीएम

नई दिल्ली : दिवाली पर दुर्गम इलाकों में तैनात सैनिकों से मिलने की अपनी परंपरा जारी रखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को किसी अग्रिम इलाके में जा सकते हैं। सूत्रों ने यह जानकारी दी। प्रधानमंत्री ने 2018 में दिवाली का त्योहार उत्तराखंड में भारत–चीन सीमा के निकट बर्फीले इलाके में सेना और भारत–तिब्बत सीमा पुलिस के जवानों के साथ मनाया था। 2017 में प्रधानमंत्री ने दिवाली जम्मू–कश्मीर के गुरेज सेक्टर में सैनिकों के साथ मनाई थी। 2016 में मोदी दिवाली पर हिमाचल प्रदेश में थे और उन्होंने यह त्योहार एक आउटपोस्ट पर भारत–तिब्बत सीमा पुलिस के जवानों के साथ मनाया था। 2015 में दिवाली पर वह पंजाब सीमा पर गए थे। 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद उन्होंने अपनी पहली दिवाली सियाचिन में जवानों के साथ मनाई थी। (प्रेट्र)

मिर्ची के मामले में शिल्पा के पति से पूछताछ करेगी ईडी

नई दिल्ली : अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम के करीबी इकबाल मिर्ची की संपत्तियों के सौदे के मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) जल्द ही अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी के पति राज कुंद्रा को पूछताछ के लिए तलब करेगा। ईडी के मुताबिक मिर्ची की संपत्तियों का सौदा करने में अहम भूमिका निभाने वाले रणजीत सिंह बिंद्रा और कुंद्रा के बीच व्यवसायिक सौदे हुए थे। लगभग 225 करोड़ रुपये की मिर्ची की संपत्तियों के सौदे के मामले में बिंद्रा को गिरफ्तार किया गया है। ईडी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि बिंद्रा की रियल एस्टेट कंपनी आरकेडब्ल्यू डेवेलपर्स प्राइवेट लिमिटेड और इसेंशल हॉस्पिटैलिटी लिमिडेट के बीच सौदे के बारे में जानकारी मिली है। इसेंशल हॉस्पिटैलिटी में शिल्पा शेट्टी निदेशक हैं। अधिकारी के मुताबिक बिंद्रा की कंपनी ने शिल्पा शेट्टी की कंपनी में 44.11 करोड़ रुपये निवेश किए थे और 31.54 करोड़ रुपये का ब्याज रहित कर्ज दिया था। शिल्पा की कंपनी को अप्रैल, 2017 से मार्च 2018 के बीच 30.45 करोड़ रुपये और अप्रैल, 2016 से मार्च 2017 के बीच 117.17 करोड़ रुपये का कर्ज भी मिला था। राज से इन्हीं सौदों के बारे में पूछताछ की जाएगी। (आइएएनएस)

'चिदंबरम के खिलाफ मामला काल्पनिक नहीं, गंभीर अपराध है'

नई दिल्ली, आइएएनएस : पूर्व केंद्रीय वित्त मंत्री पी. चिदंबरम के खिलाफ आइएनएक्स मीडिया घोटाले में सीबीआइ का मामला महज काल्पनिक नहीं है। सुप्रीम कोर्ट में दाखिल अपनी समीक्षा याचिका में जांच एजेंसी ने कहा है कि मामला तीन अन्य सुबूतों पर मजबूती से टिका है। इसमें गवाह इंद्राणी मुखर्जी का बयान और दुनिया भर के देशों में जमा पैसे के दस्तावेजी सुबूत हैं। आइएनएक्स मीडिया समूह को एफआइपीबी मंजूरी दिलाने के लिए धन का लेनदेन किया गया था।

सीबीआइ सूत्रों के अनुसार, 'हम उस छिपे हुए तारों की तलाश में जुटे हैं जिसमें करीब एक दर्जन देशों में विभिन्न नाम से बैंक खातों में पैसे जमा किए गए। हमारा मामला स्पष्ट और असंदिग्ध गवाहियों और सीआरपीसी की धारा 161 एवं 164 के तहत दर्ज रिकार्डों पर आधारित है। गवाह यह रिकार्ड कराने के लिए सामने आए कि चिदंबरम उन पर कोर्ट में पेश नहीं होने का दबाव डाल रहे हैं।' सीबीआइ ने कहा है कि जांच में पता चला है कि कार्ति चिदंबरम ने अपनी कंपनी एएससीपीएल के माध्यम से अन्य छह कंपनियों से पैसे लिए। इन कंपनियों को एफआइपीबी की मंजूरी दी गई थी।

सारधा–रोजवैली कांड में नौ पुलिस अफसरों को नोटिस

जागरण संवाददाता, कोलकाता

▶ आइपीएस दमयंती सेन और वकार रजा से होगी चार नवंबर के बाद पूछताछ

अरबों रुपये के सारधा और रोजवैली चिटफंड घोटालों की जांच कर रही सीबीआइ ने अब आइपीएस दमयंती सेन और वकार रजा समेत नौ पुलिस अधिकारियों को पूछताछ के लिए नोटिस जारी किया है। इन अधिकारियों से चार नवंबर से बाद पूछताछ की जाएगी। कोलकाता के पूर्व पुलिस आयुक्त व मौजूदा डीआइजी (सीआइडी) राजीव कुमार की अगुआई में सारधा व रोजवैली कांड की जांच के लिए गठित एसआइटी में बतौर जांच अधिकारी वह शामिल थे। सीबीआइ कई बार राजीव कुमार से पूछताछ कर चुकी है। यह पहला मौका होगा, जब दमयंती सेन व वकार रजा से पूछताछ करेगी।

गौरतलब है कि सारधा और रोजवैली चिटफंड कांड का पर्दाफाश होने और उनमें सत्तारूढ़ दल तृणमूल कांग्रेस के कई मंत्रियों, सांसदों, विधायकों और नेताओं के अलावा कोलकाता पुलिस के आलाधिकारियों का नाम सामने आने के बाद राज्य की राजनीति में भूचाल आ गया था। पिछले दिनों कोलकाता पुलिस के पूर्व आयुक्त को पूछताछ के लिए हिरासत में लेने की कोशिश करने वाली सीबीआइ के अधिकारियों को कोलकाता पुलिस ने गिरफ्तार तक कर लिया था। इसे लेकर केंद्र और राज्य सरकारें आमने-सामने आ गई थीं। उसके बाद से लगातार सीबीआइ राजीव कुमार को पूछताछ के लिए हिरासत में लेने को निचली अदालत से लेकर कलकत्ता हाई कोर्ट में बार-बार अपील करती आई है। अदालत की ओर से राजीव कुमार की गिरफ्तारी पर लगी रोक हटाए जाने के बाद सीबीआइ ने उन्हें गिरफ्तार करने के लिए एक महीने तक जगह-जगह छापामारी भी की थी, लेकिन पकड़ नहीं सकी। बाद में राजीव कुमार ने खुद अदालत जाकर समर्पण कर दिया, जिसके बाद अदालत ने फिर उनकी गिरफ्तारी पर रोक लगा दी।

कांग्रेस ने अपने शासनकाल में नहीं की आतंकियों के खिलाफ कार्रवाई : शाह

▶ पुलवामा हमले के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने 10 दिन में कार्रवाई की

▶ कश्मीर शांतिपूर्ण तरीके से विकास की राह पर है

अहमदाबाद, एजेंसियां : केंद्रीय गृह मंत्री और भाजपा अध्यक्ष अमित शाह ने शनिवार को कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि अपने शासनकाल में उसने आतंकियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की थी, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पुलवामा हमले के बाद आतंकियों के खिलाफ सर्जिकल स्ट्राइक करने का आदेश दिया।

यहां एक कार्यक्रम में अमित शाह ने कहा, 'कांग्रेस के दौरान मौनी बाबा (मनमोहन सिंह) प्रधानमंत्री थे। उस समय आतंकी देश में आते थे और हमारे सैनिकों को मार डालते थे। पुलवामा हमले के बाद नरेंद्र मोदी ने पाकिस्तान स्थित आतंकियों पर स्ट्राइक करके 10 दिनों में कार्रवाई की। उन्होंने सुनिश्चित किया कि देश सुरक्षित रहे।' गृह मंत्री ने कहा, 'हमने देश के कई हिस्सों में सकारात्मक बदलाव किए। हमने अनुच्छेद 370 और 35ए को खत्म किया और कश्मीर को भारत का हिस्सा बनाया। अब कश्मीर में विकास के दरवाजे खुले हैं। कांग्रेस सांसदों ने संसद में कहा था कि कश्मीर में खून की नदियां बह जाएंगी क्योंकि यह अनुच्छेद (370) हटा दिया गया है, लेकिन कुछ नहीं हुआ। बिना एक भी गोली चलाए कश्मीर में शांति है। अभी तक एक भी गोली नहीं चलाई गई है। कश्मीर शांतिपूर्ण तरीके से विकास की राह पर है।' नागरिक सुविधाओं के लिए भी कांग्रेस पर निशाना साधते हुए शाह ने कहा कि जिन्होंने देश पर 70 साल शासन किया, वे लोगों को आधारभूत सुविधाएं (स्वास्थ्य, सिलेंडर, शौचालय, आवास) भी उपलब्ध नहीं करा पाए।

गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को अहमदाबाद में 800 करोड़ की लागत से तैयार विभिन्न विकास योजनाओं का उद्घाटन किया। इस मौके पर गुजरात के मुख्यमंत्री विजय रूपाणी (बाएं) और डिप्टी सीएम नितिन पटेल और अन्य नेता उपस्थित रहे। प्रेट्र

बोनस पर जब पहले की धान की खरीद तो केंद्र को अब क्या दिक्कत : भूपेश

नईदुनिया, रायपुर

▶ सीएम ने कहा, 15 नवंबर से होगी धान खरीदी, राज्यपाल को दिया धन्यवाद

छत्तीसगढ़ में धान की खरीदी को लेकर एक बार फिर केंद्र और राज्य सरकार आमने-सामने हो गए हैं। केंद्र सरकार ने बोनस देने वाले राज्यों से सेंट्रल पूल में धान खरीदी पर रोक लगा दी है। केंद्र के इस निर्णय पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि प्रदेश में पिछले दो साल बोनस देने के बाद भी धान की खरीदी की गई, ऐसे में अब केंद्र को क्या दिक्कत आ रही है।

भूपेश ने कहा कि सिर्फ सरकार बदलने से नियम बदलना ठीक नहीं है। केंद्र सरकार को नियम शिथिल करके छत्तीसगढ़ का धान खरीदना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 15 नवंबर से धान की खरीदी होगी। राजीव भवन में पत्रकारों से चर्चा में मुख्यमंत्री ने कहा कि इस मामले में दो बार प्रधानमंत्री को पत्र लिखा गया है। केंद्रीय खाद्य मंत्री रामविलास पासवान से मुलाकात की थी। हमने केंद्र से धान खरीदी का आग्रह किया। राज्यपाल को धन्यवाद दूंगा। मैंने शुक्रवार को उनसे कहा था कि आप भी प्रधानमंत्री को पत्र लिखें और शनिवार उन्होंने प्रधानमंत्री को पत्र लिखा है। बघेल ने कहा कि प्रधानमंत्री से फिर मिलने की कोशिश करूंगा और किसानों की हालत से रूबरू कराऊंगा। उन्होंने भाजपा सांसदों, प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष से भी आग्रह किया कि वे प्रधानमंत्री को पत्र लिखें और धान की खरीदी तय कराएं। बघेल ने सांसद सुनील सोनी के उस बयान पर भी निशाना साधा, जिसमें सोनी ने कहा था कि कांग्रेस ने घोषणा पत्र क्या पीएम मोदी के भरोसे तैयार किया था। बघेल ने कहा कि हमने मोदी के भरोसे घोषणा पत्र तैयार नहीं किया था। लेकिन केंद्र सरकार को अन्य राज्यों से खरीदी करती है, वैसे ही छत्तीगसढ़ से भी करे। क्या सोनी किसान विरोधी हैं।

राज्यपाल उइके लिखेंगी प्रधानमंत्री मोदी को पत्र

धान खरीदी के मसले पर केंद्र सरकार से मांगी गई रियायत पर राज्यपाल अनुसुईया उइके ने भी अपना सैद्धांतिक समर्थन दिया है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चिट्ठी लिखकर राज्य की मांगों पर सहानुभूति पूर्वक विचार किए जाने का अनुरोध किया है। राज्यपाल ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की प्रधानमंत्री को लिखी गई चिट्ठी का भी जिक्र किया है।

साझा सूचना और संचार तंत्र पर सेनाएं करेंगी मंथन

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : भविष्य में होने वाले आधुनिक युद्धों में तीनों सेनाओं के बीच साझा संचार प्रणाली और संचार समन्वय विकसित करने के इरादे से रक्षा मंत्रालय जल्द ही राजधानी दिल्ली में सूचना और संचार तंत्र पर गोष्ठी का आयोजन करेगा। सेना के सिग्नल कोर और भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआइआइ) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित डेफकॉम गोष्ठी सुरक्षा बलों, अकादमिक जगत, अनुसंधान एवं विकास संगठनों तथा उद्योग के बीच समन्वय स्थापित करने का काम करेगी। डेफकॉम 2019 का विषय 'कम्युनिकेशन ऐज ए डिसाइसिव कैटालिस्ट फॉर ज्वॉइंटनेस' रखा गया है। गोष्ठी में तीनों सेनाओं के लिए आंतरिक संचार के लिए एक बेहतर संयुक्त संचार ढांचा बनाने पर भी चर्चा होगी। जिससे समय समय पर तीनों सेना आपस में एक सुरक्षित और प्रभावशाली संचार तंत्र का विकास कर सकेगी। कार्यक्रम में संचार की नई तकनीक की प्रदर्शनी भी दिखाई दे सकती है। रक्षा क्षेत्र से जुड़े जानकार मानते हैं कि आधुनिक समय में होने वाले युद्धों में सूचना एवं संचार तकनीक ही निर्णायक भूमिका में रहेगी। सशस्त्र सेनाएं भविष्य में तभी मजबूत होकर उभर सकेंगी जब वे सूचना पर अपना वर्चस्व बना कर रख पाएंगी।

किसानों को 'काली दिवाली' मनाने के लिए किया जा रहा मजबूर : सोनिया

▶ एमएसपी से औसतन 22.5 फीसद कम पर बिक रही खरीफ की फसल

नई दिल्ली, एएनआइ : कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी ने शनिवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि किसानों को काली दिवाली मनाने के लिए मजबूर किया जा रहा है क्योंकि खरीफ की फसल न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से औसतन 22.5 फीसद से कम पर बिक रही है। उन्होंने कहा कि किसानों का दोहरा शोषण रोका जाना चाहिए।

दिवाली से पहले एक बयान जारी कर सोनिया ने मोदी सरकार पर लागत से 50 फीसद अधिक न्यूनतम समर्थन मूल्य देने का वादा नहीं निभाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार साल दर साल कुछ बिचौलियों को फायदा पहुंचा रही है और किसानों के करोड़ों रुपये लूट रही है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि जिस तरह खरीफ फसलों को बेचा जा रहा है उससे किसानों को 50 हजार करोड़ रुपये का नुकसान होगा। जबकि सरकार का राजधर्म किसानों का शोषण रोकना है। उन्होंने कुछ खरीफ फसलों के नाम भी गिनाए जिनमें दालें, सूरजमुखी, ज्वार और बाजरा शामिल हैं। सोनिया ने कहा, एक तरफ भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार ने खाद पर चार फीसद, कृषि उपकरणों पर 18 फीसद और कीटनाशकों पर 18 फीसद जीएसटी लगा दिया है तो दूसरी तरफ डीजल के दामों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। इससे किसानों पर दोहरी मार पड़ रही है।

सोनिया गांधी। फाइल

हरियाणा में बदलाव में देरी से हुआ नुकसान : थरूर : कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने स्वीकार किया है कि मई में हुए आम चुनावों में हार के बाद पार्टी लापरवाह हो गई थी जिसकी वजह से हरियाणा में राज्यस्तरीय बदलाव करने में देरी हुई। अगर यह छह महीने पहले हो गए होते तो हालिया चुनाव में पार्टी के प्रदर्शन में सुधार हो सकता था।

2017 में देश में बच्चों के खिलाफ रोजाना 350 अपराध हुए

नई दिल्ली, प्रेट्र : देश में 2017 में बच्चों के खिलाफ रोजाना करीब 350 अपराध हुए। उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश इस मामले में दो शीर्ष राज्य बनकर उभरे हैं। बाल अधिकार निकाय सीआरवाई ने यह जानकारी दी है। चाइल्ड राइट एंड यू (क्राई) ने कहा है कि हाल में जारी नेशनल क्राइम रिकार्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) डाटा में जानकारी सामने आई है कि 2016-2017 के बीच बच्चों के खिलाफ अपराध में 20 फीसद वृद्धि हुई। अपराध में कुल वृद्धि 3.6 फीसद ही हुई। इसमें कहा गया है, 'एनसीआरबी डाटा बताता है कि 2007 से 2017 के बीच बच्चों के खिलाफ अपराध में बेतहाशा वृद्धि हुई है। इस एक दशक के दौरान यह 1.8 फीसद से बढ़कर 28.9 फीसद पर पहुंच गया।' दो साल बाद भारत में अपराध पर जारी एनसीआरबी डाटा में बताया गया है कि बच्चों के खिलाफ 2016 में 1,06,958 अपराध हुए थे। 2017 में 1,29,032 अपराध हुए।

बच्चों के खिलाफ 1900 अपराधों में सबसे ज्यादा उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में हुए। दोनों राज्यों में 14.8 फीसद अपराध हुए हैं। झारखंड में सबसे ज्यादा 73.9 फीसद वृद्धि दर्ज हुई जबकि मणिपुर में 2016 और 2017 के बीच 18.7 फीसद की कमी आई।

उपलब्धि

चुनाव प्रबंधन के लिए देश में बना मॉडल, माओवाद प्रभावित राज्य होने के बावजूद आम या उपचुनाव किसी में नहीं हुआ पुनर्मतदान

छत्तीसगढ़ ने पुनर्मतदान मुक्त राज्य बन रचा कीर्तिमान

नईदुनिया, रायपुर

छत्तीसगढ़ ने देश में एक बार फिर पुनर्मतदान मुक्त राज्य होने का ऐतिहासिक कीर्तिमान स्थापित किया है। छत्तीसगढ़ देश का इकलौता ऐसा राज्य बन गया है जहां पुनर्मतदान की स्थिति नहीं बनी। चाहे वह विधानसभा और लोकसभा के चुनाव हों या दंतेवाड़ा व चित्रकोट का उपचुनाव। सभी तरह के चुनावों में प्रदेश ने यह उपलब्धि हासिल की है। कुशल चुनाव प्रबंधन के लिए छत्तीसगढ़ पूरे देश में मॉडल के रूप में उभरा है।

राज्य के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी (सीईओ) कार्यालय के अनुसार छत्तीसगढ़ देश का ऐसा इकलौता राज्य है, जहां मतदाता सूची की कोई शिकायत नहीं आई। चुनाव के दौरान ईवीएम लूटपाट की कोई घटना नहीं हुई। मतदान के दौरान तकनीकी रूप से सबसे कम ईवीएम को बदलने की आवश्यकता पड़ी। कोई भी नक्सली वारदात नहीं हुई। नक्सल प्रभावित क्षेत्र होने के बावजूद इन क्षेत्रों में सर्वाधिक मतदान हुआ। सीईओ सुब्रत साहू ने छत्तीसगढ़ की इन उपलब्धियों का श्रेय टीम भावना से किए गए कार्य को दिया है।

छत्तीसगढ़ में चुनाव आयोग के मार्गदर्शी बिंदुओं के अनुरूप बेहतर प्रशिक्षण मॉड्यूल के चलते किसी भी रिटर्निंग ऑफिसर या सहायक रिटर्निंग ऑफिसर को बदलने की नौबत नहीं आई। मतदान दलों के निर्धारित गंतव्य स्थलों में रवानगी के दो घंटे पहले प्री-पैक्ड पोलिंग मैटेरियल्स सुरक्षित रखे गए, जिससे समय की बचत हुई।

एक वर्ष में विधानसभा, लोकसभा के साथ दो उपचुनाव : राज्य में पिछले नवंबर से अब तक विधानसभा और लोकसभा के मुख्य चुनाव के साथ दो विधानसभा सीटों के लिए उपचुनाव हो चुके हैं। नवंबर- दिसंबर 2018 में विधानसभा, अप्रैल- मई 2019 में आम चुनाव, सितंबर- अक्टूबर 2019 में दंतेवाड़ा और चित्रकोट विधानसभा उपचुनाव शामिल है।

निकाय चुनाव ईवीएम से कराने की भाजपा की राज्यपाल से गुहार : छत्तीसगढ़ में नगर निकाय चुनाव ईवीएम से ही कराने की गुहार लेकर भाजपा राज्यपाल के पास पहुंची। भाजपा ने राज्यपाल को मांग पत्र सौंपते हुए कहा कि सरकार बैलेट से चुनाव करा कर लोकतंत्र की हत्या करने का षड्यंत्र रच रही है। सांसद सुनील सोनी ने राज्यपाल से कहा कि नगरीय निकाय चुनाव में पार्षदों के जीतने का अंतर बहुत कम होता है और मतपत्रों के माध्यम से चुनाव कराने पर काफी सारे मत अवैध घोषित हो जाते हैं। इसका चुनाव परिणामों पर बहुत बुरा प्रभाव पड़ता है। कई बार तो ऐसा होता है कि जीतने वाले प्रत्याशी का मतांतर अवैध घोषित मतपत्रों से काफी कम होता है। ऐसे समय चुनाव परिणाम की वैधता भी संदिग्धता की दायरे में आती है। राज्यपाल से मुलाकात करने वालों में पूर्व मंत्री एवं विधायक अजय चंद्राकर, राजेश मूणत, पूर्व विधायक देवजी भाई पटेल आदि शामिल रहे।

दिव्यांग, बुजुर्ग पोस्टल बैलेट के माध्यम से कर सकेंगे मतदान

नई दिल्ली, प्रेट्र : दिव्यांग और 80 साल से अधिक उम्र के बुजुर्ग अब पोस्टल बैलेट से मतदान कर सकेंगे। सरकार ने शनिवार को यह कहा है। इस कदम से मतदान फीसद बढ़ाने में मदद मिलेगी। वर्तमान में सशस्त्र बलों और चुनाव ड्यूटी में लगे लोगों के लिए पोस्टल बैलट के माध्यम से मतदान होता है। चुनाव आयोग की सिफारिश के आधार पर विधि एवं न्याय मंत्रालय ने 22 अक्टूबर को चुनाव नियम 1961 में संशोधन किया है। इसमें वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगों को गैरहाजिर मतदाता सूची में लाने की अनुमति दी कई है। अनुपस्थित मतदाता ऐसे व्यक्तियों द्वारा मतदान किए जाने को दर्शाता है जो मतदान केंद्र तक आने में असमर्थ हैं। अधिकारियों ने कहा कि इन दोनों वर्गों में वैसे लोग हैं जो मतदान केंद्र तक पहुंचने और मतदान करने में असमर्थ हैं। इससे इन दोनों वर्गों के लोग आसानी से मतदान कर सकेंगे और मतदाता फीसद में भी वृद्धि होगी। मतदान अधिकारी वरिष्ठ नागरिक और दिव्यांग व्यक्ति की स्थिति में फार्म 13ए में अनुपस्थित मतदाता को सत्यापित करेंगे। पिछले लोकसभा चुनाव में करीब 60 .14 फीसद मतदाताओं ने ई–पोस्टल बैलट से मतदान किया जबकि 2014 के आम चुनाव में यह आंकड़ा मात्र चार फीसद था।

कह के रहेंगे
माधव जोशी

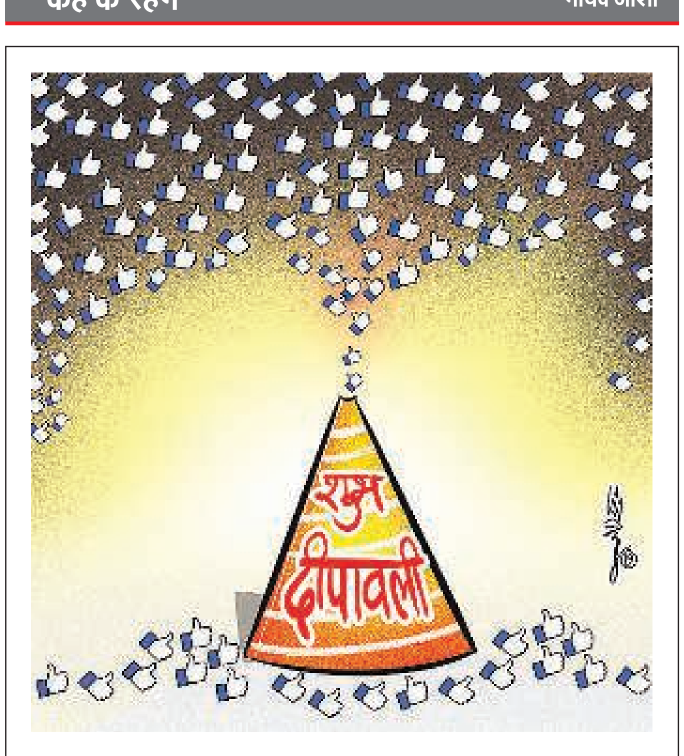

50 साल से अधिक उम्र के 63 विधायक हरियाणा की नई विधानसभा में नजर आएंगे। साथ ही नई विस में 84 विधायक करोड़पति भी हैं।

57 प्रतिशत विधायक स्नातक हैं महाराष्ट्र विधानसभा के। कुल 288 विधायकों में 15 फीसद स्नातकोत्तर भी हैं।

शुभ दीपावली

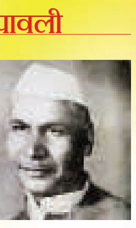

हर घर, हर दर,
बाहर, भीतर
नीचे ऊपर, हर
जगह सुघर
कैसी उजियाली
है पग-पग?
जगमग जगमग जगमग जगमग।
छज्जों में, छत में, आले में
तुलसी के नन्हें थाले में,
यह कौन रहा है दृग को ठग?
जगमग जगमग जगमग जगमग।
सोहन लाल द्विवेदी

हरियाणा में जजपा के साथ भाजपा देगी बेहतर सरकार : अनुराग ठाकुर

जागरण संवाददाता, हमीरपुर

केंद्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट मामले के राज्य मंत्री अनुराग ठाकुर ने हरियाणा में भाजपा व जजपा गठबंधन पर खुशी जताई है। उन्होंने कहा हरियाणा में भाजपा व जजपा गठबंधन से बढ़िया सरकार बनेगी।

यह बात उन्होंने हमीरपुर के टाउन हाल में सांसद स्टार खेल महाकुंभ के विजेता खिलाड़ियों के सम्मान में आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करने के बाद कही। उन्होंने कांग्रेस की ओर से भाजपा की मतदान प्रतिशतता कम होने के सवाल पर कहा हरियाणा में पार्टी का वोट बढ़ा है। उन्होंने कहा कि पिछली बार 35 प्रतिशत वोट बैंक था और अब 36 प्रतिशत है। इनेलो, बसपा व आजाद उम्मीदवारों की मतदान प्रतिशतता कम हुई है। हरियाणा में भाजपा अपनी सरकार बनाएगी।

इसके बाद अनुराग ने सुजानपुर विधानसभा क्षेत्र के तहत पंचायत सराहकड़ से कोट तथा टौणी देवी अस्पताल से टौणी देवी मंदिर तक गांधी संकल्प पद यात्रा में भाग लिया। उन्होंने कहा कांग्रेस ने अधिकतर उन लोगों का इतिहास से नाम मिटाने का प्रयास किया जिन्होंने भारत को आजादी दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सरदार वल्लभ भाई पटेल के नाम पर गुजरात में विश्व का सबसे ऊंचा स्टैचू ऑफ यूनिटी बनाया है। प्रधानमंत्री ने उनके नाम पर देश की एकता व अखंडता बनाए रखने के लिए रन फॉर यूनिटी कार्यक्रमों की शुरुआत की। देश राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 150वीं जयंती मना रहा है। प्रत्येक संसदीय क्षेत्र में 10-10 किलोमीटर पदयात्रा की जाएगी। इस दौरान लोगों को स्वच्छता, एकता, समरसता, पर्यावरण, स्वच्छता, नशामुक्ति व स्वस्थ समाज बनाने के लिए प्रेरित किया जाएगा। इस मौके पर जिला परिषद अध्यक्ष राकेश ठाकुर, मंडल अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह ठाकुर मौजूद रहे।

अनुराग ठाकुर। फाइल

मोदी और शाह का संदेश–हर प्रदेश में नेतृत्व की तलाश में ईमानदारी और अनुशासन पर होगा जोर

भाजपा में खट्टर और फड़नवीस बनेंगे योग्यता के मानक

आशुतोष झा, नई दिल्ली

- महाराष्ट्र और हरियाणा में पार्टी का प्रदर्शन पहले से खराब रहा
- हार के बाद पार्टी के कुछ नेताओं को राज्यों में नेतृत्व परिवर्तन की थी उम्मीद
- दोनों मुख्यमंत्री शासन के मामले में अनुभवहीन थे, बावजूद इसके पांच साल तक बेदाग रहे

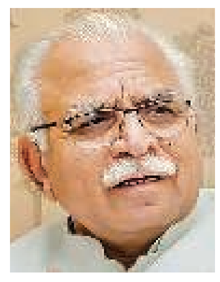

मनोहरलाल खट्टर। फाइल

देवेंद्र फड़नवीस। फाइल

महाराष्ट्र और हरियाणा में अपेक्षाओं के मुताबिक जीत हासिल न होने के बावजूद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह जिस तरह देवेंद्र फड़नवीस और मनोहर लाल खट्टर के पीछे खड़े हुए, उसे बड़े संदेश के रूप में देखा जा रहा है। दूसरी-तीसरी पंक्ति में खड़े नेताओं को साफ संदेश दिया गया है कि पार्टी में उसे अहमियत मिलेगी जो न सिर्फ ईमानदार और कर्मठ हो बल्कि जो अपनी यह छवि बरकरार भी रखना जानता हो। आने वाले वक्त में दूसरे राज्यों में भी ऐसे नेतृत्व को खड़ा करने की कोशिश हो सकती है।

तीन दिन पहले जब दोनों राज्यों का नतीजा आया तो पार्टी के अंदर ऐसे नेताओं की कमी नहीं थी जो हरियाणा में सरकार से थोड़ी दूर और महाराष्ट्र में पिछली बार से कमतर प्रदर्शन को लेकर निराश नहीं थे, बल्कि उनके अंदर खुशी थी। कुछ ऐसे नेता भी थे जो इसे दोनों राज्यों में नेतृत्व परिवर्तन की आहट के रूप में देख रहे थे। लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अध्यक्ष अमित शाह की ओर से खुलकर दोनों नेताओं की पीठ थपथपाई गई। प्रधानमंत्री की ओर से यह भी स्पष्ट किया गया कि कभी मंत्री का भी पद न संभालने वाले प्रशासनिक अनुभव से दूर रहे फड़नवीस और खट्टर ने पांच साल तक साफ सुथरी सरकार दी। जिस तरह केंद्र में मोदी सरकार पर भ्रष्टाचार का कोई दाग नहीं है उसी तरह इन दोनों राज्यों में भी मुख्यमंत्री ने अपना दामन बचाए रखा है। इनके राज्यों में जरूर कई विवाद खड़े हुए लेकिन ये दोनों नेता उससे बाहर रहे।

यह सच है कि दोनों मुख्यमंत्री संबंधित प्रदेशों में प्रभावी जाति से नहीं आते हैं। और इसी कारण कहीं न कहीं एक दबाव समूह भी काम करता रहा है। मराठा और जाट आंदोलन के दौरान इन्हें बदलने की अटकलें भी चलती रहीं। लेकिन यह भी सच्चाई है कि मुख्यमंत्री के तौर पर कम संख्या वाली जाति से आने वाले मुख्यमंत्री कई राज्यों में हैं। खासकर भाजपा इसी नुस्खे पर काम करती रही है। छत्तीसगढ़ में भाजपा ने रमन सिंह को कमान दी थी, तो मध्यप्रदेश में शिवराज सिंह चौहान लंबे समय तक भाजपा के सफल मुख्यमंत्री रहे। गुजरात में विजय रूपाणी पर नेतृत्व का भरोसा है। इनमें से कोई भी प्रदेश की प्रभावी जाति से नहीं आते हैं। यहां तक कि कांग्रेस ने भी मध्य प्रदेश और राजस्थान में यही दांव चला है। ऐसे में हरियाणा और महाराष्ट्र में जाट या मराठा की राजनीति से भाजपा बहुत आशंकित नहीं है। यह और बात है कि महाराष्ट्र में फड़नवीस से मराठा आरक्षण की आग को थाम लिया था और हरियाणा में दुष्यंत चौटाला को साथ लाकर जाट समुदाय के बीच संदेश दे दिया गया है।

बहरहाल, खट्टर और फड़नवीस का संदर्भ इस लिहाज से महत्वपूर्ण है कि आने वाले वक्त में कई राज्यों में भी दूसरी तीसरी पंक्ति के नेताओं को खड़ा करना है। उनके लिए पहली योग्यता ईमानदारी होगी और दूसरी योग्यता अनुशासन। आगे बढ़ने वाले नेताओं में यह झलक जरूरी होगी कि वह नेता ही नहीं कार्यकर्ता भी हैं।

न्यूज गैलरी

बोले अठावले, शिवसेना को उप मुख्यमंत्री पद पांच साल के लिए देना चाहिए

नई दिल्ली : राजग सरकार में मंत्री और रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आरपीआइ) के अध्यक्ष रामदास अठावले ने शनिवार को कहा कि भाजपा को शिवसेना की मांग पर गंभीरतापूर्वक विचार करना चाहिए। सरकार बनाने के लिए उसे शिवसेना को कम से कम पांच साल के लिए उप मुख्यमंत्री का पद ही दे देना चाहिए। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि महाराष्ट्र में भाजपा–शिवसेना गठबंधन को सरकार बनाने के लिए जनादेश मिला है। भले ही भाजपा की तुलना में शिवसेना को कम सीटें मिली हैं, लेकिन उसके बिना सरकार का गठन नहीं किया जा सकता है। इसलिए भाजपा को शिवसेना के ढाई–ढाई साल सरकार चलाने के प्रस्ताव पर विचार करना चाहिए। अठावले ने कहा कि अगर भाजपा को शिवसेना का प्रस्ताव मंजूर नहीं है तो केंद्र के साथ राज्य में भी उसे ज्यादा मंत्री पद देना चाहिए। (एएनआइ)

अजय चौटाला की फरलो पर प्रियंका ने भाजपा पर कसा तंज

नई दिल्ली : हरियाणा में जननायक जनता पार्टी (जेजेपी) के नेता दुष्यंत चौटाला के पिता अजय चौटाला को मिली दो हफ्ते की फरलो पर कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने शनिवार को भाजपा पर करारा तंज कसा। प्रियंका ने मराठी में ट्वीट कर लिखा, 'अखिल भारतीय भ्रष्टाचार धुलाई मशीन चालू आहे। (अखिल भारतीय भ्रष्टाचार धुलाई की मशीन चालू है।)' वहीं, केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए प्रियंका ने ट्वीट किया, 'संसद भवन से इंडिया गेट तक दिल्ली के सबसे खूबसूरत और ऐतिहासिक इलाके के सौंदर्यीकरण का ठेका एक गुजराती कंपनी को दिया गया है और अनुमानित खर्च 12,450 करोड़ रुपये है। उत्तर प्रदेश में गन्ना किसानों का बकाया 7,000 करोड़ रुपये है। भाजपा सरकार होश खो रही है। किसानों की समस्याओं की अनदेखी करके वे अपने मित्रों की जेबें भर रहे हैं। जिस दिन देश का किसान जाग जाएगा, उस दिन से डरिए... वह दिन आएगा।' (एएनआइ)

हरियाणा में मंत्री बनने के लिए अभी करना पड़ेगा इंतजार

चंडीगढ़ : हरियाणा में नव निर्वाचित भाजपा व जजपा विधायकों को मंत्री बनने के लिए अभी इंतजार करना पड़ेगा। रविवार को दिवाली के दिन मुख्यमंत्री मनोहर लाल, डिप्टी सीएम दुष्यंत सिंह चौटाला, अनिल विज और कंवरपाल गुर्जर ही शपथ ग्रहण करेंगे। दोनों दलों के किसी अन्य विधायक को मंत्री पद की शपथ दिलाने की बिल्कुल भी संभावना नहीं है। हरियाणा में मुख्यमंत्री के अलावा 13 मंत्री बनाए जा सकते हैं। आठ मंत्री पद भाजपा व डिप्टी सीएम समेत पांच मंत्री पद जजपा के खाते में जा सकते हैं। कुछ मंत्रियों के नाम पर भाजपा ने शनिवार को चर्चा की, लेकिन भाजपा अध्यक्ष अमित शाह व राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने इसे फिलहाल मंथन करने के लिए छोड़ दिया है। सीएम व डिप्टी सीएम तथा दो मंत्रियों को शपथ दिलाने के लिए रविवार को जेपी नड्डा चंडीगढ़ आ रहे हैं। अगले एक माह के भीतर दो विस्तार होंगे। पहले विस्तार में भाजपा अपनी पसंद के मंत्री बनाएगी। दूसरे विस्तार में जननायक जनता पार्टी (जजपा) अपनी पसंद के मंत्री बनाएगी। (राब्यू)

नई पारी ▶ भाजपा विधायक दल के नेता चुने गए मनोहर, दुष्यंत के साथ आज लेंगे शपथ, कुछ मंत्रियों के भी शपथ लेने के आसार

हरियाणा में दूसरी पारी का आगाज करेंगे मनोहर

राज्यपाल सत्यदेव नारायण आर्य राजभवन में दिलाएंगे मुख्यमंत्री पद की शपथ

अनुराग अग्रवाल, चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल दीपावली के दिन रविवार को अपने दूसरे कार्यकाल की नई पारी की शुरुआत करेंगे। शनिवार को केंद्रीय पर्यवेक्षकों की मौजूदगी में उन्हें सर्वसम्मति से भाजपा विधायक दल का नेता चुन लिया गया। समर्थन देने वाली जननायक जनता पार्टी के संयोजक एवं उचाना से विधायक दुष्यंत चौटाला मुख्यमंत्री मनोहर लाल के साथ रविवार को डिप्टी सीएम की शपथ ग्रहण करेंगे। अनिल विज और कंवरपाल गुर्जर के भी उनके साथ शपथ लेने की संभावना है।

चंडीगढ़ के यूटी गेस्ट हाउस में सुबह करीब 11 बजे भाजपा विधायक दल की बैठक शुरू हुई। केंद्रीय पर्यवेक्षक कानून मंत्री रवि शंकर प्रसाद दोपहर 12 बजे के आसपास पहुंचे। बैठक में सभी विधायक शामिल हुए। हरियाणा प्रभारी डा. अनिल जैन और महासचिव अरुण सिंह की मौजूदगी में अनिल विज ने विधायक दल के नेता के लिए मनोहर लाल का नाम प्रस्तावित किया। कंवरपाल गुर्जर ने इसका अनुमोदन किया। इसके बाद मनोहर को सर्वसम्मति से विधायक दल का नेता चुन लिया गया। यह सारी प्रक्रिया पांच मिनट में संपन्न हो गई।

राजभवन तक पैदल पहुंचे मनोहर और दुष्यंत : दुष्यंत दोपहर 12 बजे चंडीगढ़ पहुंचे। कार्यकर्ताओं से मिलने के बाद वह करीब सवा बजे यूटी गेस्ट हाउस आए। वहां भाजपा नेताओं व मनोहर लाल से मिले। इसके बाद रविशंकर प्रसाद, अरुण सिंह और पार्टी प्रभारी डा. अनिल जैन के साथ मुख्यमंत्री मनोहर लाल व दुष्यंत और अधिकतर निर्दलीय विधायक दोपहर को पैदल ही राज्यपाल से मिलने पहुंचे। मनोहर लाल ने राज्यपाल के समक्ष 57 विधायकों के समर्थन से सरकार बनाने का दावा पेश किया। भाजपा की ओर से मनोहर लाल, जजपा की ओर से पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष स. निशान सिंह और निर्दलीय विधायकों की ओर से उनके लिखित समर्थन पत्र को भाजपा प्रभारी डा. अनिल जैन ने राज्यपाल को सौंपा। अपना मौजूदा कार्यकाल खत्म मानते हुए मनोहर ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा राज्यपाल को सौंपा। उन्होंने शपथ ग्रहण तक कार्यकारी प्रभार संभालने का अनुरोध किया। रविवार दोपहर सवा बजे हरियाणा राजभवन में नई सरकार का दायित्व ग्रहण समारोह होगा। दोपहर सवा दो बजे के आसपास मनोहर लाल और दुष्यंत चौटाला शपथ लेंगे।

भाजपा ने खारिज की अपनी पार्टी के डिप्टी सीएम की चर्चाएं : भाजपा विधायक दल की बैठक के दौरान मीटिंग स्थल के बाहर चर्चा रही कि जजपा के दुष्यंत चौटाला के बराबर भाजपा अपनी पार्टी का डिप्टी सीएम भी बना सकती है। इसके लिए अनिल विज का नाम काफी चर्चाओं में रहा। मीडिया ब्रीफिंग के दौरान केंद्रीय मंत्री रवि शंकर प्रसाद ने इन चर्चाओं को सिरे से खारिज कर दिया। मनोहर ने भी राजभवन में स्पष्ट कर दिया कि डिप्टी सीएम अकेले दुष्यंत चौटाला ही होंगे।

निर्दलीय विधायकों ने बिना शर्त दिया भाजपा को समर्थन : भाजपा को बिना शर्त समर्थन देने वाले सभी सात निर्दलीय विधायक चंडीगढ़ यूटी गेस्ट हाउस पहुंचे। यह विधायक भाजपा की बैठक में तो शामिल नहीं हुए, लेकिन उन्होंने अलग-अलग केंद्रीय मंत्री रवि शंकर प्रसाद, डा. अनिल जैन, अरुण सिंह और मनोहर लाल से मुलाकात की। दादरी के विधायक सोमवीर सांगवान काफी देर तक नहीं दिखे तो चर्चा हुई कि सिर्फ छह निर्दलीय समर्थन देंगे, लेकिन राजभवन में सभी सात निर्दलीय विधायकों की हाजिरी होने का दावा किया गया।

मनोहर के साथ आधा दर्जन मंत्री लेंगे शपथ, जजपा कोटे के मंत्री वेटिंग में : नए मुख्यमंत्री के तौर पर मनोहर लाल और डिप्टी सीएम के रूप में दुष्यंत चौटाला के साथ कुछ मंत्री भी दायित्व ग्रहण कर सकते हैं। मनोहर लाल ने हालांकि इस बारे में अभी पत्ते नहीं खोले हैं, लेकिन माना जा रहा है कि आधा दर्जन मंत्री दायित्व ग्रहण कर सकते हैं।

जजपा विधायकों के प्रतिनिधि के तौर पर फिलहाल अकेले दुष्यंत चौटाला के ही डिप्टी सीएम के रूप में दायित्व ग्रहण करने की संभावना है। जजपा ने तीन कैबिनेट और दो राज्यमंत्री पदों पर दावेदारी जताई है, लेकिन भाजपा उन्हें दो कैबिनेट व दो राज्य मंत्री दे सकती है।

दुष्यंत के पिता अजय चौटाला समारोह में होंगे शामिल : दुष्यंत चौटाला के पिता डा. अजय सिंह चौटाला भी अपने बेटे के दायित्व ग्रहण समारोह के साक्षी बन सकते हैं। उन्हें तिहाड़ जेल से दो सप्ताह की पैरोल मिल गई है। दुष्यंत ने कहा कि पिताजी समारोह में शामिल होंगे या नहीं, इस पर रविवार को पता चल पाएगा।

भाजपा विधायक दल की बैठक के बाद केंद्रीय पर्यवेक्षकों के साथ पैदल ही राजभवन जाते मुख्यमंत्री मनोहर लाल, दुष्यंत चौटाला व अन्य। जागरण

यह रहेगा भाजपा के समर्थन का जादुई आंकड़ा

कुल विधायक	90
भाजपा विधायक	40
जजपा विधायक	10
निर्दलीय विधायक	7
कुल जोड़	57
शपथ ग्रहण के लिए निमंत्रण	1.15 बजे
शुभ मुहूर्त	2.15 बजे

हम जनादेश का सम्मान करते हैं। हमने पांच साल तक साफ सुथरी, पारदर्शी और भ्रष्टाचार रहित सरकार दी। आगे भी ईमानदारी व पारदर्शिता से साफ सुथरी सरकार देंगे। समर्थन करने वाले सभी विधायकों को साथ लेकर चलेंगे। मैं इस बार भी प्रदेश के चहुंमुखी और एकसमान विकास के लिए काम करूंगा।
– मनोहर लाल, नेता, भाजपा विधायक दल

कांग्रेस वह पार्टी है, जिसको देवीलाल जी ने छोड़ दिया था। उसने दस साल तक प्रदेश को लूटा। उनके जमीनों के लूट के मामले सबके सामने हैं। अब दो प्रोग्रेसिव सोच के लोग मिलकर हरियाणा को विकास के रास्ते पर ले जाएंगे।
–दुष्यंत चौटाला, नेता, जजपा विधायक दल

मनोहर लाल ईमानदार छवि के नेता हैं। उन्होंने पूरे पांच साल बढ़िया तरीके से ईमानदारी व पारदर्शी तरीके से सरकार चलाई। आगे भी सरकार पूरी ईमानदारी, निष्ठा, योग्यता, पारदर्शी ढंग से बिना किसी तरह के क्षेत्रवाद या भ्रष्टाचार के पांच साल तक चलेगी। हरियाणा की नई टीम को बधाई।
– रवि शंकर प्रसाद, केंद्रीय कानून मंत्री

आदित्य ठाकरे को सीएम बनाने की मांग

महाराष्ट्र में शिवसेना अध्यक्ष उद्धव ठाकरे के बेटे आदित्य ठाकरे को मुख्यमंत्री बनाने की मांग तेज हो रही है। शिवसेना इस बार भाजपा से सभी हिसाब चुकता कर लेने के मूड में है। उद्धव 50–50 के फार्मूले पर डटे हैं। इस दौरान पोस्टरों से भी उद्धव को सीएम बनाने की मांग की जाने लगी है। मुंबई में मोताश्री के बाहर लगाया गया शिवसेना के नवनिर्वाचित विधायक आदित्य ठाकरे को मुख्यमंत्री बनाने की मांग वाला पोस्टर। एएनआइ

चौधरी देवी लाल की परंपरा को आगे लेकर जाएंगे दुष्यंत : बादल

राज्य ब्यूरो, चंडीगढ़

- कहा–दोनों पार्टियां राज्य में सांप्रदायिक सौहार्द व गरीबों के कल्याण के लिए मिलकर काम करेंगी
- नौजवान खून और गहरे अनुभव का गठबंधन फायदेवाला होगा

पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल ने हरियाणा में हुए विधानसभा चुनाव में जनादेश का सम्मान करते हुए आपस में हाथ मिलाने के लिए भाजपा और दुष्यंत चौटाला के नेतृत्व वाली जननायक जनता पार्टी (जेजेपी) की सराहना की है। बादल ने इस गठबंधन को बधाई दी है। उन्होंने कहा, 'मुझे पूरा विश्वास है कि दोनों पार्टियां राज्य में सांप्रदायिक सौहार्द व गरीबों के कल्याण के लिए मिलजुलकर काम करेंगी।'

बादल ने स्वर्गीय देवी लाल के परिवार से अपने पुराने रिश्ते को याद करते हुए कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि चौधरी देवी लाल की गरीब वर्ग व किसान हितैषी विरासत को नौजवान नेता दुष्यंत चैटाला प्रभावशाली ढंग से आगे लेकर जाएंगे। मुझे विश्वास है कि नौजवान खून व गहरे अनुभव का यह गठबंधन लोगों के लिए लाभकारी साबित होगा।

बादल रविवार को चंडीगढ़ में मनोहर लाल खट्टर के नेतृत्व वाली नई भाजपा-जेजेपी सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि पंजाब में अकाली दल का भाजपा से पुराना गठबंधन है, जो एक राजनीतिक गठबंधन से पार जाकर राज्य व देश में शांति व सांप्रदायिक सद्भावना को कायम रखने के लिए सामाजिक सहमति का रूप ले चुका है। उन्होंने खुशी प्रकट की है कि नया गठबंधन आपसी सहमति व विश्वास की नींव पर कायम हुआ है।

प्रकाश सिंह बादल। फाइल

महाराष्ट्र के 176 विधायकों के खिलाफ आपराधिक मामले

मुंबई, प्रेट्र : महाराष्ट्र विधानसभा के कम से कम 176 नवनिर्वाचित विधायक आपराधिक आरोपों का सामना कर रहे हैं। एक समूह द्वारा शनिवार को जारी आंकड़े में यह जानकारी दी गई है।

कुल 288 विधायकों में से 285 की ओर से सौंपे गए शपथपत्रों के विश्लेषण के आधार पर एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफार्म्स (एडीआर) ने पाया कि 62 फीसद (176 विधायकों) के खिलाफ आपराधिक मामले लंबित हैं। 40 फीसद (113 विधायकों) के खिलाफ गंभीर आपराधिक मामले हैं। एडीआर ने कहा है कि शेष तीन विधायकों के खिलाफ शपथपत्र का विश्लेषण नहीं किया जा सका है क्योंकि चुनाव आयोग की वेबसाइट पर उनका पूरा दस्तावेज मौजूद नहीं है। मौजूदा जानकारी की तुलना निवर्तमान विधायकों के आंकड़े से की गई। एडीआर ने कहा है कि 2014 के चुनाव के बाद राज्य विधानसभा में 165 विधायक आपराधिक मामलों का सामना कर रहे थे। इनमें से 115 के खिलाफ गंभीर आपराधिक आरोप थे। समूह ने यह भी पाया है कि मौजूदा विधानसभा में निवर्तमान के मुकाबले ज्यादा संख्या में करोड़पति पहुंचे हैं। वर्तमान विधानसभा में 264 धनकुबेर पहुंचे हैं।

चुनाव नजदीक आते ही बढ़ने लगी झारखंड के मंत्रियों की बेचैनी

- हरियाणा व महाराष्ट्र में बड़े पैमाने पर जनता ने मंत्रियों को नकारा
- दिखाई न देने वाले मंत्री अब सामान्य विधायक के तौर पर मिल रहे

राज्य ब्यूरो, रांची : महाराष्ट्र और हरियाणा के चुनाव परिणामों ने झारखंड में भी सरकार के मंत्रियों की बेचैनी बढ़ा दी है। दोनों ही राज्यों में सत्ताधारी दल की दोबारा सरकार बनना तय है, लेकिन वहां जनता ने बड़े पैमाने पर सरकार के मंत्रियों को खारिज कर दिया। हरियाणा जो कि सीटों के लिहाज से झारखंड के आसपास ही ठहरता है, वहां तो आधे से अधिक मंत्री चुनाव हार गए। झारखंड में भी विधानसभा चुनाव के दौरान जनता मंत्रियों के परफार्मेंस का आकलन निश्चित रूप से करेगी।

झारखंड में सरकार के पांच सालों की ढेरों उपलब्धियां हैं, लेकिन उसका श्रेय सरकार के मुखिया को ही मिल रहा है। मंत्रियों के पास बताने के लिए कुछ खास नहीं है। कई मंत्री तो ऐसे हैं, जो अपने विभाग की योजनाओं के शुभारंभ के अवसर तक पर नदारद रहे हैं। सरकार के मंत्रियों का रिपोर्ट कार्ड इस वर्ष उनके विभाग का खर्च भी बता रहा है। सितंबर तक कुल बजटीय खर्च 29 फीसद के दायरे में रहा है।

सरकार के आधे से अधिक मंत्री ऐसे रहे हैं, जिनके विभागों का व्यय 29 फीसद से भी कम रहा है। अब तक मंत्री के कार्यकाल का सुख भोगने वाले मंत्री अब सामान्य विधायक की हैसियत से जनता के बीच सफाई देते फिर रहे हैं। अब चुनाव के बाद ही पता चलेगा कि किसकी साख बचेगी और किसको जनता रिजेक्ट करेगी।

कुछ मंत्रियों के टिकट कटने की चर्चा

विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा में अभी सुगबुगाहट शुरू नहीं हुई है। लेकिन, कुछ मंत्रियों के टिकट कटने की चर्चा अभी से शुरू हो गई। मंत्रियों के खिलाफ सत्ताधारी दल के अन्य दावेदारों ने फिल्डिंग सजानी शुरू कर दी है। उम्र के साथ–साथ उनकी सक्रियता को आधार बनाया जा रहा है।

पिथौरागढ़ विस उपचुनाव के लिए कांग्रेस में दावेदारी की होड़

राज्य ब्यूरो, देहरादून

- प्रदेश कांग्रेस पूर्व विधायक मयूख महर के पक्ष में, गुटीय खींचतान तेज
- पिछले विधानसभा चुनाव में मामूली अंतर से हारे थे महर

पिथौरागढ़ विधानसभा सीट पर उपचुनाव की तिथि घोषित होते ही कांग्रेस में चुनाव लड़ने वाले दावेदारों में होड़ तेज हो गई। प्रदेश कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता मथुरादत्त जोशी के साथ ही अन्य स्थानीय वरिष्ठ कांग्रेस नेता की दावेदारी सामने आने के बाद पार्टी में गुटीय खींचतान सामने आ गई है। बताया जा रहा है कि इस सीट से पिछला विधानसभा चुनाव लड़ चुके पूर्व विधायक मयूख महर उपचुनाव में दावेदारों के सामने आने से क्षुब्ध बताए जा रहे हैं। वहीं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष प्रीतम सिंह ने कहा कि मयूख महर ही उपचुनाव में पार्टी प्रत्याशी रहेंगे।

पिथौरागढ़ विधानसभा सीट काबीना मंत्री प्रकाश पंत के निधन से रिक्त हुई है। इस सीट के लिए उपचुनाव 25 नवंबर को होना है। कांग्रेस इस उपचुनाव को लेकर पूरी तरह सतर्क है। पार्टी की कोशिश है कि इस सीट को जीतकर विधानसभा में सदस्य संख्या में इजाफा किया जाए। पार्टी की रणनीति ये भी है कि उपचुनाव को जीतकर सत्तारूढ़ दल भाजपा पर मनोवैज्ञानिक बढ़त बनाई जाए। भाजपा वर्ष 2017 में विधानसभा चुनाव और हाल ही में लोकसभा चुनाव में प्रचंड बहुमत से कांग्रेस को हाशिए पर धकेलने में कामयाब रही है। यही वजह है कि कांग्रेस इस उपचुनाव को हल्के में लेने के मूड में नहीं है।

प्रदेश कांग्रेस संगठन इस उपचुनाव के लिए विधानसभा चुनाव में पार्टी के प्रत्याशी रहे व पूर्व विधायक मयूख महर पर ही दांव खेलना चाहती है। मयूख महर की पिथौरागढ़ में सियासी पकड़ मजबूत मानी जाती है। पिछले विधानसभा चुनाव में भी वह भाजपा प्रत्याशी प्रकाश पंत से काफी कम मतों के अंतर से हारे थे। फिलहाल उपचुनाव के मौके पर कांग्रेस में एक बार फिर गुटीय खींचतान तेज होती दिख रही है।

भाजपा विधायक ने कहा, राजा का बेटा राजा नहीं बनेगा

मुंबई, एएनआइ : महाराष्ट्र में भाजपा के नवनिर्वाचित विधायक राम सतपुते ने शनिवार को कहा कि राजा का बेटा राजा नहीं बनेगा, बल्कि हकदार व्यक्ति राजा बनेगा।

सतपुते ने कहा, 'मजदूर का बेटा होने के नाते, मेरा मानना है, राजा का बेटा राजा नहीं बनेगा, जो असली हकदार होगा वही राजा बनेगा।' सतपुते मलशिरास क्षेत्र से विधायक चुने गए हैं। उन्होंने राकांपा के उत्तमराव शिवदास जनकर को हराया है। सतपुते ने कहा कि वह बहुत ही गरीब परिवार से हैं। उनके माता-पिता एक चीनी मिल में काम करते थे। पार्टी ने उन पर भरोसा जताया। उन्होंने मुख्यमंत्री देवेंद्र पड़नवीस और केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले का आभार जताया और कहा कि वह पिछड़े वर्ग के लिए काम करेंगे।

झाबुआ में कांतिलाल की जीत से हाशिये पर धकेले जा सकते हैं कई आदिवासी नेता

रवींद्र कैलासिया, भोपाल

मध्य प्रदेश के झाबुआ विधानसभा उपचुनाव में जीत के बाद कांग्रेस को ताकत तो मिली ही है साथ ही कांतिलाल भूरिया की कामयाबी से कई आदिवासी नेताओं को हाशिये पर धकेलना भी आसान हो गया है। लगातार दो चुनाव हारने के बाद इस जीत से भूरिया को संजीवनी मिली है। उनका दोबारा प्रदेश की राजनीति में प्रवेश हुआ है। इससे पार्टी में ही कांग्रेस सरकार को चुनौती जैसे हालात की स्थितियों का सामना कराने वाले दूसरे आदिवासी नेताओं के तेवर शांत करने में मदद मिलेगी।

प्रदेश में कांग्रेस के आदिवासी नेताओं को लेकर गृहमंत्री बाला बच्चन, वन मंत्री उमंग सिंघार, आदिम जाति कल्याण मंत्री ओमकार सिंह मरकाम जैसे नेताओं के नाम अब तक सामने हैं। यही वजह रही कि इन्हीं नेताओं के नाम प्रदेश कांग्रेस के नए अध्यक्ष के तौर पर चर्चा में आए। दूसरा, पार्टी के अन्य आदिवासी नेता बिसाहूलाल सिंह और जयस (जय आदिवासी युवा शक्ति) नेता व विधायक डॉ. हीरालाल अलावा सरकार के सामने गाहे-बगाहे चेतावनी भरे स्वरों में अपने अधिकार जताते नजर आए। बिसाहूलाल सिंह और डॉ. अलावा ने विधानसभा चुनाव के बाद जहां मंत्रिमंडल में जगह के लिए जोरआजमाइश की, वहीं लोकसभा चुनाव में जयस समर्थक को सीट दिलाने में डॉ. अलावा ने दबाव की रणनीति पर काम किया। बिसाहूलाल सिंह ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए आदिवासी कार्ड में अपने नाम को आगे लाने की कोशिश की है, जो भूरिया के चुनाव जीतने के बाद कमजोर पड़ सकती है। दूसरा, कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की टीम के आदिवासी नेताओं को भूरिया की जीत से झटका लग सकता है। इनमें वन मंत्री सिंघार व आदिम जाति कल्याण मंत्री मरकाम शामिल हैं। सिंघार ने राहुल गांधी के सहारे प्रदेश में अलग पहचान बनाने का प्रयास किया था और वरिष्ठ नेता व पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह से सीधे टक्कर लेने की कोशिश की है। वहीं, बाला बच्चन प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के विश्वस्त बने रहे। उधर, कांग्रेस सरकार में आदिवासियों का प्रतिनिधित्व करने वाले सुरेंद्र सिंह बघेल पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के विश्वस्त हैं।

पार्टी के 31वें आदिवासी विधायक

मप्र विधानसभा में 47 आदिवासी विधायकों में से कांग्रेस के 31 विधायक हो चुके हैं। कांतिलाल भूरिया विधानसभा में पांचवीं बार विधायक की शपथ लेंगे। इसके पहले वह सातवीं से लेकर दसवीं विधानसभा में लगातार चार बार थांदला से विधायक रह चुके हैं और दिग्विजय सिंह सरकार में मंत्री भी रहे। भूरिया 1998 से 2014 तक लोकसभा सदस्य भी रहे। 2014 में वे दिलीपसिंह भूरिया से चुनाव हार गए थे, लेकिन उनके निधन से रिक्त हुई सीट पर उपचुनाव जीते थे। 2018 में झाबुआ से विधानसभा चुनाव हार गए और इसके बाद 2019 में भी लोस चुनाव हारे तो वे हाशिये पर पहुंच गए थे।

22699 अभ्यर्थी सफल घोषित किए गए हैं उत्तर प्रदेश पीजीटी–टीजीटी 2016 की लिखित परीक्षा में। इन अभ्यर्थियों के साक्षात्कार की तिथियों की घोषणा अभी नहीं हुई है।

शुभ दीपावली

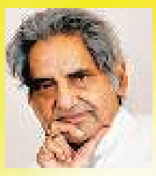

जलाओ दिए पर
रहे ध्यान इतना,
अंधेरा धरा पर
कहीं रह न जाए।
नई ज्योति के
धर नए पंख
झिलमिल
उड़े मर्त्य मिट्टी गगन–स्वर्ग छू ले
लगे रोशनी की झड़ी झूम ऐसी
निशा की गली में तिमिर राह भूले
खुले मुक्ति का वह किरण द्वार जगमग
उषा जा न पाए, निशा आ ना पाए।
जलाओ दिए पर रहे ध्यान इतना
अंधेरा धरा पर कहीं रह न जाए।

गोपालदास नीरज

6.11 लाख दीये प्रज्वलित कर बनाया रिकॉर्ड

दीपोत्सव ▸ योगी ने अयोध्या को 236 करोड़ की विकास योजनाओं की सौगात दी

अयोध्या को प्राचीन अवधपुरी का गौरव दिलाने का मुख्यमंत्री ने लिया संकल्प

अमित मिश्र, अयोध्या

दीपोत्सव के तीसरे आयोजन में शनिवार को छोटी दीपावली पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जब अयोध्या में रामकथा पार्क के मंच से कह रहे थे कि यह बहुत महत्वपूर्ण दिन है, तो उनकी इस बात के कई मायने थे। दो साल के कायाकल्प में अयोध्या ने दुनियाभर में सबसे ज्यादा 6.11 लाख दीये प्रज्वलित करने का गिनीज रिकॉर्ड एक बार फिर अपने नाम कर लिया। गत वर्ष भी सरयू किनारे तीन लाख 11 हजार दीये प्रज्वलित कर गिनीज रिकॉर्ड बनाया गया था।

दोनों उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य व डॉ.दिनेश शर्मा और कई मंत्रियों के साथ मंच पर मौजूद योगी बोले-पहले की सरकारें तो अयोध्या आने से डरती थीं, आना नहीं चाहती थीं, लेकिन मैं ढाई साल के कार्यकाल में डेढ़ दर्जन बार अयोध्या आ चुका हूं। मुख्यमंत्री ने 236 करोड़ रुपये की विकास योजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास भी किया। इस अवसर पर एक विशेष डाक टिकट भी जारी किया गया।

दीपावली की पूर्व संध्या पर अयोध्या में राम की पैड़ी पर ही 4.10 लाख और विभिन्न मंदिरों व अन्य स्थानों पर 2.01 लाख दीप प्रज्वलित कर नया विश्व कीर्तिमान स्थापित किया गया। सरकार ने 5.51 लाख दीये जलाने का लक्ष्य रखा था। सरयू के पानी में झिलमिलाते यह दीप रामभक्तों में उमंग भर रहे थे। ऐसे में योगी ने जब अयोध्या को प्राचीन अवधपुरी का गौरव दिलाने का संकल्प लिया तो सरयू तट राम के जयकारों और शंखध्वनि से गूंज उठा।

अयोध्या में शनिवार को तीसरे दीपोत्सव के आयोजन के दौरान रामकथा पार्क में भगवान के स्वरूप की आरती करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ। जीतू निषाद

सरयू में तैरती दिखी दीपोत्सव की छटा

दीपोत्सव की अनुपम छटा देख अभिभूत राज्यपाल आनंदीबेन बोलीं कि राम जब अयोध्या लौटे होंगे तो ऐसा ही दृश्य रहा होगा। उन्होंने कहा कि आने से पहले मन में था कि दीपोत्सव न जाने कैसा होगा, लेकिन अब लगा कि हम राम के राज्याभिषेक में उपस्थित थे। समारोह में मौजूद फिजी की उपसभापति वीणा भटनागर ने जैसे ही लयबद्ध रामधुन से संबोधन शुरू किया, पूरा रामकथा पार्क तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। दीपोत्सव के साक्षी बने केंद्रीय पर्यटन मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल, राम जन्मभूमि न्यास के अध्यक्ष महंत नृत्यगोपाल दास, पूर्व सांसद डॉ.रामविलास दास वेदांती आदि भी अयोध्या के अब आगे बढ़ चलने को लेकर आशान्वित दिखे।

हेलीकॉप्टर से उतरे राम–लक्ष्मण और सीता

हेलीकॉप्टर से एक बार फिर सरयू तट पर उतरे राम–लक्ष्मण और सीता का प्रतीकात्मक राजतिलक कर मुख्यमंत्री ने कहा कि अयोध्या की बात आती है तो रामराज्य याद आता है। यानी ऐसा राज्य जहां भेदभाव न हो और सबको न्याय मिले।

‘चीन–कोरिया मॉडल’ से मध्य प्रदेश की शिक्षा पद्धति सुधारने की तैयारी

नईदुनिया, जबलपुर

▸ **कक्षा एक से लेकर दसवीं तक के विद्यार्थियों को पढ़ाए जाएंगे एक से विषय**

मध्य प्रदेश में चीन-दक्षिण कोरिया मॉडल से स्कूल शिक्षा में सुधार की तैयारी शुरू की गई है। दोनों देश के मॉडल सरकारी स्कूलों में लागू कर प्रदेश की शिक्षा को उच्च पटल पर रखने का कार्य शुरू किया गया है। विज्ञान, तकनीक, इंजीनियरिंग, कला एवं गणित सभी विषय अब एक साथ पढ़ाने की कार्ययोजना तैयार की गई है। कक्षा एक से लेकर दसवीं तक विद्यार्थियों को एक से विषय पढ़ाए जाने पर जोर दिया जा रहा है। सबकुछ ठीक ठाक रहा तो आगामी सत्र से यह व्यवस्था सरकारी स्कूलों में लागू हो जाएगी। संयुक्त संचालक शिक्षा का दावा है कि संभवतः मप्र देश का पहला राज्य होगा, जहां चीन-दक्षिण कोरिया मॉडल का प्रोजेक्ट सरकारी स्कूलों में लागू किया जा रहा है।

भोपाल में दो दिवसीय कांफ्रेंस: दोनों देश के मॉडल समझने के लिए स्कूल शिक्षा विभाग भोपाल में 30 और 31 अक्टूबर को स्टीम कॉन्क्लेव कांफ्रेंस का आयोजन करा रहा है। इसमें देश-विदेश के सैकड़ों शिक्षाविद् और विशेषज्ञ शामिल होंगे। इस आयोजन में उन अधिकारी-प्राचार्यों को भी शामिल किया गया है, जो दक्षिण कोरिया के दौरे पर गए हुए थे। दो दिवसीय कार्यक्रम में निकाले गए निष्कर्ष के बाद तय होगा कि दोनों देशों का मॉडल प्रदेश में किस तरह से लागू किया जाए।

कांफ्रेंस में ये होगा: कांफ्रेंस में विज्ञान, तकनीक, इंजीनियरिंग, आर्ट और गणित की शिक्षण पद्धति के संबंध में विचार मंथन किया जाएगा। इसमें विशेषज्ञों के माध्यम से प्रस्तुति और परिचर्चा की जाएगी।

> भोपाल में दो दिवसीय कांफ्रेंस आयोजित होगी। इसमें विज्ञान, तकनीक, इंजीनियरिंग के साथ कला और गणित विषय एक साथ पढ़ाने पर चर्चा की जाएगी। यह कार्य एक प्रोजेक्ट के तौर पर शुरू होगा, जिसमें कक्षा एक से लेकर दसवीं तक के विद्यार्थियों को शामिल किया जाएगा। संभवतः मध्य प्रदेश पहला ऐसा राज्य होगा, जहां इस तरह का प्रोजेक्ट लागू होगा।
>
> **आईरीन सिंथिया जेपी, संचालक राज्य शिक्षा केंद्र, भोपाल**

चीन–कोरिया में ये पढ़ाया जाता है: चीन-कोरिया व अन्य देशों में विज्ञान, तकनीक, इंजीनियरिंग, कला और गणित विषय एक साथ बच्चों को पढ़ाया जाता है। बताया जा रहा है कि इन देशों में इस तरह की व्यवस्था लागू होने से बच्चों को अलग-अलग विषय लेकर पढ़ाई करने की जरूरत नहीं होती है।

इससे बच्चों को ये होगा फायदा: दोनों देशों का मॉडल लागू होता है तो सरकारी स्कूल के विद्यार्थियों को विज्ञान, तकनीकी और कला की जानकारी एक साथ मिल पाएगी। अभी तक विद्यार्थियों को अलग-अलग क्षेत्र में जाने के लिए अलग-अलग विषय लेकर पढ़ाई करनी होती है।

मध्य प्रदेश में कांग्रेस नेता पर जमीन हड़पने का आरोप

नईदुनिया, विदिशा: मध्य प्रदेश के विदिशा में शनिवार को बुजुर्ग दंपती पेट के बल सरकते हुए (पिंड भरते हुए) कलेक्टर कौशलेंद्र सिंह से मिलने पहुंचे। जिले की कुरवाई तहसील के ग्राम छपारा के अनुसूचित जाति वर्ग के बुजुर्ग दंपती ने लिखित शिकायत देकर प्रदेश कांग्रेस महासचिव घनश्याम तिवारी पर धोखाधड़ी कर पांच बीघा जमीन हड़पने का आरोप लगाया है। तिवारी ने आरोप को बेबुनियाद बताया है। कलेक्टर ने जांच के आदेश दिए हैं।

रूपा अहिरवार और उनकी पत्नी राधाबाई ने कलेक्टर को बताया कि वर्ष 2013 में उन्होंने पांच बीघा जमीन गांव के ही कोमल सिंह गुर्जर को ठेके पर दी थी। खेत को ठेके पर लेने के दौरान कोमल सिंह उन्हें रजिस्ट्रार कार्यालय ले गया था। यहां उसने कुछ दस्तावेजों पर अंगूठे के निशान लगवा लिए। कुछ दिन बाद पता चला कि उनकी जमीन की रजिस्ट्री घनश्याम तिवारी के बेटे उमेश तिवारी के नाम हो गई। रजिस्ट्री के नाम पर तिवारी ने छह वर्षों से उनकी जमीन पर कब्जा कर रखा है। वह कई बार उनकी शिकायत कर चुके हैं, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। कलेक्टर सिंह ने विदिशा एसडीएम प्रवीण प्रजापति को जांच करने के निर्देश दिए।

उधर, तिवारी ने दैनिक जागरण के सहयोगी प्रकाशन ‘नईदुनिया’ से बातचीत में इसे भाजपा का षड्यंत्र बताया। उन्होंने कहा कि पांच बीघा जमीन उनके परिवार ने नकद राशि देकर खरीदी थी। इसमें रूपा के परिजन की सहमति थी। रजिस्ट्री होने के बाद रूपा ने भाजपा नेताओं के कहने पर कलेक्टर से लेकर मुख्यमंत्री तक शिकायत की थी। वर्ष 2014 में तत्कालीन कलेक्टर के निर्देश पर एसडीएम ने मामले की जांच की थी, जिसमें शिकायत असत्य पाई गई। इसके बाद पांच साल तक रूपा ने कोई शिकायत नहीं की।

बरेली में एटीएस का छापा नावेद का दोस्त फरार

जागरण संवाददाता, बरेली

हिंदूवादी नेता कमलेश तिवारी के हत्यारोपितों की मदद करने के आरोपित नावेद के एक दोस्त ने भी साथ दिया था। यह पता लगने के बाद एसटीएफ ने उसकी ट्रैवल्स एजेंसी व घर पर दबिश दी मगर हाथ नहीं आया। जिस होटल मालिक ने हत्यारोपितों को अपने यहां ठहराया था, उसकी तलाश भी की जा रही है। इनके अलावा तीन और नाम सामने आए हैं, जिन्होंने आरोपितों की आर्थिक मदद की।

18 अक्टूबर को लखनऊ में कमलेश तिवारी की हत्या के बाद आरोपित अशफाक व मोइनुद्दीन बरेली आए और यहां मौलाना कैफी, वकील नावेद ने इलाज व ठहरने आदि की व्यवस्था की थी। जिसके बाद बीते दिनों एसटीएफ व एटीएस दोनों को गिरफ्तार कर लखनऊ ले गई। जांच में पता चला है कि हत्यारोपितों की मदद करने में नावेद का एक दोस्त व ट्रैवल्स एजेंसी में उसका पार्टनर भी शामिल था। वह लगातार नावेद के साथ उन दोनों की मदद में लगा रहा। नेपाल भागने की योजना व हल्की धाराओं में बरेली से जेल भिजवाने की साजिश भी उसी के साथ मिलकर तैयार की गई।

जांच टीमों को पता चला है कि हत्यारोपितों को एक होटल में ठहराया गया था। नावेद के कहने पर कैफी से मुलाकात की और उसी के कहने पर एक होटल में ठहरने का इंतजाम किया गया। तीन घंटे तक अशफाक व मोइनुद्दीन वहीं रहे।

कमलेश की पत्नी ने संभाली हिंदू समाज पार्टी की कमान

जासं, लखनऊ: भगवा शाल पहनकर जय श्रीराम के उद्घोष के बीच हिंदुत्ववादी नेता कमलेश तिवारी की पत्नी किरन तिवारी भी उनकी राह पर चल पड़ीं। पति कमलेश तिवारी की हिंदू समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष बनते ही किरन तिवारी ने कड़े तेवर दिखाए। उन्होंने कहा कि हत्यारोपियों को जल्द फांसी दी जाए या उनको हमारे हवाले कर दिया जाए, इंसाफ मैं करूंगी। कमलेश तिवारी की तेरहवीं के बाद किरन शनिवार को लखनऊ पहुंचीं। किरन ने मामले की जांच पर कहा कि अभी हर चीज साफ नहीं है। बहुत सी चीजें पर्दे के पीछे हैं। कहा, उन्होंने मुख्यमंत्री से एक पार्क में कमलेश तिवारी की मूर्ति लगाने और खुर्शेदबाग का नाम कमलेशबाग करने की मांग की थी। वह नहीं मानी गई। परिवार को सुरक्षा तक नहीं मिली है।

एक कार्यक्रम की मेजबानी सरकार करे, दूसरे की एसजीपीसी

श्री गुरु नानक देव जी के 550वें प्रकाश पर्व पर पंजाब के मुख्यमंत्री ने दिया नया प्रस्ताव

राज्य ब्यूरो, चंडीगढ़

श्री गुरु नानक देव जी के 550वें प्रकाश पर्व के समारोह के साझा आयोजन को लेकर जारी गतिरोध के हल के लिए मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने नया फॉर्मूला सुझाया है। उन्होंने कहा कि शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) को 12 नवंबर के कार्यक्रम में राज्य सरकार के साथ रहना चाहिए। इसमें राष्ट्रपति शामिल होने वाले हैं। एसजीपीसी 11 नवंबर के कार्यक्रम का आयोजन अपने मुताबिक कर सकती है, जिसमें केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के शिरकत करने की संभावना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 11 नवंबर को श्री सुल्तानपुर लोधी गुरुद्वारे के अंदर एसजीपीसी की ओर से लगाई गई स्टेज को एसजीपीसी और पंजाब सरकार साझा तौर पर इस्तेमाल कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री ने यह सुझाव शनिवार को एसजीपीसी अध्यक्ष गोबिंद सिंह लोंगोवाल के साथ बैठक के दौरान पेश किया। समारोह को लेकर जारी खींचतान पर उन्होंने कहा कि ऐतिहासिक अवसर पर सिख समुदाय में एकजुटता की कमी गंभीर चिंता का विषय है। राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री जैसी हस्तियों के शामिल होने के अवसरों पर सिख समुदाय ने हमेशा एकजुटता का परिचय दिया है। इस परंपरा से हटने से सिख समुदाय को अपूर्णीय क्षति हो सकती है।

12 नवंबर के कार्यक्रम में राज्य सरकार के साथ रहे एसजीपीसी

11 नवंबर के समारोह का आयोजन अपने मुताबिक करे शिरोमणि कमेटी

चंडीगढ़ में श्री गुरु नानक देव जी के 550वें प्रकाश पर्व के समारोह के साझा आयोजन को लेकर एसजीपीसी अध्यक्ष गोबिंद सिंह लोंगोवाल के साथ बैठक करते हुए मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह।

एसजीपीसी जल्द देगी जवाब: लोंगोवाल ने मुख्यमंत्री को भरोसा दिया है कि एसजीपीसी उनके प्रस्ताव पर गौर करके जल्द ही अपना जवाब देगी। उन्होंने बताया कि केंद्रीय गृह मंत्री और राष्ट्रपति ने क्रमशः 11 और 12 नवंबर के समारोह में शिरकत करने की मंजूरी दे दी है।

यह है विवाद: गौरतलब है कि 21 अक्टूबर को श्री अकाल तख्त साहिब पर पांच सिंह साहिबान की बैठक के बाद पंजाब सरकार ने कहा था कि वह अपना अलग मंच लगाएगी। दूसरी तरफ अकाल तख्त के जत्थेदार ज्ञानी हरप्रीत सिंह ने कहा था कि मुख्य मंच एसजीपीसी का होगा और कार्यक्रम का संचालन भी एसजीपीसी ही करेगी। उन्होंने पंजाब सरकार के उस प्रस्ताव को रद कर दिया था, जिसमें सरकार ने कहा था कि वह स्टेज तैयार करके देगी और श्री अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार के नेतृत्व में सारे कार्यक्रम उसी स्टेज पर आयोजित किए जाएंगे।

दरअसल मंच पर पूर्व मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल और शिरोमणि अकाली दल के प्रधान सुखबीर बादल को बिठाने को लेकर पंजाब सरकार को आपत्ति थी। उसका कहना था कि किसी एक सियासी पार्टी के प्रधान और पूर्व मुख्यमंत्री को अगर मंच पर बिठाया जाएगा, तो अन्य पार्टियों के प्रधानों को भी बिठाना पड़ेगा। जत्थेदार ज्ञानी हरप्रीत सिंह ने बीच का रास्ता अपनाते हुए मुख्य समारोह एसजीपीसी को सौंपकर बादल को मंच पर बिठाने का रास्ता साफ कर दिया था। वहीं, पंजाब सरकार को अलग से स्टेज लगाने की भी इजाजत दे दी। यह भी कहा गया था कि सियासी पार्टियां भी अपनी स्टेज लगा सकती हैं, लेकिन यहां से कोई सियासी बात नहीं होगी, केवल गुरु नानक साहिब की शिक्षाओं आदि पर बात होगी।

मुख्य समारोह की स्टेज पर धार्मिक शख्सियतें, देश के प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति या उनके प्रतिनिधि, एसजीपीसी के प्रधान, पंजाब के मौजूदा मुख्यमंत्री, पूर्व मुख्यमंत्री और देश के एक पूर्व प्रधानमंत्री होंगे। अब कैप्टन फिर से मंच साझा करने का फॉर्मूला दिया है।

बदरी–केदार के लिए कर्नाटक से आएगा पूजा का चंदन

जागरण टीम, गढ़वाल

▸ **कर्नाटक में चंदन वन के लिए जमीन तलाश रहा अंबानी परिवार**

▸ **मुकेश अंबानी ने किए बदरीनाथ और केदारनाथ के दर्शन**

बदरीनाथ और केदारनाथ में पूजा के लिए चंदन कर्नाटक से आएगा। चंदन वन के लिए कर्नाटक में जमीन का चयन किया जाएगा। बदरीनाथ के दर्शनों के बाद श्री बदरी-केदार मंदिर समिति के पदाधिकारियों से मुलाकात के दौरान प्रख्यात उद्योगपति मुकेश अंबानी ने यह जानकारी दी। इसके अलावा उन्होंने समिति को दो करोड़ रुपये दान में दिए।

शनिवार को मुकेश अंबानी हेलीकॉप्टर से बदरीनाथ पहुंचे। मंदिर में करीब आधा घंटा पूजा-अर्चना के बाद श्री बदरी-केदार मंदिर समिति के पदाधिकारियों ने उनसे मुलाकात की। मुलाकात की जानकारी देते हुए समिति के मुख्य कार्याधिकारी बीडी सिंह ने बताया ने मुकेश अंबानी कर्नाटक में चंदन वन के लिए जमीन तलाश रहे हैं। इसके लिए उन्होंने समिति के एक प्रतिनिधि मंडल को बदरीनाथ धाम के कपाट बंद होने के बाद कर्नाटक आने का आमंत्रण दिया है। बीडी सिंह के अनुसार अभी यह तय नहीं है कि कर्नाटक में जमीन कहां खरीदी जानी है। अंबानी परिवार की मंशा है कि बदरीनाथ और केदारनाथ में पूजा के लिए चंदन इसी वन से जाए। गौरतलब है कि प्रत्येक वर्ष अंबानी परिवार बदरीनाथ धाम में पूजा के लिए प्रयुक्त होने वाली चंदन का खर्च वहन करता है। इसके बाद मुकेश अंबानी केदारनाथ पहुंचे। यहां मुख्य पुजारी केदार लिंग ने रुद्राभिषेक संपन्न कराया।

चमोली स्थित विश्व प्रसिद्ध बदरीनाथ धाम में शनिवार को उद्योगपति मुकेश अंबानी ने भगवान बदरी विशाल के दर्शन किए। पूजा–पाठ के बाद पुजारी और मंदिर समिति के मुख्य कार्याधिकारी के साथ मुकेश अंबानी। जागरण

रोजा शरीफ में पाक श्रद्धालुओं के न आने से रौनक गायब

जागरण संवाददता, फतेहगढ़ साहिब

भारत का मक्का कही जाने वाली हजरत शेख अहमद फारूकी सरहिंदी मुजदद अलफसानी की पवित्र दरगाह रोजा शरीफ पर शनिवार को निराशा के आलम में 407वें वार्षिक उर्स का आगाज हुआ। इसका कारण भारत व पाकिस्तान के बिगड़े संबंधों के कारण यहां सजदा करने के लिए पाकिस्तान में रहते हजरत शेख अहमद के परिवार तक को वीजा न मिलना भी है। उर्स के आगाज के बाद भी पाकिस्तान से किसी प्रकार की सूचना न मिलने पर अब आस टूट चुकी है कि पाकिस्तान से कोई जत्था आएगा। उर्स में पाकिस्तानी श्रद्धालुओं के न पहुंचने पर रोजा शरीफ में पहले दिन शनिवार को रौनक गायब रही। अफगानिस्तान से करीब दो दर्जन और बांग्लादेश से करीब आधा दर्जन श्रद्धालु ही उर्स में अभी तक पहुंचे हैं। रोजा शरीफ के खलीफा सैय्यद मोहम्मद सादिक रजा मुजददी ने पाक के श्रद्धालुओं को वीजा न मिलने पर दुख जताया है।

उधर, उर्स के पहले दिन ईसा की नमाज के बाद मिलाद का आयोजन हुआ। लखनऊ के कारी हजरात ने मिलाद शरीफ पढ़ने की रस्म अदा की।

बता दें कि पाकिस्तान से लगभग डेढ़ सौ श्रद्धालु दरगाह पर कई दशकों से पाक श्रद्धालु सजदा करने आते रहे हैं। पंजाब में आतंकवाद के दौर के दौरान माहौल को भांपते हुए श्रद्धालु नहीं आए थे। उसके बाद अब पहली बार ऐसा हुआ है कि अभी तक किसी पाकिस्तानी श्रद्धालु को वीजा नहीं मिला।

पंजाब के जिला फतेहगढ़ साहिब में भारत का मक्का कही जाने वाली हजरत शेख अहमद फारूकी सरहिंदी मुजदद अलफसानी की पवित्र दरगाह रोजा शरीफ पर शनिवार को 407वां वार्षिक उर्स का आगाज हुआ। इस बार भारत व पाकिस्तान के बिगड़े संबंधों के कारण यहां सजदा करने के लिए पाकिस्तान में रहते हजरत शेख अहमद के परिवार तक को वीजा नहीं मिला है और वहां से कोई भी श्रद्धालु उर्स में शामिल नहीं हुआ है। शनिवार को दरगाह पर सजदा करते श्रद्धालु। जागरण

मिसाल

> तीन महीने पहले मंदिर निर्माण को लेकर चर्चा में रहे अलीगढ़ के मदरसा चाचा नेहरू के छात्र लिखेंगे सौहार्द की नई इबारत

उन्मादी हिंसा के शिकार हुए रकबर के बच्चे करेंगे लक्ष्मी–गणेश का पूजन

गौरव दुबे, अलीगढ़

तीन महीने पहले मंदिर निर्माण को लेकर चर्चा में रहा मदरसा चाचा नेहरू हिंदू-मुस्लिम सौहार्द की नई इबारत लिखने जा रहा है। रविवार को दीपावली पर स्कूल में हिंदू छात्र-छात्राओं के साथ मुस्लिम विद्यार्थी भी गणेश-लक्ष्मी की पूजा में शामिल होंगे। उन्मादी भीड़ की हिंसा (मॉब लिंचिंग) के शिकार हुए (हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान) मुस्लिम परिवारों के आठ बच्चे आकर्षण का केंद्र होंगे। इनमें रकबर के बच्चे भी शामिल हैं। यहां चार हजार विद्यार्थी पढ़ते हैं। इसमें से 700 हिंदू विद्यार्थी हैं। आठ ऐसे बच्चे यहां पढ़ रहे हैं, जिनके अपने भीड़ हिंसा के शिकार हुए हैं। ये बच्चे हॉस्टल में रहते हैं। हॉस्टल में कुल 42 बच्चे रह रहे हैं। जिनमें 22 हिंदू व 20 मुस्लिम बच्चे हैं।

मदरसा चाचा नेहरू की संस्थापिका व पूर्व उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी की पत्नी सलमा अंसारी शमशाद मार्केट में स्कूल का संचालन कर रही हैं। स्कूल में ईद पर हिंदू-मुस्लिम छात्र-छात्राएं एक साथ कुरान ख्वानी में शामिल होते हैं। हिंदू बच्चों के लिए उन्होंने लकड़ी के मंदिर में देवी-देवताओं की मूर्ति स्थापित करके पूजा की व्यवस्था की है। एक ही कमरे में हिंदू बच्चे पूजा करते हैं तो मुस्लिम बच्चे कुरान का पाठ।

> हिंदू–मुस्लिम बच्चे एक साथ दीपावली की पूजा में शामिल होंगे। भीड़ की हिंसा के शिकार हुए रकबर के तीन बच्चे भी पढ़ रहे हैं, वो भी पूजा में शामिल होंगे। मैं भी शामिल होऊंगा। ईद पर कुरान ख्वानी भी हिंदू–मुस्लिम विद्यार्थी मिलकर ही करते हैं।
>
> **–राशिद अली, प्रधानाचार्य मदरसा चाचा नेहरू**

अनोखी होगी दीपावली : इस बार दीपावली पर पूजा भी एक साथ ही करेंगे। इसमें शिक्षक भी शामिल होंगे। अलवर राजस्थान में गाय ले जाते वक्त भीड़ की हिंसा में जान गंवाने वाले रकबर के तीन बेटे भी अन्य बच्चों के साथ रविवार को गणेश-लक्ष्मी पूजन में शामिल होंगे। रकबर के तीन बेटे साहिल, रेयान व इकराम इसी मदरसे में शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं।

अलीगढ़ स्थित मदरसा चाचा नेहरू के हिंदू व मुस्लिम छात्र–छात्राओं ने चॉक पीसकर आकर्षक रंगोली बनाई। जागरण

दिवाली की आड़ में पराली को आग लगाने की तैयारी

जगदीश कुमार, जालंधर

पंजाब सरकार की ओर से किसानों को जागरूक करने के बावजूद कुछ किसान धड़ल्ले से पराली जला रहे हैं। पराली जलाने के लिए नए हथकंडे अपनाकर प्रशासन की आंखों में धूल झोंक रहे हैं। विभिन्न गांवों से मिली सूचना के मुताबिक दिवाली की रात किसान पराली को बड़े पैमाने पर आग लगा सकते हैं। किसान पटाखों की रोशनी व धुएं में पराली जलाकर प्रशासन व सेटेलाइट को धोखा देने की तैयारी में हैं। प्रशासन द्वारा पूछताछ करने पर किसानों का बहाना होता है कि पटाखों की चिंगारी से खेतों में पड़ी पराली को आग लग गई।

प्रशासन सेटेलाइट से पराली जलाने की घटनाओं पर नजर रख रहा है, लेकिन किसानों ने सेटेलाइट को धोखा देने का नया तरीका निकाल लिया है। ऐसा सामने आया है कि किसानों ने पूरे खेत में पराली जलाने की बजाय उसे एक जगह इकट्ठा कर जलाना शुरू कर दिया है। इससे सेटेलाइट में ऐसा दिखाई देता है कि खेत के किनारे किसी ने कूड़े के ढेर को आग लगाई है।

सेटेलाइट की तस्वीरों में पराली जलाने के 208 मामले सिर्फ जालंधर में सामने आ चुके हैं। दिवाली के पटाखे चलने से पहले एयर क्वालिटी इंडेक्स 158 तक पहुंच गया है। कृषि अधिकारी डॉ. नरेश गुलाटी का कहना है कि किसानों को बड़े स्तर पर जागरूक करने के बावजूद कुछ किसान पराली को आग लगा रहे हैं। जांच टीमों की रिपोर्ट के आधार पर उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। दिवाली के दिन भी पूरी नजर रखी जाएगी। अगर कोई घटना होती है तो उसकी जांच के बाद एक्शन होगा। पंजाब प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड के एक्सईएन अरुण कक्कड़ का कहना है कि नकोदर इलाके में पराली जलाने वालों के खिलाफ पुलिस में केस दर्ज करवाया गया है। विभाग के मुलाजिमों को अन्य विभागों के साथ तालमेल रखने की हिदायतें दी हैं।

16 क्षेत्रों में 81,319 करोड़ रुपये के निवेश के लिए 566 समझौता प्रपत्रों (एमओयू) पर हस्ताक्षर कर चुकी है हिमाचल प्रदेश सरकार। इनसे प्रदेश में एक लाख 76 हजार युवाओं को रोजगार मिलेगा। यह जानकारी मुख्यमंत्री जयराम रमेश ने दी।

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
रविवार 27 अक्टूबर 2019

शुभ दीपावली

मधुर-मधुर मेरे
दीपक जल।
युग-युग
प्रतिदिन
प्रतिक्षण
प्रतिपल,
प्रियतम का पथ आलोकित कर।
सौरभ फैला विपुल धूप बन,
मृदुल मोम-सा घुल रे मृदु तन,
दे प्रकाश का सिंधु अपरिमित, तेरे
जीवन का अणु गल-गल।
पुलक-पुलक मेरे दीपक जल।

महादेवी वर्मा

कई राज्यों में भारी बारिश की चेतावनी

चिंताजनक ▶ अरुणाचल, असम, मेघालय, नगालैंड समेत महाराष्ट्र के कोंकण में रेड अलर्ट जारी

पालघर, सिंधूदुर्ग सहित अन्य जगहों पर मछुआरों को वापस बुलाया गया

नई दिल्ली, एएनआइ : भारत मौसम विज्ञान विभाग (आइएमडी) ने शनिवार को कहा कि अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय तथा नगालैंड में भारी बारिश हो सकती है। मौसम विभाग ने इसी के साथ मिजोरम, त्रिपुरा, तेलंगाना, तटवर्ती कर्नाटक, तमिलनाडु, पुडुचेरी तथा केरल में भी भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। महाराष्ट्र के कोंकण बेल्ट में भी रेड अलर्ट जारी कर दिया गया है। पालघर, सिंधूदुर्ग सहित अन्य जगहों पर मछुआरों को वापस बुला लिया गया है।

मौसम विभाग ने कहा कि विदर्भ, छत्तीसगढ़, ओडिशा, मध्य महाराष्ट्र, मराठवाडा तथा तटवर्ती आंध्र प्रदेश में गरज के साथ बारिश और बिजली गिरने की संभावना है। विभाग ने कहा कि 90 से 100 किमी की रफ्तार से चल रही तेज हवा के 110 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से पूर्व मध्य तथा अरब सागर से सटे पश्चिमी मध्य भाग में पहुंचने की संभावना है।

पूर्व-मध्य अरब सागर से उठा क्यार तूफान विगत छह घंटों में उत्तर-उत्तर पूर्व की ओर चार किमी प्रति घंटे की रफ्तार से बढ़ रहा है। इस तूफान के और तीव्र होने की संभावना है। अगले पांच दिनों में यह ओमान तटवर्ती इलाकों की ओर बढ़ सकता है, इसलिए अगले 36 घंटों के दौरान क्यार तूफान के तेजी पकड़ने से भारी बारिश हो सकती है। कर्नाटक में तूफान क्यार यहां के निवासियों की दिवाली को काली कर सकता है। मौसम विभाग ने रविवार को यहां भारी बारिश और तेज हवाएं चलने की आशंका जाहिर की है।

प्रचंड रूप ले सकता है क्यार तूफान : मौसम विभाग ने अलर्ट जारी करते हुए कहा, अरब सागर में गहरे विक्षोभ के चलते उत्पन्न तूफान क्यार अगले 24 घंटों के दौरान प्रचंड रूप ले सकता है। क्यार तूफान के कारण कोंकण, गोवा, तटवर्ती कर्नाटक, गंगीय पश्चिम बंगाल, असम तथा मेघालय में अगले चौबीस घंटों में भारी बारिश की संभावना है। अगले दो-तीन दिनों में प्रायद्वीपीय भारत के अधिकांश भागों में तथा अगले 48 घंटों के दौरान पूर्व व उत्तर पूर्व भारत के इलाकों में तेज बारिश का असर देखने को मिल सकता है। अगले दो-तीन दिनों में पूर्व, उत्तर पूर्व तथा मध्य भारत के साथ-साथ प्रायद्वीपीय भारत के कई हिस्सों में आंधी, पानी और बिजली गिरने की संभावना है।

बता दें कि शुक्रवार को कर्नाटक के तटवर्ती क्षेत्र से क्यार तूफान के गुजरने का असर दक्षिणी कन्नड़ जिले में देखने को मिला। गुरुवार को पूरी रात बारिश होती रही और शुक्रवार को रुक-रुक कर वर्षा हुई। तेज हवा के कारण कई पेड़ गिर गए और कई जगह मकान क्षतिग्रस्त हो गए।

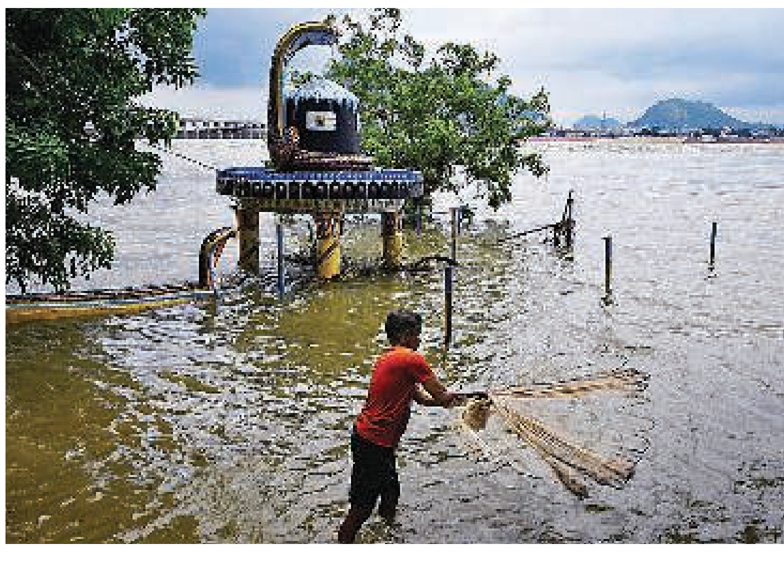

आंध्रप्रदेश के विजयवाड़ा में कृष्णा नदी में आई बाढ़ में जलमग्न मंदिर। प्रेट्र

भारतीय तटरक्षक बल ने कसी कमर

उधर कर्नाटक में कोस्ट गार्ड ने अलर्ट जारी करते हुए सुरक्षा की तैयारी तेज कर दी है। समुद्र में फंसे मछुआरों को बचाया जा रहा है। तटरक्षक बल ने बचाव व राहत के लिए एक एयरक्राफ्ट भी तैनात किया है। डोर्नियर एयरक्राफ्ट प्रभावित इलाकों में लगातार निगरानी कर रहा है। इसके अलावा तटरक्षक बल ने कर्नाटक-गोवा तट पर भारतीय तटरक्षक जहाज समुंद्र प्रहरी, अमल, अपूर्व, अमर्त्य और राजदूत को भी तैनात किया है।

अब कश्मीरियों की आर्थिक स्थिति बिगाड़ने की साजिश रच रहा पाक

- डीजीपी दिलबाग सिंह ने ट्रक चालकों की हत्या के लिए पाकिस्तान को घेरा
- बिजली-पानी जैसी मूल सेवाओं को भी ठप करने की साजिश

राज्य ब्यूरो, श्रीनगर

राज्य पुलिस महानिदेशक दिलबाग सिंह ने पाकिस्तान पर हमला बोलते हुए कहा कि घाटी में सुधरते हालात से हताश पाकिस्तान अब कश्मीरियों की अर्थव्यवस्था को पूरी तरह तबाह करने और उनकी रोजी रोटी के साधन बर्बाद करने पर तुला है। इसलिए कश्मीर में सक्रिय पाक समर्थित आतंकी यहां पर्यटन और बागवानी क्षेत्र को नुकसान पहुंचा रहे हैं।

यहां बीएसएफ फ्रंटियर मुख्यालय में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि इसी साजिश के तहत दक्षिण कश्मीर में ट्रक चालकों और सेब व्यापारियों की हत्या हुई हैं। इतना ही नहीं आतंकी कश्मीर में बिजली-पानी और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सुविधाओं को भी नुकसान पहुंचाना चाहते हैं।

उन्होंने कहा कि कश्मीरियों की अर्थव्यवस्था बागवानी और पर्यटन पर आधारित है। कश्मीर की लगभग 80 फीसद आबादी इन दो क्षेत्रों पर रोजी रोटी के लिए निर्भर करती है और आतंकी इन दो क्षेत्रों को ही तबाह कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि लोग जिस तरह से आतंकियों और अलगाववादियों की साजिशों को नजर अंदाज करते हुए सामान्य जनजीवन बहाल कर रहे हैं, उससे हताश होकर ही वे पाकिस्तान के इशारे पर दुकानदारों, सेब उत्पादकों और ट्रक चालकों को निशाना बना रहे हैं।

उन्हें आम कश्मीरियों से कोई मतलब नहीं, उनका मकसद सिर्फ तबाही फैलाना है। शोपियां में आतंकियों ने एक बिजली ट्रांसमिशन को भी उड़ाने का प्रयास किया है। अगर वह इसमें कामयाब रहते तो आज पूरे कश्मीर में अंधेरा होता। ट्रांसमिशन टावर को उड़ाने में लिप्त तत्वों को चिह्नित किया जा रहा है।

ट्रक चालकों के हत्यारों की पहचान : दिलबाग सिंह ने कहा कि दक्षिण कश्मीर में ट्रक चालकों की हत्या में लिप्त आतंकियों को चिह्नित कर लिया गया है। उनके ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। जल्द ही वह कानून के शिकंजे में होंगे या मारे जाएंगे। ट्रक चालकों, सेब व्यापारियों, उत्पादकों और आम लोगों की सुरक्षा के लिए विशेष प्रबंध किया है। ट्रकों की मूवमेंट वाले इलाकों में गश्त बढ़ाई गई है। उन्होंने कहा कि घाटी में बीडीसी चुनाव भी शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुए हैं। इससे पाक हताश है। वह कश्मीर में हालात बिगाड़ने के लिए जंगबंदी का उल्लंघन कर आतंकियों की घुसपैठ का प्रयास कर रहा है। हालांकि सुरक्षा बलों ने तमाम साजिशों को नाकाम बनाते हुए हर बार मुंहतोड़ जवाब दिया है।

जल्द मारे जाएंगे सक्रिय आतंकी : राज्य पुलिस प्रमुख ने कहा कि आतंकियों की साजिशों को नाकाम बनाने के लिए हम सुनियोजित तरीके से अपने अभियानों में गति ला रहे हैं। पिछले कुछ दिनों के दौरान हमारा ध्यान यहां कानून-व्यवस्था की स्थिति बनाए रखने पर ही पूरी तरह केंद्रित था। हम जल्द ही यहां सक्रिय आतंकियों को मार गिराएंगे।

अब जम्मू-कश्मीर में स्वतंत्र रूप से काम करेगा प्रोसिक्यूशन विंग

राज्य ब्यूरो, श्रीनगर : जम्मू-कश्मीर में आपराधिक न्याय व्यवस्था को केंद्रीय दंड संहिता 1973 के साथ लाने के लिए राज्य प्रशासन ने स्वतंत्र, पृथक अभियोजन कैडर व निदेशालय की स्थापना को मंजूरी प्रदान की है। शुरू में आइजी रैंक के आइपीएस अधिकारी को पहला महानिदेशक अभियोजन (प्रोसिक्यूशन) बनाया जाएगा।

गौरतलब है कि 31 अक्टूबर को जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम 2019 के तहत जम्मू-कश्मीर में सभी केंद्रीय कानून लागू होंगे। 31 अक्टूबर को ही जम्मू कश्मीर दो केंद्रित शासित राज्यों जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में पुनर्गठित होगा। संबंधित अधिकारियों ने बताया कि मौजूदा परिस्थितियों में अभियोजन विंग राज्य पुलिस संगठन के अंतर्गत ही है। राज्यपाल सत्यपाल मलिक की अध्यक्षता में गत दिनों हुई राज्य प्रशासनिक परिषद (एसएसी) की बैठक में इसे पुलिस संगठन से पूरी तरह अलग स्वतंत्र विभाग के रूप में स्थापित करने का फैसला लिया है। केंद्रीय दंड संहिता 1973 के मुताबिक पब्लिक प्रासिक्यूटर, एडिशनल पब्लिक प्रासिक्यूटर और असिस्टेंट पब्लिक प्रासिक्यूटर को नियमित प्रासिक्यूटर कैडर से लिया जाने का नियम है। एसएसी ने अलग प्रासिक्यूशन कैडर का मंजूरी देते हुए मौजूदा प्रासिक्यूशन विंग को इसका शुरुआती कैडर मान्य करते हुए निदेशक की अगुआई में अभियोजन निदेशालय को मंजूरी दी है। महानिरीक्षक (आइजी) रैंक के आइपीएस अधिकारी को पहला महानिदेशक अभियोजन बनाया जाएगा। एसएसी ने जम्मू-कश्मीर सरकार बिजनेस नियमावली के संबंधित शेड्यूल में गृह विभाग के अधीन अभियोजन को अलग विषय और विभाग के रूप में शामिल करने को भी मंजूरी दी है। संबंधित अधिकारियों ने बताया कि सीआरपीसी के प्रावधानों के तहत जम्मू कश्मीर में अभियोजन विंग का अलग कैडर तय करने से राज्य में दोषियों को सजा दिलाने के मामलों में बढ़ोत्तरी होगी।

सरकारी तंत्र में छिपे अलगाववादी समर्थकों पर कसेगा शिकंजा

राज्य ब्यूरो, श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने अब सरकारी तंत्र में छिपे अलगाववादियों और आतंकियों के समर्थकों और पाकिस्तानी एजेंटों के खिलाफ भी शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। दक्षिण कश्मीर के पुलवामा में दो सरकारी कर्मचारियों को जिहादी भावनाओं को भड़काने के आरोप में निलंबित कर दिया गया है। दोनों के खिलाफ विभागीय जांच भी शुरू की गई है। इसके अलावा राज्य पुलिस के खुफिया विभाग और अन्य संगठनों को भी ऐसे लोगों का ब्यौरा तैयार करने का जिम्मा सौंपा है।

अधिकारियों ने बताया कि निलंबित आरोपितों में से एक राजस्व विभाग में पटवारी है और एक शिक्षक। दोनों को अगले आदेश तक अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट पुलवामा के कार्यालय में अटैच किया गया है। आरोप है कि इन लोगों ने बुधवार को अंसार उल गजवात-ए-हिंद के कमांडर अब्दुल हमीद लोन उर्फ ललहारी के जनाजे के दौरान धार्मिक भावनाओं को भड़काने वाला भाषण दिया था। इन दोनों के बारे में मिली शिकायत के आधार पर ही जिला मजिस्ट्रेट पुलवामा डॉ. राघव लंगर ने कार्रवाई करते हुए इन्हें निलंबित किया है। उन्होंने बताया कि दोनों आरोपितों के खिलाफ विभागीय जांच भी शुरू की गई है।

खुफिया तंत्र को अलर्ट जारी

इस बीच, सूत्रों के अनुसार राज्य सरकार ने प्रशासनिक तंत्र में विभिन्न स्तरों पर अलगाववादी और आतंकी तत्वों के समर्थकों का पता लगा उनकी नकेल कसने की कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस के खुफिया तंत्र अन्य सुरक्षा एजेंसियों को निर्देश दिया गया है कि वह सरकारी विभागों में कार्यरत ऐसे सभी तत्वों का पता लगाएं जिनका अलगाववादियों और आतंकियों से कनेक्शन है। इसके अलावा इन लोगों की गतिविधियों का भी ब्यौरा तैयार करने अलावा यह भी पता लगाया जाए कि क्या यह कभी खुद भी राष्ट्रविरोधी प्रदर्शनों, हिंसक घटनाओं, पथराव में शामिल रहा है या नहीं। अगर राष्ट्रविरोधी गतिविधियों में कथित संलिप्तता के आधार किसी निलंबित या सेवामुक्त अधिकारी को बहाल किया गया है तो उस पर भी रिपोर्ट मांगी गई है।

'अनुच्छेद-370 खत्म कर कांग्रेस की भूल सुधारी'

राज्य ब्यूरो, जम्मू

भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव राम माधव ने कहा कि कांग्रेस ने अलोकतांत्रिक तरीके से अनुच्छेद-370 लगाकर ऐतिहासिक भूल की थी। अब मोदी सरकार ने इसे हटाकर उस भूल को सुधार लिया है। यह कदम मोदी सरकार ने देश और जम्मू-कश्मीर के हित को मद्देनजर रखकर उठाया है। जब कोई मर जाता है तो उसका मातम चाहे दस दिन करो या तीन महीने वह व्यक्ति वापस नहीं आता। इसी तरह से अनुच्छेद-370 अब वापस नहीं आएगा।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी न्यास ट्रस्ट की तरफ से जम्मू-कश्मीर के विलय दिवस पर जम्मू में आयोजित सेमिनार में भाग लेने पहुंचे राम माधव ने ऐतिहासिक परतों को खोलकर अनुच्छेद 370 लगाने के लिए कांग्रेस को आड़े हाथ लिया। उन्होंने कहा कि महाराजा हरि सिंह ने जम्मू-कश्मीर का भारत के साथ विलय करने के लिए हस्ताक्षर किए थे। इसमें अनुच्छेद 370 का कोई लेना-देना नहीं था। यह हरि सिंह की कल्पना नहीं थी। लेकिन बाद में शेख अब्दुल्ला और पंडित जवाहर लाल नेहरू ने अनुच्छेद-370 को जन्म दिया।

उन्होंने कहा कि अनुच्छेद-370 को खत्म कर महाराजा हरि सिंह के साथ-साथ श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पंडित प्रेमनाथ डोगरा की स्मृति में समर्पित है। उन्होंने स्पष्ट किया कि मोदी सरकार ने राजनीतिक कारणों या अपनी विचारधारा के कारणों से अनुच्छेद-370 को नहीं हटाया है। यह फैसला मोदी सरकार ने राज्य के आखिरी व्यक्ति के हितों को ध्यान में रखते हुए उठाया है। इससे जम्मू-कश्मीर में विकास का नया अध्याय शुरू होगा।

नेहरू ने की थी विलय में देरी : राम माधव ने कहा कि अगर सरदार पटेल पर अन्य रजवाड़ों की तरह जम्मू-कश्मीर के विलय की जिम्मेदारी सौंप दी होती तो आज यह हालात नहीं होते। नेहरू ने विलय में देरी के लिए दो-चार दिन लगाए, उसी के कारण पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर के कुछ हिस्से पर कब्जा जमा लिया। अनुच्छेद-370 का ड्रामा संविधान सभा में किया गया। अब विपक्ष कहता है कि सरकार ने जनता से पूछकर फैसला नहीं किया। इतिहास का जिक्र करते हुए राम माधव ने कहा कि अनुच्छेद-370 लगाने के प्रस्ताव को कांग्रेस वर्किंग कमेटी ने भी नामंजूर कर दिया था, लेकिन नेहरू जम्मू-कश्मीर को अनुच्छेद-370 देना ही चाहते थे और इसका वादा शेख अब्दुल्ला से कर चुके थे।

जम्मू में शनिवार को श्यामा प्रसाद मुखर्जी न्यास ट्रस्ट की तरफ से विलय दिवस पर आयोजित सेमिनार को संबोधित करते भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव राम माधव। जागरण

ट्रक चालकों को मारने वालों को बख्शा नहीं जाएगा

राम माधव ने सवाल किया कि क्या कश्मीरियत भारत से अलग थी? क्या कश्मीरी पंडितों को अपने ही घरों से बेघर कर देना कश्मीरियत है? क्या चुनाव का बहिष्कार कर देना कश्मीरियत है? क्या सेब लादने गए ट्रक ड्राइवरों को मारना कश्मीरियत है? कश्मीरियत वह है जिसमें सभी के साथ न्याय हो। सभी शांति और खुशहाली से रह सकें। उन्होंने कहा कि सरकार ट्रक ड्राइवरों को पूरी सुरक्षा प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि हत्या करने वाले आतंकवादियों को बख्शा नहीं जाएगा।

अंतिम दरबार मूव में जुटे कर्मचारी...

ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर में सचिवालय ने शुक्रवार से काम करना बंद कर दिया। इसके साथ ही सामान की पैकिंग भी शुरू हो गई और उन्हें ट्रकों में लादा जाने लगा। अब दरबार 4 नवंबर को जम्मू में खुलेगा। तब तक जम्मू-कश्मीर नए केंद्र शासित प्रदेश का दर्जा ले लेगा। जम्मू के कर्मचारी दो दिन पहले ही निकल चुके हैं। उन्हें विशेष तौर पर दो दिन का दिवाली अवकाश दिया गया था। जागरण

कोर्ट में ही दे दिया तत्काल तीन तलाक, मुकदमा दर्ज

जागरण संवाददाता, सुलतानपुर : कानून को ठेंगा दिखाते हुए एक व्यक्ति ने अदालत में ही पत्नी को तत्काल तीन तलाक दे दिया। इससे जज भी हैरान रह गए। पति के व्यवहार से खिन्न अदालत ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज करने का आदेश दिया है।

हालांकि पति फुरकान अपनी पत्नी फरजाना को काफी पहले ही तलाक दे चुका है। इसी मामले पर कोर्ट में पत्नी के भरण पोषण को लेकर सुनवाई चल रही थी। अदालत में जज के सामने तत्काल तीन तलाक देने का दुस्साहस करने वाला यह पहला मामला है। जिले के लौहर पश्चिम निवासी फुरकान की शादी फरजाना से 27 मई 2000 को हुई थी। उनसे एक बेटा हुआ। फुरकान सऊदी अरब में नौकरी करता है। फरजाना का आरोप है कि उसके सास-ससुर उसे पीटते थे। तीन जून 2012 को फरजाना ने ससुरालीजन पर मारपीट का मुकदमा भी दर्ज कराया था। इससे नाराज पति फुरकान ने उसे तत्काल तीन तलाक दे दिया था। बाद में भरण-पोषण को लेकर पारिवारिक न्यायालय में मुकदमा दायर हो गया, जिसकी जिरह शनिवार को पारिवारिक न्यायालय के जज आनंद प्रकाश के कोर्ट में चल रही थी।

नहीं रहे 14 साल पहले अपनी मौत की भविष्यवाणी करने वाले कुंजीलाल

नईदुनिया, बैतूल

ज्योतिष विद्या के जानकार कुंजीलाल मालवीय अपनी मौत की भविष्यवाणी की तारीख से 14 साल छह दिन बाद दुनिया से विदा हो गए। मध्य प्रदेश के बैतूल से 12 किमी दूर ग्राम सेहरा निवासी कुंजीलाल 20 अक्टूबर 2005 को अपनी मौत की भविष्यवाणी कर देश-दुनिया में चर्चित हो गए थे। शुक्रवार रात करीब 11 बजे 90 साल की उम्र में उन्होंने अंतिम सांस ली। शनिवार को उनकी अंत्येष्टि की गई।

गौरतलब है कि कुंजीलाल ने अपने पास आने वाले लोगों को ग्रहों की गणना के आधार पर बताया था कि 20 अक्टूबर 2005 को करवाचौथ के दिन उनकी मौत हो जाएगी। यह भविष्यवाणी गांव में चर्चा का कारण बनी और जब जिला मुख्यालय तक पहुंची तो मीडिया के सहारे देश-दुनिया को पता चल गई। जब मौत का बताया गया दिन आया, तब देश के कई न्यूज चैनलों ने लगातार 12 घंटे तक सीधा प्रसारण किया था, ताकि उनकी भविष्यवाणी की सत्यता लोग लाइव देख सकें। उस समय दिनभर कुंजीलाल के साथ परिजन और ग्रामीण गांव के हनुमान मंदिर में भजन-कीर्तन करते रहे थे। हालांकि, उस दिन उनको कुछ नहीं हुआ। तब उन्होंने कहा था कि उनकी पत्नी ने करवाचौथ का व्रत कर उनकी लंबी उम्र की दुआ मांगी थी, इसलिए मौत टल गई।

नत्था के किरदार को बताया अपनी कहानी : मौत की भविष्यवाणी के घटनाक्रम के बाद कुंजीलाल के पड़ोसी गांव पिपला के नाम पर 'पीपली लाइव' फिल्म बनी थी। इसमें कहानी नत्था नाम के किरदार के आसपास घूमती है। कर्ज से परेशान नत्था भी अपनी मौत की भविष्यवाणी करता है। फिल्म के रिलीज होने पर कुंजीलाल ने दावा किया था कि यह फिल्म उनके जीवन पर आधारित है। उन्होंने फिल्म के निर्माता-निर्देशक को नोटिस भी भेजा था। हालांकि, इस मामले में आगे कुछ नहीं हुआ।

बैतूल। कुंजीलाल मालवीय का उस दिन का फोटो, जब वे मौत के इंतजार में बैठे थे। वीडियो ग्रैब

श्रीनगर में आंतकियों ने जवानों पर फेंका ग्रेनेड छह घायल

राज्य ब्यूरो, श्रीनगर : आतंकियों ने दिवाली की पूर्व संध्या पर श्रीनगर में सीआरपीएफ जवानों पर ग्रेनेड हमला किया। इसमें छह जवान जख्मी हुए। हमले के बाद मची भगदड़ में आतंकी भाग निकले। फिलहाल, पुलिस और सीआरपीएफ जवानों ने पूरे क्षेत्र की घेराबंदी कर ली है। यह हमला शाम करीब सात बजे कर्णनगर के काकसराय इलाके में हुआ।

संबंधित अधिकारियों ने बताया कि काक सराय में सीआरपीएफ की 144वीं वाहिनी के जवानों ने नाका लगाया हुआ था। नाके को निशाना बनाते हुए ही आतंकियों ने ग्रेनेड फेंका। ग्रेनेड जवानों के पास गिरा और एक जोरदार धमाके के साथ फट गया। इसमें छह जवान जख्मी हो गए। धमाके के बाद वहां मची अफरातफरी में आतंकी भाग गए। दावा किया जा रहा है कि आतंकियों ने नाका पार्टी पर फायरिंग भी की थी। जवानों ने भी इस पर जवाबी कार्रवाई करनी चाही, लेकिन आम लोगों की भीड़ को देखते हुए उन्होंने संयम बरता। ग्रेनेड हमले की सूचना मिलते ही पुलिस और सीआरपीएफ के अधिकारी भी दल-बल समेत मौके पर पहुंच गए। उन्होंने घायल पड़े जवानों को निकटवर्ती अस्पताल पहुंचाया।

नया जम्मू-कश्मीर

अब अल्पसंख्यकों से नहीं होगा पक्षपात

सूबे में 31 अक्टूबर से प्रभावी हो जाएगा राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग, साथ ही कल्याण के लिए चलाई जाने वाली केंद्रीय योजनाओं को भी मिलने लगेगा फायदा

नवीन नवाज, श्रीनगर

72 साल बाद अल्पसंख्यकों को सभी योजनाओं में मिलेगी बराबर हिस्सेदारी

31 अक्टूबर को दो केंद्र शासित राज्यों में परिवर्तित हो जाएगा जम्मू-कश्मीर

अलगाववाद को सींचने वाले अनुच्छेद-370 की सियासत खत्म होने के बाद बदल रही जम्मू-कश्मीर की प्रशासनिक और राजनीतिक व्यवस्था में अगर सबसे ज्यादा किसी को लाभ होगा तो वह है अल्पसंख्यक समुदाय। स्थानीय अल्पसंख्यकों को अब देशभर में रहने वाले अल्पसंख्यकों के कल्याण के लिए चलाई जाने वाली केंद्रीय योजनाओं में बराबर की हिस्सेदारी मिलेगी। उनके लिए शिक्षा, रोजगार, कौशल विकास, आयुष्मान और मनरेगा में अवसर बढ़ेंगे।

बरसों से उठाई जा रही थी मांग : राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग अधिनियम जो देश में अल्पसंख्यकों से संबंधित मामलों की देखरेख करता है, जम्मू कश्मीर में लागू नहीं था। 370 के तहत जम्मू-कश्मीर का अलग संविधान इसकी अनुमति नहीं देता था। इसलिए राष्ट्रीय स्तर पर अल्पसंख्यकों के लिए बनने वाली विभिन्न योजनाएं आंशिक रूप से ही जम्मू-कश्मीर में लागू होती थीं। स्थानीय अल्पसंख्यक समुदाय जिनमें सिख, बौद्ध, इसाई, जैन शामिल हैं, बरसों से जम्मू कश्मीर में अपने लिए अधिकारिक स्तर पर अल्पसंख्यक समुदाय का दर्जा मांग रहे थे। लेकिन कश्मीर केंद्रित सियासत और तुष्टिकरण की सियासत के चलते जम्मू-कश्मीर में इन समुदायों की यह मांग पूरी नहीं हो रही थी। कई मामलों में यह भी देखा गया है कि मुस्लिम बहुल राज्य होने के बावजूद स्थानीय मुस्लिम समुदाय अल्पसंख्यक कोटे की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ ले रहा है।

सभी केंद्रीय कानून होंगे लागू : पांच अगस्त को जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद-370 हटाने के बाद अब 31 अक्टूबर को जम्मू-कश्मीर दो केंद्र शासित राज्यों जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में परिवर्तित होने जा रहा है। इसके साथ ही सभी केंद्रीय कानून राज्य में लागू होंगे। राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग अधिनियम केंद्रीय जम्मू कश्मीर में लागू हो जाएगा।

नेकां और पीडीपी पे वोट बैंक के लिए किया इस्तेमाल : क्रिश्चियन यूथ वेल्फेयर फोरम से जुड़े बरियाम भट्टी ने कहा कि पूरे देश में हमारे समुदाय को उसकी आबादी के आधार पर अल्पसंख्यक माना जाता है। यहां जम्मू कश्मीर में हमारी आबादी एक फीसद से भी कम है। बावजूद हम इस दर्जे से महरूम थे। हमें नेशनल कांफ्रेंस, पीडीपी, कांग्रेस और अन्य दलों ने हमेशा वोट बैंक के तौर पर इस्तेमाल किया। चुनाव से पहले हमें हक देने का यकीन दिलाया और बाद में भूल गए। लेकिन अब अल्पसंख्यक का दर्जा यकीनी नजर आने लगा है।

नेशनल सिख फ्रंट के चेयरमैन विरेंद्रजीत सिंह ने कहा कि जम्मू कश्मीर में सिख अल्पसंख्यक हैं और हमारी आबादी लगभग दो फीसद है। इसके बावजूद हमें अल्पसंख्यक का दर्जा और सुविधाएं सत्ता में रही सरकारों ने नहीं दी। मुझे यह कहने में कोई डर नहीं है कि नेकां और पीडीपी ने कुर्सी मिलने के बाद अपने वादे भूल जाते थे। राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग अधिनियम के जम्मू-कश्मीर में लागू होने से अब इसाई और बौद्ध समेत सभी अल्पसंख्यकों को फायदा मिलेगा।

छत्तीसगढ़ के मुंगेली में पटाखों के शोर के बीच जेल से चार कैदी फरार

नईदुनिया, बिलासपुर: छत्तीसगढ़ के मुंगेली उपजेल में धनतेरस पर्व पर पटाखों के शोर के बीच चार कैदी फरार हो गए। मुंगेली उपजेल के बैरक नंबर तीन में बंद कैदियों ने ताला तोड़कर अपने गमछे के सहारे जेल की दीवार फांदी और भाग गए। ये सभी हत्या, दुष्कर्म और लूट जैसे संगीन वारदात के आरोपित हैं। जेल प्रशासन ने प्रहरी कमल साहू और केतन साहू को निलंबित कर दिया है।

जानकारी के अनुसार बेलगहना क्षेत्र के खोंगसरा निवासी तरुण उर्फ छोटू उर्फ रितेश नाबालिग को बहलाकर ले जाने और दुष्कर्म का आरोपित है। मध्य प्रदेश के रीवा का धीरज षड्यंत्र कर हत्या के आरोप में जेल में बंद था। छत्तीसगढ़ का इंद्रध्वज चोरी और सुरेश पटेल गांजा तस्करी के मामले में बंद थे। उक्त चारों कैदियों ने पटाखों के शोर के बीच बैरक का ताला तोड़ दिया और भाग गए। एआइजी एसएस तिग्गा मामले की जांच के लिए शनिवार को मुंगेली उपजेल पहुंचे। उनके साथ कलेक्टर एसएन भूरे समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

काशी में महाश्मशान पर पांच घंटे तक नहीं हुआ शवदाह

- मणिकर्णिका घाट पर नहीं दी गईं लकड़ियां और आग
- नजूल की जमीन पर कब्जा लेने पहुंची टीम के विरोध में प्रदर्शन

जागरण संवाददाता, वाराणसी

मोक्ष नगरी काशी के महाश्मशान पर पहली बार ऐसा हुआ जब पांच घंटे तक शवदाह रुका रहा और चिता सजाने के लिए लकड़ियां न दिए जाने से लोगों को शव लेकर हरिश्चंद्र घाट जाना पड़ा। घाट पर सजी चिताओं को आग भी नहीं दी गई। इस बड़े घटनाक्रम की वजह लकड़ी दुकानदारों का विरोध प्रदर्शन रहा। दरअसल, नगर निगम की टीम मणिकर्णिका घाट पर कब्जा हटाने पहुंची थी। इसके विरोध के चलते शवदाह ठप होने से टीम को बैरंग लौटना पड़ा।

दोपहर नगर निगम की टीम तहसीलदार विनय कुमार राय के नेतृत्व में लकड़ी के एक दुकानदार विभूति नारायण सिंह उर्फ बबलू का कब्जा हटाने पहुंची। दुकानदार नजूल की भूमि पर कब्जा कर एक हिस्से में मकान बनवाने के साथ ही एक हिस्से में लकड़ी का कारोबार कर रहा है। नगर निगम ने जमीन खाली करने के लिए बबलू को पूर्व में नोटिस भी दिया था। साथ ही जिलाधिकारी के आदेश पर एक बोर्ड भी मौके पर लगाया गया था कि जमीन नजूल की है। इसके बावजूद कब्जा नहीं हटाया गया तो शनिवार को निगम प्रशासन बुलडोजर व अतिक्रमण विरोधी दस्ते के साथ पहुंचा। मौके पर लकड़ियों को कब्जे में लेने के बाद अवैध निर्माण को हटाने के लिए बुलडोजर जैसे ही आगे बढ़ा बबलू सहित अन्य दुकानदारों ने विरोध शुरू कर दिया। देखते ही देखते घाट पर चिताओं की लकड़ी का कारोबार करने वाले सभी दुकानदार लामबंद हो गए। इस दौरान घाट पर करीब एक दर्जन चिताओं का शवदाह शुरू था। इसके बाद जो भी शव पहुंचे उनके परिजनों को चिता सजाने के लिए लकड़ियां देने से इन्कार कर दिया गया। इतना ही नहीं पहले से सजी चिताओं को मुखाग्नि देने के लिए आग देने का क्रम भी रोक दिया गया।

सुख के मूल में धर्म है। धर्म के मूल में अर्थ है। अर्थ के मूल में राज्य है। राज्य समृद्धि के मूल में इच्छाओं पर विजय है। इच्छाओं पर विजय के मूल में विनय है। विनय के मूल में अनुभवी विद्वानों की सेवा है। अनुभवी विद्वानों की सेवा के मूल में विज्ञान है। विज्ञान से स्वयं को योग्य एवं सक्षम बनाएं। योग्य एवं सक्षम व्यवहार वाले जितेन्द्रिय होते हैं। जितेन्द्रिय शासक ही धन-संपत्ति से पूर्ण होते हैं। राज्य के समृद्ध होने से प्रजा भी सुखी होती है

आचार्य चाणक्य, अर्थशास्त्र के रचनाकार

आज दीपोत्सव है। यह पर्व अंतस और बाहर के अंधेरों को दूर भगाने और उन्हें रोशनी से जगमग करने के लिए मनाया जाता है। साल के ठीक तीन सौवें दिन पर पड़ रहे इस लक्ष्मी पूजन का हम सबके लिए अबकी बार खास मायने हैं। यह पर्व हमें संकल्प से सिद्धि की भी याद दिलाता है। वर्तमान में हमारे सामने कई सारी चुनौतियां हैं। अर्थव्यवस्था सुस्त है। ऐसे में दुनिया का सबसे बड़ा और तेजी से बढ़ता उपभोक्ता वर्ग सहित आम लोग कैसे अपनी बचत को बढ़ाने के साथ खपत में भी इजाफा करें, जिससे राष्ट्र की लक्ष्मी के आकार में वृद्धि हो और हम लक्षित पांच लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था बन सकें। चुनौती साफ-सफाई स्वच्छता की भी है। पर्व-त्यौहार इसके प्रतीक होते हैं। लेकिन सिर्फ एक दिन दीवारों को रंग-रोगन और घर की रद्दी निकालने से काम नहीं चलेगा। इसे 365 दिन हमें अपनी संस्कृति का हिस्सा बनाना होगा। इस प्रकाश-पर्व पर चुनौती है प्रदूषण और प्लास्टिक की। काले धुएं का यह दावानल अमीरों-गरीबों में भेद नहीं कर रहा। अगर भारतीय संस्कृति में धन को लक्ष्मी माना जाता है तो प्रदूषणजनित रोगों के उपचार में हम अपनी लक्ष्मी का एक बड़ा हिस्सा गंवा देते हैं। चुनौती है परंपरा को छोड़ आधुनिकता की अंधी दौड़ की। पटाखे, झालर, तरह-तरह के अन्य प्रदूषणकारी विस्फोटकों का इस्तेमाल इस दिन हम शान समझते हैं। कुम्हार का मिट्टी का दीया उसकी बढ़ती गुरबत के साथ ही गायब होता जा रहा है। अगर हम इन दीयों से प्रकाश-पर्व की रात को जगमग करें तो अनगिनत गरीबों के घरों में खुशियों के दीए टिमटिमाएंगे साथ ही प्रदूषण और प्लास्टिक से भी निजात मिलेगी। ऐसे में आइए, हम सब इस प्रकाश-पर्व पर संकल्पित हों, कि मौजूदा दौर की तमाम चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए दीपावली के मायने को सार्थक करेंगे। शुभ दीपावली।

शुभ दीपावली

एक अच्छे चरित्र का निर्माण हजारों ठोकरें खाने के बाद ही होता है
स्वामी विवेकानंद

पैसा सब कुछ नहीं

खुशहाली का अनुभव लोग अलग-अलग तरीकों से करते हैं, लेकिन इसका एक कारक उनकी आय भी होती है। दिसंबर 2017 में प्रतिष्ठित जर्नल इमोशन में प्रकाशित एक शोध के मुताबिक जिन लोगों की आय ज्यादा होती है वे खुद के बारे में ज्यादा सकारात्मक भावनाएं महसूस करते हैं। जबकि जिन लोगों की कमाई कम होती है वे अन्य लोगों के साथ उनके रिश्तों में बहुत अधिक आनंद महसूस करते हैं।

खुशहाली के रूप

शोधकर्ताओं ने जब इस अध्ययन के आंकड़ों का विश्लेषण किया तो पाया कि अमीर लोगों में संतुष्टि, गर्व और मनोरंजन के भाव ज्यादा रहे। गरीब लोगों या जिनकी कमाई तुलनात्मक रूप से कम रही उन लोगों में अपने सगे-संबंधियों, रिश्तेदारों, समाज या खुद से जुड़े लोगों के लिए प्यार, संवेदना और आदर का भाव कूट-कूटकर भरा था। हालांकि दोनों ही आय तबकों के बीच उत्साह का स्तर समान पाया गया।

आय, खुशहाली और निजी मूल्य

शोधकर्ताओं ने माना कि इस अध्ययन से आय, खुशहाली और निजी मूल्यों के बीच संबंधों की वैज्ञानिक समझ जानी जा सकती है। जिसके पास ज्यादा पैसा है वह चीजों को खरीद सकता है जो उसे बराबर की खुशहाली देती हैं। हालांकि यह सभी मामलों में एक सा नहीं है। धनवान होने का यह मतलब नहीं है कि आपको हर तरह की खुशहाली हासिल हो जाएगी।

गरीबों की मजबूती

गरीबी से जुड़े तमाम नकारात्मक स्वास्थ्य पहलुओं को बावजूद कम आय वाले लोगों का कुछ प्रकार की खुशहाली का चरम पर अनुभव करते देखना अद्भुत है। यह इसलिए संभव होता है क्योंकि कम आय वाले लोग दूसरे लोगों से मजबूती से जुड़े होते हैं जो प्रतिकूल हालात में फंसने पर उनकी मदद से नहीं हिचकते। अध्ययन में कहा गया है कि संपत्ति हर चीज बदल देती है, लेकिन आपके आसपास मौजूद समाज के लोगों से आपका ध्यान भटकाकर खुद की आजादी और आत्मकेंद्रित बना देती है।

कर्म को दें धार मिले कृपा अपार

आर्थिक समृद्धि

अनिल सिंह, संपादक, अर्थकाम.कॉम

हम अपने दायरे से निकल दूसरों की जरूरतों को पूरा करने का उद्यम करें तो फौरन रोजगार का नया अवसर पैदा हो जाता है। यही जीवन में सुख व समृद्धि पाने का मूल मंत्र है। यही दीपावली की मूल भावना है।

गंगोत्री से गंगा की धारा के साथ बहता पत्थर का ऊबड़-खाबड़ टुकड़ा हजारों किलोमीटर की रगड़-धगड़ के बाद शिव बन जाता है, मंगल का प्रतीक बन जाता है। आंख में जरा-सा कण पड़ जाए तो हम इतना रगड़ते हैं कि वह लाल हो जाती है। लेकिन सीप में परजीवी घुस जाए तो वह उसे अपनी लार से ऐसा लपटेती है कि मोती बन जाता है। ऐसे ही हैं हमारे रीति-रिवाज़ और त्योहार जो हजारों सालों की यात्रा में क्या से क्या बन जाते हैं !

आदि संस्कृति का प्राकृतिक त्यौहार। कार्तिक की अमावस्या पर कोने-अंतरे में दीप जलाने का पर्व दीपावली। समय बीतने के साथ आज न जाने कितने तंत्र-मंत्र दीपावली के साथ जोड़ दिए गए हैं। जैसे पश्चिम में क्रिसमस पर घरों को रौशनी से सजाया जाता है, जैसे चीन में लैटर्न फेस्टिवल की जगर-मगर होती है, वैसे ही हमारी दिवाली भी चमक-दमक का त्यौहार बन गई है। शहरों में शोरगुल और रौशनी की चकाचौंध। कस्बे शहरों के लघु संस्करण बन गए। इस त्यौहारी संस्करण के तमाम विद्रूपों के बावजूद भारतीय मन दीपावली पर उमंग से भरा रहता है। हर कोई मानता है कि यश व वैभव की देवी लक्ष्मी उसके घर जरूर आएंगी। वह कोना-कोना साफ कर खिड़की-दरवाजे खुले रखता है। बिजली की लड़ियां या मिट्टी के दीए जलाकर रखता है ताकि लक्ष्मी उसके घर का रास्ता न भूल जाएं। लेकिन इस त्यौहार का सदियों से चला आ रहा मूल भाव वह कहीं न कहीं भूल गया लगता है। दरअसल, दीपावली तो बस सामूहिक माहौल बनाती है। बाकी इस दुनिया में जो भी समृद्धि व कीर्ति हासिल होती है, वह केवल और केवल अपने करतब व कर्म से हासिल होती है।

इस बीच देश बराबर बढ़ रहा है। विश्व बैंक ने बिजनेस करने की आसानी के बारे में दुनिया के 190 देशों की सूची में भारत की रैंकिंग 14 पायदान उठाकर 63वीं कर दी है। पिछले साल भारत 23 सीढ़ियां चढ़कर 77वें स्थान पर पहुंचा था। देश की अर्थव्यवस्था जल्दी ही तीन लाख करोड़ डॉलर की होने जा रही है। सरकार ने साल 2024 तक इसे पांच लाख करोड़ डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य रखा है। अब तो देश की सबसे बड़ी एफएमसीजी (फास्ट मूविंग कंज्यूमर गुड्स) कंपनी हिंदुस्तान यूनिलीवर के चेयरमैन संजीव मेहता भी बता रहे हैं कि भारत साल 2032 के आसपास तक 10 लाख डॉलर की अर्थव्यवस्था बन जाएगा।

बिजनेस करने की आसानी में चीन की रैंकिंग हमसे 32 पायदान ऊपर 31 स्थान पर है। उसकी अर्थव्यवस्था का आकार इस वक्त 15.54 लाख करोड़ डॉलर का है। हम से दो साल बाद 1949 में मुक्त हुआ चीन कैसे इतना आगे पहुंच गया? खैर जो हुआ सो हुआ। कुछ स्वतंत्र रिसर्च रिपोर्ट बताती हैं कि भारत अगले 10-15 साल में बहुत तेजी से विकास करेगा और हम 10 लाख करोड़ डॉलर से कहीं ज्यादा बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएंगे। कहा तो यह भी जा रहा है कि भारत के सामने लगभग 2000 साल बाद विकास का ऐसा शानदार मौका पेश हुआ है।

हम यकीनन बतौर देश यह ऐतिहासिक मौका नहीं चूकेंगे। लेकिन औसत भारतीय का क्या होगा? आइएमएफ की रैंकिंग के अनुसार प्रति व्यक्ति आय के मामले में हम दुनिया के 186 देशों में 145वें नंबर पर हैं। अगर देश के आमजन को उठना है तो वह केवल सरकार के भरोसे नहीं रह सकता। नौकरियों के अवसर भले ही कम हों, लेकिन 137 करोड़ आबादी वाले देश में रोजगार के अवसर कभी कम नहीं हो सकते। हम अपने दायरे से निकल दूसरों की जरूरतों को पूरा करने का उद्यम करें तो फौरन रोजगार का नया अवसर पैदा हो जाता है। यही जीवन में सुख व समृद्धि पाने का मूल मंत्र है। यही दीपावली की मूल भावना है। इसे समझ हमें अपने कर्म को धार देने में जुट जाना चाहिए। वैसे भी दीपावली के बाद सोमवार को विक्रम संवत 2076 का पहला दिन है।

हे लक्ष्मी, तुम कहां हो!

कुमार प्रशांत
गांधीवादी चिंतक

चीन के डेंग की तरह ही भारत के महात्मा गांधी भी शानदार अमीरी चाहते हैं लेकिन वे कहते हैं कि वही और वैसी ही अमीरी चाहिए जो सबके लिए संभव हो। जो सबके लिए होगी वह शानदार ही होगी। जो सबके लिए संभव नहीं है वह समाज के लिए शुभ नहीं।

चारित्रिक समृद्धि

माओत्से तुंग के देहांत के बाद चीन में जैसा शून्य बनना चाहिए था, नहीं बना। क्योंकि डेंग जियाओपिंग जैसे शातिर राजनेता ने चीन को अपनी मुट्ठी में कर लिया और 1978 से 1992 तक यानी अपना अंत होने- होने तक डेंग ने चीन का सपना ही बदल दिया। माओ ने चीन की आंखों में कई सपने भरे थे जिनमें एक तत्व सदा मौजूद रहता था- सादगीपूर्ण समता! साम्यवाद का समता का आदर्श माओ ने अपनी और चीन की आंखों से ओझल नहीं होने दिया था। डेंग जानता था कि अपने महान नेता के जूते में पांव डालने की उसकी हैसियत नहीं है तो उसने जूता ही बदल लिया। उसने चीन को नया पाठ पढ़ाया-'अमीर होना शानदार है !' आप अमीर हो सकें या नहीं, अमीर होने का सपना ही बहुत गुदगुदाता है। डेंग से आज चिनफिंग तक वही गुदगुदी है जो चीन को दौड़ाए चल रही है।

लक्ष्मी न सही, लक्ष्मी का सपना ही सही ! अपने दुष्यंत कुमार ने यही तो गाया था न- खुदा नहीं, न सही, आदमी का ख्वाब सही। कोई हसीन नजारा तो है नजर के लिए ! महात्मा गांधी ने भी लक्ष्मी की ही आराधना की और कहा-'मैं गरीबी का जानी दुश्मन हूं, क्योंकि गरीबी आदमी का जैसा अपमान करती है वैसा दूसरा कोई नहीं करता है। इसलिए मैं तो अपने समाज में ऐसा और इतना ऐश्वर्य चाहता हूं कि हर आदमी चाहे तो स्वर्ग जाने के लिए सोने की सीढ़ी बना ले। आप खोज जाइए, किसी पूंजीपति दार्शनिक का अमीरी का गुणगान करने वाला ऐसा कोई दूसरा वाक्य!

यह वह महात्मा गांधी हैं जिनसे हम रूबरू ही नहीं हो सके यानी ऐसे गांधी से हमारी पहचान बनने ही नहीं दी गई। गांधी को तो हमने हमेशा गरीब ही बनाए रखा, लेकिन सीधा सच्चा सच यह है कि महात्मा गांधी बहुत बड़े लक्ष्मी पूजक हैं। वे एकाधिक बार कहते मिलेंगे आपको कि मैं बनिया जाति का हूं, इसलिए नुकसान के सौदे नहीं करता हूं। लेकिन गांधी की अमीरी में एक पेंच है। उनका ऊपर का कथन एक बार फिर से पढ़िए, बार-बार पढ़िए और खोजिए कि इसमें ऐसा क्या है कि जो गांधी ही कह सकते थे, दूसरा नहीं? वे स्वर्ग तक जाने वाली सोने की सीढ़ी का सपना तो समाज की आंखों में भरते हैं लेकिन उसमें एक फच्चर डाल देते हैं- हर आदमी !

आज, जबकि सारा देश लक्ष्मी की आराधना में डूबा हुआ है, तब क्या हमें यही नहीं खोजना चाहिए कि हे लक्ष्मी मैया, तुम कहां हो? बैंक के जिस खाते में उनकी अचानक उपस्थिति का सपना हमें दिखाया गया था, वह खाता आज तक खाली क्यों है? ऐसा क्यों है कि मुंबई की पंजाब और महाराष्ट्र कोआपरेटिव बैंक जैसे कई संस्थानों में लोगों के लाखों लाख रुपये खाते में पड़े हों और वे ही लोग विक्षिप्त मनःस्थिति में इधर उधर गुहार लगाते फिर रहे हैं?

सारी दुनिया में भयंकर मंदी के चलते कंपनियां बंद हो रही हैं। रोजगार खत्म हो रहे हैं। एक रोजगार के खत्म होने का मतलब होता है दीपावली के एक दीप का बुझना।

आप इस परिस्थिति को समझने की कोशिश कीजिए कि अमेरिका के राष्ट्रपति के आदेश से वहां की सारी वित्तीय व्यवस्था बंद कर दी जाती है। कई दिनों तक लोगों को वेतन के लाले पड़ जाते हैं। समृद्धि के बहुत सारे सब्जबाग दिखाकर जो यूरोपीय संघ बना था, वह आज बिखराव की कगार पर है और ब्रेक्जिट का ऑक्टोपस ग्रेट ब्रिटेन को लपेटता ही जाता है तो क्यों? आखिर क्या है कि दुनिया के अधिकांश देशों में नागरिक घरों में नहीं, सड़कों पर हैं। इजरायल और कनाडा में अल्पमत की सरकारें बन रहीं तो चीन ने एक आदमी को आजन्म राष्ट्रपति घोषित कर लिया है। यह सब लोकतंत्र का अंधेरा है।

लक्ष्मी मैया, ऐसे में आप ही कहां? आपका उलूक भले दिन में नहीं, रात में देखे लेकिन देखे तो। लक्ष्मी मैया बोलती नहीं हैं। हमारा कोई आराध्य देव बोलता नहीं है, लेकिन नजारे पूरे दिखाता है। हम देख पाते हैं कि कल तक के हमारे अरब-खरबपति आज कहीं इंग्लैंड में, कहीं अमेरिका में और कहीं नामालूम से द्वीपसमूह में मुंह चुराकर चोरों की तरह जी रहे हैं। वे देश समाज का अरबों रुपया ले उड़े हैं।

विकास के लिए जंगलों की अमानवीय कटाई हो रही है। नदियां नालों में बदलकर दम तोड़ रही हैं। हवा ताजगी नहीं, बीमारी लेकर दौड़ती है। लेकिन सरकार से समाज तक और अदालत तक की चुप्पी नहीं टूटती है। सड़कें, रेलें, मेट्रो, हवाई अड्डे आदि सब बेतहाशा बनाए व बढ़ाए जा रहे हैं, लेकिन उनको इस्तेमाल करने वाला इंसान साबूत बचा ही नहीं है। लक्ष्मी को पूजने वाले लोग ही नहीं रहेंगे तो पूजा कैसे होगी और प्रसाद किसको मिलेगा?

शिक्षा व्यापार बनती जा रही है। जिसमें ज्ञान नहीं डिग्रियां बिक रही हैं। नैतिकता, शुचिता, सदाचार और ईमानदारी बीते वक्त के अर्थहीन शब्द मात्र बचे हैं जिनका अब मंच से भी कोई उच्चारण नहीं करता है। नागरिक अब एक भीड़ मात्र बचा है जिसे कुछ लोग देशद्रोही का तमगा देते जा रहे हैं। ऐसे अंधेरे में हम रौशनी की दिवाली मनाएं कि अंधेरे की। किधर है रौशनी की वह किरण जो हमें लक्ष्मी माता की तरफ ले जाएगी? कहां हैं वे गणपति जिनका दर्शनमात्र ही शुभ का कारण माना जाता है? सब चीन से आयात होकर आ रहे हैं तो अपना देवत्व भूल गए हैं?

अंधेरा बुरा नहीं है यदि वह प्रकाश के संधान का विवेक व साहस जगाता हो। वे कवि गजानन माधव मुक्तिबोध थे न जिन्होंने 'अंधेरे में' की एक यात्रा पूरी की थी और कविता के सहारे रौशनी की कई संभावनाएं खोज लाए थे। आज हम कहां खोजें? आज हमारा मुक्तिबोध कौन हैं? आज तो कविता भी उनकी ही है जो सत्ता की बीन बजाते हैं। ऐसे ही किसी दौर में भगवान बुद्ध कहते हैं- आत्म दीपो भव। जब बाहर घना अंधेरा हो तब भीतर से रौशनी का संधान करना पड़ता है। भीतर की रौशनी अक्षय होती है, क्योंकि वह खाड़ी से आयातित तेल पर नहीं जलती है। गांधीजी कहते हैं कि अनास्था अंधेरा फैलाती है। इसलिए खुद पर भरोसा रखो। सच बोलो, सच करो और सच जियो। सच का साथ दो, सच के पक्ष में गवाही दो।

जनमत

हां 96% | 04% नहीं

क्या परंपरा को छोड़ आधुनिकता के प्रवाह में हम प्रकाश-पर्व के सही मायने भूलते जा रहे हैं?

हां 05% | 95% नहीं

क्या चरित्र, नैतिकता और प्रकृति को तज कर भौतिक समृद्धि के पीछे भागना उचित है?

आपकी आवाज

दीपावली पर हर कोई अपने घर-ऑफिस की सफाई के साथ मन की सफाई कर ले और अपने अंदर प्यार, निस्वार्थता और इंसानियता का दीपक जलाए तो दीपावली मनाया जाना सार्थक होगा।
राजेश कुमार चौहान

यदि हम मूल मानव गुणों को तज कर भौतिकवादी होते हैं तो जल्द ही गलती का अहसास होगा और हम अपने मानवीय गुणो को खोजने लगेंगे- **अमन कुमार**

प्रकृति की अवहेलना से स्वास्थ्य रूपी धन की प्राप्ति असंभव है। भौतिक समृद्धिओं के लिए चरित्र, और प्रकृति का संरक्षण, संवर्द्धन व सेवन अनिवार्य है-**गैरीशंकर**

प्रवृत्ति का हो प्रकृति से मेल

पारिस्थितिक समृद्धि

डॉ अनिल प्रकाश जोशी
संस्थापक, हिमालयन एनवायरमेंटल स्टडीज एवं कंजरवेशन ऑर्गनाइजेशन, देहरादून

दिवाली संकल्पित होने का पर्व है। आइए, हम अपने आचार-विचार और व्यवहार को स्वच्छ और प्रकृति सम्मत बनाने की इस पर्व के साथ ही शुरुआत करें।

दीपावली के बहाने आज हम जिस समृद्धि की कामना करते हैं, वह उसका विकृत रूप है। जिस रूप में आज दीपावली मनाई जाती है वो कहीं से भी प्रकृति और परंपरा के अनुरूप नहीं कही जा सकती है। किसी भी त्यौहार को प्रकृति के साथ जुड़ने का भी अवसर माना जाता है। हमारे पौराणिक ग्रंथों में इसका उल्लेख मिलता है जहां दीपावली का मतलब प्रभु और प्रकृति को एक साथ जोड़कर खुशियों को बांटने का है। आज ठीक उसके विपरीत हम जो कुछ भी करते हैं वो वैभव, अहंकार व दिखावे से ज्यादा जुड़ा है। संस्कार इन पर्वों से दूर होते जा रहे हैं। एक तरफ पटाखों की झड़ी लगाकर हम जहां वायु प्रदूषण को और गंभीर बना देते हैं और जिससे कई तरह की शारीरिक व्याधियां जुड़ी होती हैं वहीं दूसरी तरफ हम दीप की जगह जो तमाम तरह के रोशनी के दूसरे तौर तरीके अपनाते हैं वह किसी भी तरह प्रकृति के अनुकूल नहीं कहे जा सकते। अब देखिए जब दीप बनता है तो उसमें एक गरीब व्यक्ति की रोजी-रोटी जुड़ी होती है जबकि आज उसके बदले हमने चीन से आयातित लड़ियों का जिस स्तर पर उपयोग करना शुरू कर दिया है उससे हमने उस गरीब के पेट पर सीधे लात मार दी और उसकी दिवाली को अंधेरों में धकेल दिया। पटाखेबाजी को लेकर हम जो कुछ भी आज करते हैं वह दो तरह से बड़ा घातक है। एक जो पटाखे दक्षिण भारत में बनते हैं वो बच्चों के द्वारा बनाये जाते हैं। बाल मजदूरी के रूप में बच्चों का शोषण किया जाता है। हमें नहीं भूलना चाहिये कि दीवाली की समृद्धि उनसे भी जुड़ी हुई है जिसे हम उनसे छीन लेते हैं।

जिस तरह की दिवाली हम मनाते हैं वह हमारी संस्कृति का द्योतक हो ही नहीं सकता। जब ढेर सारा धुआं व सड़कों पर पड़ा हुआ पटाखों का कबाड़ अगर दीवाली के बाद शहर सड़क और संस्कृति को प्रदूषित करता हो तो उसे संपन्नता का प्रतीक कैसे कह सकेंगे। पटाखों का शोर एक नये प्रदूषण के रूप में घातक हो जाता है खासतौर से बच्चों और वृद्धों के लिये।

दिवाली पर्व के और भी कई मायने हैं जो आज दिखाई नहीं देते। ये मात्र रौशनी ही नहीं बल्कि ये एक प्रबोधन का भी पर्व है जिससे हम सर्वहित की भी बात करते हैं। दीपावली हमेशा अमावस्या में ही आती है और असंख्य दीप इस काली रात को रौशनी में बदल देते हैं। मतलब यह पर्व यह भी बताने की कोशिश करता है कि कितने भी दुर्गम रास्ते हों, हम एक दीप जलाकर नई रोशनी को जन्म दे सकते हैं।

दुर्भाग्य यह है कि हमने इसके पौराणिक महत्व को एक सिरे से नकार दिया है। अपने तरीके से दिवाली मनाने के जो तरीके अपनाये वो गलत ही नहीं, सर्वाधिक घातक भी हैं। प्रकृति के साथ-साथ हम अपनी प्रवृत्ति को भी नुकसान पहुंचाते हैं। दीपावली का मतलब जोड़ने का है ना कि घटने घटाने का। आज घातक रसायनों से बने पटाखे हमारे शरीर के विभिन्न अंगों को संक्रमित करते हैं। हम गंभीर बीमारियों के जकड़न में फंस जाते हैं। इस तरह की दिवाली से रोशनी से ज्यादा हम अंधेरों की तरफ चले जाते हैं जहां शारीरिक, मानसिक और पारिस्थितिक विषाद हमें घेर लेते हैं।

बढ़ती समृद्धि और चारित्रिक दिवालियापन

आसपास नजर दौड़ाएं। समृद्धि आपको अनायास दिखेगी। यह भौतिक समृद्धि गगनचुंबी इमारतों के रूप में, सड़कों पर भागते वाहनों के रूप में, विशालकाय निर्माण संरचनाओं के रूप में दिखेगी।

इस भौतिक समृद्धि को हासिल करने में हमने न जाने अपने चरित्र के कितने आयामों को कुर्बान किया है। जल, जंगल और जमीन की चिंता नहीं की। अमीरी और गरीबी के बीच बढ़ते फासले से भी बेपरवाह रहे।

बढ़ते धनकुबेर

आज आम आदमी भले ही कमाई और महंगाई से जूझ रहा हो, लेकिन हमारे धनकुबेर दिन दूनी रात चौगुनी तरक्की कर रहे हैं। हालांकि इस बात से इन्कार नहीं किया जा सकता कि बीते हुए समय की तुलना में आज आम लोग ज्यादा आराम में हैं। समृद्धि नीचे से लेकर ऊपर तक बढ़ी है। लेकिन यह केवल मौद्रिक समृद्धि ही साबित हो रही है।

देश में : 2019 में फोर्ब्स द्वारा जारी सालाना सूची में 106 लोगों के साथ भारत अरबपतियों के मामले में दुनिया में चौथे स्थान पर है। 19वीं सदी के आठवें दशक में देश में कुल गिने चुने दो अरबपति थे। इनकी कुल संपत्ति देश के सकल घरेलू उत्पाद का एक फीसद थी। 2008 के दौरान शेयर बाजार द्वारा लगाई गई छलांग के समय इनकी संपत्ति सकल घरेलू उत्पाद का 22 फीसद तक पहुंच गई थी।

परदेश में : फोर्ब्स की 2019 की सूची में दुनिया के 2,153 अरबपतियों के नाम हैं। इस साल के अरबपतियों की कुल संपत्ति 8,700 अरब डॉलर रही है। जबकि 2018 में इनकी कुल संपत्ति 9100 अरब डॉलर थी। 25 साल पहले जब फोर्ब्स ने अपनी पहली सूची जारी की थी तो दुनिया भर में महज 140 अरबपति थे।

प्रकृति पर प्रहार

पालन पोषण से लेकर हमारे कल्याण में प्रकृति का महती योगदान रहा है, लेकिन हम सब प्रकृति को परे रखकर समृद्धि हासिल करने के फेर में उसका नाश करते जा रहे हैं। प्रकृति और इंसान के इसी रिश्ते का आकलन करने के लिए 2006 से न्यू इकोनॉमिक्स फाउंडेशन नामक संस्था हैप्पी प्लेनेट इंडेक्स (एचपीआइ) तैयार कर रही है। इसे लोगों के कल्याण और पर्यावरण के बीच के असर के आधार पर तैयार किया जाता है। हम प्रकृति पर इतना प्रहार कर चुके हैं कि इस सूचकांक में बहुत निचले पायदान पर स्थान मिला है।

एचपीआइ	देशों में	भारत का स्थान
2019	156	140वां
2018	156	133वां
2017	156	122वां

भ्रष्टाचार का वार

तथाकथित समृद्धि हासिल करते हुए हम साल दर साल भ्रष्टाचार के गर्त में समाते जा रहे हैं। हमारी चाल, चरित्र और चेहरे का नक्श बिगड़ता जा रहा है। नैतिकता की परवाह करने वाले चंद लोग ढूंढने पर मिलेंगे। ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल द्वारा हर साल जारी किए जाने वाले भ्रष्टाचार सूचकांक में हम निचले पायदान पर जगह बनाते रहे हैं। इस सूचकांक में हम सर्वाधिक भ्रष्ट देशों में शुमार हैं। साल दर साल स्थिति सुधरने की बजाय और बिगड़ रही है।

साल	देशों में	रैंक
2018	175	78
2017	175	81
2016	175	79
2015	175	76
2014	175	85

लोकतंत्र की पीड़ा

लोकतंत्र देखने, सुनने, समझने और महसूस करने में जितना आदर्श और प्रेरक लगता है, उतना है नहीं। लोकतंत्र में शीर्ष सत्ता पर बैठे लोगों की शुचिता, नैतिकता, चरित्र, निष्ठा और जवाबदेही में आए क्षरण का असर सबसे निचले स्तर तक देखा जा सकता है। हम लोकतंत्र में रह जरूर रहे हैं, लेकिन जी नहीं पा रहे हैं। इकोनॉमिस्ट डेमोक्रेसी सूचकांक के मुताबिक, हमें ऐसे देशों के साथ शामिल किया गया है, जहां पूर्ण लोकतंत्र नहीं है। साल 2018 के लोकतंत्र सूचकांक में हमारे देश को 41वें पायदान पर जगह मिली है। पूर्ण लोकतंत्र के तहत 25 देश ही शामिल हैं, जबकि हम कुल 7.23 के साथ दोषपूर्ण लोकतंत्र वाली श्रेणी में शामिल हैं। इकोनॉमिस्ट डेमोक्रेसी सूचकांक देशों को पांच मापदंडों पर रखता है – चुनावी प्रक्रिया और बहुलवाद, सरकार का कामकाज, राजनीतिक भागीदारी, राजनीतिक संस्कृति और नागरिक स्वतंत्रता। इन सभी मापदंडों के बीच भारत ने राजनीतिक संस्कृति में सबसे खराब प्रदर्शन किया है।

Download UPSC IAS Material: www.iascgl.com

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
रविवार 27 अक्टूबर 2019

दैनिक जागरण
अंधेरे को परास्त करने के लिए रोशनी की एक किरण ही काफी है

प्रकाश पर्व का संदेश

हमारे पर्व एवं त्योहार केवल जीवन की एकरसता को ही नहीं तोड़ते, बल्कि उत्सवधर्मिता का संचार कर आशाओं के दीप भी जलाते हैं। जब ऐसा होता है तो समाज और राष्ट्र में नई ऊर्जा का प्रवाह होता है। चूंकि दीप पर्व उत्सवों का उत्सव है इसलिए उसकी तैयारी भी जोर-शोर से होती है और स्वागत भी। जैसे मनुष्य जीवन कभी भी चुनौतियों से मुक्त नहीं होता वैसे ही समाज और राष्ट्र भी हर समय नाना प्रकार की चुनौतियों से दो-चार होता ही रहता है। वह वर्तमान में भी है। आज एक चुनौती आर्थिक सुस्ती से पार पाने की है तो एक सामाजिक सद्भाव को सशक्त करने की। हमें इन सभी चुनौतियों से पार पाना ही होगा। इससे बेहतर और कुछ नहीं कि यह दीपावली हम सबमें यह भाव जाग्रत करे कि समाज और राष्ट्र के समक्ष जो भी समस्याएं हैं उनका समाधान हम सबको मिलकर करना है। सामाजिक सद्भाव और राष्ट्रीय एकता ऐसे तत्व हैं जिनकी आवश्यकता हर काल खंड में रही है। आगे भी रहेगी और हम उसकी आसानी से पूर्ति तब कर सकेंगे जब अपनी समृद्ध परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत से भली तरह परिचित होंगे और यह स्मरण रखेंगे कि देश में एक बड़ा वर्ग है जिसे अभी मुख्यधारा में शामिल होना शेष है। इस वर्ग के मुख्यधारा में शामिल होने में कहीं निर्धनता बाधा है तो कहीं अज्ञानता। इन बाधाओं को दूर करने में शासन-प्रशासन के साथ समाज के उस तबके को भी आगे आना ही चाहिए जो सक्षम और समृद्ध है। उसे यह सुनिश्चित करना चाहिए कि सुख और समृद्धि का प्रकाश उन तक कैसे पहुंचे जो इससे वंचित हैं।

प्रकाश पर्व अंधकार से लड़ने का संदेश लेकर आता है, लेकिन केवल उस अंधेरे से नहीं जो अमावस की रात के रूप में हर तरफ दिखता है, बल्कि उस तमस से भी जो हमारे मन-मस्तिष्क में घर कर लेता है। कोई भी समाज हो उसे भौतिक समृद्धि के साथ आत्मिक शांति भी चाहिए होती है। इसकी प्राप्ति तब होती है जब मन के कलुष को दूर करने की चेष्टा की जाती है। दीपावली पर इस कलुष को दूर करने का संकल्प इसलिए लिया जाना चाहिए, क्योंकि वह नकारात्मकता को बढ़ाता है। चूंकि आज नकारात्मकता एक अंधकार के रूप में फैलती जा रही है इसलिए उससे लड़ने के उपाय हम सबको खोजने होंगे। नकारात्मकता केवल सकारात्मकता का हरण ही नहीं करती, बल्कि वह पूरे परिवेश को दूषित करती है। हमें अपने सामाजिक परिवेश की भी चिंता करनी है और बिगड़ते हुए पर्यावरण की भी। वास्तव में पर्यावरण को बचाकर ही हम दीपावली को ऋतु परिवर्तन के पर्व के रूप में मनाते रह सकते हैं।

सही फैसला

कोलकाता में जर्जर इमारतें बड़ी समस्या हैं। आए दिन, विशेषकर बारिश के मौसम में जर्जर इमारतें ढह जाती हैं, जिनकी चपेट में आने से जान-माल का नुकसान होते रहता है। ऐसी इमारतों की संख्या हजारों में है। पिछले कुछ वर्षों में कोलकाता नगर निगम (केएमसी) की ओर से सैकड़ों इमारतों को चिन्हित कर उन्हें खतरनाक घोषित किया जा चुका है, बावजूद इसके अभी भी इन खतरनाक इमारतों में लोग रह रहे हैं। आखिर इन पुरानी इमारतों की हालत जर्जर क्यों है? इसकी सबसे बड़ी वजह है मकान मालिकों व किरायेदारों के बीच विवाद। हजारों की संख्या में ऐसे लोग हैं जो दशकों से इन मकानों में रह रहे हैं और किराया भी 100 व 200 रुपये देते हैं। मकान मालिक ऐसे किरायेदारों को निकाल भी नहीं सकते, जिससे उन इमारतों की हालत दिन-ब-दिन खराब होती जाती है और वे ढह रही हैं। पिछले वर्ष बंगाल सरकार ने जर्जर इमारतों के ढहने से लोगों की मौत की घटनाओं को देखते हुए एक कानून बनाया था, जिसमें मकान मालिक व किरायेदारों के विवाद को निपटाने व जर्जर इमारतों को दुरुस्त करने की बात कही गई थी। उस कानून को पारित हुए एक साल से अधिक समय बीत चुका है, लेकिन अब तक पूरी तरह से लागू नहीं हो सका है। इसी बीच अब कोलकाता नगर निगम ने भी नया नियम लागू कर दिया है, जो सही फैसला है। नए नियम के तहत अगर मकान मालिक जर्जर इमारतों की मरम्मत नहीं कराते हैं और मकान ढह जाता है और किसी की जान चली जाती है या फिर कोई जख्मी हो जाता है तो ऐसे मकान मालिक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन मकान मालिकों को जुर्माने के साथ-साथ जेल भी जाना पड़ सकता है। गत शुक्रवार को कोलकाता के मेयर फिरहाद हकीम ने कहा कि पुरानी जर्जर इमारतें बड़ी समस्या बनी हुई हैं। बारिश के मौसम में ऐसी इमारतें लगातार ढह रही हैं, जिसमें लोगों की जान जा रही है। इसे देखते हुए इस समस्या से निपटने के लिए सख्त नियम लागू किया जा रहा है। इस नियम के तहत अगर मकान मालिक अपनी जर्जर इमारत की मरम्मत नहीं कराता है और ढहने से जान-माल का नुकसान होता है तो ऐसी हालत में मकान मालिकों से हर्जाना वसूला जाएगा। यदि किसी की मौत हो जाती है तो मकान मालिकों को पांच साल की जेल भी हो सकती है। केएमसी का यह फैसला सही है, लेकिन इसपर सख्ती से अमल होना चाहिए। यदि ऐसा नहीं होगा तो नियम लागू करने से कोई फायदा नहीं होगा और स्थिति नहीं बदलेगी।

किसी जर्जर मकान के ढहने से उसके मालिक के खिलाफ कार्रवाई हादसों पर विराम लगाने में मददगार होगी

सबक सिखाने वाले चुनाव नतीजे

संजय गुप्त

विधानसभा चुनावों में मतदाता यह देखता है कि राज्य सरकार ने उसकी समस्याओं को सुलझाने के लिए क्या किया, न कि यह कि केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय महत्व के सवालों को किस तरह हल किया?

महाराष्ट्र और हरियाणा के विधानसभा चुनाव नतीजे यही स्पष्ट कर रहे हैं कि राजनीतिक हालात लगातार बदलते रहते हैं। चंद माह पहले लोकसभा चुनावों में भाजपा ने नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और अमित शाह के कुशल प्रबंधन में देश के अन्य अनेक हिस्सों के साथ महाराष्ट्र और हरियाणा में भी शानदार जीत हासिल की थी, लेकिन विधानसभा चुनावों में इन दोनों राज्यों में विपक्षी दल उसे चुनौती देते नजर आए। दोनों राज्यों के नतीजे भाजपा को चिंतित करने के साथ ही उसके आत्मविश्वास पर असर डालने वाले हैं। हरियाणा में तो विपक्ष ने एक तरह से भाजपा का विजय रथ ही रोक दिया। यहां भाजपा ने 75 पार का लक्ष्य तय किया था, लेकिन उसे बहुमत के लिए जरूरी 46 सीटें भी नहीं मिलीं। इसके विपरीत जो कांग्रेस गुटबाजी से ग्रस्त दिखने के साथ मुद्दों के अभाव से जूझ रही थी उसने पिछली बार के मुकाबले दूनी सीटें हासिल कर लीं और नई बनी जननायक जनता पार्टी ने 10 सीटें हासिल कर लीं।

जब यह लग रहा था कि त्रिशंकु विधानसभा के कारण हरियाणा में सरकार गठन में देरी होगी तब भाजपा ने बड़ी आसानी से बहुमत का जुगाड़ कर लिया। पहले करीब-करीब सभी निर्दलीय उसके साथ आ गए, फिर जननायक जनता पार्टी उसके साथ सरकार में शामिल होने को तैयार हो गई। जननायक जनता पार्टी के सरकार में शामिल होने से एक ओर जहां भावी सरकार को स्थायित्व की गारंटी मिली वहीं भाजपा दागी छवि वाले विधायक गोपाल कांडा का समर्थन लेने की तोहमत से बच गई। अगर संगीन आरोपों से घिरे गोपाल कांडा के समर्थन से भाजपा सरकार बनाती तो उसके लिए अपनी छवि बचाना मुश्किल हो जाता। यह अच्छा हुआ कि भाजपा ने कांडा से दूरी बनाना बेहतर समझा। जननायक जनता पार्टी के भाजपा के साथ आने से भाजपा को जाटों की नाराजगी दूर करने में भी मदद मिलेगी, लेकिन यह सामान्य बात नहीं कि खट्टर सरकार यह समझ ही नहीं सकी कि जाट मतदाता उन्हें सत्ता से बाहर करने का मन बना चुके थे।

यह आश्चर्यजनक है कि जिस हरियाणा में सरकार बनने में देरी के आसार दिख रहे थे वहां तो सरकार का गठन पहले सुनिश्चित हो गया और जिस महाराष्ट्र में भाजपा-शिवसेना ने आसानी से बहुमत हासिल किया वहां सरकार गठन में विलंब होता दिख रहा है। इसका कारण शिवसेना की ओर से सौदेबाजी करना है। वह ढाई-ढाई साल तक बारी-बारी से सत्ता संभालने के फार्मूले पर जोर दे रही है। चूंकि महाराष्ट्र में भाजपा उम्मीद से कम एक सौ पांच सीटें ही जीत सकी इसलिए 56 सीटें हासिल करने वाली शिवसेना उस पर अपना दबाव बढ़ा रही है। देखना है कि यह दबाव क्या गुल खिलाता है? अगर शिवसेना सौदेबाजी की अपनी ताकत का जरूरत से ज्यादा इस्तेमाल करती है तो भाजपा से उसके संबंधों में फिर से खटास आ सकती है और उसका असर सरकार के कामकाज पर भी पड़ सकता है।

अवधेश राजपूत

महाराष्ट्र और हरियाणा में भाजपा ने जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने के केंद्र सरकार के फैसले को जोर-शोर से प्रचारित किया था। इसके अलावा उसने सीमाओं की सुरक्षा समेत राष्ट्रवाद को भी भुनाने की कोशिश की, लेकिन नतीजे बता रहे हैं कि क्षेत्रीय और स्थानीय मसले भारी पड़े। इसके अलावा यह भी दिख रहा है कि जाति-बिरादरी से जुड़े मसलों ने भी अपना असर दिखाया। जहां हरियाणा में जाटों की नाराजगी मुद्दा बनी वहीं महाराष्ट्र में एनसीपी के शरद पवार ने मराठा कार्ड खेला। उन्होंने खुद पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों को भी अपने पक्ष में भुनाने का काम किया। शायद इसी कारण एनसीपी के मुकाबले कांग्रेस पिछड़ गई। ध्यान रहे कि हरियाणा की तरह महाराष्ट्र में भी कांग्रेस गुटबाजी से ग्रस्त थी। कांग्रेस हरियाणा में तो भूपेंद्र सिंह हुड्डा के नेतृत्व में फिर से खड़ी होती दिखी, लेकिन महाराष्ट्र में उसका प्रदर्शन फीका ही रहा। इन दोनों राज्यों में कांग्रेस को जो भी सफलता मिली उसमें सोनिया-राहुल का योगदान मुश्किल से ही नजर आता है। सोनिया गांधी ने महाराष्ट्र में गिनती की सभाएं कीं। उनके मुकाबले राहुल ने ज्यादा सभाएं कीं, लेकिन वह घिसे-पिटे मुद्दों के सहारे ही मोदी सरकार को घेरते रहे। उनके पास राफेल सौदे में गड़बड़ी और चंद उद्योगपतियों को लाभ पहुंचाए जाने के वही पुराने जुमले थे जो वह लोकसभा चुनाव में उछाल चुके थे।

पता नहीं कांग्रेस नेतृत्व अपनी कमजोरियों को कब समझेगा, लेकिन कम से कम महाराष्ट्र और हरियाणा के नतीजों से भाजपा को तो यह समझना ही होगा कि विधानसभा चुनावों में क्षेत्रीय मुद्दे ही कारगर रहते हैं। अगर राज्य सरकारें क्षेत्रीय मसलों को सही ढंग से हल नहीं करेंगी तो फिर राष्ट्रीय मुद्दे उनके लिए मददगार नहीं हो सकते। विधानसभा चुनावों में मतदाता यह देखता है कि राज्य सरकार ने उसकी रोजमर्रा की समस्याओं को सुलझाने के लिए क्या किया, न कि यह कि केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय महत्व के सवालों को किस तरह हल किया? यह एक महत्वपूर्ण पहलू है।

महाराष्ट्र और हरियाणा में भाजपा को मनमाफिक जीत नहीं मिली तो इसकी एक वजह आर्थिक मंदी का माहौल भी है। हैरत नहीं कि मतदान में कमी का एक बड़ा कारण यह माहौल ही रहा हो। यह मानने के पर्याप्त कारण हैं कि आर्थिक सुस्ती से उदासीन और निराश मतदाताओं ने वोट डालने से गुरेज किया या फिर नोटा का इस्तेमाल किया। एक अन्य कारण उपयुक्त उम्मीदवारों का अभाव भी हो सकता है। इसकी भी अनदेखी नहीं की जा सकती कि हरियाणा में तमाम ऐसी सीटें रहीं जहां हार-जीत दो हजार वोटों के अंतर से हुई।

भाजपा को इस पर भी गौर करना चाहिए कि दोनों राज्यों में उसके ज्यादातर मंत्री चुनाव क्यों हार गए? मंत्रियों की हार जनता की नाराजगी को जाहिर करती है। भाजपा के लिए यह गनीमत रही कि इस नाराजगी के बाद भी वह दोनों राज्यों में सत्ता से बाहर नहीं हुई, लेकिन उसे मतदाताओं की उदासीनता और नाराजगी के कारणों की तह तक जाना होगा और उनका निवारण भी करना होगा। इसी के साथ उसे चुनाव वाले राज्यों में अपनी सरकारों के कामकाज पर भी ध्यान देना होगा, क्योंकि महाराष्ट्र और हरियाणा के नतीजों ने विपक्ष का मनोबल बढ़ाने का काम किया है। यह मनोबल दिल्ली और झारखंड में भाजपा के लिए चुनौती बन सकता है। यह ठीक है कि कांग्रेस राजस्थान, महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ की जीत को लोकसभा चुनावों में नहीं भुना सकी थी, लेकिन वह विपक्षी दलों के साथ मिलकर आगामी विधानसभा चुनावों में जनता की नाराजगी को फिर से भुना सकती है। इसे देखते हुए भाजपा के लिए यह आवश्यक है कि वह जनता की अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए कमर कसे।

response@jagran.com

अंधकार को चुनौती देने वाला उत्सव

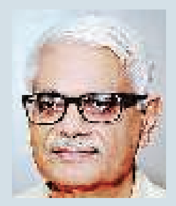

गिरीश्वर मिश्र

हमें नकली रोशनी के स्थान पर ऐसा प्रकाश चाहिए जो मन के भीतर तक सभी कोनों को आलोकित कर सके

दिवाली अंधकार और प्रकाश की अद्भुत आंख-मिचौली का लोक उत्सव है। कार्तिक मास की अमावस्या की रात को मनाए जाने वाले इस उत्सव में दीये जलाए जाते हैं। घने अंधकार वाली इस काली रात में प्रकाश की तलब ज्यादा होती है। प्रकाश ऊर्जा का स्रोत है। सूर्य की रश्मियां और अग्नि के स्फुलिंग में जीवन का सार जानकर मनुष्य ने प्रण किया कि 'अंधकार से डरना नहीं है, उसे चुनौती देना है।' इसी भाव को स्थापित करना दिवाली के उत्सव का मूल प्रयोजन है। मिट्टी के दीयों की पांत से दिवाली बनती है। अब दीयों की पांत कम होती जा रही है। उसकी जगह मोमबत्ती या फिर बिजली के जगमगाते लट्टू या लड़ी प्रयोग में आने लगी है, परंतु अंधेरी रात में जगमगाती रोशनी से अद्भुत सौंदर्य की सृष्टि होती है और तमो गुण को दूरकर सत्व गुण की प्रतिष्ठा के संकल्प के साथ दीया-दियारी का यह उत्सव मनुष्य की आत्मिक शक्ति के संधान का आह्वान करता है।

देश काल की दृष्टि से आमजन या कहें कि गृहस्थों के इस उत्सव के साथ एक भौतिक-सामाजिक गतिशीलता का भी एक पक्ष जुड़ा हुआ है जिसमें समाज के हर वर्ग के लोग शामिल होते हैं। इसका सीधा रिश्ता ऋतु-परिवर्तन और खेती-किसानी से भी है। वर्षा ऋतु की समाप्ति और शरद ऋतु के आरंभ के साथ मौसम नए संकेत देता है और नई तैयारी के लिए आमंत्रण मिलता है। खरीफ की फसल तैयार होने से किसान भी समृद्धि का अनुभव करता है। एक तरह से यह उत्सव सृष्टि-चक्र के संगीत का एक राग है जिसमें सबकी भागीदारी होती है। इस राग के गायन में मनुष्य, पशु-पक्षी, संध्या-प्रभात, दिन-रात सबकी संगति और लय के साथ अपनी-अपनी भूमिका होती है। सभी अपने को नए आरंभ के लिए तैयार करते हैं। सभी दिवाली की उत्सुकता से प्रतीक्षा करते हैं। इस अवसर पर घर की साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाता है, घर के बाहर रंगोली भी बनाते हैं। बाजार में भी दुकानदार दुकानें सजाते हैं और नए उत्पाद बाजार में उतारते हैं। इस दिन आतिशबाजी भी होती है। खील-बताशा, मिठाई, वस्त्र आदि के उपहार देकर लोग पारस्परिक संबंधों को प्रगाढ़ करते हैं और एक-दूसरे के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हैं। दीपावली के पहले 'धनतेरस' के दिन खरीद फरोख्त को शुभ माना जाता है और अपनी हैसियत के अनुसार सोने या चांदी की खरीदारी की जाती है। अगले दिन नरक चतुर्दशी या छोटी दिवाली होती है जब तुलसी के चौरे पर दीपक जलाया जाता है। दीपावली के दिन विष्णुप्रिया लक्ष्मी और

गणपति गणेश की विशेष पूजा की जाती है और रात भर दीपक जलाकर रखा जाता है। अगले दिन भाई दूज या यम द्वितीया मनाई जाती है। दुकानदार अपना नया बही खाता शुरू करते हैं।

दिवाली का सामाजिक-सांस्कृतिक महत्व इसलिए बढ़ जाता है, क्योंकि इसका संबंध अनेक धर्मों और अनेक सामाजिक स्मृतियों से है। वस्तुतः यह अनेक पर्वों का एक संकुल सरीखा है जिसकी शुरुआत मर्यादा पुरुषोत्तम रामचंद्र से जुड़े मिथकों से होती है। कहते हैं कि 14 वर्ष के वनवास के बाद अयोध्या लौटने पर पुरवासियों द्वारा दीप जलाकर उनका भव्य स्वागत किया गया। अब फिर अयोध्या में दीपोत्सव की भव्य परंपरा शुरू हुई है जिसमें कई लाख दीयों के साथ भगवान राम का स्मरण किया जाता है। पांडवों की वनवास से वापसी की भी यही तिथि मानी जाती है। नरकासुर और हिरण्यकश्यप जैसे दुष्ट राक्षसों का वध और समुद्र-मंथन से वैद्यराज धन्वंतरि के प्रकट होने की कथा भी दिवाली पर्व से जुड़ी हुई है। बंगाल में काली पूजा और मथुरा में गोवर्धन पूजा भी बड़ी लोकप्रिय है। दिवाली से यम और नचिकेता की याद भी जुड़ी हुई है जो भौतिक सत्ता की नश्वरता और आत्मज्ञान की महिमा का बखान करती है। प्रमुख जैन तीर्थंकर महावीर के मोक्ष की भी यही तिथि है। अमृतसर के प्रसिद्ध स्वर्ण मंदिर का शिलान्यास इसी दिन हुआ था।

आज दिवाली का पर्व संपन्नता का प्रतीक और अर्थ की साधना का अवसर माना जाने लगा है। विकास के नाम पर आज एक विराट उपभोक्ता संस्कृति मुंह बाएं खड़ी हो रही है जिसमें बाजार का वर्चस्व है। हावी होते अंधकार के चलते आज तृष्णा और लोभ के वशीभूत लोग मोह और लिप्सा में फंसते जा रहे हैं। इसके साथ अनावश्यक वस्तुओं की भूख बढ़ रही है। समाज में असमानता और असंतुलन भी बढ़ रहा है। ऐसे में नकली रोशनी की जगह स्निग्ध रोशनी की दरकार है जो मन के भीतर तक हर कोने को आलोकित कर सके।

इतिहास साक्षी है कि अंधकार के साथ मनुष्य का संघर्ष सतत चलता रहा है। प्रकाश का मूल्य गहरे अंधकार के क्षणों में पता चलता है जब राह नहीं सूझती, इधर-उधर पैर पड़े तो ठोकर लगती है और हम अपने गंतव्य तक नहीं पहुंच पाते। हमारा सामाजिक जीवन भी कुछ ऐसी ही यात्रा है जिसमें विवेक का आलोक चाहिए। इस आलोक की सहायता से हमें सदाचार के पथ पर अग्रसर होने में सहायता मिलती है। महात्मा गांधी ने इसी दिशा में कदम बढ़ाया था। काफी सोच विचार के बाद ही उन्होने सत्य की कसौटी और अहिंसा की राह चुनी थी। पंथ, जाति, वर्ग और क्षेत्र जैसे सीमित आधारों को परे धकेल कर उन्होने निखालिस मानुष धर्म को अंगीकार किया था। उनकी सोच में सभी बराबर थे और लोक-हित ही सर्वोपरि था। उनके लिए सभी आत्मीय थे और 'पराई पीर' और 'पर दुख' का निवारण कैसे हो, यही उनके वैष्णव मन की सबसे बड़ी चिंता थी। उनका जीवन, नीतियां और रचनात्मक कार्यक्रम सभी गहन लोक-संग्रह के विवेक से अनुप्राणित थे।

आज हमारे भीतर मौजूद राग-द्वेष, ईर्ष्या, घृणा, चोरी, बेईमानी, दायित्वहीनता, अहंकार और आत्म-श्लाघा जैसे कलुष चुनौती बनकर सिर उठा रहे हैं। इसका परिणाम व्यक्ति या समाज के हित में अच्छा नहीं हो रहा। दिवाली में मुख्य रूप से गणेश जी और लक्ष्मी जी की पूजा होती है। गणेश जी गणदेवता हैं जिनकी विधिवत पूजा आराधना के बिना अर्थात लोककल्याण के बिना लक्ष्मी जी कभी प्रसन्न नहीं होंगी। भगवान बुद्ध कहते हैं कि मनुष्य आत्मदीप होता है। इसीलिए कहा जाता है कि अपना दीया खुद बनो। दिवाली का उत्सव इसी आत्म-साक्षात्कार को न्योता देता है।

(लेखक शिक्षाविद् हैं)

response@jagran.com

ऊर्जा

भीतर का प्रकाश

आज प्रकाश का त्योहार है, लेकिन प्रकाश के मायने केवल बाहरी तत्वों का चमकना नहीं है। इंसान के भीतर एक प्रकाश है जिसे आत्म प्रकाश कहते हैं। अगर आत्मा के भीतर छल, दंभ, निर्दयता और हिंसा समाहित है तो यह अंधकार का साया है। सामान्यतया काम, क्रोध, लोभ, मोह, अहंकार, ईर्ष्या आदि अवगुण अपनी सीमाओं को पार कर अंधकार का आवरण धारण कर हमारे हृदय पर छा जाते हैं और हमारी आत्मा के प्रकाश को इस तरह से रोक देते हैं जैसे सूर्य की रोशनी को बादल रोक लेता है। भीतर उजाले के लिए दया, परोपकार, क्षमा, अहिंसा का दीप जलाना पड़ेगा और अगर भीतर उजाला करना है तो सद्मार्ग अपनाना पड़ेगा। भीतर का प्रकाश परोपकार के तेल से जलता है और फिर परोपकार का दीया जल जाए तो भीतर सब दिखाई पड़ने लगता है।

जब पाने की कोई आकांक्षा न हो तो तुम्हारे जीवन में बड़ी रोशनी होगी। ऐसे ही दिवाली का त्योहार भी हमें अवसर देता है अपने भीतर रोशनी करने का। हमें लौ के उजाले को अपनी आत्मा के उजाले से इस तरह से जोड़कर रखना होगा ताकि प्रकाश का पुंज और तीव्र होकर भ्रम के कोहरे को पार कर हमारे भीतर को प्रदीप्त कर सके। जब तक आपके अंदर की भावना संकुचित है, तब तक त्योहार मनाना व्यर्थ है। ऐसी सोच के कारण ही कभी-कभी आपकी बाहरी दया और सेवा का भाव उस वक्त धरा रह जाता है जब आप जश्न के शोर में इतने मशगूल हो जाते हैं कि अन्य जीवों यानी पशु, पक्षियों को कितनी तकलीफ होती है, आसपास का वातावरण कितना दूषित होता है, यह भान नहीं रहता। थोड़ी उदारता का भाव मन में रखें। यह ध्यान रखें कि क्या यह त्योहार हमें यही सीख देता है कि औरों को परेशान करें। कभी नहीं। यही हमें अपनी जीवन धारा को सही दिशा में ले जाएगा। तो इस दिवाली अपने हृदय में द्वेष, ईर्ष्या, अहंकार और मोह को त्यागकर बेसहारों का सहारा बनें। उनके साथ खुशियां मनाएं। तभी अपने भीतर हम उजाला कर पाएंगे।

नरपत दान चारण

कृत्रिम पत्ते से बनेगा ईंधन

मुकुल व्यास

अगर इस मुहिम में कामयाबी मिलती है तो पेट्रोल का एक विकल्प मिल सकता है जो उतना प्रदूषणकारी भी नहीं होगा

खनिज तेलों से तैयार होने वाली एक महत्वपूर्ण गैस अब एक 'कृत्रिम पत्ते' से तैयार की जा सकती है जो सिर्फ सूरज की रोशनी, कार्बन डाईऑक्साइड और पानी का इस्तेमाल करता है। इस कृत्रिम पत्ते से भविष्य में पेट्रोल के विकल्प के रूप में स्वच्छ ईंधन भी विकसित किया जा सकेगा। कैंब्रिज यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं के अनुसार उनका यंत्र बहुत आसानी से इस गैस का उत्पादन कर सकता है। इस गैस को 'सिनगैस' भी कहा जाता है। कृत्रिम पत्ते को ऊर्जा सूरज की रोशनी से मिलती है। हालांकि यह बादलों वाले दिनों में भी उतनी ही कुशलता के साथ काम करता है। यह पत्ता सिनगैस के उत्पादन के लिए प्रयुक्त वर्तमान औद्योगिक प्रक्रियाओं से बेहतर है, क्योंकि यह वायुमंडल में अतिरिक्त कार्बन डाईऑक्साइड नहीं छोड़ता। शोधकर्ताओं के नतीजे नेचर मटेरियल्स पत्रिका में प्रकाशित किए गए हैं। सिनगैस इस समय हाइड्रोजन और कार्बन मोनोऑक्साइड के मिश्रण से तैयार की जाती है। इसका उपयोग कई तरह के उत्पाद बनाने के लिए किया जाता है। इन उत्पादों में ईंधन, दवाएं, प्लास्टिक और उर्वरक शामिल हैं। कैंब्रिज में रसायन शास्त्र के प्रोफेसर इर्विन रेसनर ने कहा कि आपने कभी सिनगैस के बारे में नहीं सुना होगा, पर रोज आप ऐसे उत्पादों का उपभोग करते हैं जो इसके इस्तेमाल से निर्मित किए गए हैं। यदि हम इस गैस को पर्यावरण के अनुकूल तरीके से बनाने में सफल हो जाते हैं तो दुनिया पर कार्बन का बोझ कम होगा।

रेसनर और उनके सहयोगियों को यह डिवाइस बनाने की प्रेरणा फोटोसिंथेसिस (प्रकाश-संश्लेषण) की प्रक्रिया से मिली है। पेड़-पौधे इस कुदरती प्रक्रिया के जरिये सूरज की रोशनी की ऊर्जा से कार्बन डाईऑक्साइड को खाद्य पदार्थ में बदलते हैं। कृत्रिम पत्ते में प्रकाश को सोखने वाले दो लाइट एब्जॉर्बर और कोबाल्ट से बने उत्प्रेरक का प्रयोग होता है। ये लाइट एब्जॉर्बर पौधों के उन्हीं मॉलिक्यूल्स की भांति होते हैं जो सूरज की रोशनी का प्रयोग करते हैं। इस डिवाइस को पानी में रखने पर एक लाइट एब्जॉर्बर उत्प्रेरक की मदद से ऑक्सीजन उत्पन्न करता है। दूसरा एब्जॉर्बर रासायनिक क्रिया को अंजाम देता है जो कार्बन डाईऑक्साइड और पानी को कार्बन मोनोऑक्साइड और हाइड्रोजन में बदल देती है। इससे सिनगैस बनती है। शोधकर्ताओं ने पाया कि ये लाइट एब्जॉर्बर सूरज की कम रोशनी में या बारिश और बादल वाले दिनों में भी काम करते हैं। इसका मतलब यह हुआ कि यह टेक्नोलॉजी सिर्फ गर्म देशों या गर्मी के महीनों तक ही सीमित नहीं है। इसका उपयोग दुनिया के किसी भी कोने में सुबह से लेकर शाम तक किया जा सकता है। इस कृत्रिम पत्ते की तरह कुछ और भी डिवाइस भी निर्मित किए गए हैं, लेकिन इनसे सिर्फ हाइड्रोजन बनती है। कैंब्रिज के शोधकर्ताओं का कहना है कि उन्होंने अपने डिवाइस में विभिन्न पदार्थों और उत्प्रेरकों का उपयोग करके सिनगैस निर्मित करने में सफलता प्राप्त की। शोधकर्ता अब इसी टेक्नोलॉजी से एथेनॉल जैसे स्वच्छ तरल ईंधन बनाने के तरीके खोज रहे हैं।

(लेखक विज्ञान विषय के जानकार हैं)

ईवीएम पर बोलती बंद

किसी शायर ने खूब कहा है, 'दुश्मनी करो तो जम कर करो, मगर इतनी सी गुंजाइश रखो कि फिर कभी हम दोस्त हो जाएं तो बस शर्मिंदगी न हो।' हर चुनाव में नतीजों से पहले ही शक भरी निगाहों से गुजरने वाली ईवीएम मशीन ने न केवल फिर से अग्निपरीक्षा में खुद को पाक साबित किया, बल्कि ऐसे नेताओं की बोलती भी बंद कर दी जो इस पर हैक हो जाने का आरोप लगा रहे थे। महाराष्ट्र और हरियाणा में आए चुनावी नतीजों ने बिना कुछ कहे सब को निःशब्द कर दिया है। आलम यह है कि अब तो राजनीतिक दलों में भी नेता अंदरखाने एक दूसरे को यही समझाते दिखने लगे हैं कि ईवीएम पर जबरन सवाल खड़ा कर उपहास का पात्र बनने से बचा जाए। इसके इतर दूसरी ओर ईवीएम मशीन पर छाई चुप्पी से केंद्रीय चुनाव आयोग गदगद है। वरिष्ठ अधिकारियों की तो जैसे बांछें ही खिल उठी हैं। सरकारी नौकरशाह होने के चलते वो सामने तो केवल मुस्कुरा कर काम चला रहे हैं, लेकिन बंद चहारदीवारी में गहरी सांस लेकर यह पूछने से भी नहीं चूक रहे कि आखिर जवाबदेही क्या सिर्फ आयोग की है?

वास्तु व दिशा

ऊंचे लोगों की ऊंची पसंद। संसद में आए माननीयों की पसंद के घर की ख्वाहिश पूरी करने वाली सरकारी एजेंसी के पसीने छूट रहे हैं। इस बार भी हाल कुछ अलग नहीं है। वैसे तो ज्यादातर साहबों ने आवंटित आवासों में नवरात्र के शुभ मुहूर्त में प्रवेश कर लिया है, लेकिन अभी भी कई बचे हुए हैं। आवंटित आवासों में तोड़फोड़ और मरम्मत इस कदर कराई जा रही है कि एजेंसी के अफसरों की सांसें फूलने लगी हैं। इसमें से बड़ी चुनौती दिशा और वास्तु है। सबके वास्तुकार और पंडित जी अलग-अलग दिशा बताकर दरवाजे और खिड़कियां तुड़वा रहे हैं। पानी के टैंक की दिशा ही नहीं शौचालय की दशा से ज्यादा दिशा पर ध्यान दिया जा रहा है। पाइप लाइन किधर से आ रही है और छत की बीम की मोटाई कितनी है? सारे पुराने फर्नीचर हटाकर नए लगाने पड़ रहे हैं। लंबे चौड़े लॉन में नया अस्थाई कार्यालय और आगंतुकों के बैठने और रात में ठहरने के अस्थाई बंदोबस्त कराए जा रहे हैं। हर बार होने वाली इस कवायद को रोकने की कोशिशें हर बार नाकाम होती हैं।

राजरंग

बिन मांगी सीख

हरियाणा में गोपाल कांडा के समर्थन को लेकर बड़ा बवाल खड़ा हुआ और आखिरकार यह घोषणा हो गई कि भाजपा का उससे कोई लेना देना नहीं है। राजनीति में यह सामान्य घटना है, लेकिन जिस तरह उमा भारती ने खुलेआम भाजपा को सीख दी उसने सबके कान जरूर खड़े कर दिए हैं। यह सवाल उठ रहा है कि जब भाजपा की ओर से कोई घोषणा हुई ही नहीं थी तो फिर उन्होंने आखिर किसके कहने पर सार्वजनिक बयान देकर भाजपा को कठघरे में खड़ा कर दिया। वैसे उनका खुद का तेवर किसी से छिपा नहीं है, लेकिन चाहे अनचाहे उन लोगों के बारे में भी चर्चा शुरू हो गई है जिनसे वह संपर्क में हैं। वैसे यह कोई अनोखी घटना नहीं है। पहले भी एक बार साबिर अली को शामिल किए जाने को लेकर विवाद खड़ा हुआ था, हालांकि उसका कोई असर नहीं हुआ। जबकि काफी पहले एक बार डीपी यादव भाजपा में शामिल हो गए थे और विवाद खड़ा होते ही उन्हें बाहर का रास्ता दिखा दिया गया था।

डिनर की उलझन

चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग मामल्लपुरम पहुंचे, उनका जम कर स्वागत हुआ, पीएम मोदी से खूब बात भी हुई और अपनी आवभगत से गदगद होकर वह लौट भी गए, लेकिन उनके प्रवास के दौरान कई बार कुछ वक्त ऐसा भी आया जब दोनों देशों के अधिकारियों के पसीने छूट गए। मौका था पीएम की तरफ से दिए गए डिनर का। आयोजन इस तरह से रखा गया था कि मोदी और चिनफिंग एकांत में डिनर करें और दोनों देशों के बाकी अधिकारी अलग से करें, मगर चीनी अधिकारियों को यह नागवार गुजरा कि उनकी सरकार के बेहद आला मंत्री जिसमें एनएसए व विदेश मंत्री भी शामिल हैं, को राष्ट्र प्रमुखों के साथ नहीं बैठाया जा रहा है। खैर भारतीय दल नहीं झुका और इनकी इच्छा के मुताबिक ही सारा आयोजन किया गया। बाद में जब दोनों नेताओं की बैठक तय समय से दोगुने से भी ज्यादा समय तक चली तब चीन के अधिकारी भी भारतीय दल को बधाई देने लगे।

संस्थापक-स्व. पूर्णचन्द्र गुप्त. पूर्व प्रधान संपादक-स्व.नरेन्द्र मोहन.संपादकीय निदेशक-महेन्द्र मोहन गुप्त. प्रधान संपादक-संजय गुप्त, जागरण प्रकाशन लि. के लिए: नीतेन्द्र श्रीवास्तव द्वारा 501, आई.एन.एस. बिल्डिंग,रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित और उन्हीं के द्वारा डी-210, 211, सेक्टर-63 नोएडा से मुद्रित, संपादक (राष्ट्रीय संस्करण) -विष्णु प्रकाश त्रिपाठी*
दूरभाष : नई दिल्ली कार्यालय : 011-43166300, नोएडा कार्यालय : 0120-4615800, E-mail: delhi@nda.jagran.com, R.N.I. No. DELHIN/2017/74721 * इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगे। हवाई शुल्क अतिरिक्त।

10 हजार करोड़ रुपये के निवेश वाले मेगा प्रोजेक्ट्स को मिल सकती है मंजूरी मध्य प्रदेश सरकार की आगामी कैबिनेट बैठक में। मैग्निफिसेंट एमपी नामक संबंधित सम्मेलन में इस संदर्भ में चर्चा हो चुकी है।

वेब सीरीज पर

प्रभावी नियमन से ही बनेगी बात

अनंत विजय

अमेरिका में दुनिया भर के विभिन्न देशों से जुड़ी समस्याओं पर संसद समितियां मंथन करती हैं। इसमें अन्य देशों से ऐसे लोगों को भी बुलाया जाता है जो संबंधित समस्याओं की आलोचनात्मक समीक्षा कर सकते हैं। ऐसी ही एक हालिया गोष्ठी में दो वक्ताओं ने कश्मीर के संबंध में जो बातें कही हैं उससे यह पता चलता है कि उन्होंने जो बातें कही हैं, उसकी अवधारणा के पीछे कहीं न कहीं वेब सीरीज का भी योगदान है

निताशा कौल

इल्हान ओमर

अमेरिकी संसद की समितियां दुनिया भर के अलग-अलग देशों की समस्याओं और वहां के हालात पर मंथन करती रहती हैं। मानवाधिकार से लेकर अभिव्यक्ति की आजादी तक पर इन समितियों में विचार होता है। दुनिया के अलग-अलग देशों के प्रतिनिधि को भी इन समितियों की बैठक में बुलाया जाता है और उनको सुना जाता है। हर किसी का पक्ष सुना जाता है। इस तरह की बैठक इस वजह से महत्वपूर्ण मानी जाती है कि इससे किसी देश की छवि पूरी दुनिया में बनती या बिगड़ती है। इस तरह की बैठकों का सीधा प्रसारण होता है और पूरी दुनिया में इसकी कार्यवाही को देखा जाता है। इन बैठकों में हुई चर्चा पर दुनिया भर में चर्चा भी होती है।

इसी तरह की एक बैठक पिछले दिनों अमेरिकी संसद की विदेश मामलों की समिति की हुई जिसके केंद्र में दक्षिण एशिया में मानवाधिकार की स्थिति थी। इस समिति की बैठक का एक पूरा सत्र कश्मीर में अनुच्छेद 370 की समाप्ति के बाद वहां के लोगों के मानवाधिकार पर था। इस बैठक में इसको लेकर लंबी चर्चा हुई। इस चर्चा में सोमाली अमेरिकन राजनीतिज्ञ इल्हान ओमर भारत के खिलाफ बोलीं। उन्होंने कश्मीरियों के आत्मनिर्णय का मुद्दा उठाया, एनआरसी के मसले पर भारत सरकार को घेरने की कोशिश की। उनके आरोपों का अमेरिका की असिस्टेंट सेक्रेटरी ऑफ स्टेट एलिस वेल्स ने प्रतिवाद किया और कहा कि भारत में लोकतांत्रिक संस्थाएं अपना काम कर रही हैं। एक और वक्ता थीं, लंदन की वेस्टमिन्स्टर विश्वविद्यालय की एसोसिएट प्रोफेसर निताशा कौल। निताशा कौल ने अपना वक्तव्य इस बात से शुरू किया कि वो कश्मीरी पंडित हैं, कश्मीर की हैं, भारत में पली बढ़ीं, ब्रिटेन में पढ़ाती हैं और अब अमेरिका में भाषण दे रही हैं। वो विषय पर आतीं, इसके पहले उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर सीधा वार किया। संघ को उन्होंने भारतीय जनता पार्टी का वैचारिक अभिभावक बताया और बहुत जोर देकर इस बात को कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भारत को हिंदू राष्ट्र बनाना चाहता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की योजना में भारत का विस्तार भी है जिसको वो अविभाजित भारत कहते हैं और वो भारत का विस्तार दक्षिण एशिया के कई देशों तक करना चाहते हैं। वो संघ को एक मिलिटेंट संगठन करार देती हैं। इस क्रम में वो हिटलर का उदाहरण भी देती हैं। उसके बाद वो कश्मीर में मानवाधिकार के हनन पर कई उदाहरणों के साथ अपनी बात कहती हैं। उनकी बातों में कुछ तथ्य और सुनी सुनाई बातें होती हैं। अंग्रेजी की एक पुरानी कहावत है कि 'इफ यू हैव द फैक्ट, बैंग द फैक्ट, एंड इफ यू डोंट हैव द फैक्ट, बैंग द टेबल' यानी यदि आपके पास तथ्य है तो उसको जोरदार तरीके से पेश करो, लेकिन यदि आपके पास तथ्य नहीं है तो फिर नाटकीयता का सहारा लें। निताशा ने भी कुछ ऐसा ही किया। उनके पास जब तथ्यों की कमी होती थी और वो अपने वक्तव्य को कल्पना के आधार पर गढ़ती थीं, तो उसमें नाटकीयता का पुट डालती थीं। अब उनको कौन समझाए कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ कहीं से मिलिटेंट संगठन तो हो ही नहीं सकता। इसके मूल में आक्रामकता है ही नहीं, मिलिटेंसी तो बहुत दूर की बात है। संघ के प्रचारकों और पूर्णकालिक सदस्यों से यदि निताशा कौल मिल लें तो उनको इस बात का एहसास हो जाएगा कि वो किस तरह और किन परिस्थितियों में काम करते हैं। संभव है उनका भ्रम दूर हो सके। खैर ये अलहदा विषय है। इस पर फिर कभी चर्चा होगी। एक वक्ता ने तो यहां तक कह दिया कि भाजपा के एक नेता ने अनुच्छेद 370 हटाने के बाद कश्मीरी लड़कियों से भारत के अन्य सूबों के लड़कों के शादी तक की बात कही। आश्चर्य होता है कि अमेरिकी संसद की समितियों में इस तरह की बातें भी हो सकती हैं जो सोशल मीडिया पर अराजक माहौल में होती हैं।

जब निताशा कौल या इल्हान ओमर जैसी शख्सियत भारत की चर्चा कर रही थीं, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मंसूबों में दक्षिण एशियाई देशों को मिलाकर अविभाजित भारत की बात कर रही थीं या संघ को मिलिटेंट संगठन बता रही थीं, तो मेरे दिमाग में अचानक से नेटफ्लिक्स पर प्रसारित एक सीरीज 'लैला' की कहानी कौंध गई। कुछ देर के लिए ऐसा लगा कि शायद वक्ताओं ने इसी सीरीज को देखकर भारत के बारे में अपनी राय बनाई है। मुझे यह नहीं पता कि निताशा कौल ने या इल्हान ओमर ने 'लैला' सीरीज देखी है या नहीं, पर इतना जरूर मालूम है कि नेटफ्लिक्स ओरिजनल एक साथ दुनिया भर के 190 देशों में रिलीज की जाती है। 'लैला' सीरीज नेटफ्लिक्स ओरिजनल है। इसी तरह से एक और सीरीज 'सेक्रेड गेम्स' को तो 26 भाषाओं में डब करके प्रसारित किया जा चुका है। 'सेक्रेड गेम्स' में भी भारत में रह रहे मुसलमानों को लेकर कई तरह की अवांछित टिप्पणियां की गई हैं। तो एक बार फिर से प्रश्न यह उठता है कि क्या भारत के बारे में इस तरह की काल्पनिक कहानियों को दिखानेवाले वेब सीरीज के नियमन की कोई व्यवस्था होनी चाहिए। वेब सीरीज के लिए भारत में अभी बहुत उत्साहवर्धक समय है। जमकर वेब सीरीज बनाए जा रहे हैं और अब तो हिंदी फिल्मों के सूरमा भी वेब सीरीज के मैदान में कूद पड़े हैं। चाहे वो करण जौहर हों, शाहरुख खान हों या अजय देवगन हों। इन प्लेटफॉर्म पर प्रसारित होनेवाले धारावाहिकों में पूंजी जिन कंपनियों का होगा उसका कंटेंट नियंत्रण स्वाभाविक है। कंपनियों का उद्देश्य मुनाफा कमाना है। प्रश्न फिर वही उठता है क्या मुनाफे के इस गणित में देश की प्रतिष्ठा को ध्यान में रखना चाहिए या नहीं।

वेब कंटेंट को लेकर नियमन की बात लंबे अरसे से हो रही है। नेटफ्लिक्स, हॉटस्टार आदि पर चलाए गए और अब भी चलनेवाले कंटेंट को लेकर इस स्तंभ में कई बार लिखा जा चुका है। वेब सीरीज पर चलनेवाले कंटेंट को नियंत्रित करना बेहद मुश्किल है, लेकिन जो कंपनियां या जो ओवर द काउंटर प्लेटफॉर्म इन सीरीज का प्रसारण या निर्माण करवा रही हैं उनसे तो नियमन पर बात की ही जा सकती है। भारत सरकार के सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने भी वेब सीरीज के नियमन या स्व-नियम को लेकर चर्चा शुरू कर दी है।

मुंबई में एक दौर की चर्चा हो चुकी है और अब दूसरे दौर की चर्चा होने वाली है। एक संस्था ने सरकार को स्व-नियम की प्रस्तावित रूपरेखा भी दी है। उसके आधार पर अगले दौर की बातचीत होगी। वेब सीरीज के नियमन की चर्चा के दौरान कलात्मक अभिव्यक्ति की बात जरूर उठेगी। यह भी कहा जा सकता है कि नियमन से कलाकार की कल्पनाशीलता बाधित होती है। यह भी कि यथार्थ का चित्रण बाधित हो सकता है। नियमन की चर्चा जोर पकड़ती है तो यह तर्क भी सामने आएगा कि फिल्मों या वेब सीरीज में कमोबेश वही दिखाया जाता है जो समाज में घट रहा होता है। यह भी सही है। लेकिन किसी सीरीज से किसी भी देश की प्रतिष्ठा पर आंच आती है या किसी संप्रभु देश की छवि खराब होती है तो उस पर संविधान के दायरे में विचार अवश्य किया जाना चाहिए। वेब सीरीज पर नियमन को लेकर कोई ऐसी पद्धति विकसित करनी चाहिए जिससे कि इनको दिखाने वाले प्लेटफॉर्म को उत्तरदायी बनाया जा सके। उत्तरदायी नियमन का लाभ यह हो सकता है कि इसको प्रसारित करने के पहले ये प्लेटफॉर्म सामूहिक या अपने स्तर पर ऐसी व्यवस्था का निर्माण करें जहां इन बातों का ध्यान रखा जा सके। अगर ऐसा होता है तो उत्तरदायी कहानी कहने की पद्धति का विकास हो सकेगा। सरकार को यह भी देखना होगा कि नियमन के नाम पर कंपनियों के हितों की अनदेखी ना हो और कोई भी ऐसा नियम ना बने जिससे किसी एक प्लेटफॉर्म को फायदा हो और दूसरे का नुकसान।

वेब सीरीज इस वक्त भारत के लिए एक नया माध्यम है, भारत में इंटरनेट के फैलाव और फोर जी के सस्ता और लोकप्रिय होने से इस माध्यम को लेकर लोगों में उत्सुकता बढ़ी है। इस क्षेत्र में काम कर रही विदेशी कंपनियों को भारत में एक बड़ा बाजार और मोटे मुनाफे की संभावना नजर आ रही है। मुनाफा के लिए काम करना बिल्कुल उचित है, लेकिन मुनाफा और उत्तरदायित्व में संतुलन भी होना आवश्यक है। किसी भी प्रकार का नियमन इस संतुलन को ध्यान में रखकर ही किया जाना चाहिए। ये संतुलन ऐसा हो कि कलात्मक अभिव्यक्ति भी बाधित ना हो और इसकी आड़ में सेंसरशिप का बीज भी ना डले।

दीपोत्सव

समृद्धि की लोकमाता लक्ष्मी

जनसमूह लक्ष्मीपूजन के दिन प्रार्थना करता है कि लोकमाता लक्ष्मी उसके घर को धन-धान्य से भर दें। अपना आशीर्वाद दें। इसी विश्वास, आस्था और अंधेरे-उजाले के द्वंद्व के बीच भारतीय नागरिक अनेक दीपक लक्ष्मी के समक्ष जलाता है। अनेक दिये जलाने का शास्त्रीय प्रावधान इसलिए भी है, क्योंकि हमारे यहां एक बड़ी आबादी ऐसे लोगों की है जिसे एक दीपक जलाना भी कठिन होता है। दरअसल देश में अभाव और अंधकार का साम्राज्य व्याप्त है। परंतु दीपक की ज्योति के रूप में जो प्रकाश-लक्ष्मी है, वही हर व्यक्ति के लिए समृद्धि की अभिप्रेरणा हैं। यही प्रेरणा आशा को जीवंत बनाए रखने का काम करती है।

दिवाली के दिन जिन लक्ष्मी का हम पूजन-अर्चन करते हैं, वह विष्णु और लक्ष्मी के मंगल-प्रणय की तिथि भी मानी जाती है, इसीलिए इस लक्ष्मी को गृहलक्ष्मी के संबोधन से जनमानस ने स्वीकारा है। यह कार्तिक माह की अमावस्या की रात्रि थी, इसीलिए प्रतिवर्ष इसी दिन लक्ष्मी की पूजा की जाती है। रात्रि में यह पूजा इसलिए की जाती है, क्योंकि लक्ष्मी इसी दिन विष्णु के घर आकर स्थायी रूप से ठहर गई थीं। लक्ष्मी के साधक ऐसा मानते हैं, इस दिन लक्ष्मी जिस किसी के भी घर आकर ठहर जाएंगी, उनका घर धन व संतान रूपी संपदा से तो भरेगा ही, खुशहाली भी छाई रहेगी। किंतु लक्ष्मी उन्हीं के घर में स्थायी ठौर बनाती हैं, जो मनुष्य अपनी वाणी पर नियंत्रण रखते हुए सम्मानजनक शब्दों का प्रयोग करते हैं।

लक्ष्मी की पूजा में उस अनजानी स्त्री की महिमा और समन्वय का गुणगाण है, जो एक अज्ञात घर में आकर उसे अपने संस्कार और समर्पण से संवारती है। हम सब जानते हैं कि लक्ष्मी का प्रादुर्भाव समुद्र-मंथन से हुआ है। क्षीर-सागर के इस मंथन से जब समुद्र में पड़े अनेक तत्वों का आलोड़न और इस रस का संचार नाना रूपों में साकार होने लगा तब लाल साड़ी पहने हुए, गहनों से लदी हुईं, हजार पंखुड़ियों वाले कमल के फूल पर आरुढ़ लक्ष्मी प्रगट हुईं। ओस की बूंदों से आच्छादित इस पुष्प पर लक्ष्मी अविचल मुद्रा में बैठी थीं। इन अनिंद्य सुंदरी ने अपने सौंदर्य, यौवन, रंग-रूप और समानुपातिक कद-काठी से सभी देव व असुरों को मोह लिया। सभी इस रूपगर्विता को पाने के लिए ललचा उठे। किंतु लक्ष्मी ने विष्णु का वरण किया। जिस तरह से लक्ष्मी कमल पर बैठे हुए अवतरित हुईं, उसी तरह भगवान विष्णु का भी कमल से गहरा संबंध है। सृष्टि के कर्ता ब्रह्मा भी क्षीर-सागर में शेषनाग की शैया पर लेटे विष्णु की नाभि से प्रस्फुटित कमल पर विराजित हैं। इसी कारण विष्णु को 'पद्मनाभ' और लक्ष्मी को 'पद्माक्षी' कहा गया है। अर्थात लक्ष्मी द्वारा विष्णु का वरण स्वाभाविक है।

चंचला लक्ष्मी की प्रासंगिकता : वर्तमान परिदृश्य में चंचला लक्ष्मी की महिमा और उपस्थिति सर्वव्यापी है। क्योंकि आज स्त्री विभिन्न क्षेत्रों में जिस तरह की अचंभित करने वाली उपलब्धियों से जुड़

गई है, उनके चलते वह मात्र पुरुष या पति की प्रतिष्ठा से ना पहचानी जाकर स्वयं की प्रतिष्ठा व सफलताओं से पहचानी जा रही है। देहरी से बाहर निकली यह चंचल मानवी एक समर्थ नागरिक की भूमिका में उत्तरोत्तर उभर रही है। हालांकि आज भी उसके पीछे दहेज एवं दुष्कर्मी दानव घूम रहे हैं। इन चुनौतियों के पश्चात भी वह महज अपनी आकांक्षाओं की पूर्ति के लिए नहीं, बल्कि जीवन की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए आगे बढ़ रही है। इन कठिन परिस्थितियों में वह मातृत्व, धर्म और संस्कारों में मिले रीति-रिवाजों को भी जीवंत बनाए हुए है। यह चंचल-नारी अनायास उत्पन्न हो जाने वाली घरेलू या कामकाजी समस्याओं को सुलझाते हुए अनाम शक्ति के रूप में स्थापित हो रही है। इसलिए कलियुग में चंचला-लक्ष्मी की पूजा भी प्रासंगिक हो गई है।

\- प्रमोद भार्गव

ट्वीट-ट्वीट

इस बार मेरे राम का वनवास समाप्त हो, श्रीरामलला शीघ्रातिशीघ्र अपनी अयोध्या वापस आएं। इस दिवाली यही कामना जन-जन की। शुभ दिवाली।
मालिनी अवस्थी@maliniawasthi

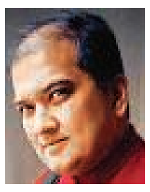

जो लोग परंपरा की दुहाई देकर दिवाली पर पटाखों का समर्थन कर रहे हैं तो उनसे यही कहना चाहता हूं कि देखिए बिना जानकारी के गलती करना और जानकारी होने के बावजूद गलती करने में अंतर होता है।
निमिष दुबे@nimishdubey

दिल्ली भले ही सबसे प्रदूषित मेट्रोपॉलिटन शहर हो, लेकिन देश के सबसे प्रदूषित शहरों की सूची में यह शीर्ष 10 में भी नहीं है। बीते हफ्ते पश्चिमी उत्तर प्रदेश और हरियाणा के शहरों की हवा सबसे ज्यादा जहरीली रही।
राहुल कंवल@rahulkanwal

इमरान खान भारत को भाषण देते रहे कि उसे अल्पसंख्यकों के साथ कैसे सुलूक करना चाहिए, लेकिन उनके राज में ही अहमदिया मुसलमानों की एक मस्जिद गिरा दी गई।
शेखर गुप्ता@ShekharGupta

हाउसफुल-चार का ट्रेलर देखकर ही इसे न देखने की कसम खा ली थी। सिर्फ सितारों की फौज इकट्ठी करने से फिल्में नहीं चला करतीं। वैसे नेताओं और फिल्मकारों को जनता और दर्शकों को कभी बेवकूफ नहीं समझना चाहिए।
समीर अब्बास@TheSamirAbbas

रचनाकर्म

निवेश के गुर सिखाते कबीर-रहीम के दोहे

प्रणव सिरोही

आज धन, ऐश्वर्य एवं वैभव की देवी लक्ष्मी के पूजन का दिन है। लक्ष्मी कृपा सभी चाहते हैं, मगर उसके लिए साधना बहुत कम लोग कर पाते हैं। निवेश इस तपस्या की एक अहम कड़ी है, लेकिन तमाम लोग इसके सही तौर-तरीकों से वाकिफ नहीं होते। निवेश सलाहकार विनायक सप्रे ने अपनी पुस्तक 'दोहानॉमिक्स' के माध्यम से निवेश से जुड़ी तमाम धारणाओं को स्पष्ट करने के साथ ही संपत्ति सृजन के पथ पर अग्रसर होने की राह दिखाने का प्रयास किया है। यह किताब इस मामले में और अनूठी है कि उन्होंने संत कबीर और रहीम के दोहों की व्याख्या वित्त बाजार की आधुनिक दुनिया के संदर्भों के अनुरूप की है। यह पुस्तक मुख्य रूप से इक्विटी और म्यूचुअल फंड बाजार में निवेश के तानेबाने को लेकर बुनी गई है।

भले ही यह कबीर और रहीम के दोहों पर आधारित है, लेकिन इसमें सर जॉन टेंपलटन से लेकर वॉरेन बफेट जैसे तमाम पश्चिमी दिग्गज निवेशकों के विचारों को भी जगह दी गई है। अमूमन निवेश को एक पश्चिमी अवधारणा माना जाता है, जबकि ऐसा बिल्कुल नहीं है। हमारी संस्कृति में लक्ष्मी और सरस्वती सहगामी हैं। निवेश करना जटिल नहीं, बल्कि सरल है, लेकिन इसे सही तौर-तरीकों की आवश्यकता होती है और यह पुस्तक उनसे रूबरू कराती है। बचत और निवेश हमारी प्राचीन परंपराओं का हिस्सा जरूर रहे हैं, लेकिन इक्विटी और म्यूचुअल फंडों के माध्यम से संपदा सृजन का प्रारूप अवश्य पश्चिम से आया है तो उससे जुड़े तमाम सिद्धांत भी स्वाभाविक रूप से पश्चिमी खांचे वाले हैं। ऐसे में उनके भारतीयकरण के मकसद से सप्रे ऐसे प्रतीकों की तलाश में थे, जिनकी बातें शाश्वत एवं सर्वस्वीकार्य हों और उनकी पहुंच कबीर और रहीम पर जाकर खत्म हुई, क्योंकि उनके दोहे आज भी प्रासंगिक हैं। इस निमित्त सप्रे ने रहीम-कबीर के 3,000 दोहे पढ़े, उनमें से 70 को उपयुक्त पाया और फिर पुस्तक में 40 दोहों को समाहित किया, जिनके आधार पर 'दोहानॉमिक्स' रची गई।

इन दोहों के माध्यम से यह पुस्तक निवेश से जुड़ी कई बातों को समझाती है। यह भेड़चाल से बचने, अंतरात्मा की आवाज सुनने, अनुशासित रहने, धैर्य बनाए रखने, आकस्मिक योजनाएं तैयार करने, अच्छी संगत, अच्छे सलाहकार व दिखावे से बचने जैसे तमाम पहलुओं पर प्रकाश डालती है। पुस्तक के अनुसार, पैसे बनाना एक कला है, जिसमें ऐसे तमाम गुणों की जरूरत होती है। इसमें 'रिटेल थेरेपी' जैसी नई अवधारणाओं का भी जिक्र है, जहां लोग अपना तनाव दूर करने के लिए खरीदारी करते हैं, मगर निवेश के लिए सही परिवेश नहीं बना पाते। इंसान भले ही सुदूर अंतरिक्ष का आकलन करने में कुछ सफल हुआ है, लेकिन शेयरों और म्यूचुअल फंड को लेकर बड़े से बड़ा वित्तीय पंडित भी दावे के साथ कुछ नहीं कह सकता।

निवेश में व्यवहार के पहलुओं पर प्रकाश डालने वाली यह पुस्तक निवेशकों के लिए गाइड का काम करती है...

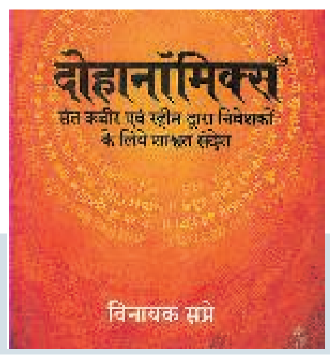

पुस्तक : दोहानॉमिक्स
लेखक : विनायक सप्रे
मूल्य : 399 रुपये

ऐसे में निवेश के साथ अनिश्चितता का भाव स्वाभाविक हैं। किताब उन संदेहों को दूर करने के साथ ही तथाकथित जानकारों से सतर्क रहने को लेकर सावधान करती है। इस संदर्भ में मार्क ट्वेन के हवाले से दिलचस्प उल्लेख है, 'शेयरों में अनुमान लगाने के लिए अक्टूबर जोखिम भरे महीनों में से एक है। अन्य जोखिम भरे महीने- जुलाई, जनवरी, सितंबर, अप्रैल, नवंबर, मई, मार्च, जून, दिसंबर, अगस्त और फरवरी हैं।'

यह पुस्तक निवेशकों को तार्किक बने रहने, बेवजह लालच से बचने और अपने निवेश लक्ष्य पर केंद्रित बने रहने को प्रेरित करती है। इसकी कुछ बातें 'जेनेरिक' लग सकती हैं, लेकिन व्यावहारिक अर्थशास्त्र का तकाजा ही यही है कि वह आपको पुरानी बातें स्मरण कराकर सही राह पर अग्रसर करता रहे। वित्तीय सीख के साथ ही इसमें दर्शन का भी समावेश है। संपदा सृजन के तमाम गुर सिखाने के बाद लेखक अंत में कबीर के माध्यम से दर्शन की ओर मुड़कर सलाह देते हैं कि यदि अपने संचित धन का आनंद नहीं लिया तो वह व्यर्थ है।

राम सप्रे का अनुवाद ठीक है, लेकिन कई स्थानों पर शुद्धतावादी आग्रह के चलते कुछ शब्दों का उपयोग एकदम अनुपयुक्त रहा। फिर भी इससे पुस्तक का प्रवाह प्रभावित नहीं होता। कैलिग्राफी और विविध रंगों के मेल से अच्छी लिखावट भी लुभाती है। रंग संयोजन एवं प्रस्तुति से यह ग्लोबल बेस्टसेलर लेखक रॉन्डा बर्न की 'द सीक्रेट' से प्रभावित लगती है। बहरहाल, निवेश में व्यवहार के पहलुओं पर प्रकाश डालने वाली यह पुस्तक वास्तव में निवेशकों के लिए गाइड का काम करती है।

एसिड अटैक के विरुद्ध संघर्ष-गाथा

संजीव कुमार झा

एसिड अटैक जैसे घृणित अपराध के दुष्परिणामों का किसी भी पीड़िता की संवेदना के साथ वर्णन करना आसान नहीं। एसिड यानी तेजाब सिर्फ चमड़ी, मांस और हड्डियां नहीं जलाता-गलाता है, यह समाज और इंसानियत के प्रति पीड़िता के भरोसे को भी जिंदगीभर के लिए टूटने-टीसने-रिसने के लिए छोड़ जाता है। यह और बात है कि इसी समाज में रेशमा कुरैशी जैसी बहादुरी की मिसाल बन गईं महिलाएं भी हैं, जो एसिड हमले से न केवल उबरने में कामयाब होती हैं, बल्कि इस जघन्य अपराध को रोकने की मुहिम का दुनिया भर में प्रमुख चेहरा बन जाती हैं। 'मैं रेशमा...' नामक यह आत्मकथा उन्हीं रेशमा कुरैशी की है।

किशोरावस्था से जवानी की दहलीज पर तमाम हसरतों के साथ कदम रखने को तैयार रेशमा को 19 मई 2014 से पहले जिंदगी ने मुफलिसी के अलावा और कोई बड़ा सवाल करने का मौका नहीं दिया था। उत्तर प्रदेश के एक छोटे कस्बे से ताल्लुक रखने वाली और मुंबई में पली-बढ़ी रेशमा की जिंदगी में ऐशो-आराम का दूर-दूर तक नामोनिशां नहीं था। परिवार कुल मिलाकर चल जाता था। लेकिन उस दिन एक परीक्षा देने जाते वक्त रास्ते में घात लगाए कुछ कथित 'अपने' उसकी ओर दौड़े, उसे रोका, बाल खींचे और चेहरे पर तेजाब डाल दिया। रेशमा का खूबसूरत चेहरा जलते-जलते पूरे समाज के मुंह पर अमिट कालिख लगा गया। रेशमा के मुताबिक ये 'अपने' उसकी बहन के ससुराल वाले और उनके लोग थे, जो उसकी बहन से बदला लेना चाह रहे थे।

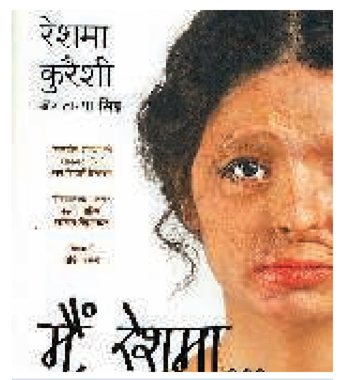

पुस्तक : मैं, रेशमा...
लेखिका : रेशमा कुरैशी और तान्या सिंह
प्रकाशक : मंजुल पब्लिशिंग हाउस
कीमत : 350 रुपये

उन चंद पलों के बाद रेशमा की जिंदगी में दर्द, सवालों और दुनिया भर में इलाज का अंतहीन सिलसिला शुरू हुआ। उसी दौरान रेशमा से 'मेक लव नॉट स्कार्स' नामक एक संस्था की फाउंडर रिया शर्मा मिलीं। यह मुलाकात दोस्ती में तब्दील हो गई।

आखिरकार रेशमा उस दर्द से उबरीं और रिया की मदद से न्यूयॉर्क फैशन वीक में शिरकत करने वाली पहली एसिड अटैक पीड़िता बन गईं। यह पुस्तक रेशमा कुरैशी और 'मेक लव नॉट स्कार्स' की तान्या सिंह द्वारा लिखित मूल अंग्रेजी कृति का हिंदी अनुवाद है। छोटी-छोटी बातों पर आत्महत्या तक को उतारू हो जाने वाली पीढ़ी के लिए यह पुस्तक प्रेरणास्रोत बन सकती है।

जागरण जनमत

कल का परिणाम

क्या ईज ऑफ डूइंग बिजनेस की रैंकिंग में सुधार से देश में विदेशी निवेश बढ़ेगा?

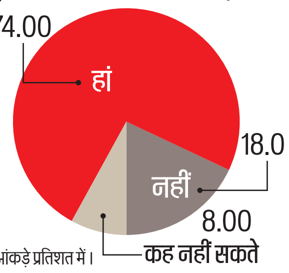

सभी आंकड़े प्रतिशत में।

आज का सवाल

क्या डे-नाइट मैचों से टेस्ट क्रिकेट की लोकप्रियता और बढ़ेगी?

अपनी राय और अधिक लोगों तक पहुंचाने के लिए अपने मोबाइल के मैसेज बॉक्स में जाकर **POLL** लिखें, स्पेस देकर **Y, N** या **C** लिखकर 57272 पर भेजें
Y -हां, **N**-नहीं, **C**-कह नहीं सकते

परिणाम जागरण इंटरनेट संस्करण के पाठकों का मत है।

जनपथ

दिवाली के दीप से रोशन हों घर-द्वार,
इसी दीप की अग्नि में जले द्वेष संसार।
जले द्वेष संसार प्रेम की भड़के ज्वाला,
घने अमावस बीच सत्य का बढ़े उजाला।
हों ईर्ष्या से दूर सभी बांटें खुशहाली,
दे सबको समृद्धि बंधुवर यह दिवाली!

\- ओमप्रकाश तिवारी

मध्य प्रदेश डायरी

निवेश के बहाने बढ़ी लक्ष्मी प्राप्ति की आस

आशीष व्यास
संपादक, नई दुनिया, मध्य प्रदेश

दुनिया की सबसे पुरानी सभ्यताओं में से एक सिंधु घाटी के संदर्भ में अब तक मिले अवशेषों से यह प्रमाणित होता है कि नदियों के किनारे समृद्ध हुई मानव-सभ्यता, तब अधिक फली-फूली जब व्यापार-व्यवसाय का रास्ता भी खुला। बताया यह भी जाता है कि दुनिया में सबसे पहले कपास हड़प्पावासियों ने ही उगाया था। उसी कपास से सूती कपड़े बने, कालांतर में उद्योग के रूप में भी कपास का उपयोग हुआ। हो सकता है कि सिंध-पंजाब, जम्मू-कश्मीर, बलूचिस्तान से लेकर राजस्थान, गुजरात होते हुए नर्मदा के मुहाने तक फैली इस सभ्यता के कुछ अंश मध्य प्रदेश तक भी पहुंचे हों! इतिहास के ऐसे ही पन्नों पर मध्य प्रदेश को खोजते हुए एक संदर्भ यह भी मिलता है कि देश के हृदय प्रदेश का कपास से पुराना नाता है। हो सकता है प्रदेश की पहचान बन चुकी कपास की उन्नत खेती के बीज भी उसी समय बो दिए गए हों! यहां 'कपास' केवल फसल नहीं, बल्कि समृद्धि-संपन्नता का प्रतीक भी है। कृषि आधारित अर्थव्यवस्था का प्रतिनिधि प्रदेश अब औद्योगिक निवेश के माध्यम से भी विकास के नए पड़ाव पार करना चाहता है।

दीप उत्सव शुरू होने के साथ ही लक्ष्मीजी के आगमन की प्रतीक्षा की जा रही है। दिवाली की रात भी दरवाजा खुला रखने की परंपरा इसीलिए है कि लक्ष्मी जी जब आएंगी, तो सुख-संपत्ति, सतत उन्नति और ऐश्वर्य की भी आमद होगी। मैग्निफिसेंट एमपी के जरिये प्रदेश ने भी इस दिवाली पर अपने दरवाजे खोल रखे हैं। संभवतः 31 अक्टूबर को इसकी आहट सुनाई देगी, जब कैबिनेट बैठक में 10 हजार करोड़ रुपये के निवेश वाले मेगा प्रोजेक्ट्स का अनुमोदन होगा। स्वाभाविक है इन आंकड़ों को सरकारी बही-खाते में भी चढ़ा लिया जाएगा। जब सभी तरफ से मंदी का शोर सुनाई दे रहा है, बाजार एक अनावश्यक आशंका से घिरता चला जा रहा है, ऐसे में निवेश का यह क्रम मध्य प्रदेश के लिए संजीवनी के समान है।

'इंडिया इनक्रेडिबल बनाम मध्य प्रदेश क्रेडिबल' के नारे पर भरोसा किया जाए, तो निवेश के साथ-साथ 70 प्रतिशत स्थानीय लोगों को रोजगार दिए जाने का वादा भी हो गया है। यदि इसे ईमानदारी से निभाया जाता है, तो यह दिवाली आने वाले वर्षों के लिए उन्नति का दरवाजा खोल सकती है। मध्य प्रदेश के पास अभी एक अवसर भी है। निवेश की संभावनाओं को व्यावहारिक धरातल पर उतारकर नई मांग पैदा की जा सकती है। कंपनियों से रोजगार के साधन उपलब्ध करवाने की शर्त का पालन करवाकर,

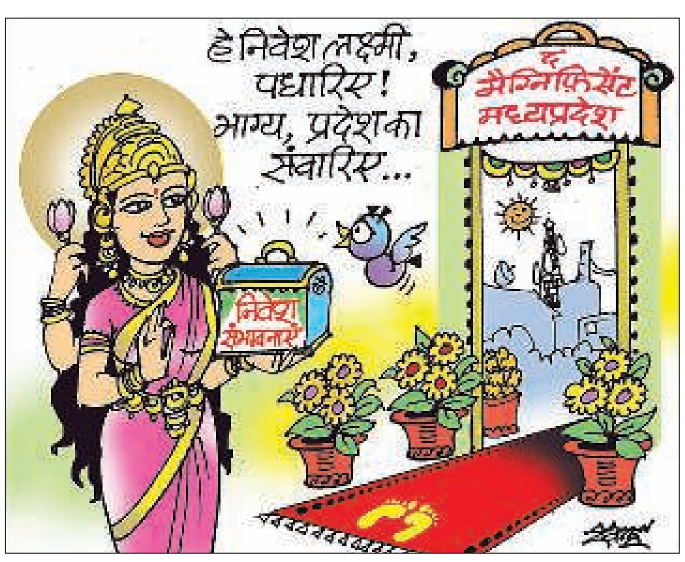

लोगों तक पैसा पहुंचाया जा सकता है। आइसीएआइ, इंदौर के अध्यक्ष और चार्टर्ड एकाउंटेंट पंकज शाह मध्य प्रदेश में समृद्धि के भविष्य को लेकर आशान्वित हैं। उनका मानना है- 'मैग्निफिसेंट एमपी से निवेश लाने की कोशिश के साथ केंद्र द्वारा कम किए कॉरपोरेट टैक्स का असर भी अब नजर आएगा। दिवाली के बाद नई कंपनियां स्थापित होती दिखेंगी। विनिर्माण सेक्टर को बढ़ावा मिलेगा। कॉरपोरेट को पहले जो पैसा एडवांस टैक्स में जमा करना था, वे अब उसका उपयोग विस्तार के लिए करेंगे।' हालांकि प्रदेश को करीब से देखने-समझने और ऐसे कई प्रयोगों के भागीदार रहे मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्य सचिव केएस शर्मा की बातों पर भी गौर करने की आवश्यकता है। वे कहते हैं- 'अब पूरा दारोमदार क्रियान्वयन पर है। जब तक निवेश जमीन पर नहीं उतरेगा, तब तक इसका फायदा अर्थव्यवस्था पर नजर नहीं आएगा। मैग्निफिसेंट एमपी में जो प्रस्ताव आए हैं, उन पर तेजी के साथ काम करना होगा। इसके लिए कार्यक्रम बनाने होंगे और पुख्ता निगरानी भी करनी होगी। जब उद्योग लगेंगे तो आसपास संबंधित उद्योग भी आएंगे। लोगों को काम मिलेगा और अर्थव्यवस्था गतिशील होगी।'

वैसे मुख्यमंत्री कमलनाथ यह विश्वास दिला चुके हैं कि निवेश का यह नया परिदृश्य योजनाबद्ध नीतियां बनाने के बाद ही दिखाई दे रहा है। मैग्निफिसेंट एमपी का उद्घाटन करते हुए उन्होंने कहा भी था कि- यह कोई मेला नहीं है, न ही सिर्फ एमओयू करने के लिए रखा गया एक कार्यक्रम। यह प्रदेश के युवाओं के लिए रोजगार सृजित करने का एक मंच है। चूंकि आंकड़ों में मेरा विश्वास नहीं है, दो वर्ष बाद मध्य प्रदेश 'इमर्जिंग' प्रदेश न रहे हम इस पर काम कर रहे हैं। नए उद्योगों को 70 फीसद रोजगार मध्य प्रदेश के लोगों को देना होगा।'

इसीलिए ऑल इंडिया बैंक ऑफिसर्स एसोसिएशन के वाइस चेयरमैन आलोक खरे आग्रह कर रहे हैं- 'निवेश की नीति और प्रक्रियाओं में कई बार सरकारों द्वारा बैंक प्रबंधन को बाहर कर दिया जाता है, जबकि फंडिंग उन्हीं के जरिये होती है। ऐसे में जरूरी है कि सरकार, निवेशक और बैंक के बीच एक त्रिकोणात्मक संवाद स्थापित किया जाए।'

बहरहाल, मैग्निफिसेंट एमपी के बहाने समृद्धि ने मध्य प्रदेश के दरवाजे पर दस्तक दे दी है। शासन-प्रशासन ने अपनी पूरी क्षमता से उद्योगपतियों का स्वागत-सत्कार किया और वास्तविक निवेश के लिए प्रोत्साहित भी किया। इच्छाओं-अपेक्षाओं का नया आधार अब यह है कि योजनाओं-घोषणाओं के बाद अब क्रियान्वयन पर भी तेजी से काम किया जाए। दिवाली के पहले प्रदेश ने इसी उम्मीद से अपने दरवाजे खोले हैं कि निवेश के बहाने प्रदेश में 'लक्ष्मी' आएं।

झाबुआ की जीत से सुरक्षित हुई सरकार : झाबुआ विधानसभा उपचुनाव की जीत से कांग्रेस उत्साहित है। आंकड़ों की दौड़ में अब खुद को सुरक्षित भी महसूस कर रही है। हार के बाद भाजपा में थोड़ी निराशा है, वहीं कांग्रेस गदगद है, क्योंकि उसने अब विधानसभा में एक तरह से बहुमत हासिल कर लिया है। पहले से ही जीत का दावा कर रहे मुख्यमंत्री कमलनाथ ने इस जीत को झाबुआ की जनता की ओर से दिया गया दिवाली का तोहफा बताया। यह संकल्प भी दोहराया कि जनता से किए सभी वादों को पूरा कर हम झाबुआ की तस्वीर बदलेंगे। पिछले चुनाव में हार से अपने राजनीतिक भविष्य को लेकर चिंतित आदिवासी नेता कांतिलाल भूरिया ने भी इस जीत से राहत की सांस ली है। माना जा रहा है प्रदेश की राजनीति में वे अब एक बड़े आदिवासी नेता के रूप में सामने आ सकते हैं।

5 राज्यों में ग्लेशियर पाए जाते हैं भारत में। इसमें से अरुणाचल प्रदेश में दो, जम्मू-कश्मीर में 13, हिमाचल प्रदेश में 21, सिक्किम में तीन, उत्तराखंड में 16 ग्लेशियर हैं। जम्मू-कश्मीर का सियाचिन ग्लेशियर ध्रुवीय क्षेत्रों के बाहर का दूसरा सबसे बड़ा और हिमालय काराकोरम पर्वतमाला का सबसे बड़ा ग्लेशियर है।

www.jagran.com
राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
रविवार 27 अक्टूबर 2019

करतारपुर कॉरिडोर : लंबे सफर के बाद मिली राह

इन दिनों

नितिन उपमन्यु, जालंधर

भारत-पाकिस्तान सीमा से लगभग 4 .5 किलोमीटर अंदर पाकिस्तान में स्थित करतार साहिब के दर्शन अब सुलभ होने जा रहे हैं। अभी तक शृद्धालु करतारपुर साहिब के या तो दूरबीन से दर्शन करते थे या फिर लाहौर से होकर 125 किमी का सफर तय कर दर्शन करते थे। गुरुनानक देव जी के जिंदगी के आखिरी 18 साल के गवाह रहे करतारपुर के लिए नौ नवंबर को दोनों देशों के प्रधानमंत्री ऐतिहासिक कॉरिडोर प्रोजेक्ट का उद्घाटन करेंगे। आइये एक नजर डालते हैं इस कॉरिडोर के विभिन्न पहलुओं पर...

वर्षों की अरदास और लंबी जद्दोजहद के बाद आखिरकार पाकिस्तान स्थित गुरुद्वारा श्री करतारपुर साहिब के दर्शनों की राह आसान हो गई है। इस पावन धरती पर प्रथम पातशाही श्री गुरुनानक देव जी ने अपनी जिंदगी के आखिरी 18 साल बिताए थे। लाखों नानक नाम लेवा वर्षों से करतारपुर साहिब के दीदार के लिए अरदास करते आ रहे थे। अब उस अरदास के पूरे होने का वक्त आ गया है। पाकिस्तान की तरफ से प्रति श्रद्धालु 20 डॉलर फीस लेने के मुद्दे को छोड़ कर सभी कांटे दूर हो गए हैं। भारत के डेरा बाबा नानक (गुरदासपुर) से श्री करतारपुर साहिब तक बन रहा कॉरिडोर श्री गुरुनानक देव जी के 550वें प्रकाश से पहले खुल जाएगा।

गुरुवार को जीरो लाइन पर हुई दोनों देशों के अधिकारियों की बैठक के बाद ज्यादातर मसले हल हो गए हैं। कॉरिडोर सारा साल खुला रहेगा और भारत की तरफ से श्रद्धालुओं का पहला जत्था 10 नवंबर को जाएगा। सालभर रोज पांच हजार श्रद्धालु बिना वीजा के दर्शनों के लिए जा सकेंगे। उन्हें शाम तक लौटना होगा। पहचान के लिए पासपोर्ट अनिवार्य होगा। दोनों देशों में बनने वाले यात्री टर्मिनल का काम करीब-करीब पूरा हो चुका है। यात्रियों की रजिस्ट्रेशन ऑनलाइन पोर्टल पर होगी। उन्हें रजिस्ट्रेशन की सूचना एडवांस में ईमेल व मोबाइल मैसेज के माध्यम से दी जाएगी।

कॉरिडोर बनने की यात्रा काफी लंबी रही है। कई तरह के उतार-चढ़ाव व तनातनी के बीच आखिरकार दोनों देश इस ऐतिहासिक प्रोजेक्ट को शुरू करने पर सहमत हुए और अब यह शुरू होने जा रहा है।

4.7 किमी लंबा है कॉरिडोर: पंजाब के गुरदासपुर जिले में डेरा बाबा नानक क्षेत्र में भारत की ओर 4.7 किमी लंबे कॉरिडोर का काम 31 अक्टूबर तक पूरा हो जाएगा। इसका उद्घाटन भारत और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री नौ नवंबर को एक साथ करेंगे। बॉर्डर के दोनों ओर यात्री टर्मिनल बनाए जा रहे हैं जो रावी पर बनने वाले पुल से जुड़ेंगे। दिल्ली-लाहौर बस कूटनीति के हिस्से के रूप में करतारपुर कॉरिडोर के प्रस्ताव पर भारत और पाकिस्तान के बीच पहली बार 1999 में इसकी चर्चा हुई थी। 26 नवंबर, 2018 को भारत ने डेरा बाबा नानक में इसकी आधारशिला रखी। दो दिन बाद पाकिस्तान ने नारोवाल में नींव पत्थर रखा। वर्तमान में भारत के तीर्थयात्रियों को करतारपुर जाने के लिए लाहौर के लिए बस सेवा लेनी पड़ती है, जो 125 किमी की यात्रा है। डेरा बाबा नानक से लोग दूरबीन के माध्यम से भी इसके दर्शन करते हैं। अब चंद मिनटों की यात्रा से वे इस पवित्र स्थल के दर्शन कर सकेंगे।

दुरुपयोग की आशंका: करतारपुर कॉरिडोर को लेकर विवाद भी कम नहीं रहे हैं। 18 अगस्त 2018 को जब पूर्व कैबिनेट मंत्री नवजोत सिंह सिद्धू पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान के शपथ समारोह में गए, तो उन्होंने पाक सेना प्रमुख कमर जावेद बाजवा को गले लगाया था। इससे भारत में काफी विवाद हुआ। पक्ष और विपक्ष दोनों ही पार्टियों ने सिद्धू पर निशाना साधा। सिद्धू का कहना था कि बाजवा ने उनसे कहा कि सरकार करतारपुर कॉरिडोर को खोलने पर विचार कर रही है। इस पर उन्होंने बाजवा को गले लगा लिया। पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह, भाजपा नेता सुब्रह्मण्यम स्वामी और भारतीय सेना प्रमुख जनरल बिपिन रावत ने आशंका जताई कि आतंकी मकसद के लिए कॉरिडोर के लिए दुरुपयोग हो सकता है। स्वामी ने तो इसे देश के लिए खतरनाक कदम बताया, जबकि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने इसे बर्लिन की दीवार के गिरने जैसा फैसला बताया।

20 डॉलर लेने पर अड़ा पाक : कॉरिडोर को लेकर भारत और पाकिस्तान के बीच गुरुवार को जो समझौता हुआ, उसमें श्रद्धालु से लिए जाने वाले 20 डॉलर (करीब 1400 रुपये) के मुद्दे पर चर्चा नहीं हुई। इस पर फिर से बात होगी। भारत सरकार व पंजाब सरकार, शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी व सभी राजनीतिक दल पाकिस्तान के इस फैसले का लगातार विरोध कर रहे हैं, लेकिन पाकिस्तान अपनी जिद पर अड़ा है। पाक इसे सालाना 259 करोड़ रुपये कमाएगा, जो पाकिस्तानी मुद्रा में 571 करोड़ रुपये बनते हैं। वहीं, केंद्रीय मंत्री हरसिमरत कौर बादल ने कहा है कि पंजाब सरकार यह खर्च वहन करे। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने अपने राज्य से जाने वाले श्रद्धालुओं का खर्च उठाने की बात कही है। उम्मीद है कि दोनों देशों के बीच यह मुद्दा जल्द सुलझ जाएगा।

16 हजार जवान संभालेंगे मोर्चा: करतारपुर कॉरिडोर को लेकर सुरक्षा सबसे बड़ा मुद्दा है। आशंका जताई जा रही है कि आतंकी इसे अपने नापाक इरादों के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं। कुल 16 हजार जवान सुरक्षा के लिए तैनात रहेंगे। सुरक्षा व्यवस्था का कई बार रिव्यू किया जा रहा है। दर्शन के लिए जाने वाले श्रद्धालुओं को जाने की अनुमति से पहले आइबी और दूसरी खुफिया एजेंसियां श्रद्धालुओं की पड़ताल करेंगी। कॉरिडोर के रास्ते को हाईटेक सीसीटीवी कैमरों से लैस किया गया है, जो तुरंत संदिग्धों की पहचान कर अलर्ट करेगा। इसके अलावा तमाम सुरक्षा एजेंसियां, सेना व बीएसएफ के जवान भी पैनी निगाह रखेंगे।

एक महान टीम का उभरना

संडे स्टोरी

नेशनल डेस्क, नई दिल्ली

विराट कोहली की टेस्ट टीम का दबदबा उल्लेखनीय है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हाल में एक परफेक्ट सीरीज के बाद टीम इंडिया ने दूसरों से अपना फासला और बढ़ाया है। टीवी पर कमेंट्रेटर टीम की काबिलियत की मिसाल दे रहे हैं। कप्तान भरोसे से भरा है और उसके साथी कौशल के साथ अलग मनोविज्ञान भी दिखा रहे हैं। टीम इंडिया वर्चस्व की नई परिभाषा गढ़ रही है, जो निरंतरता से ज्यादा विरोधी को मसल देने पर आधारित है।

51 वें टेस्ट में बतौर कप्तान विराट कोहली को 31वीं जीत मिली

33 पिछले टेस्ट मैच जो घर में हुए हैं उसमें 26 भारत ने जीते हैं। एकमात्र हार 2017 में पुणे में ऑस्ट्रेलिया के हाथों मिली थी

11 सीरीज लगातार घर में जीतने का रिकॉर्ड कायम किया भारतीय टीम ने

क्या विराट कोहली की टीम भारत की अब तक की सबसे अच्छी क्रिकेट टीम बन चुकी है? क्या वह वाकई दुनिया में नंबर वन है और बाकी टीमों के साथ उसका अंतर इतना बढ़ गया है कि हम एक सर्वकालिक महान टीम का उभरना देख रहे हैं? दक्षिण अफ्रीका का टेस्ट सीरीज में पिछले दिनों भारत ने जैसा सफाया किया उससे यह स्वाभाविक सवाल उभरे हैं। कोहली एंड कंपनी इस समय विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में अपनी लीड इतनी बढ़ा चुकी है कि बाकी सारी टीमों के मिलाकर भी उतने अंक नहीं हैं जितने भारत ने महज तीन सीरीज में जुटा लिए हैं। भारत के इस समय 240 अंक। उसके निकटतम प्रतिद्वंद्वी न्यूजीलैंड और श्रीलंका हैं, जिनके पास महज 60 अंक हैं। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के लिहाज से यह शुरुआती दिन हैं, लेकिन इतने दबदबे के साथ भारत उम्मीद कर सकता है कि लाड्र्स (इंग्लैंड) में 2021 में इस चैंपियनशिप के फाइनल की एक टीम वह जरूर होगा।

सवाल विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के संतुलन पर उठ रहे हैं। निगरानी और नियंत्रण करने वाली अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की हालत फुटबाल की सर्वोच्च संस्था फीफा जैसी नहीं है कि वह ढंग से कार्यक्रम भी बना सके। इस चैंपियनशिप का कोई तर्कपूर्ण कैलेंडर नहीं है। फिर भी हम कोहली की टीम की उपलब्धियों को नजरअंदाज नहीं कर सकते। दक्षिण अफ्रीका पर उसकी बादशाहत की तो मिसाल मिलनी मुश्किल है। जरा कुछ तथ्यों पर गौर करें। दुनिया की तीसरे नंबर की टीम दक्षिण अफ्रीका पूरी सीरीज में एक बार भी भारतीय टीम को आउट नहीं कर सकी। पूरी सीरीज में भारत ने महज 25 विकेट गंवाए। भारतीय बल्लेबाजों ने सात शतक लगाए, जबकि दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाजों के हिस्से में केवल दो शतक आए। छक्कों की तो ऐसी बाढ़ आ गई कि लगा मानसून वापस आ गया है। भारत की ओर से कुल 47 छक्के लगे, जो 142 साल के टेस्ट इतिहास में एक रिकार्ड है। मुकाबला इस तरह एकतरफा रहा कि अगर यह कोई मुक्केबाजी की भिड़ंत होती तो रेफरी बीच में ही एक्शन रोक देता।

इस पूरी सीरीज में रोहित शर्मा एक स्थापित ओपनर बनने की ओर बढ़ते दिखे तो मयंक अग्रवाल ने साबित किया कि वह बहुत दूर तक जा सकते हैं। अब मुरली विजय और शिखर धवन की कहीं कोई गुंजाइश नहीं बची है और केएल राहुल के लिए फिर से टीम में जगह बनाना आसान नहीं है।

बैटिंग हमेशा से भारत की ताकत रही है, लेकिन सीरीज का सबसे आकर्षक पहलू था तेज गेंदबाजों का प्रदर्शन। भारत में क्रिकेट देखने और सराहने वाले किसी प्रशंसक ने यह नजारा कभी नहीं देखा जब कोई भारतीय पेसर गेंद की जगह हैंड ग्रेनेड लिए हुए दिखाई दे। यह तब हुआ जब जसप्रीत बुमराह अनफिट होने के कारण सीरीज में नहीं खेल रहे थे। टीम की जरूरत के लिहाज से इशांत शर्मा को आखिरी दो मैचों में नहीं खिलाया गया और उनकी जगह आए उमेश यादव इतने सटीक थे कि स्टंप बार-बार उड़ते नजर आए। बोल्ड और एलबीडब्ल्यू के ज्यादातर मामले ऐसे थे जब बल्लेबाजों का बैट देर से आया यानी वे पेस से बीट हुए। मुहम्मद शामी खरा सोना हैं-टेस्ट मैचों के लिहाज से। उनकी लेंथ गजब की है। यह कहा जाता है कि एक कप्तान उतना ही अच्छा होता है जितनी कि उसकी टीम होती है। कोहली की कामयाबी केवल इस तथ्य से जांची जा सकती है कि भारत की बेंच स्ट्रेंथ में भुवनेश्वर कुमार जैसा गेंदबाज शामिल है। जब बुमराह लौट आएंगे तो कोहली-रवि शास्त्री का सिरदर्द बढ़ जाएगा। बैटिंग में हनुमा विहारी कब फेल हुए थे कि उन्हें टीम में जगह नहीं मिल पा रही है। वह कैरेबियाई दौरे में सबसे अधिक प्रोडक्टिव बल्लेबाज थे और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सरप्लस से हो गए। आज टीम इंडिया दुनिया में नंबर वन है। यह स्थान उसने कमाया है, लेकिन महानता का लेबल अपने ऊपर चस्पा करने के लिए टीम को विदेशी धरती पर लगातार जीतना होगा।

दुष्यंत : कम उम्र में बड़ी कामयाबी

चर्चित शख्सियत

अनुराग अग्रवाल, चंडीगढ़

खुद को देवीलाल का असली वारिस कहने वाले दुष्यंत चौटाला ने इसे साबित भी कर दिया है। हरियाणा विस चुनाव के नतीजे दुष्यंत की राजनीतिक पकड़ और समझ की गवाही हैं। मात्र 10 माह पुरानी पार्टी को राज्य की तीसरी सबसे बड़ी पार्टी बनाकर उन्होंने यह दिखाया है कि वे ही जाटों के नेता हैं...

26 साल की उम्र में 2014 के आम चुनावों में हरियाणा के हिसार से जीत हासिल कर संसद तक पहुंचने वाले और सबसे युवा सांसद का तमगा पाने वाले दुष्यंत चौटाला हरियाणा में मजबूत राजनीतिक पकड़ रखते हैं। दुष्यंत हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री ओमप्रकाश चौटाला के पौत्र और पूर्व उप प्रधानमंत्री और दो बार के मुख्यमंत्री चौधरी देवीलाल के प्रपौत्र हैं। हिसार जिले के दरोली में जन्मे दुष्यंत जब 11 वर्ष के थे तब चौधरी देवीलाल का निधन हो गया। परिवार के लोगों का कहना है कि छह फुट चार इंच के दुष्यंत चौटाला ने अपनी लंबाई अपने परदादा से पाई है। गांव के लोग उनमें देवीलाल की छवि देखते हैं। दुष्यंत कहते हैं कि उन्होंने अपने परदाता से ही शिक्षा का महत्व सीखा। वह बताते हैं कि पढ़ाई के दौरान जब भी वह अपने घर लौटते थे तो देवीलाल उनसे यही पूछते थे-क्या सीखा?

दुष्यंत की प्रारंभिक शिक्षा हिमाचल प्रदेश के सनावर के बोर्डिंग स्कूल से हुई। दुष्यंत ने बिजनेस मैनेजमेंट की डिग्री अमेरिका की कैलिफोर्निया स्टेट यूनिवर्सिटी से ली है और वहां से लौटकर उन्होंने नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी से मास्टर ऑफ लॉ की पढ़ाई भी की है। दुष्यंत को उनके दादा ओपी चौटाला ने पार्टी से तब निकाल दिया था जब नवंबर 2018 में देवीलाल की स्मृति रैली के दौरान भीड़ ने दुष्यंत के लिए नारे लगाने शुरू कर दिए। उन पर अराजकता और अनुशासनहीनता के आरोप लगे थे।

हर वर्ग में बनाई पहचान: दुष्यंत ने शुरुआत से ही अपने पिता अजय चौटाला के साथ मिलकर हरियाणा के गांवों में समय देना शुरू कर दिया था। सांसद बनने के बाद उन्होंने संसद में ट्रैक्टर से पहुंचकर जमीन और किसान से जुड़ा होने का संदेश दिया। साथ ही दो दर्जन बहसों में हिस्सा लिया और संसद में 89 प्रतिशत उपस्थिति भी दर्ज कराई। उन्होंने इनेलो की स्टूडेंट विंग इंडियन नेशनल स्टूडेंट ऑर्गनाइजेशन में भी अपनी मजबूत पकड़ बनाई।

बुड्ढा बुलाते हैं दिग्विजय: दुष्यंत को उनके छोटे भाई दिग्विजय मजाक में बुड्ढा बुलाते हैं। कारण यह है कि दुष्यंत के फेवरेट हीरो धर्मेंद्र हैं। उनका कहना है कि धर्मेंद्र ने अपने स्टारडम के बावजूद जड़ों को नहीं छोड़ा। दुष्यंत का पसंसीदा गाना भी शोले फिल्म का 'ये दोस्ती हम नहीं छोड़ेंगे' है।

ऐसे हुई शुरुआत : दुष्यंत ने नौ दिसंबर 2018 को जननायक जनता पार्टी की नींव रखी। उनकी टीम में 63 वर्षीय निसान सिंह जैसे इनेलो के दिग्गज भी शामिल थे और 30 साल के नितिन सेहरावत जैसे युवा भी। नितिन इंजीनियर हैं और पार्टी का सोशल मीडिया का काम देखते हैं। पार्टी को चाबी चुनाव चिह्न से पहले चप्पल निशान मिला था।

सधे बयानों के लिए भी जाने जाते हैं : पूरे चुनाव अभियान के दौरान चौटाला ने जेबीटी घोटाले में जेल गए अपने पिता अजय चौटाला को लेकर बेहद सधी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने अभियोग पर कभी सवाल नहीं उठाया और हमेशा यही कहा कि उनके पिता निर्दोष हैं। उनके खिलाफ कोई सुबूत नहीं है, हम इसका मुकाबला करेंगे। 18 अप्रैल 2017 को दुष्यंत ने सीनियर आइपीएस परमजीत अहलावत की बेटी मेघना से शादी की।

सिंगल यूज प्लास्टिक

को रिसाइकिल करने का निकाला नया तरीका

अमेरिकी शोधकर्ताओं ने सिंगल यूज प्लास्टिक को रिसाइकिल करने का नया तरीका ढूंढ निकाला है। इसके जरिए सिंगल यूज प्लास्टिक को अच्छी क्वालिटी के तरल पदार्थ में तब्दील कर इससे मोटर ऑयल, लुब्रीकेंट्स, डिटर्जेंट और कॉस्मेटिक्स बनाए जा सकते हैं। इस तरीके से मौजूदा रिसाइकिलिंग के तरीकों में भी सुधार होगा, साथ ही पर्यावरण को भी नुकसान नहीं पहुंचेगा। रिसाइकिलिंग का यह तरीका नॉर्थवेस्टर्न यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने दो अन्य लैब के साथ की गई संयुक्त रिसर्च में निकाला है। यह शोध एसीएस सेंट्रल साइंस में प्रकाशित किया गया है। वैज्ञानिकों का कहना है कि इस खोज से भारत समेत तमाम ऐसे देश को ज्यादा लाभ होगा, जहां सिंगल यूज प्लास्टिक की खपत ज्यादा है और अपशिष्ट के मैनेजमेंट का कोई सिस्टम नहीं है।

हर भारतीय 11 किलो प्लास्टिक करता है इस्तेमाल

फिक्की की हाल में जारी रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में हर व्यक्ति सालाना 11 किलोग्राम प्लास्टिक इस्तेमाल करता है। अमेरिका में इससे 10 गुना ज्यादा इस्तेमाल होता है।

कचरे से पटे शहर

60 बड़े शहरों से रोजाना 4,059 टन प्लास्टिक कचरा निकलता हैभारत में केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के मुताबिक

60 फीसद प्लास्टिक कचरा को ही रिसाइकल किया जाता है भारत में

15 हजार टन प्लास्टिक कचरा ही एकत्रित किया जाता है देश में। भारत से रोजाना कुल 25,940 टन प्लास्टिक कचरा निकलता है। इसमें से सिर्फ 60 फीसद यानी 15,384 टन प्लास्टिक कचरा को रिसाइकल किया जाता है। हर साल 1.5 लाख टन से ज्यादा प्लास्टिक कचरा विदेशों से भारत आता है। इसी साल अप्रैल तक 19,305 टन कचरा विदेशों से आ चुका है।

प्लास्टिक से मिलेगी मुक्ति

नॉर्थवेस्टर्न यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिक प्रो. केनेथ पोपेलमीयर के 6मुताबिक, इस नई तकनीक की खोज से हम इसलिए खुश हैं क्योंकि दुनियाभर में जमा हो रहे प्लास्टिक के कचरे से लोगों को मुक्ति मिलेगी। प्लास्टिक को हम पिघला सकते हैं खत्म नहीं कर सकते। नई खोज पर्यावरण के लिए हानिकारक नहीं है।

पर्यटन का सिरमौर बनने को तैयार सियाचिन ग्लेशियर

सियाचिन ग्लेशियर, जिसे पूरी दुनिया में सबसे अधिक ऊंचाई पर स्थित युद्धस्थल के रूप में जाना जाता है। अब शायद सबसे अधिक ऊंचाई पर स्थित पर्यटन स्थल के रूप में जाना जाएगा। सरकार ने कुछ दिनों पहले ही घोषणा की है कि ग्लेशियर को पर्यटन के लिए खोला जाएगा। समुद्र तल से 16000-18000 फीट की ऊंचाई का यह ग्लेशियर सेना के लिए बेहद चुनौतीपूर्ण है। आइये जानते हैं इस क्षेत्र में पर्यटन के लिहाज से क्या सुविधाएं मिलेंगी और क्या चुनौतियां आएंगी....

नेशनल डेस्क, नई दिल्ली

पिछले कई सालों से पर्यटकों की ओर से सियाचिन ग्लेशियर को पर्यटन के लिए खोलने की मांग की जा रही थी। लोग देखना चाहते थे कि दुनिया का सबसे ऊंचा युद्धक्षेत्र आखिर दिखता कैसा है और सेना वहां कैसे अपने कार्यों का संचालन करती है। इस मांग पर रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने पिछले हफ्ते घोषणा की है कि सियाचिन ग्लेशियर को पर्यटकों के लिए खोला जाएगा। सियाचिन के बेस कैंप से लेकर कुमार पोस्ट के बीच के 60 किलोमीटर के क्षेत्र में पर्यटकों को जाने की इजाजत मिलेगी।

● अभी कहां तक पहुंच पाते थे पर्यटक?

वर्तमान में पर्यटकों को कारगिल में केवल नुब्रा घाटी तक ही जाने की अनुमति है, जो सियाचिन ग्लेशियर का प्रवेश द्वार है। यह सियाचिन के बेस कैंप और आर्मी बैटल स्कूल से काफी दूर है। अब भविष्य में पर्यटकों के छोटे-छोटे बैच बनाकर उन्हें नुब्रा घाटी से आगे बढ़ने की अनुमति दी जाएगी। अभी पर्यटक इस घाटी के वारसी और त्यक्शी गांव तक ही पहुंच पाते हैं। ये दोनों गांव 1971 के युद्ध के पहले तक पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर का हिस्सा थे। 2010 तक यहां आम नागरिकों के आने पर भी मनाही थी।

हालांकि, पर्यटकों को पहले भी ग्लेशियर जाने की अनुमति मिली है। 2007-2016 तक सेना की एडवेंचर सेल ने 'सियाचिन ट्रेक' का संचालन किया था, जिसके तहत बहुत ही कम संख्या में आम नागरिकों को बेस कैंप से लेकर कुमार पोस्ट तक जाने की अनुमति मिलती थी।

● 'सियाचिन ट्रैक' किन परिस्थितियों में संचालित किया गया था?

यह एक 30 दिन की यात्रा थी, इसमें भाग लेने वाले प्रतिभागियों को ग्लेशियर की चरम ऊंचाई तक पहुंचने के लिए बहुत कठिन हालातों से गुजरना पड़ता था। यह यात्रा बेस कैंप से कुमार पोस्ट तक (60 किलोमीटर) होती थी। बेस कैंप 11000 फीट की ऊंचाई पर है तो कुमार पोस्ट 16000 फीट की ऊंचाई पर है। आर्मी की एडवेंचर सेल द्वारा यह यात्रा 2007 से लेकर 2016 तक अगस्त और सितंबर माह के बीच में कराई जाती थी। इस यात्रा में 45 की उम्र से कम का कोई भी नागरिक शामिल हो सकता था, जिसमें भारतीय सैन्य अकादमी, राष्ट्रीय रक्षा अकादमी और सैन्य स्कूलों के कैडेट भी शामिल थे।

● पर्यावरणीय मुद्दों को भी ध्यान देने की जरूरत

अगर इस ग्लेशियर पर पर्यटन को बढ़ावा दिया जाना है तो कुछ ऐसे पर्यावरणीय मुद्दे हैं जिन पर ध्यान देने की जरूरत है। दुनिया के सबसे ऊंचे बैटल ग्राउंड पर केवल सेना की उपस्थिति होने से एक अनुमान के मुताबिक 1000 किलोग्राम कचरा प्रतिदिन उत्पन्न होता है। पर्यटकों के ज्यादा पहुंचने से यह कचरा और बढ़ेगा, जिससे इसके निपटान के उपाय खोजने होंगे। बेस कैंप तक वाहनों की संख्या काफी बढ़ जाएगी, जिससे अधिक गर्मी पैदा होगी और ग्लेशियर को नुकसान पहुंच सकता है। पर्यटन बढ़ने से सेना पर अतिरिक्त बोझ भी पड़ेगा क्योंकि किसी भी आपातकालीन स्थिति में नागरिक प्रशासन कोई मदद नहीं कर पाएगा। इसके लिए सेना और एयरफोर्स को ही जिम्मेदारी उठानी होगी।

● क्षेत्र में चिकित्सा सुविधाओं की क्या स्थिति है?

सियाचिन ग्लेशियर से कुछ दूरी पर स्थित नुब्रा घाटी में अल्पविकसित चिकित्सा सुविधाएं मौजूद हैं। दिस्कित में एक 50 बेड का उप जिला अस्पताल भी है। यहां एक्सरे, अल्ट्रासाउंड और लैब की सुविधा के साथ ही डेंटल यूनिट भी है। यह लेह से 120 किलोमीटर दूर है। इसके बाद फिर लेह में उन्नत उपचार उपलब्ध है। लेह के गांव हुंदर में मिलिट्री हॉस्पिटल और लेह जिले में एसएमएच मेमोरियल हॉस्पिटल है। इनकी क्षमता 150 बेडों की है।

● वर्तमान में कितना शांत है सियाचिन ग्लेशियर?

2003 में युद्ध विराम लागू होने तक सियाचिन ग्लेशियर दुनिया का सबसे ऊंचा युद्धक्षेत्र था। यहां पर तोपें तैनात थीं। पाकिस्तान की ओर से आए दिन उकसावे की कार्रवाई होती थी और भारत जवाबी हमला करता था, लेकिन आज तोपे शांत हो गई हैं। वर्तमान में साल्तोरो पर्वतमाला पर 23000 फीट की ऊंचाई पर सेना की चौकसी बरकरार है।

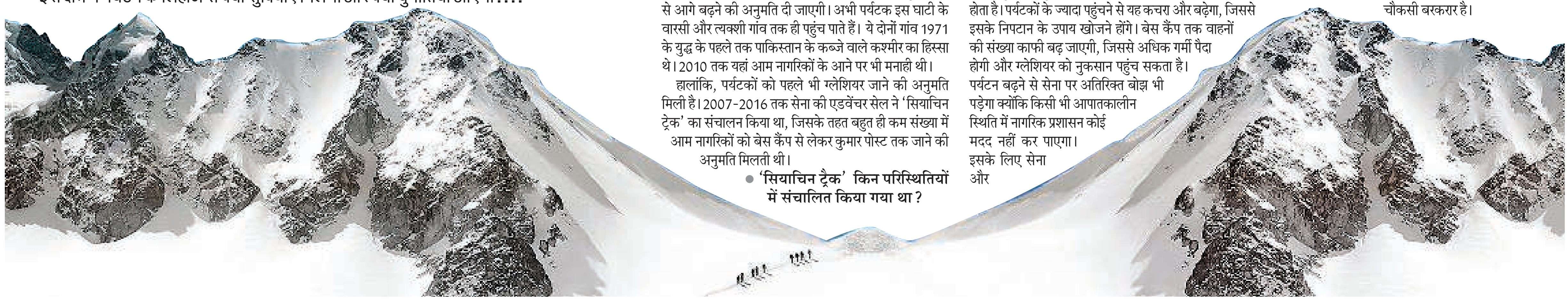

15 प्रतिशत छात्र ही विदेश में मेडिकल डिग्री लेने के बाद भारत में प्रेक्टिस करने के लिए अनिवार्य परीक्षा पास कर पाते हैं। विदेश में मेडिकल की डिग्री लेने वालों के लिए भारत में फारेन मेडिकल ग्रेजुएट एक्जामिनेशन पास करना जरूरी है।

प्रधानमंत्री मोदी ने धोए थे इनके पांव, धुलने लगा समाज का मैल

- प्रधानमंत्री ने जिन स्वच्छता कर्मियों के पैर धोकर बड़ा सामाजिक संदेश दिया था, उनके गांवों में बदलाव की बयार
- सम्मान पाने वालों में थे बांदा के तीन स्वच्छता कर्मी, इनके गांवों में बदल रही पुरातन सोच

फरवरी में कुंभ के दौरान प्रधानमंत्री ने पांच सफाई कर्मियों के पैर धोकर सम्मान किया था। फाइल फोटो

जागरण विशेष

विमल पांडेय, बांदा

फरवरी में कुंभ मेला के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जिन स्वच्छता कर्मियों के पैर धोकर अत्यंत प्रभावी सामाजिक संदेश दिया था, उनके गांवों में सामाजिक बदलाव की बयार बह चली है। आइये, इस दिवाली हम भी अपनी सोच बदलें। समाज के निचले पायदान पर बने आए वर्ग विशेष को तिरस्कार की जगह अपनत्व का उपहार देकर समाज के अंधकार को समता और स्नेह के प्रकाश से भर दें। दिवाली असल मायने में तभी सार्थक होगी।

प्रयागराज में कुंभ के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने जब इन स्वच्छता कर्मियों के पांव पखारे तो यह घटना प्रतीकात्मक तौर पर अति व्यापक और अत्यंत प्रभावी संदेश देती दिखी। गांवों-चौपालों में इस घटना की चर्चा रही और समाज ने इस पर गंभीर मंथन भी किया। जो तिरस्कृत समझे जाते थे, उन लोगों के पांव जब देश के प्रधानमंत्री ने धोए, तो लगा कि समाज का दारिद्रय धुल गया।

प्रधानमंत्री के हाथों इस तरह का अपनत्व और सम्मान पाने वालों में बांदा, उप्र के तीन स्वच्छता कर्मी भी शामिल थे, जिनके गांवों में बड़े सामाजिक बदलाव की बयार बह निकली है। गांव हो या उनके काम-काज का स्थल, बहुसंख्य लोग अब उनसे वैसा भेदभाव नहीं करते, जैसा कि पीढ़ी-दर-पीढ़ी होता आया था। यही नहीं, उन्हें समाज से अब जो अपनत्व मिल रहा है, वह कोरा नहीं है, बल्कि उम्मीद जगाने वाला है।

इसी साल 24 फरवरी को कुंभ में प्रधानमंत्री ने पांच स्वच्छता कर्मियों के पैर धोकर सम्मान दिया था। इनमें से तीन, बांदा के बबेरू कस्बे के प्यारे लाल, गांव मझिला की चौबी देवी और कमासिन ब्लॉक के गांव नारायणपुर निवासी नरेश चंद्र भी शामिल थे। सम्मान का वह क्षण इन उपेक्षित जनों के लिए बेहद गौरवमयी तो था ही, सामाजिक असमानता की खाई को पाटने की दिशा में एक मील का पत्थर भी साबित हुआ। इसका असर समाज में दिखने लगा है और इसकी गवाही अब वही तीनों गांव दे रहे हैं, जिन्होंने अतीत में छुआछूत को जिया है। अपने गांव-समाज से अपनत्व और अपने हक का सम्मान पाकर प्यारे लाल, चौबी देवी और नरेश चंद्र न सिर्फ अभिभूत हैं, बल्कि गौरवान्वित भी महसूस कर रहे हैं। खुद बता रहे हैं कि अब उनके गांवों के लोगों की सोच बदल रही है। प्यारे लाल कहते हैं कि हमने सपने में भी नहीं सोचा था कि इतना मान मिलेगा। प्रधानमंत्री ने मान क्या दिया, हमारे प्रति लोगों की सोच ही बदल गई। नरेश चंद्र से जैसे ही उस गौरवशाली पल का जिक्र होता है, उनकी आंखों में चमक बढ़ जाती है। कहते हैं, पीएम के सम्मान करने के बाद अब लोगों ने भी हमारी भावनाओं को सम्मान देना शुरू कर दिया है। चौबी देवी की भी आंखों में सम्मान की चमक अब तक बरकरार है। कहती हैं कि मन गदगद हो उठता है जब लोग यह सवाल करते हैं कि तुम्हारे ही पांव प्रधानमंत्री ने धोए थे?

राजकीय महिला महाविद्यालय बांदा में समाजशास्त्र की प्रोफेसर सबीहा रहमानी कहती हैं कि समाज में कोई परिवर्तन एक दिन में नहीं आता। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और राजा राम मोहन राय ने भी सामाजिक भेदभाव को मिटाने के लिए लंबे समय तक संघर्ष किया था। प्रधानमंत्री ने जो पटकथा लिखी, उसका असर शुरू होना सुखद बात है।

जागरण विशेष की अन्य खबरें पढ़ें
www.jagran.com/topics/jagran-special

अब तो इन्हीं सफाई कर्मियों से गांव की पहचान

कस्बा बबेरू के नगर पंचायत अध्यक्ष विजय पाल यादव का कहना है कि प्यारे लाल के सम्मान से आज कस्बे की देश में अलग पहचान बनी है। उनके प्रति समाज की सोच और व्यवहार में बदलाव देखा जा सकता है, अब उनका सम्मान और बढ़ा है। प्यारे लाल के पड़ोसी रघुनंदन कहते हैं कि हमें गर्व होता है कि हमारे गांव के व्यक्ति का सम्मान प्रधानमंत्री ने किया। इस घटना के बाद हम सभी का नजरिया बदला है। भेदभाव और कुरीतियों का ऐसे ही खात्मा होगा। इधर, नारायणपुर के ग्राम प्रधान फूलचंद्र कहते हैं, मेरा गांव उसी दिन ऐतिहासिक हो गया, जब नरेश चंद्र के पैर प्रधानमंत्री ने धोए थे। समाज को दिशा देने की यह बात दूर तलक जाएगी। चौबी देवी के गांव मझिला के प्रधान रामप्रकाश वर्मा कहते हैं कि गांव के लोगों की सोच बदली है, आज चौबी के नाम से गांव की पहचान बनी है।

दे रहे संदेश ▶ ग्रामीण भारत में दिवाली त्योहार को पहले से ही पर्यावरण के अनुकूल मनाया जा रहा है

यहां मनती आई है परंपराओं से सजी 'ग्रीन दिवाली'

अपना देस खुशबू माटी की

झारखंड, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश हो या मध्यप्रदेश का वनांचल, ग्राम्य भारत में परंपराओं से समृद्ध 'ग्रीन दिवाली' मनती है। प्राकृतिक मूल्यों से सजी और प्रकृति का उत्सव मनाने वाली दिवाली। आइये इन मूल्यों को समझें और आत्मसात करें।

सोहराय-कोहबर संग बोलती हैं दीवारें, झूमता है मन

पहले झारखंड चलते हैं। कृत्रिम रंगों और महंगे पेंट से दीवारों को चमकाने का चलन वनांचल में नहीं मिलेगा। हजारीबाग के गांवों में मिट्टी की दीवारों को सोहराय और कोहबर कला की रंग-बिरंगी प्राकृतिक चित्रकारी से सजाने की परंपरा है। दीवारों पर उकेरी जाने वाली इस खालिस देसी चित्रकारी को देखने वाले इसके तारीफ किए बगैर नहीं रह सकते। इन कलाकृतियों में जहां ग्राम्य जीवन और प्रकृति का चित्रण देखने को मिलता है, वहीं कल्पनाशीलता और कला की झलक भी देखने को मिलती है।

ये लोग इस कला को केवल सजावट का साधन नहीं मानते, बल्कि इसे शुभ-लाभ का प्रतीक मानते हैं। कहते हैं, इससे देवताओं का भी मन प्रसन्न होता है। कोहबर कला में जहां स्त्री-पुरुष के संबंध, विवाह और प्रेम की भावनाओं को दर्शाने वाले चित्र उकेरे जाते हैं, वहीं सोहराय कला में पेड़-पौधे, जीव-जंतु, जंगल, पक्षियों, फूलों, फलों को चित्रित किया जाता है जो ग्रामीणों की प्रकृति से निकटता को दर्शाते हैं। यह ग्राम्य जीवन को सरस बनाता है और सकारात्मक वातावरण तैयार कर लोगों में ऊर्जा, उत्साह व आनंद का संचार करता है। घरों को सजाने के बाद ही लक्ष्मी पूजा की जाती है। इस कला में सिर्फ अलग-अलग रंग की मिट्टी और प्राकृतिक रंगों का इस्तेमाल होता है।

घरों को सजाने के लिए कागज पर कोहबर कलाकृतियां उकेरती महिलाएं। जागरण

प्रकृति के साए में यहां मनती है 'देवारी

श्रावस्ती में देवारी पर देवी-देवताओं के पूजन के बाद लगाया गया भोग। (फाइल फोटो)

अब नेपाल की सीमा से सटे उत्तर प्रदेश के श्रावस्ती जिले की ओर रुख करते हैं। अपने अनूठे रीति-रिवाजों के लिए जानी जाने वाली थारू जनजाति यहां बसती है। ये दिवाली को देवारी कहते हैं।

थरुवाट में प्राचीन काल से प्रकृति के सानिध्य में देवारी मनती आ रही है। इस दिन थारू बिरादरी के लोग पेड़ के पत्तों से दोना और पत्तल बनाते हैं। इसके साथ वो मिट्टी के दीये भी बनाते हैं। शाम को घर की देहरी पर दीप जलाए जाते हैं। इन दीपों के साथ दोने और पत्तलों में रखकर खास पकवान कुल देवता को अर्पित किया जाता है। फिर पूरे घर में दीप रखे जाते हैं। शाम को चावल पीसकर पीठा बनाया जाता है। देवी देवताओं को पूजन अर्चन के बाद पूरे घर पर लोग एक साथ बैठकर पकवान खाते हैं। अगली सुबह भी देवारी का उत्साह बना रहता है। सामूहिक भोज का आयोजन किया जाता है। थरुवाट में यह परंपरा आज भी कायम है।

नर्तक की फिरकी पर फैलती है कौड़ियों से सजी झूमर

नरसिंहपुर में कौड़ियों से झूमर बनाते मूलचंद यादव। नई दुनिया

मध्य प्रदेश में दिवाली पर अब भी टिमकी-मृदंग की थाप पर राग दीवारी गाती अहीरों की टोली दिख जाती है। कौड़ियों से बनी झूमर यानी छपकी पहनकर होने वाला लोकनृत्य जितना आकर्षक होता है, उतनी ही आकर्षक कौड़ियों से बनी वह झूमर होती है, जो नर्तक की फिरकी पर फैलती है। देखने वालों को मंत्रमुग्ध कर देती है। यह परंपरा गोवंश का संरक्षण-संवर्द्धन करते आए अहीरों के सम्मान का प्रतीक रही है। अहीरों की टोलियों के लिए परपंरागत तौर पर जो झूमर पहले गांव-कस्बों में बुजुर्ग तैयार कर लेते हैं, आज बाजार में उसकी कीमत 8 हजार से 30 हजार तक जा पहुंची हैं। दीपावली की दूज से देव प्रबोधनी एकादशी तक इस अहीर नृत्य की धूमधाम रहती है तो गांव-कस्बों में होने वाले अहीर नृत्य को देखने वालों की भीड़ भी कम नहीं होती। घोड़े, मवेशियों के बालों में रंग-बिरंगी कौड़ियों, चमकीले पत्थर, गुरियों, मोरपंखों की डंडी से बनाए गए गुरियों को रस्सी में बुनकर झूमर तैयार की जाती है। इसको बनाने में 3 से 4 माह का समय लगता है।

ताकि चिड़िया भी चुग सके दाना

धान के कटोरे छत्तीसगढ़ में दिवाली पर चिरई-चुगनी यानी धान की बालियां टांगने की परंपरा है। नई दुनिया

धान का कटोरा कहे जाने वाले छत्तीसगढ़ में दिवाली पर धान के झालरों की सजावट की जाती है। बाहर से आने वाले लोग इसे देख सुन कर चौंक जाते हैं। दरअसल धान की अधपकी बालियां न केवल घरों की मुंडेर पर रौनक बिखेरती हैं बल्कि इसे सजाने की परंपरा के पीछे पशु-पक्षियों के संरक्षण की प्राचीन परंपरा भी है। दिवाली के बाजार में बड़ी संख्या में ग्रामीण इन झालरों को बेचने आते हैं। राज्य के कुछ हिस्सों में इसे फात्का कहते हैं तो कहीं चिरई- चुगनी। हालांकि समय के साथ अब इसका नाम झालर ज्यादा प्रचलित हो गया है। दिवाली के मौके पर इसे घर के बाहर दरवाजे पर लटकाया जाता है, ताकि चिड़िया दाना चुग सके। धान की जो पहली फसल काटी जाती है, उससे इसे तैयार किया जाता है। बलौदाबाजार से धान की झालर लेकर बेचने पहुंचे इतवारी राम बताते हैं कि छत्तीसगढ़ में घर की चौखट के ऊपर परंपरानुसार धान झालर बांधने का रिवाज है। इसकी दो वजह है, पहला यह कि धन की देवी माता लक्ष्मी का धान्य से स्वागत और दूसरा घरों में आने वाली गौरैया चिड़ियों को दाना मिल जाता है।

हजारीबाग से विकास कुमार, श्रावस्ती से राजीव गुप्ता, रायपुर से संजीत कुमार और नरसिंहपुर से प्रकाश चौबे की रिपोर्ट।

उत्तराखंड के ऊधमसिंहनगर में होगी यूरोपियन मसाले पार्सले की खेती

डॉ. मानसी सिंह, काशीपुर (ऊधमसिंहनगर)

अब तराई के किसान ऑर्गेनिक खेती के तहत यूरोपियन मसाले पार्सले की खेती करने जा रहे हैं। धनिया की तरह के इस मसाले का प्रयोग सभी यूरोपियन देशों में खाने के सामान व सब्जियों में गार्निश करने में होता है। एक सीजन में चार बार इस मसाले का उत्पादन होता है। किसानों को प्रति एकड़ तकरीबन एक लाख की शुद्ध बचत होती है।

तराई में पार्सले की खेती करने वाले किसान परमजीत सिंह, राजेंद्र व कैलाश का कहना है कि तराई व पहाड़ों में तमाम संभावनाओं के बावजूद सरकार के ध्यान न देने से किसान परेशान हैं। पार्सले की खेती ऊधमसिंह नगर के काशीपुर ब्लॉक में लगभग 10 एकड़ में पहली बार किसान करने जा रहे हैं। अभी आठ किसानों का एक समूह इसकी खेती कर रहा है। फसल तैयार होने के बाद रुद्रपुर की एक कंपनी इसकी प्रोसेसिंग कर डिमांड के हिसाब से यूरोपियन कंट्री को निर्यात करेगी। यही कंपनी किसानों को बीज भी दे रही है।

प्रतीकात्मक

जैविक खेती करने वाले किसान ही उगा पाएंगे पार्सले

पार्सले जैविक खेती करने वाले किसान ही उगा पाएंगे क्योंकि इसका निर्यात जो कंपनी करेगी वह उन्हीं लोगों से कच्चा माल ले सकती है जिनके पास प्रमाणन बोर्ड से जारी जैविक खेती का प्रमाणपत्र हो। तभी वह खरीद व भुगतान कर पाएंगे। इसके लिए कंपनी किसानों के साथ एग्रीमेंट करेगी। उसके बाद बीज देगी।

प्रति एकड़ 30 हजार की लागत, एक लाख मुनाफा

पार्सले की फसल एक सीजन में चार बार काटी जाती है। हर बार अलग-अलग मात्रा में उत्पादन होता है। पहली फसल दो माह बाद कटती है जिसमें एक एकड़ में 40 कुंतल उत्पादन होता है, उसके डेढ़ माह बाद 80 कुंतल, फिर दो माह बाद 80 कुंतल और अंतिम बार 20 कुंतल। पूरे सीजन में प्रति एकड़ लगभग तीस हजार लेबर व अन्य खर्च आते हैं। जबकि 600 रुपये प्रति किलो पार्सले बिकता है। इस तरह से प्रति एकड़ लगभग 1.32 लाख रुपये की आय होती है। 30 हजार लागत हटाने के बाद एक लाख रुपए की शुद्ध बचत होती है।

गोमुख से हरिद्वार तक अब साफ-सुथरी नजर आएगी गंगा, जल्द तैयार हो जाएंगे एसटीपी

राज्य ब्यूरो, देहरादून

- गोमुख से लेकर ऋषिकेश तक गंगाजल की गुणवत्ता पहले ही उत्तम
- अब ऋषिकेश से हरिद्वार तक भी स्वच्छ निर्मल हो जाएगी राष्ट्रीय नदी
- ऋषिकेश और हरिद्वार में जनवरी तक बन जाएंगे एसटीपी

प्रतीकात्मक

देवभूमि में राष्ट्रीय नदी गंगा जल्द ही पूरी तरह साफ-सुथरी नजर आएगी। अपने उद्गम स्थल गोमुख से लेकर ऋषिकेश तक गंगा के जल की गुणवत्ता पहले ही उत्तम है और अब ऋषिकेश से हरिद्वार तक की दिक्कत भी दूर होने जा रही है। यह संभव हो पाएगा, इन दोनों शहरों में नमामि गंगे के तहत निर्माणाधीन सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) से, जो अगले वर्ष जनवरी तक तैयार हो जाएंगे। वहीं, बड़े नाले भी टैप किए जा चुके हैं। ऐसे में इन शहरों से निकलने वाला सीवर और गंदे नाले गंगा में नहीं गिरेंगे।

नमामि गंगे परियोजना के साथ ही केंद्र और राज्य सरकारों की ओर से उत्तराखंड में गंगा को स्वच्छ एवं निर्मल बनाने की मुहिम रंग लाती दिख रही है। नमामि गंगे परियोजना के अंतर्गत गंगा से लगे 15 शहरों में गंदे नालों की टैपिंग के साथ ही सीवरेज के निस्तारण को एसटीपी का निर्माण हो रहा है। इसके सकारात्मक परिणाम दिखने भी लगे हैं। उत्तराखंड पर्यावरण संरक्षण एवं प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की रिपोर्ट पर ही गौर करें तो गोमुख से लेकर ऋषिकेश तक गंगा के पानी की गुणवत्ता उत्तम श्रेणी की है। अलबत्ता, ऋषिकेश से लेकर हरिद्वार तक ही दिक्कत है। हरिद्वार में गंगा के पानी के कुछ नमूनों में कुछेक स्थानों पर फीकल कॉलीफार्म (मल-मूत्र) भी पाया गया।

हालांकि, अब दोनों शहरों में गंगा में गिर रहे गंदे नालों की टैपिंग और कुछ एसटीपी के तैयार होने से स्थिति में सुधार हुआ है। अगले साल जनवरी तक यह समस्या पूरी तरह से हल हो जाएगी। अपर सचिव एवं कार्यक्रम निदेशक नमामि गंगे उदयराज सिंह बताते हैं कि नमामि गंगे के तहत नालों की टैपिंग का कार्य पूरा कर लिया गया है।

उन्होंने बताया कि हरिद्वार व ऋषिकेश में एसटीपी का निर्माण अंतिम दौर में है। कार्यदायी संस्था ने भरोसा दिलाया है कि अगले साल जनवरी तक एसटीपी के कार्य पूर्ण हो जाएंगे। फिर सीवर लाइनों को एसटीपी से जोड़ दिया जाएगा। जाहिर है कि इससे गंगा में किसी प्रकार की गंदगी नहीं जाएगी। उन्होंने कहा कि इस पहल के परवान चढ़ने पर राज्य में राष्ट्रीय नदी गंगा पूरी तरह से स्वच्छ निर्मल हो जाएगी। इसे बरकरार रखने को व्यापक जनजागरण पर भी जोर दिया जा रहा है।

कैंसर पर वार को तैयार 'सदाबहार'

रूमा सिन्हा, लखनऊ : घर-आंगन में आसानी से उगने वाला 'सदाबहार' पौधा कैंसर की दवा के लिए उपयोगी माना जाता है। इसमें मौजूद एल्कलॉयड विनक्रिस्टीन व विनब्लास्टीन से कैंसर की दवा तैयार की जाती है। यह दोनों एल्कलॉयड विंडोलीन व कैथेरनथीन नामक दो इकाइयों से मिलकर तैयार होते हैं। केंद्रीय औषधीय एवं सगंध पौधा संस्थान (सीमैप) के वैज्ञानिकों की ओर से विकसित सदाबहार की 'सिम-सुशील' वैरायटी को कैंसर पर वार के लिए काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

सीमैप के डॉ.आशुतोष कुमार शुक्ला बताते हैं कि विंडोलीन केवल सदाबहार पौधे की पत्तियों से ही प्राप्त किया जा सकता है। नई किस्म में विंडोलीन मौजूदा किस्मों के मुकाबले पांच गुना से अधिक है। विनक्रिस्टीन एवं विनब्लास्टीन को विंडोलीन व कैथेरनथीन के अर्ध संश्लेषण से तैयार किया जाता है। कैथेरनथीन तो सदाबहार पौधे में फूल से लेकर जड़ तक पाया जाता है, जबकि विंडोलीन केवल पौधे की हरी पत्तियों में ही पाया जाता है। नई किस्म में पत्तियां अधिक होने से विंडोलीन ज्यादा मात्रा में मिलेगा। औषधि उद्योग में देश-विदेश में इसकी जबरदस्त मांग है, इसलिए किसानों के लिए भी नई किस्म लाभकारी होगी।

निर्मल वैरायटी से बनी सिम-सुशील : सिम-सुशील को सीमैप की ओर से विकसित की गई सफेद फूल वाली निर्मल वैरायटी के म्यूटेशन से तैयार किया गया है। यह शोध भारत सरकार के विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी) के वित्तीय सहयोग से किया गया।

डॉ.शुक्ला बताते हैं कि अभी तक सदाबहार की व्यावसायिक खेती प्रमुख रूप से तमिलनाडु, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, गुजरात में होती है। अब कोशिश है कि उत्तर प्रदेश में भी इसकी खेती को बढ़ावा दिया जाए। वर्तमान में इसकी पत्तियों को सुखाकर एक्सपोर्ट किया जाता है।

इन्होंने किया शोध : डॉ.अनिल कुमार गप्ता, डॉ.आशुतोष कुमार शुक्ला, पूजा सिंहई डॉ. मनीषा मल्ल, सीमा यादव, डॉ. अजीत कुमार शासनी, डॉ. करुणा शंकर, के. भास्करन, डॉ. वी सुंदरेसन, डॉ. मुहम्मद तलहा, अभिलाषा श्रीवास्तव, डॉ. सोनी गुप्ता, डॉ. पूजा खरे, डॉ. दया नंदन मणि और डॉ. अब्दुल समद।

चिंताजनक

राजस्थान में पिछले सात वर्षों में ऊंटों की संख्या में 34 प्रतिशत की कमी आई है, यह स्थिति तब है जब पिछली भाजपा सरकार के समय ऊंट को राज्य पशु का दर्जा दे दिया गया है।

राज्य पशु बनाने के बावजूद राजस्थान में 34 प्रतिशत कम हुए ऊंट

मनीष गोधा, जयपुर

राजस्थान की पहचान माने जाने वाले ऊंट भविष्य में हो सकता है कि सिर्फ किताबों और चित्रों में नजर आएं। प्रदेश में पिछले सात वर्षों में ऊंटों की संख्या में 34 प्रतिशत की कमी आई है। यह स्थिति तब है कि जबकि राजस्थान की पिछली भाजपा सरकार के समय ऊंट को राज्य पशु का दर्जा दे दिया गया था।

देश भर के पशुओं की गणना के हाल में सामने आए आंकड़ों में राजस्थान में ऊंटों की यह स्थिति सामने आई है। राजस्थान में ऊंट की अपनी उपयोगिता के कारण पशुपालन में इसका विशेष स्थान रहा है। पश्चिमी राजस्थान के रेगिस्तानी इलाकों में ऊंट आवागमन ही नहीं, बल्कि खेती और दूध और आपूर्ति का भी प्रमुख साधन रहा है। ऊंट को रेगिस्तान का जहाज कहा जाता है, क्योंकि यह गर्म रेत पर बहुत कम पानी में भी आसानी से लंबी दूरी तय कर लेता है। यही कारण रहा है कि पश्चिमी राजस्थान की अर्थव्यवस्था में ऊंटों का विशेष स्थान रहा है, लेकिन हाल में सामने आए पशु गणना के आंकड़े ऊंटों के धीरे-धीरे लुप्त होने के संकेत दे रहे हैं। इन आंकड़ों के अनुसार राजस्थान में वर्ष 2012 में ऊंटों की संख्या 3.26 लाख थी, जो घट कर 2.13 लाख रह गई है। राजस्थान ही नहीं देश भर में भी ऊंटों की संख्या में 37 प्रतिशत की कमी आई है। वर्ष 2012 में देश भर में करीब चार लाख ऊंट थे जो अब घट कर करीब ढाई लाख रह गए हैं। राजस्थान के अलावा गुजरात, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में भी ऊंट पाए जाते हैं, लेकिन सभी जगह ऊंटों की संख्या में गिरावट आई है। राजस्थान में पशुपालन विभाग के वरिष्ठ वेटनेरी अधिकारी डॉ. तपेश माथुर कहते हैं कि एक समय ऊंट राजस्थान में परिवहन का प्रमुख साधन हुआ करता था। विशेषकर पश्चिमी राजस्थान मे ऊंटों से ही सारे काम होते थे, लेकिन अब परिवहन के आधुनिक साधन आ गए हैं। रेत पर चलने वाले स्कूटर और गाड़ियां तक आ गई हैं। ऐसे में परिवहन के साधन के रूप में ऊंट की उपयोगिता काफी कम हो गई है। खेती में भी ट्रेक्टर व अन्य उपकरण काम आने लगे हैं। ऊंट के दूध का उपयोग पश्चिमी राजस्थान में ही होता था, लेकिन समय के साथ अब इसमें भी कमी आई है। इन सब कारणों से ऊंट की उपयोगिता पशुपालकों के लिए कम होती जा रही है और वे इसके प्रजनन में ज्यादा रुचि नहीं ले रहे है।

2012 में ऊंटों की संख्या 3.26 लाख थी, जो अब 2.13 लाख रह गई। प्रतीकात्मक

दर्जे ने भी घटाई रुचि

राजस्थान में ऊंटों को संरक्षण प्रदान करने के लिए पिछली भाजपा सरकार के समय ऊंट को राज्य पशु का दर्जा दिया गया था। विधानसभा में कानून पारित कर ऊंटों को किसी भी तरह से मारने या इन्हें राजस्थान से बाहर ले जाने पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। कानून में यहां तक प्रतिबंध लगाया गया था कि ऊंट को कोई गंभीर या लाइलाज बीमारी हो जाए तो वह भले ही बीमारी से मर जाए, लेकिन डॉक्टर भी उसे नहीं मार सकते थे। इसी तरह राजस्थान से बाहर ले जाने पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया था। पशुपालन क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों का कहना है कि इस प्रतिबंध से ऊंटों का संरक्षण होने के बजाय उन्हे नुकसान ज्यादा हुआ है। इसका कारण यह है कि पहले ऊंट के बीमार होने या बूढ़ा होने पर उसे बेचना आसान था। उसे राज्य से बाहर भी भेजा जा सकता था। ऊंट का चमडा अच्छी कीमत देता था। अब यह सब संभव नहीं है। ऐसे में जब ऊंट बूढ़ा या बीमार हो जाता है वह ऊंटपालक के लिए बड़ा बोझ बन जाता है। यही कारण है कि ऊंटपालक अब ऊंटों के प्रजनन मे ज्यादा रुचि नहीं लेते हैं।

कानून में बदलाव की चल रही है कवायद

राजस्थानमें नई सरकार आने के बाद अब इस कानून में बदलाव की कवायद चल रही है। इस बारे में ऊंटपालकों और पशु चिकित्सकों से सुझाव मांगे गए हैं। बताया जा रहा है कि ऊंट के मारने पर तो प्रतिबंध रहेगा, लेकिन यदि वह किसी गंभीर बीमारी से पीड़ित हो जाता है तो उसे चिकित्सकीय पद्धति से मारने की इजाजत देने पर विचार चल रहा है। इसके अलावा ऊंट को राज्य से बाहर ले जाने पर लगे प्रतिबंध में भी कुछ छूट देने की तैयारी की जा रही है।

पेंटागन के कांट्रैक्ट में माइक्रोसॉफ्ट ने मारी बाजी

वाशिंगटन, रायटर : माइक्रोसॉफ्ट कॉरपोरेशन ने अमेरिकी रक्षा विभाग के मुख्यालय पेंटागन का क्लाउड कम्प्यूटिंग कांट्रैक्ट हासिल कर लिया है। इसे हासिल करने की दौड़ में माइक्रोसॉफ्ट की मुख्य प्रतिस्पर्धी अमेजन के अलावा गूगल, ओरेकल और आइबीएम भी थी। इससे पहले यह डील काफी चर्चा में रही थी। इस सौदे में हितों के टकराव का भी आरोप लगता रहा है। यहां तक कि इस मामले में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी अमेजन और इसके संस्थापक जेफ बेजोस को आड़े हाथों लिया था।

भारत में अभी हमारी मदद से 97 परियोजनाएं चल रही हैं। हम भारत को सालाना छह अरब डॉलर की मदद अभी जारी रखेंगे।

— डेविड माल्पास
प्रेसिडेंट, विश्व बैंक

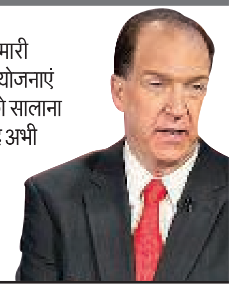

सख्ती ▸ केंद्र ने सभी गन्ना उत्पादक राज्यों को इस बारे में फिर लिखा पत्र

राज्यों को एथनॉल उत्पादन से प्रतिबंध हटाने का निर्देश

आइडीआर एक्ट के तहत उत्तराखंड में एथनाल पर लगे प्रतिबंध हुए खत्म

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

बड़ा उत्पादक राज्य होने के बावजूद उत्तर प्रदेश उदासीनता दिखा रहा है। प्रतीकात्मक

पेट्रोल में एथनॉल मिलाने की केंद्र सरकार की योजना को कई राज्यों में गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है। इसके मद्देनजर केंद्र ने राज्यों को खत लिखकर पेट्रोल में एथनॉल मिलाने की योजना को तेज करने और जरूरी कानूनी प्रावधान करने का निर्देश दिया है। केंद्र के ताजा रुख को देखते हुए उत्तराखंड एथनॉल पर लगे सभी प्रतिबंध हटा लिए गए हैं। इसके परिवहन पर भी कोई शुल्क नहीं लगेगा। लेकिन उत्तर प्रदेश और दिल्ली में एथनॉल की आवाजाही पर शुल्क देना पड़ता है। इससे इन राज्यों में पेट्रोल में एथनॉल मिश्रण की सरकार की मंशा को झटका लगा है।

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने हाल ही में एक पत्र उत्तर प्रदेश सरकार को भी भेजा है, जिसमें राज्य की शीरा व एथनॉल नीति पर असंतोष जताया गया है। राज्य के मुख्य सचिव को लिखे पत्र में संशोधित इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट एंड रेगुलेशन (आइडीआर) एक्ट के तहत पेट्रोल में मिलाए जाने वाले एथनॉल के परिवहन को प्रतिबंध मुक्त बनाने को कहा गया है। पत्र में कहा गया है कि इसके लिए राज्य सरकार को कई बार निर्देश दिया जा चुका है। इस प्रावधान को लागू करने पर जहां राज्य समेत पूरे देश में वायु प्रदूषण में कमी लाने में मदद मिलेगी, वहीं घाटे से परेशान चीनी उद्योग को वित्तीय राहत मिलेगी।

उत्तर प्रदेश के चीफ सेक्रेटरी को लिखे पत्र में राज्य में कानून पर अमल न होने को लेकर चिंता जताई गई है। साथ ही आग्रह किया गया है कि इस संशोधित कानून को जितना जल्दी हो सके पूरे राज्य में लागू कर दिया जाए। महाराष्ट्र, गुजरात, पंजाब और हरियाणा में संशोधित आइडीआर एक्ट लागू कर दिया गया है। लेकिन सबसे बड़ा गन्ना उत्पादक राज्य उत्तर प्रदेश इसमें हीलाहवाली कर रहा है, जिससे एथनॉल उत्पादन को बढ़ाने में मुश्किलें पेश आ रही हैं।

राजधानी दिल्ली में एक ओर वायु प्रदूषण रोकने के लिए कई प्रयास किये जा रहे हैं, लेकिन एथनॉल जैसे ग्रीन फ्यूल पर दो रूपये प्रति लीटर का शुल्क लगाया गया है। पंजाब और हरियाणा में भी एथनॉल पर तीन रुपये प्रति लीटर का शुल्क था, जिसे दोनों राज्यों ने केंद्र के आग्रह पर तत्काल हटा लिया है। पेट्रोल में मिलाये जाने वाले एथनॉल के परिवहन पर अलग-अलग राज्यों में विभिन्न प्रकार की रोक है। इसके लिए आइडीआर एक्ट में केंद्र सरकार ने पहले ही संशोधन कर राज्यों को लागू करने को कह दिया है। देश के ज्यादातर गन्ना उत्पादक राज्यों में इस कानून का क्रियान्वयन हो गया है, जिससे वहां पर पेट्रोल में मिश्रित किए जाने वाले एथनॉल के उत्पादन, भंडारण और आवागमन को पूर्ण प्रतिबंध मुक्त कर दिया गया है।

इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन के डायरेक्टर जनरल अविनाश वर्मा ने बताया कि उत्तर प्रदेश के भीतर एथनॉल के परिवहन पर 15 पैसे प्रति लीटर का शुल्क देना पड़ता है। जबकि दूसरे राज्यों में एथनॉल परिवहन के लिए राज्य सरकार से अनुमति लेनी पड़ती है। वर्मा के मुताबिक पेट्रोल में मिलाए जाने वाले डिनेचर्ड एथनॉल पर राज्यों का कोई कानून लागू नहीं होना चाहिए।' गन्ना उत्पादन अधिक होने, चीनी उत्पादन में लगातार वृद्धि होने और घरेलू बाजार में कीमतें घटने से चीनी उद्योग पिछले कई सालों से गंभीर संकट में है। लागत से कम मूल्य पर चीनी बिकने से मिलें घाटे में हैं। उन्हें उबारने के लिए चीनी की जगह ज्यादा से ज्यादा एथनॉल उत्पादन करने की नीति अपनाई गई है।

अमेरिका–चीन में पहले चरण के समझौते को लेकर सहमति

▸ दोनों देशों के बीच हुई उच्च स्तरीय बातचीत

▸ शुल्क दरें वापस लेने पर अभी फैसला नहीं

दुनियाभर को है दोनों देशों के बीच ट्रेड वार खत्म होने का इंतजार। प्रतीकात्मक

वाशिंगटन, एएफपी : अमेरिका और चीन ने कहा है कि वे व्यापार वार्ता के पहले चरण में हुए समझौते को अंतिम रूप देने के करीब पहुंच गए हैं। शुक्रवार को दोनों देशों के बीच टेलीफोन पर उच्च स्तरीय बातचीत हुई। इस संबंध में जारी बयान में कहा गया है कि इसमें कुछ मुख्य बिंदुओं पर सहमति बन गई है। यूएस व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय ने कहा है कि बातचीत आगे चालू रहेगी। इससे पहले अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप दोनों देशों के बीच व्यापार वार्ता को समझौते में तब्दील होने की उम्मीद जता चुके हैं। हालांकि अभी इस बात की कोई जानकारी नहीं दी गई है कि समझौते को लेकर दोनों देश कहां तक पहुंचे हैं। दोनों देशों ने बढ़ी हुई शुल्क दरें वापस लेने के संबंध में भी अभी तक कोई जानकारी नहीं दी है।

शुक्रवार को अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि रॉबर्ट लाइटहाइजर और वित्त मंत्री स्टीवन न्यूचिन ने चीन के वाइस प्रीमियर ल्यू ही के साथ पहले दौर की वार्ता में भाग लिया। अमेरिका की ओर से जारी वक्तव्य में कहा गया है कि पहले दौर की वार्ता में दोनों पक्षों में समझौते के कुछ बिंदुओं पर सहमति बन गई है। इस मामले में चीन के वित्त मंत्रालय की ओर से भी बयान जारी किया गया है। मंत्रालय ने कहा है कि दोनों देशों ने एक-दूसरे की चिंताओं पर गौर किया है। चीन ने कहा है कि वह अमेरिका के पोल्ट्री इंपोर्ट से बैन हटा लेगा इसके बदले यूएस उसके पके हुए पोल्ट्री और कैटफिश के उत्पादों को अपने बाजारों में स्वीकृति देगा।

ट्रेड-वार्ता को लेकर दोनों देशों में अभी तक डिप्टी लेवल की बातचीत हुई है, जो आगे भी जारी रहेगी। आने वाले समय में दोनों देश इस संबंध में उच्च स्तरीय बातचीत करेंगे और समझौते को अंतिम रूप देने की कोशिश करेंगे। इससे पहले ट्रंप अमेरिका के कृषि उत्पादों को खरीदने पर सहमति जताने को लेकर चीन की तारीफ की थी। बौद्धिक संपदा, वित्तीय सेवाएं और करेंसी को भी इस बातचीत में मुद्दा बनाया गया है।

अमेरिका ने 15 अक्टूबर से चीन के उत्पादों पर प्रस्तावित 250 अरब डॉलर का अतिरिक्त शुल्क स्थगित करने का फैसला किया था। हालांकि अभी दिसंबर में प्रस्तावित 15 परसेंट के अतिरिक्त शुल्क को लेकर अमेरिका ने कोई फैसला नहीं लिया है। ट्रंप ने उम्मीद जताई है कि नवंबर में चिली में होने जा रही एपीईसी की बैठक के दौरान समझौते पर हस्ताक्षर हो जाएंगे। ट्रंप ने शुक्रवार को कहा था कि हम चीन के मुद्दे पर प्रगति कर रहे हैं। चीन समझौता चाहता है, वह टैरिफ में भी कुछ कटौती जरूर चाहेगा।

गौरतलब है कि दोनों देशों के बीच अरबों डॉलर का द्विपक्षीय कारोबार होता है। ट्रेड-वार के चलते इस कारोबार में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है, जिसका खामियाजा ग्लोबल इकोनॉमी को भी उठाना पड़ा है। दोनों देशों में बढ़ते व्यापार तनाव के चलते वैश्विक संस्थाओं ने ग्लोबल ग्रोथ में गिरावट आने की आशंका जताई थी।

आइसीआइसीआइ बैंक का मुनाफा छह प्रतिशत गिरा

प्रतीकात्मक

▸ बैंक की कुल आय में हुआ है इजाफा

▸ एनपीए में गिरावट के साथ असेट गुणवत्ता भी सुधरी

नई दिल्ली, प्रेट्र : चालू वित्त वर्ष की दूसरी यानी जुलाई-सितंबर तिमाही के दौरान निजी क्षेत्र के कर्जदाता आइसीआइसीआइ बैंक के शुद्ध मुनाफे में 6.09 परसेंट की गिरावट दर्ज की गई। इस दौरान बैंक का शुद्ध मुनाफा 1,131.20 करोड़ रुपये रहा। पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में यह 1,204.62 करोड़ रुपये रहा था।

हालांकि समीक्षाधीन अवधि में बैंक की कुल आय 17.26 परसेंट की वृद्धि के साथ 37,424.78 करोड़ रुपये रही। पिछली वर्ष की इसी अवधि के दौरान यह 31,914.82 करोड़ रुपये रही थी। बैंक ने शेयर बाजारों को बताया कि उसका स्टैंडअलोन शुद्ध मुनाफा 27.93 परसेंट की गिरावट के साथ 654.96 करोड़ रुपये रहा। पिछले वर्ष की इसी अवधि के दौरान यह आंकड़ा 908.88 करोड़ रुपये रहा था। इसके अलावा बैंक की कुल स्टैंडअलोन आय 24.62 परसेंट की वृद्धि के साथ 22,759.52 करोड़ रुपये रही।

बैंक ने बताया कि समीक्षाधीन अवधि में इसके असेट की गुणवत्ता में सुधार हुआ है। इस दौरान कंपनी का एनपीए इसके अग्रिम का 6.37 परसेंट रहा। जबकि पिछले वर्ष यह रकम अग्रिम का 8.54 परसेंट रहे थे। समीक्षाधीन अवधि में बैंक के नेट एनपीए में भी पिछले वर्ष के मुकाबले सुधार हुआ है। पिछले वर्ष जहां ये 3.65 परसेंट था, वहीं इस तिमाही में ये 1.60 परसेंट के स्तर पर रहा।

गौरतलब है कि आइसीआइसीआइ बैंक ने शुक्रवार को ही बताया था कि उसने जीएसटी संग्रह से संबंधित सेवा मुहैया कराने वाली कंपनी जीएसटी नेटवर्क (जीएसटीएन) में अपनी पूरी 10 प्रतिशत हिस्सेदारी बेच ली है। बैंक ने शेयर बाजारों को बताया कि यह हिस्सेदारी 13 राज्य सरकारों के हाथों बेची गई है। बयान के मुताबिक हिस्सेदारी बिक्री प्रक्रिया अगले वर्ष मार्च के अंत तक खत्म हो जाएगी।

डीसीएम इंजीनियरिंग में तालाबंदी हजार कर्मचारी हुए बेरोजगार

सतीश शर्मा, काठगढ़ (नवांशहर)

▸ नवांशहर के आसरों स्थित यूनिट तीन साल से चल रही थी घाटे में

▸ कर्मचारियों की काली दिवाली, सितंबर का वेतन भी नहीं मिला

नवांशहर के आसरों स्थित डीसीएम इंजीनियरिंग प्रोडक्ट (फाउंडरी) में तालाबंदी हो गई है। इसके दो हजार कर्मचारी सड़क पर आ गए हैं। दिवाली से ठीक पहले हुई तालाबंदी ने कर्मचारियों को त्योहार के मौके पर चिंता में डाल दिया है। कंपनी ने कर्मचारियों को अब तक सितंबर का वेतन भी नहीं दिया है। डीसीएम इंजीनियरिंग प्रोडक्ट यूनिट पिछले तीन साल से आर्थिक संकट से जूझ रही थी। कई बार इस उद्योग पर खतरे मंडराए, लेकिन इस बार 22 अक्टूबर को आखिर में तालाबंदी हो गई। कंपनी को पिछले दो से तीन साल से ऑर्डर बहुत कम मिल रहे थे। पिछले कुछ समय से तो ऑर्डर नहीं के बराबर हो गए थे। उत्पादन नहीं होने से उद्योग घाटे में चला गया।

प्रबंधकों और कर्मचारियों में भी था विवाद : डीसीएम इंजीनियरिंग प्रोडक्ट्स में पिछले तीन वर्षों से प्रबंधकों और कर्मचारियों के बीच सेटलमेंट को लेकर विवाद चल रहा था। इस कारण कई बार हड़ताल, झगड़ा और मारपीट भी हो चुकी है। प्रबंधन ने 35 कर्मचारी बाहर किए। कई मामलों में अब भी जांच चल रही है। इन सभी मामलों को लेकर भी प्रबंधकों को कर्मचारियों में खींचतान चल रही थी। इस वर्ष सितंबर के आखिर में हालात इतने गंभीर हो गए कि उत्पादन पूरी तरह बंद हो गया।

महीने में होता था सिर्फ 10 दिन काम : जीएम

डीसीएम इंजीनियरिंग प्रोडक्ट्स यूनिट के एचआर मैनेजर सुधीर कुमार का कहना है कि दो वर्षों से उत्पादन सही नहीं चल रहा था। महीने में सिर्फ 10 दिन काम होता था। कर्मचारियों को बकाया वेतन भुगतान की प्रक्रिया जारी है। आगे क्या होता है यह प्रमोटर्स की योजना पर निर्भर करता है।

सरकार की गलत नीति के कारण बंद हुआ उद्योग : राणा

कंडी संघर्ष कमेटी पंजाब के सचिव राणा कर्ण सिंह का कहना है कि केंद्र और पंजाब सरकार की गलत नीतियों के कारण उद्योग बंद हुआ है। मजदूर विरोधी नीतियों के कारण यह समय आया है।

400 करोड़ का सालाना कारोबार, नहीं चुका पाए तीन करोड़ का बिजली बिल : 400 करोड़ रुपये का सालाना कारोबार करने वाले इस उद्योग की हालत इतनी खराब हो चुकी है कि पावरकॉम का तीन करोड़ का बिजली बिल भी नहीं चुका पाया है। पावरकॉम ने बिजली कनेक्शन भी काट दिया है।

ऐसा था रुतबा

डीसीएम इंजीनियरिंग प्रोडक्ट्स यूनिट ने वर्ष 1977 में नवांशहर के आसरों में ग्रे आयरन का प्लांट लगाया था। चार दशकों तक इसने फाउंडरी के क्षेत्र में परचम लहराया। इसका सालाना कारोबार 400 करोड़ तक पहुंच गया था। इसकी सालाना क्षमता 70 हजार मीट्रिक टन की थी। यहां पर देश व दुनिया की प्रमुख कारों, लाइट व हैवी वाहनों के इंजन पार्ट्स बनते थे। देश के प्रमुख ऑटोमोबाइल उद्योग से इसका संबंध था। मारुति सुजुकी, ह्युंडई, महिंद्रा एंड महिंद्रा ट्रैक्टर्स, अशोक लेलैंड, वोल्वो आयशर कॉमर्शियल व्हीकल समेत कई कंपनियों के इंजन के पार्ट्स की कास्टिंग यहां होती थी। विदेश में जनरल मोटर्स और पारकिंस कंपनियों को यहां से प्रोडक्ट्स सप्लाई होती थी।

नई डिजिटल कंपनी पर रिलायंस लगाएगी 1.08 लाख करोड़ रुपये

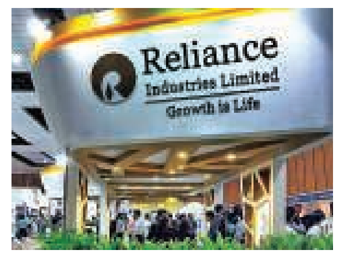

प्रतीकात्मक

▸ सभी डिजिटल कदम होंगे अब इसी नई कंपनी का हिस्सा

▸ कई निवेशकों ने इस कंपनी में निवेश के प्रति जताई उत्सुकता

नई दिल्ली, प्रेट्र : मुकेश अंबानी नियंत्रित रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआइएल) ने शुक्रवार को एक नई डिजिटल कंपनी स्थापित करने का एलान किया है। इस पर 1.08 लाख करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा। कंपनी के सभी मौजूदा डिजिटल बिजनेस और मोबाइल एप अब इसी नई कंपनी का हिस्सा होंगे। एक बयान में आरआइएल ने कहा कि नई कंपनी भारत में डिजिटल सेवा प्लेटफॉर्म क्षेत्र की सबसे बड़ी कंपनी होगी।

आरआइएल का यह कदम दुनियाभर की कई दिग्गज कंपनियों जैसा ही है। यह नई कंपनी हेल्थकेयर व स्वास्थ्य क्षेत्र में तकनीकों पर काम करेगी। कंपनी आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआइ), ब्लॉकचेन, वर्चुअल व ऑग्मेंटेड रियल्टी जैसी अगली पीढ़ी की तकनीकों में स्पर्धी होने की कोशिशों पर भी काम करती रहेगी। आरआइएल के मुताबिक ग्लोबल स्तर के रणनीतिक और वित्तीय निवेशकों के लिए इस कंपनी में निवेश के विकल्प खुले रहेंगे। आरआइएल ने बयान में कहा है कि कई कंपनियों ने तो सहयोग और साझेदारी की इच्छा भी जाहिर की है।

मायजियो, जियोटीवी, जियोसिनेमा, जियोन्यूज और जियोसावन जैसे डिटिजल पेशकश अब नई कंपनी का हिस्सा होंगे। इसके साथ ही इस नई कंपनी का हिस्सा बनने के बाद अगले वर्ष 31 मार्च तक रिलायंस जियो इन्फोकॉम लिमिटेड (आरजेआइएल) अपनी स्पेक्ट्रम देनदारी को छोड़कर पूरी तरह कर्जमुक्त कंपनी बन जाएगी। आरआइएल के निदेशक बोर्ड ने कंपनी के गठन को मंजूरी दे दी है। आरआइएल के आरजेआइएल में लगाए गए 65,000 करोड़ रुपये अब इस नई कंपनी के खाते में जाएंगे। शेष रकम कंपनी निवेशकों से जुटाएगी।

उत्तरी राज्यों में पंजाब के उद्योगों को मिलेगी सबसे सस्ती प्राकृतिक गैस

राज्य ब्यूरो, चंडीगढ़

प्रतीकात्मक

पंजाब सरकार ने उद्योगों के लिए प्राकृतिक गैस पर वैट की दर 14.3 फीसद से घटा कर तीन फीसद कर दी है। इससे उद्योग पर्यावरण हितैषी ईंधन के प्रयोग के लिए प्रोत्साहित होंगे। शुक्रवार को इसकी अधिसूचना जारी कर दी गई। इसके साथ ही पंजाब में प्राकृतिक गैस पर वैट की दरें हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, दिल्ली और चंडीगढ़ समेत पूरे उत्तर भारत में सबसे कम हो गई हैं।

इससे उद्योगों को प्रदूषण पैदा करने वाले तेल की बजाय पर्यावरण हितैषी प्राकृतिक गैस के प्रयोग की तरफ आकर्षित किया जा सकेगा। साथ ही पंजाब में प्राकृतिक गैस की बिक्री बढ़ने की भी संभावना है, जिससे सरकार के राजस्व में भी वृद्धि होगी। पंजाब में अब तक प्राकृतिक गैस पर वैट की दर 13 फीसद थी। इस पर 10 फीसद सरचार्ज लगाकर कुल टैक्स 14.30 फीसद बनता था। नेशनल फर्टिलाइजर लिमिटेड (एनएफएल) गैस का बड़ा उपभोग करता है, जिसके बठिंडा व नंगल स्थित प्लांटों में इसका प्रयोग होता है। इस फैसले से गोबिंदगढ़ और लुधियाना में बहुत से औद्योगिक यूनिटें प्राकृतिक गैस के लिए प्रोत्साहित होंगी।

300 करोड़ की प्राकृतिक गैस गुजरात से खरीदती है एनएफएल : एनएफएल गुजरात से हर महीने 300 करोड़ रुपये की प्राकृतिक गैस खरीद रही है। 15 फीसद की दर के हिसाब से टैक्स के 45 करोड़ रुपये गुजरात को अदा किए जा रहे हैं।

घट गया था राजस्व : मार्च, 2015 से पहले प्राकृतिक गैस पर वैट की दर 5.5 फीसद थी। इस पर 10 फीसद सरचार्ज मिलाकर कुल टैक्स 6.05 फीसद बनता है। मार्च, 2015 के बाद प्राकृतिक गैस पर वैट की दर 6.05 फीसद से बढ़ कर 14.3 फीसद हो गई थी।

मजबूत रिश्तों की ओर भारत–जापान

अपनी जापान यात्रा के दौरान वहां के नवनियुक्त मंत्री हिरोशिमा काजियामा से मुलाकात करते पेट्रोलियम एवं इस्पात मंत्री धर्मेंद्र प्रधान। पीआइबी

सात बड़ी कंपनियों का पूंजीकरण 76 हजार करोड़ रुपये बढ़ा

▸ टीसीएस के शेयरों में रही सबसे ज्यादा रौनक, आरआइएल बनी नौ लाख करोड़ की कंपनी

नई दिल्ली, प्रेट्र : पिछले सप्ताह शेयर बाजार की 10 सबसे बड़ी कंपनियों में से सात ने अपने बाजार पूंजीकरण में 76,998.4 करोड़ रुपये का इजाफा किया। इसमें टीसीएस के बाजार मूल्यांकन में सबसे ज्यादा वृद्धि हुई। इसके अलावा रिलायंस इंडस्ट्रीज (आरआइएल), एचयूएल, एचडीएफसी, आइटीसी, आइसीआइसीआइ बैंक और एसबीआइ ने भी अपने बाजार मूल्यांकन में इजाफा किया। जबकि एचडीएफसी बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक और इन्फोसिस को नुकसान झेलना पड़ा।

पिछले सप्ताह के कारोबार में टीसीएस का बाजार पूंजीकरण 25,403.64 करोड़ रुपये बढ़कर 7,97,400.51 करोड़ रुपये पर जा पहुंचा। इसके अलावा आरआइएल का बाजार पूंजीकरण 9,762.29 करोड़ की वृद्धि के साथ 9,06,941.76 करोड़ हो गया। इसके साथ ही मुकेश अंबानी की इस कंपनी ने सबसे बड़ी कंपनी का दर्जा बरकरार रखा। एसबीआइ के बाजार पूंजीकरण में 10,664.91 करोड़ रुपये का इजाफा हुआ। इसके साथ ही इसका बाजार मूल्यांकन 2,51,317.06 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। पिछले सप्ताह सबसे ज्यादा नुकसान आइटी कंपनी इन्फोसिस को उठाना पड़ा। कंपनी के शीर्ष अधिकारियों पर आरोप लगने के बाद उसका पूंजीकरण 55,921.25 करोड़ रुपये घटकर 2,73,830.43 करोड़ रुपये रह गया। पिछले सप्ताह के दौरान बीएसई के सेंसेक्स में 240.32 अंकों की गिरावट दर्ज की गई।

बदले नियम के बाद बहुत आसान हो गया है गुम निवेश का वापस मिलना

गुम हो चुकी संपत्ति और शेयर इक्विटी निवेश की पुरानी समस्याओं में से एक है। लेकिन प्रक्रिया के डिजिटल होने के साथ ही अब धीरे-धीरे इस समस्या से निजात मिलने लगी है। इन्वेस्टर एजुकेशन एंड प्रोटेक्शन फंड अथॉरिटी (आइईपीएफए) इसमें बहुत सहायक साबित हो रहा है। भुगतान और मूल शेयर को रिक्लेम करने मामले भारतीय कानून कभी साफ नहीं रहे हैं। पुराने कंपनी लॉ के मुताबिक ऐसा धन जिस पर लंबे समय तक किसी ने दावा नहीं किया है, वह कंपनी द्वारा सरकार को ट्रांसफर कर दिया जाएगा। अगर इस पर कोई कभी दावा नहीं करता है, तो ये पैसा निर्विवाद रूप से सरकार का हो जाता है। अगर पुराने कंपनी एक्ट की बात करें, तो इसमें इस बात का प्रावधान है कि कोई भी धन पर अपना दावा कर सकता है।

हालांकि इसे हासिल करना आसान नहीं होता था। इससे संबंधित नियमों की भाषा कुछ ऐसी थी... जिन मामलों में दावेदार पूर्व धन पर दावा करता है, जो कि कंपनियों के रजिस्ट्रार के विवेक पर निर्भर करता है, ऐसे मामलों में कंपनी का रजिस्ट्रार उस दावेदार को क्षतिपूर्ति बांड भरने को कह सकता है। अलग-अलग प्रावधानों में इस तरह की भाषा का प्रयोग किया गया था। यह कोई ऐसी आसान प्रक्रिया तो थी नहीं, जहां कोई साधारण व्यक्ति अपने माता-पिता या संबंधी द्वारा भूले गए शेयरों या किसी अन्य निवेश लाभ पर दावा करने के बारे में सोच भी सके। दूसरी ओर जो व्यक्ति या कंपनी इस इस तरह का दावा करने की हालत में थे, वे इसे भूलते ही क्यों? ऐसे मामलों में संपत्ति सरकार के राजस्व खाते में चली जाती थी।

कंपनी एक्ट, 2013 में कई परिवर्तन किए गए हैं। नए नियमों के मुताबिक ऐसे लाभांश जिन पर सात वर्षों तक कोई दावा नहीं किया गया है, आइईपीएफए के पास चले जाएंगे। इसके अलावा ऐसे शेयर, जिनके लिए लगातार सात वर्ष तक लाभांश का दावा नहीं किया गया है, वे भी कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय के अधीन इस संगठन के मालिकाना हक में ट्रांसफर हो जाएंगे। इसके अंतर्गत एक नया डिजिटल सिस्टम तैयार किया गया है। इस प्रक्रिया के तहत जो लोग अपने शेयर या लाभांश पर दावा करने में नाकाम रहे हैं, वे आइईपीएफए की वेबसाइट 'डब्ल्यू डब्ल्यू डब्ल्यू डॉट आइईपीएफ डॉट जीओवी डॉट इन' पर रजिस्टर कर सकते हैं। इसके बाद वे अपने दावे के लिए आवेदन कर सकते हैं। इसमें उन्हें अपनी पहचान के साथ अन्य संबंधित जानकारी देनी होगी। दावे का सत्यापन और पहचान की प्रक्रिया पूरी होने के बाद आवेदकों को उनकी भूली हुई संपत्ति वापस लौटा दी जाएगी। यह तरीका काफी हद तक अपने मकसद में सफल रहा है। जानकारी के मुताबिक इस तरह से अब तक करीब 200 करोड़ रुपये उचित दावेदारों को दिया जा चुका है।

भूले हुए निवेश या दूसरे तरह के असेट को वापस पाने के लिए यह तरीका निश्चित रूप से बहुत सुविधाजनक है। आगे जैसे-जैसे इसको लेकर जागरूकता आएगी, इस तरह की समस्या कम होती जाएगी। जिन मामलों में शेयर डीमैट अकाउंट में होते हैं उनमें लाभांश सीधे निवेशक के खाते में पहुंच जाता है। इस तरह के मामलों में जैसे-जैसे आइईपीएफए को लेकर जागरूकता फैलेगी, पुराने फंड की पहचान आसान होती जाएगी।

इस समस्या का एक और पहलू भी है, जो कि पुराने म्यूचुअल फंड्स में निवेश की पहचान से जुड़ा है। इस तरह के निवेश का आइईपीएफए या एमसीए से कोई संबंध नहीं होता है। इसका प्रबंधन म्यूचुअल फंड्स खुद ही करते हैं। जहां तक मुझे पता है, म्यूचुअल फंड्स में गुम हो गया धन इसी तरह गुम हुए कॉरपोरेट लाभांश से कहीं अधिक है। शायद ये इसलिए भी हो सकता है कि म्यूचुअल में बहुत ज्यादा संख्या में निवेशक होते हैं, जो छोटा निवेश करते हैं और भूल जाते हैं। करीब एक वर्ष पहले म्यूचुअल फंड्स में इस तरह का लावारिश धन 44 हजार करोड़ रुपये था। यह म्यूचुअल फंड्स में निवेश किए गए कुल धन का 1.75 परसेंट है।

अगर मैं ये कहूं कि इसमें से ज्यादातर निवेश कंपनियों के बजाय व्यक्तिगत है, (जो तार्किक भी है) तो परसेंट में यह दोगुने से अधिक हो सकता है। जो भी हो, अब तो काफी समय से केवाईसी और पैन कार्ड के नियम लागू हैं। इसलिए अब संभावना इसी बात की है कि लावारिस पड़े धन में ज्यादातर हिस्सा पुराना ही होगा। ऐसे में कह सकते हैं कि निवेशकों के गुम हुए निवेश की समस्या समय के साथ कम होती जाएगी।

धीरेंद्र कुमार, सीईओ
वैल्यू रिसर्च

बोनस

इक्विटी निवेश में पैसा लगाने के बाद कई बार निवेशक इसका लाभांश लेना भूल जाते हैं। कुछ समय बाद वे या उनके परिवार के सदस्य जब इसे दोबारा पाने की कोशिश करते हैं, तो उन्हें इसमें कठिनाई आती है। लेकिन इस प्रक्रिया के डिजिटल होने के बाद यह समस्या काफी हद तक दूर हो गई है। आइईपीएफए ऐसा संगठन है, जिसके प्रयोग में आने के बाद से इस तरह गुम हुई संपत्ति को वापस पाना आसान हो गया है।

40,000 निवासियों को हटाना पड़ा है तेजी से फैल रही जंगल की आग के कारण उत्तरी लास एंजिलिस से। इसके अलावा प्रांत के वाइन काउंटी में भी 2000 को हटाया गया है। यहां आग के कारण 10,000 घरों और कारोबार को खतरा पैदा हो गया है।

दीपावली की बधाई में ट्रंप ने धार्मिक स्वतंत्रता का संकल्प जताया

न्यूयॉर्क, आइएएनएस : दीवाली की बधाई देते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने धार्मिक स्वतंत्रता की रक्षा का संकल्प व्यक्त किया है। कहा है कि यह अमेरिका के प्रमुख मुद्दों में से एक है। अमेरिकी सरकार संविधान के अनुरूप सभी मतों-संप्रदायों के लोगों के साथ समान व्यवहार की नीति पर चलना जारी रखेगी। ट्रंप ने दीवाली को पूरे अमेरिका का प्रमुख त्योहार बताया, जिसे कि बड़ी संख्या में लोग उत्साह से मनाते हैं।

ट्रंप ने कहा है कि उन्होंने व्हाइट हाउस में भी दीवाली मनाई है और वहां पर प्रशासन के अधिकारियों के साथ दीया जलाया था। हम प्रार्थना करते हैं कि प्रेम, आनंद और शांति सब जगह फैले। ट्रंप ने यह संदेश पत्नी मेलानिया के साथ अमेरिका और पूरी दुनिया में रहने वाले हिंदुओं को दिया है। अंधेरे पर उजाले की जीत को ट्रंप दंपती ने अपने संदेश में दानवों पर मनुष्यों की जीत से जोड़ा है।

असम और कश्मीर मामलों पर अमेरिका की नजर : अमेरिका के धार्मिक मामलों के राजदूत सैम्युएल ब्राउनबैक ने कहा है कि वह असम के नागरिकता और कश्मीर में मानवाधिकारों के मामलों पर नजर रखे हुए हैं। वह इन दोनों मामलों पर राय जाहिर करने से पहले उनके बारे में ज्यादा जानकारी चाहते हैं। उल्लेखनीय है कि असम में करीब 19 लाख लोगों के नाम राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर में दर्ज नहीं किए गए हैं। जिनके नाम दर्ज नहीं किए गए हैं, उनमें बड़ी संख्या मुस्लिमों की है। यहां पर ईसाई, सिख और बौद्ध अल्पसंख्यक अवैध प्रवास करते नहीं पाए गए। इस दौरान एक पाकिस्तानी पत्रकार ने कहा कि भारत में मुसलमानों के साथ भेदभाव किया जा रहा है। उन्होंने कश्मीर में मुस्लिमों के मस्जिद जाकर नमाज अदा करने पर रोक लगाए जाने का आरोप लगाया। ब्राउनबैक ने कहा, हम उम्मीद करते हैं कि लोगों को उनकी धार्मिक मान्यता के अनुसार आराधना और अन्य त्योहार मनाने की छूट दी जाएगी। अल्पसंख्यकों से भी अपने धार्मिक कार्य शांति से पूरे करने की अपेक्षा की जाती है।

अमेरिकी संसद ने कश्मीर पर मांगी जानकारी : अमेरिकी संसद ने अमेरिका में भारत के राजदूत हर्षवर्धन श्रृंगला से कश्मीर की ताजा स्थिति की जानकारी मांगी है। पाकिस्तान दुष्प्रचार कर कश्मीर में मानवाधिकारों की खराब स्थिति का दावा कर रहा है। सांसदों ने जनसुरक्षा कानून के तहत हुई गिरफ्तारियों, प्रदर्शनकारियों पर रबर बुलेट के इस्तेमाल, पत्रकारों के प्रवेश और अमेरिकी संसद के दल के कश्मीर दौरे के संबंध में स्पष्ट जानकारी मांगी है। पांच अगस्त को अनुच्छेद 370 हटाने के बाद जम्मू-कश्मीर कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए कई स्थानों पर पाबंदियां लगाई गई थीं। लेकिन 16 अगस्त से उन्हें हटाया जाना शुरू हो गया, अब तक ज्यादातर पाबंदियां हटाई जा चुकी हैं।

वाशिंगटन स्थित व्हाइट हाउस में दीप जलाकर दीपावली मनाते अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप। इस मौके पर कई भारतवंशी लोग भी मौजूद रहे। (ट्विटर से)

ट्रंप के पक्ष में मजबूती से खड़ी हुई रिपब्लिकन नेशनल कमेटी

प्रथम पृष्ठ से आगे

रिपब्लिकन नेशनल कमेटी (आरएनसी) ने शुक्रवार को असाधारण वोट के जरिये राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का दिल से साथ देने का एलान किया। आरएनसी ने ट्रंप में विश्वास जताते हुए 'पक्षपातपूर्ण महाभियोग जांच' की निंदा की। ट्रंप ने रिपब्लिकन पार्टी के सांसदों को अपने पक्ष में लाने की कोशिश के बीच शुक्रवार को कहा, 'यह केवल राष्ट्रपति नहीं बल्कि पूरी रिपब्लिकन पार्टी को नीचा दिखाने की कोशिश है।' आरएनसी की कार्यकारी समिति ने फोन के जरिये प्रस्ताव पर एकमत से समर्थन प्रदान किया। पारंपरिक रूप से पार्टी कोई प्रस्ताव साल में दो बार होने वाली बैठक में पारित करती है।

महाभियोग जांच में फिर शुरू हुई गवाही, तीन अधिकारियों को समन

डेमोक्रेटिक पार्टी के बहुमत वाले अमेरिकी संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ शुरू की गई महाभियोग जांच की कार्यवाही विदेश मंत्रालय के अधिकारी की गवाही के साथ शनिवार को फिर शुरू हो गई। यूरोपीय व यूरेशियन मामलों के कार्यवाहक सचिव फिलिप रीकर प्रतिनिधि सभा की विदेश व खुफिया मामलों की समिति के समक्ष बंद कमरे में पेश हुए। सांसद व स्टाफ पहली बार सप्ताहांत में जांच की कार्यवाही को अंजाम दे रहे हैं। सप्ताह की शुरुआत में रीकर की गवाही सांसद एलिजा कमिंग्स के सम्मान में स्थगित कर दी गई थी। समिति के चेयरमैन रहे कमिंग्स की महाभियोग जांच शुरू कराने में प्रमुख भूमिका मानी जाती है। उधर, डेमोक्रेट सांसदों ने महाभियोग जांच में अपना पक्ष रखने के लिए शुक्रवार को तीन प्रशासनिक अधिकारियों को समन जारी किया है। इनमें ऑफिस ऑफ मैनेजमेंट एंड बजट के निदेशक रसेल वॉट, नेशनल सिक्योरिटी प्रोग्राम के सह निदेशक माइकल डफी व विदेश विभाग के वकील उलरिच ब्रिचबुल शामिल हैं।

अमेरिकी सांसदों ने मनाई दिवाली

वाशिंगटन, प्रेट्र : अमेरिका में भी दीपावली की धूम है। भारतीय मूल के राजा कृष्णमूर्ति, कमला हैरिस, प्रमिला जयपाल, रो खन्ना और एमी बेरा समेत अमेरिका के कई शीर्ष सांसदों ने शुक्रवार को दिवाली मनाई। जबकि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को व्हाइट हाउस में दिवाली मनाई थी। इस दौरान उनके साथ भारतवंशियों का एक समूह भी मौजूद था।

भारतवंशी सांसद कमला हैरिस ने कहा, 'रोशनी का पर्व हमें अपने समुदायों को अंधेरे से उजाले की ओर ले जाने के लिए प्रेरित करता है। मुझे उम्मीद है कि हर कोई उत्सव मना रहा है और खुशी के इस अवसर पर अपने प्रिय लोगों के साथ समय व्यतीत कर रहा है।' सांसद राजा कृष्णमूर्ति के अनुसार, 'दिवाली का पर्व अंधेरे पर उजाले और बुराई पर अच्छाई की जीत को दर्शाता है। इसलिए हमें बांटने वाले घृणा, जातिवाद और भेदभाव जैसी ताकतों का विरोध करना जारी रखना चाहिए।' जबकि भारतीय मूल के सांसद एमी बेरा ने कहा, 'मुझे यह पर्व मनाते हुए खुशी हो रही है।' सांसद जूडी चू ने कहा कि सभी अमेरिकियों को दिवाली के संदेशों की सराहना करनी चाहिए।

न्यूज गैलरी

होम बटन वाले आइफोन की वापसी चाहते हैं ट्रंप

नई दिल्ली : अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आइफोन की डिजाइन को लेकर एपल के सीईओ टिम कुक की आलोचना की है। उन्होंने ट्विटर पर बताया कि मौजूदा मॉडल की अपेक्षा एपल का होम बटन वाला आइफोन ज्यादा बेहतर था। ट्रंप के इस ट्वीट से जाहिर होता है कि वह होम बटन वाले आइफोन की वापसी चाहते हैं। ट्रंप ने ट्वीट में लिखा, 'टिम, स्वाइप की अपेक्षा बटन वाला आइफोन ज्यादा अच्छा था।' अमेरिकी राष्ट्रपति ने एपल के उस फैसले को लेकर टिम कुक की आलोचना की, जिसके तहत 2017 में बिना होम बटन वाला आइफोन एक्स लांच किया गया था। आइफोन एक्सएस के साथ ही आइफोन 11 सीरीज के मॉडलों में भी होम बटन की सुविधा नहीं है। होम बटन हटने के बाद आइफोन को अनलॉक करने और होम स्क्रीन पर वापस आने के लिए ऊपर की ओर स्वाइप करना पड़ता है। आइफोन को लेकर ट्रंप की ओर से किए गए ट्वीट वायरल हो गए हैं। (आइएएनएस)

पोप से चर्च परिषद में मताधिकार देने का किया अनुरोध

वेटिकन सिटी : अमेजन पर तीन हफ्तों की वेटिकन सभा में हिस्सा लेते हुए कैथोलिक ननों ने पोप फ्रांसिस से उन्हें अंतिम दस्तावेज पर मतदान करने की इजाजत देने का अनुरोध किया। पोप से इसकी इजाजत मिलना एक ऐतिहासिक घटनाक्रम होगा। हालांकि, वेटिकन ने सार्वजनिक रूप से इस अनुरोध का जवाब नहीं दिया है लेकिन एक विशेषज्ञ ने कहा कि जब सभा या चर्च परिषद की बैठक चल रही होती है तब मतदान नियमों में बदलाव करना असामान्य होगा। सिर्फ 'साइनोड फादर्स' को ही अंतिम दस्तावेज पर मतदान करने की इजाजत होगी। हालांकि, फ्रांसिस आगामी महीनों में जब अपना खुद का दस्तावेज तैयार करेंगे, तब वह इन सिफारिशों पर विचार करेंगे। एएफपी

विदेश में बसे युवा सिखों को भारत यात्रा कराएगी सरकार

नई दिल्ली : अमेरिका, कनाडा और ब्रिटेन जैसे देशों में अलगाववादी खालिस्तानियों के मुखर होने; युवा सिखों के दिमाग पर उनके असर और पाकिस्तानी दुष्प्रचार से चिंतित सरकार ने इन देशों के युवा सिखों के जत्थे को भारत यात्रा कराने का फैसला किया है। इस दौरान उन्हें सिख धर्म और उसकी भारत में फैली जड़ों के बारे में अवगत कराया जाएगा। गुरु नानक देव की 550वीं जयंती के मौके पर सिखों का यह जत्था अगले महीने की शुरुआत में भारत पहुंचेगा। उनकी यात्रा का पूरा खर्च सरकार उठाएगी। इस दौरान उन्हें स्वर्ण मंदिर और बिहार में गुरुद्वारा पटना साहिब समेत कई स्थानों पर ले जाया जाएगा। यात्रा के दौरान भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद की ओर से पहले अंतरराष्ट्रीय युवा सिख सम्मेलन का आयोजन भी किया जाएगा। इसे आगे हर साल आयोजित करने का भी प्रस्ताव है। (आइएएनएस)

अस्पताल में भर्ती नवाज शरीफ को हार्ट अटैक, हालत गंभीर

चिंताजनक ▸ अस्पताल प्रशासन ने कहा– पड़ा था एंजाइना अटैक

तबीयत बिगड़ने पर लाहौर हाई कोर्ट ने शुक्रवार को किया था जमानत पर रिहा

इस्लामाबाद, एएनआइ : अस्पताल में भर्ती पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ को हार्ट अटैक आने का दावा किया गया है। उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। यह दावा शनिवार को पाकिस्तान के वरिष्ठ पत्रकार हामिद मीर और शरीफ के वकील ने किया। जबकि अस्पताल प्रशासन ने इस दावे को खारिज करते हुए बताया कि शरीफ को उपचार के दौरान एंजाइना अटैक से जूझना पड़ा था। एंजाइना अटैक हृदय में रक्त के बहाव में कमी आने से होने वाला सीने का दर्द है। तबीयत बिगड़ने पर शरीफ को लाहौर हाई कोर्ट ने शुक्रवार को जमानत पर रिहा किया था।

मीर ने ट्वीट के जरिये बताया, 'लाहौर के सर्विसेज अस्पताल में पूर्व प्रधानमंत्री शरीफ को दिल का दौरा पड़ा। डॉक्टरों ने बताया कि वह बच गए हैं, लेकिन कमजोरी महसूस कर रहे हैं।' इसके पहले शरीफ के वकील ख्वाजा हैरिस ने भी पूर्व प्रधानमंत्री को माइनर हार्ट अटैक आने का दावा किया था। समाचार एजेंसी पीटीआइ के अनुसार, सर्विसेज इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज अस्पताल के प्रमुख डॉ. महमूद अयाज ने बताया कि शरीफ को शनिवार सुबह एंजाइना अटैक का सामना करना पड़ा था। उन्होंने उन खबरों को भी खारिज किया, जिसमें 69 वर्षीय शरीफ को दिल का दौरा पड़ने का दावा किया गया। अयाज ने पत्रकारों को बताया कि शरीफ के रक्त में प्लेटलेट्स बढ़ रहे हैं। पाकिस्तान के तीन बार प्रधानमंत्री रह चुके शरीफ को सोमवार रात लाहौर की कोटलखपत जेल से सर्विसेज अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उनके रक्त में प्लेटलेट्स घटकर खतरनाक स्तर पर पहुंच गया था।

काट रहे सात साल जेल की सजा : शरीफ को भ्रष्टाचार से जुड़े अल-अजीजिया स्टील मिल मामले में सात साल की सजा काट रहे थे। इस मामले में शरीफ को शुक्रवार को लाहौर हाई कोर्ट ने चिकित्सकीय आधार पर जमानत दी।

पाकिस्तान के पूर्व पीएम नवाज शरीफ का फाइल फोटो। एएफपी

म्यांमार के रखाइन में 40 पुलिस अधिकारी और सैनिक अगवा

यंगून, एफपी : म्यांमार के अशांत रखाइन प्रांत में 40 से ज्यादा पुलिस अधिकारियों और सैनिकों को अगवा कर लिया गया। इसके पीछे अराकन आर्मी के उग्रवादियों का हाथ बताया जा रहा है। इसी प्रांत में अगस्त 2017 में रोहिंग्या आतंकियों के खिलाफ सैन्य अभियान छेड़ा गया था। इसके चलते सात लाख से ज्यादा रोहिंग्या मुस्लिमों ने बांग्लादेश में पलायन किया था।

रखाइन प्रांत में सक्रिय विद्रोही समूह अराकन आर्मी (एए) के उग्रवादियों से निपटने के लिए हजारों सैनिकों की तैनाती की गई है। यह समूह रखाइन में रहने वाले बौद्ध लोगों के लिए ज्यादा स्वायत्तता दिए जाने की मांग को लेकर संघर्ष कर रहा है। लेकिन अराकन आर्मी हिंसक छापों, अपहरण और बम धमाकों के लिए कुख्यात है। सेना के प्रवक्ता जे मिन तुन ने बताया कि ड्यूटी खत्म होने के बाद सैनिक नौका से शनिवार सुबह लौट रहे थे, लेकिन नदी किनारे पहले से घात लगाकर बैठे अराकन विद्रोहियों ने उन पर गोलियां बरसाईं और उन्हें अपने कब्जे में ले लिया।

उग्रवादियों ने जिन लोगों को बंधक बनाया है, उनमें सेना के दस जवान, करीब 30 पुलिस अधिकारी और कारागार विभाग के दो कर्मचारी शामिल हैं। इनकी तलाश में हेलीकॉप्टरों का इस्तेमाल किया जा रहा है, लेकिन अभी तक उनका कोई पता नहीं चल सका है।

जापान में बाढ़, भूस्खलन से 10 मरे, यातायात और बिजली ठप

जापान में भारी बारिश और बाढ़ की वजह से हालात काफी खराब हैं। चिबा प्रांत के सकुरा शहर में बाढ़ से पूरा शहर टापू में तब्दील हो गया है। एपी

टोक्यो, रायटर : जापान में मूसलधार बारिश के कारण बाढ़ और भूस्खलन से मरने वालों की संख्या शनिवार को 10 हो गई। तीन अन्य अब भी लापता हैं। राहत व बचाव कर्मी मलबा हटाने में जुटे हैं। कई क्षेत्रों में बस व रेलवे सेवाएं अब तक बहाल नहीं हो पाई हैं। बिजली उपलब्ध नहीं होने के कारण स्मार्टफोन स्क्रीन बनाने वाली कंपनी जापान डिस्प्ले इंक को चिबा स्थित मोबारा फैक्ट्री में उत्पादन बंद करना पड़ा है।

प्रधानमंत्री एबी शिंजो ने शनिवार को आपदा राहत बल के अधिकारियों के साथ बैठक कर हालात का जायजा लिया। अधिकारियों ने आगे भी बाढ़ व भूस्खलन की चेतावनी जारी की है। खासकर, उन इलाकों में जहां हैगिबीज तूफान के कारण तटबंध टूट गए हैं। इस तूफान में 88 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि 300 लोग घायल हो गए थे। सात लोग अब भी लापता हैं।

जापान के पूर्व व उत्तरपूर्व में स्थित चिबा व फुकुशिमा के जलभराव वाले इलाके में शुक्रवार को भूस्खलन हो गया। कुछ स्थानों में आधे दिन में ही उतनी बारिश हुई, जितनी एक महीने से भी ज्यादा समय में होती है। चिबा के उशिकू शहर में 12 घंटे के दौरान 283.5 मिलीमीटर बारिश हुई। सरकारी प्रसारण सेवा एनएचके के अनुसार, कुछ सड़कें अभी भी बंद हैं। चिबा के कामोगावा शहर में 4,700 परिवारों के पास पीने के लिए पानी तक उपलब्ध नहीं है।

पिछले ही महीने इस क्षेत्र में दो बार भीषण तूफान आ चुका है। इसे देखते हुए इलाके को खाली करने के आदेश भी जारी किए गए थे।

इराक में सरकार के खिलाफ प्रदर्शन जारी दो और लोगों की मौत

बगदाद, रायटर : इराक में सरकार विरोधी प्रदर्शनों का सिलसिला शनिवार को भी जारी रहा। इस दौरान दक्षिणी इराक में दो और प्रदर्शनकारियों की मौत हो गई, जबकि बगदाद में 26 लोग घायल हुए। पुलिस व अस्पताल के सूत्रों ने यह जानकारी दी।

शुक्रवार को हुए हिंसक प्रदर्शन में 52 लोग मारे गए थे। इस महीने की शुरुआत से जारी प्रदर्शनों में मारे जाने वालों की संख्या अब तक 200 पहुंच चुकी है। शनिवार को दक्षिणी इराक के नासीरिया शहर में हजारों प्रदर्शनकारियों की सभा में हिंसा हो गई। इसमें दो लोगों की मौत हो गई, जबकि 17 लोग घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि प्रदर्शनकारियों ने जब एक भवन को आग लगा दी तब उन्हें गोली चलानी पड़ी। बगदाद के तहरीर स्क्वायर पर लोगों को तितर-बितर करने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े। इसमें 26 लोग घायल हो गए।

एएफपी के अनुसार, सुरक्षा बलों ने प्रदर्शनों को खत्म करने की अपील की है। उधर, प्रदर्शनों पर चर्चा के लिए बुलाए गए संसद सत्र को कोरम पूरा न होने के कारण स्थगित करना पड़ा।

चिली में सरकार विरोधी प्रदर्शन, लाखों लोग सड़कों पर

सैंटियागो, एएफपी : चिली में सामाजिक और आर्थिक असमानता को लेकर सरकार के खिलाफ लोगों का गुस्सा बढ़ता ही जा रहा है। राष्ट्रपति सेबेस्टियन पिनेरा के इस्तीफे और आर्थिक सुधारों की मांग को लेकर शुक्रवार को दस लाख से ज्यादा लोग सड़कों पर उतर आए। चिली में यह अब तक का सबसे बड़ा सरकार विरोधी प्रदर्शन माना जा रहा है।

राष्ट्रपति ने ट्वीट के जरिये कहा कि उन्होंने संदेश सुन लिया है। साथ ही इन प्रदर्शनों को सकारात्मक और बदलाव का जरिया भी करार दिया। जबकि सैंटियागो की गवर्नर कार्ला रुबिलर ने ट्विटर पर प्रदर्शन को ऐतिहासिक करार दिया और नए चिली के सपने को दर्शाने वाले एक शांतिपूर्ण मार्च के तौर पर इसकी सराहना की। उन्होंने बताया कि देशभर में दस लाख से ज्यादा लोगों ने प्रदर्शन में हिस्सा लिया। जबकि पुलिस आंकड़ों के अनुसार, राजधानी सैंटियागो में मार्च में करीब आठ लाख 20 हजार लोग शामिल हुए थे।

इस कारण हो रहे विरोध प्रदर्शन : चिली में बढ़ती सामाजिक और आर्थिक असमानता को लेकर पिछले एक हफ्ते से विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। ये लोग कम मजदूरी और पेंशन के साथ ही महंगी स्वास्थ्य सेवाएं व शिक्षा के अलावा अमीर-गरीब के बीच बढ़ती खाई के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं।

प्रदर्शनों में 584 लोग घायल : नेशनल ह्यूमन राइट्स इंस्टीट्यूट ने बताया कि सरकार विरोधी प्रदर्शनों के दौरान हुई हिंसा में 584 लोग घायल हुए। इनमें से करीब 245 फायरिंग में जख्मी हुए। जबकि 2410 लोग हिरासत में लिए गए। माना जा रहा है कि घायलों की संख्या में और बढ़ सकती है।

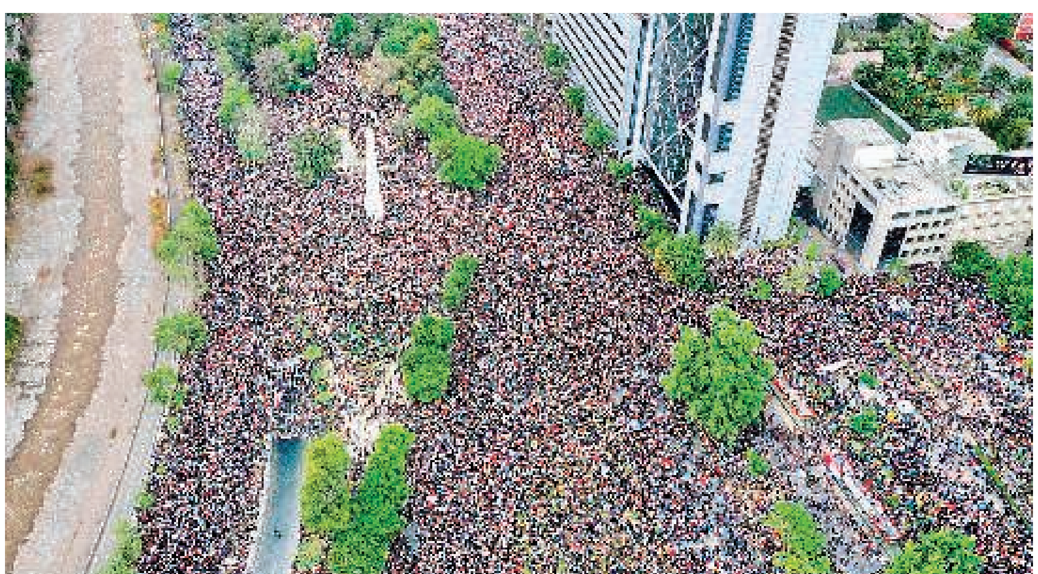

यह नजारा दक्षिण अमेरिकी देश चिली के सैंटियागो में राष्ट्रपति सेबेस्टियन पिनेरा के इस्तीफे की मांग को लेकर हुए प्रदर्शन में जुटी लाखों की भीड़ का है। एएफपी

अफगानिस्तान पर अमेरिका, चीन, रूस और पाक ने की चर्चा

मॉस्को, आइएएनएस : चीन, रूस, अमेरिका और पाकिस्तान के प्रतिनिधियों की शुक्रवार को यहां अफगानिस्तान मसले पर बैठक हुई। प्रतिनिधियों ने अफगानिस्तान की संप्रभुता, आजादी और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करने की बात दोहराते हुए युद्ध प्रभावित इस देश में स्थायी शांति के मसले पर चर्चा की।

शिन्हुआ न्यूज एजेंसी के अनुसार, अफगान मसले पर चारों देशों की रूस की राजधानी मॉस्को में हुई दूसरी बैठक के बाद शुक्रवार को साझा बयान जारी किया गया। इस बयान के अनुसार, बैठक में अफगानिस्तान के हालात की समीक्षा की गई। चीन, रूस व पाकिस्तान ने अमेरिका और तालिबान के बीच शांति वार्ता का समर्थन किया। इन देशों ने अमेरिका से तालिबान के साथ शांति वार्ता फिर से बहाल करने की अपील की। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गत सितंबर में तालिबान के साथ शांति वार्ता रद कर दी थी। दोनों पक्ष तब समझौते के करीब थे। ट्रंप ने यह कदम अफगानिस्तान में तालिबान के हमले में एक अमेरिकी सैनिक के मारे जाने के बाद उठाया था। अमेरिका और तालिबान के बीच पिछले साल दिसंबर से दोहा में शांति वार्ता चल रही थी।

ट्रक में मिलीं ज्यादातर लाशें वियतनामी नागरिकों की

नघेआ, एएफपी : ब्रिटेन में ट्रक में जिन 39 लोगों की लाशें बरामद हुई हैं, उनमें से ज्यादातर वियतनाम के हैं, इनमें 20 का फोटो से मिलान हो गया है। मारे गए कुछ और लोग भी वियतनाम के हो सकते हैं। पहले इन मृतकों के चीन का होने की आशंका जताई गई थी। यह ट्रक बुधवार तड़के लंदन के नजदीक मिला था। बाद में उसके चालक और तीन अन्य लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया। शक है कि मानव तस्करी से ये लोग ब्रिटेन तक पहुंचे थे।

ब्रिटिश पुलिस के अनुसार मृतक पड़ोसी देश बेल्जियम के बंदरगाह पर पानी के जहाज से पहुंचे थे और उसके बाद उन्हें रेफ्रीजेरेटिंग कंटेनर वाले ट्रक से ब्रिटेन लाया गया। गिरफ्तार ड्राइवर से पूछताछ की जा रही है कि बेल्जियम के बंदरगाह पर उतरने तक मृतक जिंदा थे या नहीं। ट्रक का पंजीकरण ब्रिटेन का है। ट्रक मालिक ने किसी तरह के गलत धंधे में शामिल होने से इन्कार किया है। सात वियतनामी परिवारों को शक है कि मारे गए 31 पुरुषों और आठ महिलाओं में काफी लोग उनके रिश्तेदार हो सकते हैं। ब्रिटेन में वियतनामी लोगों की संस्था वियतहोम ने कहा है कि उन्हें 20 लोगों के फोटो प्राप्त हुए हैं जिनकी उम्र 15 से 45 वर्ष के बीच है। मृतकों में इनके शामिल होने की आशंका है। ये लोग अच्छी तनख्वाह पाने की नीयत से ब्रिटेन आ रहे थे।

26 वर्ष की वियतनामी महिला फाम थी को उसके रिश्तेदार का ट्रक बरामद होने से कुछ घंटे पहले संदेश मिला था कि उसका (रिश्तेदार) सफर मुश्किल हो गया है और वह सांस भी नहीं ले पा रहा है। इसलिए उसकी मौत हो सकती है। लंदन में 2005 में हुए सिलसिलेवार आत्मघाती बम विस्फोटों के बाद यह सबसे ज्यादा सनसनीखेज घटना है जिसकी जांच पुलिस कर रही है।

मीडिया में आई खबरों के अनुसार, शुक्रवार को एक दंपति को उत्तर पश्चिमी इंग्लैंड के वारिंगटन में गिरफ्तार किया गया। इसमें एक महिला भी शामिल थी जो कथित तौर पर ट्रक मालिकों में से एक थी।

हालांकि दंपति ने इसमें संलिप्तता से इन्कार किया है और कहा कि ट्रक एक साल से अधिक समय पहले उन्होंने आयरलैंड की किसी कंपनी को बेच दिया था।

'द टाइम्स' ने इनमें से एक आरोपी के हवाले से लिखा, 'हमारा इससे कोई लेना-देना नहीं है।' चौथा संदिग्ध नॉर्दर्न आयरलैंड का 48 वर्षीय एक व्यक्ति है, जिसे गिरफ्तार कर लिया गया है। जांचकर्ताओं ने शुक्रवार को शवों का पोस्टमॉर्टम शुरू किया जिसकी रिपोर्ट आने पर पता चलेगा कि पीड़ितों की मौत कैसे हुई। उनकी पहचान सुनिश्चित करने का भी प्रयास किया जा रहा है। वियतनाम की राजधानी हनोई में विदेश मंत्रालय से एक बयान के अनुसार, लंदन स्थित वियतनामी दूतावास पीड़ितों की पहचान सुनिश्चित करने के लिए प्रक्रिया तेज कर रहा है।

ब्रिटेन में बीते बुधवार को पकड़ा गया वह ट्रक जिससे 39 शव बरामद हुए थे। एपी

गांधी, मार्टिन लूथर का अनुसरण करें प्रदर्शनकारी : गुतेरस

संयुक्त राष्ट्र, प्रेट्र: संयुक्त राष्ट्र के प्रमुख एंटोनियो गुतेरस ने प्रदर्शनों को लेकर होने वाली हिंसा और लोगों की मौत पर गहरी चिंता जताते हुए दुनियाभर के प्रदर्शनकारियों से महात्मा गांधी, मार्टिन लूथर किंग जूनियर के उदाहरणों का अनुसरण करने की अपील की। उन्होंने कहा कि ऐसे समय में सुरक्षा बलों को संयम बरतना चाहिए।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने कहा कि दुनिया भर में पश्चिम एशिया से लेकर लातिन अमेरिका, कैरेबियन से लेकर यूरोप, अफ्रीका और एशिया में प्रदर्शनों की लहर देखी जा रही है। गुतेरस ने यहां पत्रकारों से कहा, 'लोगों के जीवन में अशांति के कारण कुछ भी हों लेकिन सड़कों और शहर के चौराहों पर इससे अशांति नहीं हो।' उन्होंने कहा, 'मैं बहुत चिंतित हूं कि कुछ प्रदर्शनों में भारी हिंसा और जनहानि हुई। सरकार का दायित्व है कि लोगों को अभिव्यक्ति और शांतिपूर्ण तरीके से एकत्रित होने की स्वतंत्रता मिले तथा नागरिक अधिकार की सुरक्षा हो।'

अनिश्चितता के कारण ब्रिटेन में ब्रेक्जिट सिक्के जारी नहीं होंगे

▸ 31 अक्टूबर दर्शाते हुए सिक्के तैयार करने को कहा गया था

▸ इन सिक्कों पर सभी देशों के लिए लिखा जाता है शांति, समृद्धि और मैत्री का संदेश

लंदन, आइएएनएस : ब्रिटेन कब यूरोपीय संघ (ईयू) से बाहर होगा इसके बारे में अनिश्चितता रहने के कारण हजारों विशेष यादगार ब्रेक्जिट सिक्के तैयार करने का काम रोक लिया गया है। रायल मिंट से 31 अक्टूबर की तारीख दर्शाते हुए सिक्के तैयार करने को कहा गया है। पूर्व निर्धारित तिथि के अनुसार 31 अक्टूबर को ही ब्रिटेन ईयू से विदा होने वाला था, लेकिन अब उसकी समयसीमा बढ़ा दी गई है। ब्रिटेन के बाहर आने की तारीख अभी तय नहीं हो पाई है। इन सिक्कों पर सभी देशों के लिए शांति, समृद्धि और मैत्री का संदेश लिखा जाना है।

महारानी ने सिक्कों के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इसके एक तरफ महारानी का चेहरा और दूसरी तरफ संदेश रखना है। आठ अक्टूबर को इसकी मंजूरी दी गई थी लेकिन ट्रेजरी ने कहा है कि इस पहल पर अब विराम लगा दिया गया है।

मंत्री ने कामगारों को कमजोर किए जाने की योजना से इन्कार किया : ब्रिटिश सरकार ने ब्रेक्जिट के बाद कामगारों के अधिकार को कमजोर किए जाने की खबरों का खंडन किया है। एक मंत्री ने इस विचार को पूरी तरह पागलपन कहा है। फाइनेंशियल टाइम्स ने लीक हुए दस्तावेज के आधार पर खबर दी है। ईयू की चिंता है कि ब्लाक से बाहर आने के बाद ब्रिटेन कामगारों के अधिकार सहित नियमों को शिथिल करेगा। यह भी कहा है कि नियम समान रहे नहीं तो ब्रिटेन ट्रेड बैरियर थोप सकता है।

प्रतीकात्मक

सात्विक साईराज रैंकीरेड्डी और मैं विश्व की नंबर एक पुरुष डबल्स जोड़ी बनने की राह पर हैं।
— चिराग शेट्टी, बैडमिंटन खिलाड़ी

टेटे खिलाड़ियों ने भारत को दिलाए सात पदक

मस्कट, आइएएनएस : भारत के युवा टेबल टेनिस खिलाड़ियों ने विश्व स्तर पर शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए मस्कट में आयोजित ओमान जूनियर एवं कैडेट ओपन टूर्नामेंट में एक स्वर्ण और एक रजत सहित कुल सात पदक अपने नाम किए। कैडेट बालिका कैटेगरी में भारत की बी टीम ने इस आइटीटीएफ प्रीमियम जूनियर सर्किट इवेंट में उम्दा प्रदर्शन किया। इस टीम का सामना चीनी ताइपे-1 टीम से हुआ, जिसे हराकर उसने स्वर्ण जीता।

हर टीम का खराब समय आता है, अभी दक्षिण अफ्रीका का है : हाशिम अमला

साक्षात्कार

हाल ही में भारत के दौरे पर आई दक्षिण अफ्रीकी टीम टेस्ट सीरीज में विराट कोहली की टीम से बुरी तरह से मात खाकर गई। माना जा रहा है कि एबी डिविलियर्स और हाशिम अमला के संन्यास लेने के बाद यह टीम पूरी तरह बिखर गई है। अमला का भी मानना है कि हर टीम का खराब दौर आता है और अभी दक्षिण अफ्रीका का खराब दौर चल रहा है। विश्व क्रिकेट में दक्षिण अफ्रीका की स्थिति और कुछ अन्य मुद्दों पर पूर्व दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज **हाशिम अमला** से **अभिषेक त्रिपाठी** ने विशेष बातचीत की। पेश है प्रमुख अंश...

● **भारत दौरे पर दक्षिण अफ्रीकी टीम का प्रदर्शन बेहद खराब रहा। आखिर दक्षिण अफ्रीकी टीम कहां कमजोर पड़ रही है?**
-अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में हर टीम के उतार-चढ़ाव का दौर आता है। ऐसी परिस्थितियों में हर टीम को समर्थन की जरूरत होती है। भारत में खेलना हमेशा से एक चुनौती रहा है। हालांकि इस बार विकेट बहुत अच्छी थीं। दक्षिण अफ्रीका ने भारत का मुकाबला किया, लेकिन वह उसकी खराब स्थिति को टालने के लिए काफी नहीं था। समय के साथ यह टीम भी सीख जाएगी और अगली बार जब यह टीम भारत दौरे पर आएगी तो उसके पास अच्छा प्रदर्शन करने की ज्यादा संभावना रहेंगी।

● **एमएस धौनी के संन्यास लेने की खबरों पर भी चर्चा हो रही है। क्या आपको लगता है कि धौनी के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने का यह सही समय है ?**
-एमएस धौनी एक चैंपियन खिलाड़ी हैं। उनके पास अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में आपार अनुभव है। उन्हें अपने करियर को किस दिशा में मोड़ना है, इसको लेकर वह खुद फैसला ले सकते हैं। ऐसे में संन्यास का फैसला उन्हीं पर छोड़ दिया जाए।

● **रोहित शर्मा ने एक टेस्ट ओपनर के तौर पर जबरदस्त शुरुआत की है। विश्व स्तर के ओपनर रहने के नाते आप उनके टेस्ट करियर को कैसे देखते हैं ?**
- भारत के पास रोहित के रूप में एक बेहतरीन खिलाड़ी है। वह समय के साथ और बेहतर होते जा रहे हैं। उनकी तरक्की देखना बहुत सुखद अनुभव है क्योंकि वह दुनिया के ऐसे खिलाड़ियों में शामिल हैं जिन्हें खेलते देखने में मजा आता है। मुझे लगता है कि टेस्ट क्रिकेट में भी वह अच्छा करेंगे और उनके प्रशंसकों को वह रास आएगा।

● **विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में भारत सबसे आगे चल रहा है। आने वाले समय में भारत को किस टीम से चैंपियनशिप में कड़ी टक्कर मिल सकती है?**
-देखिए, मैंने हाल ही में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया है तो इस पर मैं अपने विचार कुछ खास नहीं रख सकता। हालांकि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भारत बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। टीमों की स्थिति के बार में अभी कुछ कहना ज्यादा सही नहीं होगा। कम से कम सभी टीमें 10-10 टेस्ट खेल लें फिर तुलना की जा सकती है और अंदाजा लगाया जा सकता है कि कौन सी दो टीमें शीर्ष पर होंगी।

● **आपकी उम्र तो अभी 36 साल ही है, लेकिन दुनिया के कई क्रिकेटर 40 साल की उम्र में भी खेल रहे हैं। आपके संन्यास की कोई खास वजह?**
-मुझे लगता है कि हर देश में संन्यास के लिए अलग-अलग मानक और मानदंड हैं। मुझे नहीं लगता कि दक्षिण अफ्रीका में कोई भी 40 साल की उम्र तक खेलना चाहेगा या फिर खेल पाएगा। मैं जब तक दक्षिण अफ्रीका के लिए खेल सकता था, मैं खेला। हर चीज अच्छे के लिए होती है और मुझे दक्षिण अफ्रीका के लिए खेलने का मौका मिला, यह मेरे लिए सौभाग्य की बात है।

● **आप अगले महीने से शुरू हो रहे टी-10 में कर्नाटक टस्कर्स की अगुआई करने जा रहे हैं। इस नई जिम्मेदारी के लिए आप कितने उत्साहित हैं?**
-मैं इस नई शुरुआत का हिस्सा बनने को लेकर बहुत उत्साहित हूं। ड्रीम टू प्ले जैसी पहल के जरिये इस लीग में युवा खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का बहुत अच्छा मौका मिलेगा। इस पहल के माध्यम से युवा खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर के दिग्गज खिलाड़ियों के साथ खेलने का मौका मिलेगा। मुझे अगर ऐसा मौका बचपन में मिलता तो शायद मैं उसे कभी नहीं चूकता।

● **पहले टेस्ट, फिर वनडे और टी-20 के बाद अब टी-10 भी लोगों को रास आ रहा है। क्या इसे भविष्य में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी आजमाया जा सकता है ?**
- देखिए, टी-10 की अभी शुरुआत ही हुई है। इसकी सबसे अच्छी बात यह है कि सबसे छोटे प्रारूप की वजह से यह दर्शकों को अपनी ओर खींचता है। मुकाबले की अवधि कम होने की वजह से यह लोगों को अपनी ओर आकर्षित करता है। मुझे लगता है कि 10-12 साल पहले जो स्थिति टी-20 की थी, कुछ वैसी ही अब टी-10 की है। उम्मीद है कि आने वाले समय में इसे भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलेगी। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी इसको आजमाए जाने की पूरी संभावना है।

नजरिया ▸ पूर्व भारतीय कोच ने विराट के पांच टेस्ट केंद्र रखने के सुझाव का समर्थन किया

कोहली के समर्थन में उतरे कुंबले

अनिल ने कहा, टेस्ट मैच के समय को चुनना भी अहम है

नई दिल्ली, प्रेट्र : पूर्व भारतीय कप्तान और कोच अनिल कुंबले ने स्टेडियम में दर्शकों की तादाद बढ़ाने के लिए विराट कोहली के टेस्ट मैचों के लिए पांच केंद्र रखने के विचार का समर्थन किया। कुंबले हालांकि चाहते हैं कि बीसीसीआइ पिछली सदी के नौवें दशक की पुरानी परंपरा अपनाए जिसमें त्योहारों के दौरान टेस्ट मैच विशेष केंद्र में ही कराए जाते थे। उस दौरान बीसीसीआइ कैलेंडर में नव वर्ष के समय कोलकाता में और पोंगल के समय चेन्नई में टेस्ट मैच आयोजित किए जाते थे।

दिग्गज लेग स्पिनर कुंबले ने कहा कि मुझे लगता है कि टेस्ट क्रिकेट को बढ़ावा देने का निश्चित रूप से यह एक अच्छा तरीका रहा है। इन्हें कुछ केंद्रों तक सीमित किया जाए और साथ ही टेस्ट मैचों के समय को चुनना भी अहम होता है। हम सभी जानते हैं कि त्योहारों के समय व पोंगल के दौरान टेस्ट मैच चेन्नई में होते थे और सत्र की शुरुआत के समय में दिल्ली और बेंगलुरु में मैच कराए जाते थे। मुंबई और कोलकाता में भी टेस्ट मैच होते थे। हाल ही में भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच टेस्ट मैच रांची में हुआ था जिसमें टेस्ट के दौरान काफी कम संख्या में दर्शक पहुंचे थे। इसके बाद कोहली ने भविष्य की घरेलू सीरीज के लिए पांच टेस्ट केंद्र के विचार का सुझाव दिया जैसा कि इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया करते हैं। कुंबले ने कहा कि मुझे लगता है कि टेस्ट क्रिकेट के लिए इन केंद्र को बढ़ावा देना भी अहम है जिसमें लोगों को पता होगा कि ये टेस्ट केंद्र हैं। इससे सत्र के शुरू में पता चल जाएगा कि यहां टेस्ट मैच होने हैं ताकि आप टेस्ट क्रिकेट के लिए टिकट बेच सको और सुनिश्चित करो कि दर्शक मैच देखने आएं।

पूर्व भारतीय कप्तान और कोच अनिल कुंबले। फाइल फोटो

भारत में हर केंद्र को मौका : फिलहाल भारत में हर केंद्र को मौके दिए जाते हैं। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच हाल ही में खत्म हुई सीरीज के तीनों मैच विशाखापत्तनम, पुणे और रांची में खेले गए थे। तीनों शहरों का यह केवल दूसरा ही टेस्ट मैच था। इंग्लैंड में अधिकतर टेस्ट मैच उनके छह पारंपरिक स्टेडियमों में होते हैं जिसमें लंदन के लॉर्ड्स और द ओवल, बर्मिंघम, मैनचेस्टर, लीड्स और नॉटिंघम शामिल हैं। इनमें द ओवल में हमेशा सीरीज का आखिरी मैच खेला जाता है। ऑस्ट्रेलिया में भी उसके अधिकतर टेस्ट मैच छह जगहों पर ही खेले जाते हैं। इन शहरों में मेलबर्न, सिडनी, एडिलेड, ब्रिसबेन, पर्थ और होबार्ट शामिल हैं। यहां तक कि दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड में भी पता होता है कि किन जगहों पर मैच आयोजित किए जाने हैं।

कोहली की टीम में विश्व में दबदबा बनाने की क्षमता : कुंबले का मानना है कि कोहली की नेतृत्व वाली भारतीय टीम के पास विश्व में अपना दबदबा कायम रखने की क्षमता है। दुनिया की नंबर एक टेस्ट टीम भारत ने अब तक विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में पांच टेस्ट मैच खेले हैं जिसमें वह 240 अंकों के साथ अंक तालिका में शीर्ष पर हैं। कुंबले ने कहा, 'हां, मेरा भी ऐसा भी ऐसा ही मानना है। तीन साल पहले जब मैं कोच था तब मैंने कहा था कि इस टीम के पास दुनिया में अपनी प्रभुत्व कायम करने की क्षमता है और टीम ने ठीक वैसा ही किया है। यह न केवल अंतिम एकादश के साथ हुआ है बल्कि मजबूत बैंच स्ट्रेंथ के चलते भी हुआ है। आपके पास शानदार टीम है। टीम में जो भी आते हैं, वह निश्चित रूप से अच्छा करते हैं।' कुंबले ने आगे कहा कि आप शाहबाज नदीम का पदार्पण देख लीजिए।

भारतीय क्रिकेट को आगे ले जाएंगे गांगुली : शास्त्री

मुंबई, आइएएनएस : भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच रवि शास्त्री का मानना है कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआइ) के अध्यक्ष के रूप में सौरव गांगुली की नियुक्ति भारतीय क्रिकेट को आगे ले जाने की दिशा में एक सही कदम है। शास्त्री ने एक साक्षात्कार में कहा कि बीसीसीआइ अध्यक्ष बनने के लिए मैं सौरव को दिल से बधाई देता हूं। उनकी नियुक्ति भारतीय क्रिकेट को सही दिशा में आगे ले जाने के लिए एक बड़ा संकेत है। वह हमेशा से ही एक स्वाभाविक नेता रहे हैं। उनके जैसा शख्स इस पद के लिए सही है। उन्होंने इससे पहले बंगाल क्रिकेट संघ को भी चार-पांच साल तक बतौर अध्यक्ष अपनी सेवाएं दी हैं। अब बीसीसीआइ के अध्यक्ष के तौर पर उनका चयन होना भारतीय क्रिकेट के लिए सही कदम है। शास्त्री ने साथ ही महेंद्र सिंह धौनी के भविष्य को लेकर उन पर सवाल उठाने वालों की भी आलोचना की। उन्होंने कहा कि धौनी पर बोलने वालों में से आधे लोग अपने जूतों के फीते तक सही से नहीं बांध सकते। उन्होंने देश के लिए क्या उपलब्धियां हासिल की हैं। लोग इतनी जल्दी में क्यों हैं कि वह अब संन्यास ले लें? शायद उनके पास बात करने के लिए कोई और मुद्दा नहीं है।

खेल ने दिए कई अच्छे लोग : विराट

इयोन मॉर्गन और एबी डिविलियर्स के साथ विराट कोहली ने यह तस्वीर पोस्ट की थी। इंस्टाग्राम

कोहली ने अपनी एक पुरानी तस्वीर सोशल मीडिया पर शेयर की जिसमें वह इंग्लैंड के कप्तान इयोन मोर्गन और दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान एबी डिविलियर्स के साथ हंसते हुए नजर आ रहे हैं। कोहली ने फोटो के जरिये यह दर्शाने की कोशिश की खेल ने उन्हें मैदान के अंदर और बाहर कई लोग दिए हैं। कोहली ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर फोटो शेयर करते हुए लिखा कि खेल के बारे में सबसे सुंदर बात यह है कि प्रतिद्वंद्विता केवल मैदान तक रहती है और सिर्फ एक मुस्कान और खुले दिमाग के साथ खिलाड़ियों के बीच सभी तनाव खत्म हो जाते हैं। मैदान पर कड़ी मेहनत करें, लेकिन मैदान के बाहर हमेशा हंसते रहें। खेल के माध्यम से इतने सारे अच्छे लोगों को जानने का मौका मिला। कोहली की डिविलियर्स के साथ गहरी दोस्ती है और दोनों खिलाड़ी लंबे समय से इंडियन प्रीमियर लीग (आइपीएल) में एक साथ रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूर टीम के लिए खेल रहे हैं। विराट को मैदान पर काफी आक्रामक माना जाता है, लेकिन मैदान के बाहर वह खिलाड़ियों के प्रति काफी दोस्ताना व्यवहार रखते हैं। विराट एबी डिविलियर्स को अपना बहुत अच्छा दोस्त मानते हैं। यही नहीं उनकी इंग्लैंड के कप्तान इयोन मॉर्गन के साथ भी अच्छी बातचीत है। विराट भले ही मैदान पर बेहद आक्रामक रहते हों, लेकिन मैदान से बाहर उनकी सभी खिलाड़ियों से अच्छी बनती है।

भारत-बांग्लादेश मैच पर प्रदूषण का साया

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली: भारत और बांग्लादेश के बीच तीन नवंबर को फिरोजशाह कोटला मैदान में होने वाले टी-20 मैच से पहले दिल्ली-एनसीआर में बढ़ता वायु प्रदूषण चिंता का विषय बन गया है। दिसंबर 2017 में श्रीलंकाई क्रिकेट टीम को कोटला मैदान में टेस्ट मैच के दौरान परेशानी हुई थी जिसके कारण उसके अधिकतर खिलाड़ियों को मास्क पहनने पड़े थे। इसके बावजूद उसके कुछ खिलाड़ी बीमार हो गए थे।

बीसीसीआइ को उम्मीद थी कि डे-नाइट मैच में शहर की खराब हवा मसला नहीं बनेगी, लेकिन दीपावली से दो दिन पहले ही वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआइ) बेहद खराब दिखाया गया है। एक्यूआइ के मानकों के अनुसार 0-50 अच्छा, 51 से 100 संतोषजनक, 101 से 200 मध्यम स्तर का, 201 से 300 खराब, 300 से 400 बेहद खराब और 400 से अधिक गंभीर माना जाता है जिससे स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव पड़ सकता है। गुरुवार को दिल्ली यूनिवर्सिटी का एक्यूआइ 357 था जो कि बहुत खराब माना जाएगा। बीसीसीआइ और डीडीसीए के अधिकारियों ने कहा कि खराब वायु प्रदूषण उनके नियंत्रण से बाहर है और वे यही उम्मीद कर सकते हैं कि मैच दीपावली के एक सप्ताह बाद होगा तो तब तक स्थिति नियंत्रण में आ जाएगी।

बीसीसीआइ के एक सीनियर अधिकारी ने कहा कि हम दीपावली के बाद दिल्ली में प्रदूषण की स्थिति से अवगत हैं, लेकिन मैच एक सप्ताह बाद होना है इसलिए उम्मीद है कि खिलाड़ियों को स्वास्थ्य संबंधी कोई दिक्कत नहीं होगी। श्रीलंका मैच के बाद गलत प्रचार और बुरे अनुभव के बाद सवाल पैदा होता है कि बीसीसीआइ ऐसे हालात में भी दिल्ली को मैच की मेजबानी क्यों देता है। अधिकारी ने कहा कि यात्रा कार्यक्रम इस तरह से तैयार किया गया कि बांग्लादेश की टीम सीधे दिल्ली पहुंचे और कोलकाता से स्वदेश रवाना हो। हम उनकी यात्रा सहज बनाना चाहते थे जो उत्तर से शुरू होकर पश्चिम से होते हुए पूर्व में खत्म हो।

बीसीसीआइ को नजरअंदाज नहीं कर सकता आइसीसी : अरुण धूमल

साक्षात्कार

हाल ही में बीसीसीआइ के कोषाध्यक्ष बने 44 साल के अरुण धूमल हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री प्रेम कुमार धूमल के बेटे और वित्त राज्यमंत्री अनुराग ठाकुर के छोटे भाई हैं। अरुण हिमाचल प्रदेश क्रिकेट संघ (एचपीसीए) के उपाध्यक्ष भी रह चुके हैं। इसके अलावा उन्हें बीसीसीआइ में एचपीसीए के प्रतिनिधि होने का भी अनुभव है। बीसीसीआइ में कोषाध्यक्ष बनने के बाद **अजय अत्री** ने **अरुण धूमल** से खास बातचीत की। प्रस्तुत हैं प्रमुख अंश।

● **27 सितंबर 2019 को आप एचपीसीए अध्यक्ष नियुक्त हुए और फिर एक माह के अंदर ही बीसीसीआइ के कोषाध्यक्ष बन गए। नई चुनौती को किस तरह देखते हैं?**
- बीसीसीआइ का कोषाध्यक्ष बनना गौरव की बात है, लेकिन निश्चय ही मेरे लिए अब चुनौतियां और ज्यादा बढ़ गई हैं। मेरी प्राथमिकता में सर्वप्रथम बीसीसीआइ के राजस्व में इजाफा करना है। अभी कुद ही दिन हुए हैं काम संभाले। बीसीसीआइ की नई टीम युवा और अनुभवी है। मिल जुलकर हर फैसला भारतीय क्रिकेट का हित देखते हुए लिया जाएगा।

● **नया एचपीसीए अध्यक्ष कौन होगा?**
- यह कहना अभी जल्दबाजी होगी और फिर नए एचपीसीए अध्यक्ष की नियुक्ति सदस्य ही करेंगे। अगले कुछ दिनों में जो भी फैसला होगा, वह आपके समक्ष आ ही जाएगा।

● **पिछले कुछ समय से बीसीसीआइ और आइसीसी के बीच मतभेद काफी बढ़े हैं। ज्यादा राजस्व हासिल करने की इस लड़ाई में आपकी क्या रणनीति रहेगी?**
- आइसीसी के हर उस कदम का सख्ती से विरोध होगा जो भारत के हितों के विपरीत हो। आइसीसी किसी भी मसले पर बीसीसीआइ को नजरअंदाज नहीं कर सकती। आइसीसी टूर्नामेंटों में हमारा शेयर बढ़े यही हमारी कोशिश रहेगी। अपनी नीतियों के निर्धारण में वैश्विक संस्था को भारत की भूमिका को स्वीकार करना ही होगा।

-बीसीसीआइ के राजस्व में बढ़ोतरी और बढ़े खर्चों में कटौती को लेकर क्या कार्य योजना रहेगी?
- बीसीसीआइ का कोषाध्यक्ष होने के नाते बोर्ड के राजस्व में इजाफा करना मेरी पहले जिम्मेदारी बनती है। विश्व क्रिकेट में बीसीसीआइ का अपना एक अलग स्थान है और किसी के लिए भी इसे नजरअंदाज करना मुमकिन नहीं। इसके अलावा कोशिश रहेगी कि गैरजरूरी खर्चों पर अंकुश लगाया जाए। इससे जो भी पैसा बचेगा उसका इस्तेमाल प्रथम श्रेणी क्रिकेटरों की वित्तीय स्थिति में सुधार के लिए करेंगे।

● **प्रथम श्रेणी क्रिकेटरों के वर्षों पुराने भुगतान को हल करने की आपकी कोई योजना है?**
- जिस समय अनुराग बीसीसीआइ के अध्यक्ष थे तब उन्होंने इस मसले को काफी गंभीरता से लेते हुए इसके हल की पहल की थी, लेकिन कुछ कारणों से यह मुहिम अंजाम तक नहीं पहुंच सकी। हमें लगता है कि अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों की अपेक्षा प्रथम श्रेणी क्रिकेटरों को काफी कम पैसा मिलता है जो ठीक नहीं। इस बार उनके भत्तों को बढ़ाने संबंधी अवश्य कुछ सकारात्मक किया जाएगा।

● **क्या बोर्ड राज्य क्रिकेट संघों को घरेलू क्रिकेट की संरचना बेहतर करने के लिए सालाना दी जाने वाली ग्रांट बढ़ाने की तैयारी में है?**
- पहले तो पिछले तीन साल में बीसीसीआइ के राजस्व में आई भारी गिरावट को दुरुस्त करने पर ध्यान रहेगा, लेकिन जैसे ही वित्त हालात थोड़े सुधरेंगे तब अतिरिक्त ग्रांट के बारे में सोचा जा सकता है। आपको हैरत होगी कि कुछ ऐसे राज्य क्रिकेट संघ भी हैं जिन्हें पिछले तीन साल से कुछ मिला ही नहीं है।

● **गांगुली एक दिग्गज बल्लेबाज और बेहद सफल कप्तानों में से एक रहे हैं। अभी तक उनके साथ काम करने का अनुभव कैसा रहा?**
- अभी तो उनके साथ काम करते हुए चार-पांच दिन ही हुए हैं। बेहद शालीन हैं सौरव। वह न केवल अच्छे खिलाड़ी और सफल कप्तान रहे हैं बल्कि बंगाल क्रिकेट संघ (कैब) का सफल संचालन कर उन्होंने दिखा दिया कि उनमें प्रशासनिक पकड़ भी गजब की है।

भारत दौरे से हटे तमीम इकबाल

ढाका, प्रेट्र : बांग्लादेश के सलामी बल्लेबाज तमीम इकबाल ने अपने बच्चे के जन्म के लिए पत्नी के साथ रहने के कारण भारत के आगामी दौरे से हटने का फैसला किया है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने तीन नवंबर से दिल्ली में शुरू होने वाली तीन टी-20 मैचों की सीरीज के लिए इकबाल की जगह इमरुल कायेस को शामिल किया। बांग्लादेश को इस दौरे पर दो टेस्ट मैच भी खेलने हैं जो इंदौर में 14 से 18 नवंबर और कोलकाता में 22 से 26 नवंबर तक होंगे।

मुश्किल
▸ टी-20 के लिए बांग्लादेशी सलामी बल्लेबाज इकबाल की जगह कायेस टीम में शामिल
▸ बच्चे के जन्म के कारण पत्नी संग रहना चाहते हैं टीम के वरिष्ठ खिलाड़ी

तमीम पसली की चोट से भी उबर रहे हैं, उन्हें टी-20 मैचों की टीम में भी शामिल किया गया था, लेकिन उन्होंने बीसीबी को सूचित किया था कि वह पत्नी के साथ रहने के लिए कोलकाता में 22 नवंबर से शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट से भी बाहर हो सकते हैं, इसलिए उन्होंने बच्चे के जन्म तक पत्नी के साथ रहने का फैसला किया। मुख्य चयनकर्ता मिंहाजुल अबेदिन ने कहा कि तमीम ने हमें पहले सूचित किया था कि वह कोलकाता में दूसरे टेस्ट में नहीं खेल पाएंगे। अब वह आगामी सप्ताह के लिए अपनी पत्नी के साथ रहेंगे।

टी-20 टीम : शाकिब अल हसन (कप्तान), लिटन दास, इमरुल कायेस, सौम्य सरकार, मुहम्मद नईम, मुश्फिकुर रहीम, महमूदुल्लाह, अफीफ हुसैन, मुसद्दक हुसैन, अमीनुल इस्लाम, अराफात सन्नी, अल अमीन हुसैन, मुस्तफिजुर रहमान, शफीउल इस्लाम।

शाकिब के खिलाफ कानूनी कार्रवाई कर सकता है बीसीबी

ढाका, प्रेट्र : बांग्लादेश के घरेलू क्रिकेटरों को भले ही राष्ट्रीय खिलाड़ियों के विरोध से फायदा मिल रहा हो, लेकिन उनके राष्ट्रीय कप्तान शाकिब अल हसन को एक दूरसंचार कंपनी से करार भारी पड़ सकता है क्योंकि केंद्रीय अनुबंध के उल्लंघन के कारण बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) उन पर कानूनी कार्रवाई पर विचार कर रहा है।

बीसीबी का यह कदम निश्चित रूप से टीम के मनोबल को प्रभावित कर सकता है। शाकिब ने एक दूरसंचार कंपनी के साथ एक करार पर हस्ताक्षर किए हैं जो केंद्रीय अनुबंध नियम का उल्लंघन है। बीसीबी अध्यक्ष नज्मुल हसन ने कहा कि अगर वह संतोषजनक जवाब नहीं दे पाते हैं तो हम कड़ा कदम उठाएंगे। स्थानीय दूरसंचार कंपनी ने 22 अक्टूबर को घोषणा की कि देश का शीर्ष ऑलराउंडर उनका ब्रांड दूत बना है। बीसीबी अध्यक्ष नज्मुल हसन ने कहा कि वह ऐसा करार नहीं कर सकते जो हमारे अनुबंध में स्पष्ट है। हम कानूनी कार्रवाई के बारे में विचार कर रहे हैं। इस संबंध में हम किसी को भी नहीं छोड़ सकते। हम मुआवजे की मांग करेंगे। हम कंपनी के साथ-साथ खिलाड़ी से भी मुआवजे की मांग करेंगे।

बांग्लादेश के बल्लेबाज तमीम इकबाल। फाइल

ऑस्ट्रेलिया में दोबारा खेलने के लिए बहुत उत्सुक हूं : स्मिथ

सिडनी, आइएएनएस : स्टार बल्लेबाज स्टीव स्मिथ एक साल तक लगे बैन के बाद पहली बार ऑस्ट्रेलिया में अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने के लिए तैयार हैं। वह श्रीलंका के खिलाफ रविवार से शुरू हो रही टी-20 सीरीज में ऑस्ट्रेलिया की टीम का हिस्सा हैं। तीन वर्षों में यह पहला मौका होगा जब वह ऑस्ट्रेलिया में कोई अंतरराष्ट्रीय टी-20 मुकाबला खेलेंगे। स्मिथ ने बताया कि यह अच्छा होना चाहिए, मैं खेलने के लिए अब और इंतजार नहीं कर सकता। ऑस्ट्रेलिया में दोबारा खेलना मेरे लिए बहुत सम्मान की बात है, मैं इसके लिए बहुत ही उत्साहित हूं। उन्होंने कहा कि टी-20 विश्व कप के आने के कारण टीम में निरंतरता दिख सकती। स्मिथ ने कहा, मुझे यकीन है कि विश्व कप के कारण टीम में निरंतरता देखने को मिल सकती है। मुझे लगता है कि हमने वर्षो से देखा है कि टी-20 प्रारूप ऐसा है खिलाड़ियों को काफी आराम दिया जाता है।

तेज गेंदबाज टाई की जगह सीन एबॉट ऑस्ट्रेलियाई टी-20 टीम में शामिल

क्रिकेट डायरी

मेलबर्न, एएफपी : ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज एंड्रयू टाई कोहनी की चोट के चलते रविवार से श्रीलंका के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की टी-20 सीरीज से बाहर हो गए हैं और उनकी जगह तेज गेंदबाज सीन एबॉट को टीम में शामिल किया गया है।

एबॉट ने 2014 में ऑस्ट्रेलिया के लिए एक वनडे और तीन टी-20 मैच खेले थे। वह बुधवार को होने वाले दूसरे टी-20 मैच से टीम के साथ जुड़ेंगे। इस बीच, कप्तान आरोन फिंच इस सीरीज के लिए फिट घोषित कर दिए गए हैं। टाई शुक्रवार को अभ्यास के दौरान चोटिल हो गए थे। टाई की गैर मौजूदगी में मिशेल स्टार्क, पैट कमिंस, बिली स्टेनलेक और केन रिचर्डसन ऑस्ट्रेलियाई टीम की तेज गेंदबाजी को मजबूती देंगे। वहीं, फिंच अब चोट से पूरी तरह से उबर चुके हैं और वह एडिलेड में होने वाले पहले मैच में खेलने के लिए फिट हैं।

कोहली, केन जैसी सफलता हासिल करना चाहते हैं बाबर

लाहौर, आइएएनएस : पाकिस्तान की टी-20 टीम के नए कप्तान बाबर आजम ने कहा कि वह किसी दबाव में नहीं हैं और ऑस्ट्रेलिया दौरे पर मिलने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार हैं। 25 वर्षीय बाबर को पाकिस्तान का नया टी-20 कप्तान बनाया गया है। उन्हें सरफराज अहमद की जगह कप्तानी सौंपी गई है, जिनके नेतृत्व में टीम को श्रीलंका से टी-20 सीरीज में 0-3 से क्लीन स्वीप का सामना करना पड़ा था। बाबर ने कहा कि लोगों को लगा कि उप कप्तान होने के नाते श्रीलंका के खिलाफ तीन मैचों में मेरा प्रदर्शन खराब था। ऐसे नहीं होता है। क्रिकेट में उतार-चढ़ाव होते रहते हैं। इसमें कोई शक नहीं है कि हमारे लिए यह सीरीज अच्छी नहीं रही। मैं प्रत्येक मैच में 100 फीसद से ज्यादा देता हूं और यह नहीं देखता कि कप्तान होने के कारण मुझ पर कोई अतिरिक्त दबाव होगा। मैं हमेशा बिना किसी दबाव के खेलता रहूंगा। मैं अपनी टीम के साथ-साथ अपने व्यक्तिगत प्रदर्शन पर भी ध्यान दे रहा हूं। मैं विलियमसन और कोहली जैसे मौजूदा कप्तानों को देखता हूं कि वे कैसे खुद के फॉर्म को अच्छी तरह से बरकरार रख सकता हूं।

जिंदगी अब पहले जैसी नहीं रहेगी : गिल

नई दिल्ली, प्रेट्र : गौरव गिल ने एक महीने के अंतराल में अपनी जिंदगी का सबसे अच्छा और बुरा समय देखा। वह अर्जुन पुरस्कार पाने वाले देश के पहले रैली चालक बने, लेकिन फिर जोधपुर में रेस के दौरान हुई दुर्घटना ने उन्हें पूरी तरह से झकझोर दिया। गिल ने कहा मेरी जिंदगी अब पहले की तरह नहीं रहेगी। यह और भी मुश्किल होता है जब इसमें आपकी गलती नहीं होती है।

हमारी टीम लेस्टर सिटी ईपीएल में शीर्ष पर बने रहना चाहती है।
– बेन चिलवेल, लेफ्ट बैक लेस्टर सिटी

फुटबॉल डायरी ▸ 9–0 से हराकर ईपीएल इतिहास की सबसे बड़ी जीत के रिकॉर्ड की बराबरी की

साउथैंप्टन पर लीसेस्टर की ऐतिहासिक जीत

साउथैंप्टन, एएफपी : इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) में शुक्रवार को लीसेस्टर सिटी ने साउथैंप्टन को 9-0 से हराकर लीग इतिहास की सबसे बड़ी जीत के रिकॉर्ड की बराबरी की। इस जीत से अब लीसेस्टर 10 मुकाबलों में 20 अंकों के साथ अंक तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंच गया और वह शीर्ष पर काबिज लिवरपूल से महज पांच अंक पीछे है।

लीसेस्टर के लिए आयोजे पेरेज (19वें, 39वें, और 57वें मिनट) और जैसी वार्डी (45वें, 58वें और 90+4वें मिनट) ने शानदार हैट्रिक लगाई। इसके अलावा लीसेस्टर की ओर से बेन चिलवेल (10वें मिनट), यॉरी टीलेमंस (17वें मिनट) और जैम्स मेडिसन (85वें मिनट) ने एक-एक गोल किए। लीसेस्टर की टीम ने 1995 में मैनचेस्टर युनाइटेड द्वारा दर्ज की गई सबसे बड़ी जीत के रिकॉर्ड की बराबरी की। तब युनाइटेड ने ओल्ड टैफर्ड में इप्सविक को 9-0 से हराया था। 1984 के बाद पहली बार लीसेस्टर की टीम ने हाफ टाइम से पहले पांच गोल दागने वाले क्लब के रूप में अपनी पहचान छोड़ी। वहीं, 2010 के बाद ईपीएल की शुरुआती चरण में किसी टीम ने घरेलू टीम को इतने बड़े अंतर से हराया है। उधर साउथैंप्टन की यह सबसे बड़ी हार है। इससे पहले उसे 20 साल पहले लिवरपूल के खिलाफ 1-7 के अंतर से शिकस्त झेलनी पड़ी थी।

गोल करने के बाद जश्न मनाते लीसेस्टर के खिलाड़ी। रायटर

उरुग्वे की टीम में वापसी के लिए सुआरेज और कवानी तैयार

मोंटेवीडियो (उरुग्वे), एएफपी : उरुग्वे के स्टार स्ट्राइकर लुइस सुआरेज और एडिंसन कवानी नवंबर में हंगरी के खिलाफ होने वाले दोस्ताना मुकाबले में उतरने की तैयारी में हैं। चोट की वजह से सुआरेज और कवानी अक्टूबर में पेरू के खिलाफ खेले गए दो मुकाबलों से बाहर रहे थे। उरुग्वे के कोच ऑस्कर तबरेज ने शुक्रवार को 24 सदस्यीय टीम की घोषणा की जिसमें इन दोनों सितारों को जगह दी गई। उरुग्वे को बुडापेस्ट में 15 नवंबर को फेरेंस पुस्कास स्टेडियम में दोस्ताना मुकाबला खेलना है। हालांकि अभी 19 नवंबर को होने वाले एक अन्य दोस्ताना मुकाबले के लिए विरोधी टीम का एलान नहीं हुआ है।

एएफसी ने आइएसएल को दी मान्यता

नई दिल्ली, प्रेट्र : एशियाई फुटबॉल परिसंघ (एएफसी) ने शनिवार को इंडियन सुपर लीग (आइएसएल) को भारत के शीर्ष लीग के तौर पर मान्यता दे दी। साथ ही एएफसी ने अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एफआइएफएफ) को 2020–21 सत्र के अंत तक दो आइ–लीग क्लबों के आइएसएल में प्रवेश का रास्ता निकालने की सिफारिश की। एएफसी की कार्यकारी समिति ने विएतनाम में बैठक के दौरान एआइएफएफ के देश के लिए प्रस्तावित रूप रेखा को मंजूरी दी। भारतीय फुटबॉल की रूप रेखा पर एएफसी ने कहा, '2019–20 सत्र में आइएसएल भारतीय फुटबॉल में शीर्ष लीग प्रतियोगिता का दर्जा हासिल कर लेगा।' एएफसी द्वारा एक और सिफारिश की गई कि 2020–21 सत्र में आइएसएल में दो आइ–लीग क्लबों के प्रवेश के लिए रास्ता तैयार किया जाए लेकिन इसके लिए सभी मापदंडों को पूरा किया जाए।

सिंधू फ्रेंच ओपन से हुई बाहर

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू। (फाइल)

पेरिस, प्रेट्र : मौजूदा विश्व चैंपियन और शीर्ष भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू फ्रेंच ओपन के तीन गेम तक चले क्वार्टर फाइनल में शीर्ष वरीय ताई जु यिंग से हारकर बाहर हो गईं। पांचवीं वरीय भारतीय को दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी से एक घंटा 15 मिनट तक चले मुकाबले में 16-21, 26-24, 17-21 से हार का मुंह देखना पड़ा। यह दसवीं बार है जब सिंधू को चीनी ताइपे की जु यिंग से पराजय झेलनी पड़ी है। सिंधू ने अंतिम बार अगस्त में विश्व चैंपियनशिप खिताब हासिल करने के लिए एशियन गेम्स की स्वर्ण पदकधारी को हराया था। 24 साल की भारतीय ने 2016 ओलंपिक के दौरान भी जु यिंग को मात दी थी और पिछले साल विश्व टूर फाइनल्स में महिलाओं की नंबर एक सिंगल्स खिलाड़ी को शिकस्त दी थी। दुनिया की छठे नंबर की खिलाड़ी सिंधू की बासेल में विश्व चैंपियनशिप खिताबी जीत के बाद यह टूर्नामेंट के शुरुआती दौर में लगातार चौथी हार है। साइना नेहवाल भी टूर्नामेंट से बाहर हो चुकी हैं। हालांकि, सत्विकसाईराज रेंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष डबल्स जोड़ी ने सेमीफाइनल में पहुंचकर चुनौती बरकरार रखी। भारत की इस 11वें नंबर की जोड़ी का सामना जापान के हिरोयुकी एंडो और युता वाटांबे की पांचवीं वरीय जोड़ी से होगा।

महिला फुटबॉल खिलाड़ी हो रही हैं फिट : कोच मेमोल

▸ **पिछले कुछ समय से ज्यादा अंतरराष्ट्रीय मैच खेल रही है भारतीय टीम**

नई दिल्ली, प्रेट्र : भारतीय महिला फुटबॉल टीम को पिछले कुछ समय अंतरराष्ट्रीय मैचों में मिल रहे मौके को सकारात्मक पहल बताते हुए कोच मेमोल रॉकी ने यहां कहा कि इससे खिलाड़ियों का फिटनेस स्तर बना रहा रहता है।

भारतीय टीम अगले महीने दो फीफा अंतरराष्ट्रीय मैत्री मुकाबले में वियतनाम से भिड़ेगी। वियतनाम के खिलाफ मैच की तैयारियों के लिए टीम प्रशिक्षण शिविर के लिए यहां पहुंची है। शिविर के पहले दिन मेमोल रॉकी ने कहा, 'हम लगातार अंतराल पर टूर्नामेंट और अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में खेल रहे है। लगभग हर महीने टीम का शिविर लगता है और यह खिलाड़ियों के फिटनेस स्तर को बढ़ाने में मदद करता है।'

भारतीय महिला टीम के लिए यह साल काफी व्यस्त रहा है जहां उसने हीरो गोल्ड कप, सैफ चैंपियनशिप, एएफसी ओलंपिक क्वालीफायर्स में भाग लेने के अलावा तुर्की, स्पेन (कोटिफ कप) और उज्बेकिस्तान (मैत्री मुकाबले) का दौरा किया है। मेमोल ने कहा कि टीम को वियतनाम से कड़ी चुनौती मिलेगी। उन्होंने कहा, 'वियतनाम की टीम काफी मजबूत है और ऐसी कठिन टीमों के साथ खेलने से हमारी टीम का अच्छा विकास होगा। हम इस चुनौती के लिए तैयार हैं और इन दो मैचों में अपना सर्वश्रेष्ठ करेंगे।' भारतीय कोच ने महिला फुटबॉल की बढ़ती लोकप्रियता पर खुशी जताते हुए कहा कि 2020 फीफा अंडर-17 महिला विश्व कप का आयोजन देश में होने से इस खेल को और अधिक लोकप्रियता मिलेगी। उन्होंने कहा, 'मैं काफी खुश हूं कि हम विश्व कप की मेजबानी करेंगे। जब यहां विश्व कप होगा, उस समय तक महिला फुटबॉल के बारे जागरूकता तेजी से बढ़ेगी।'

डेविस कप पर चार नवंबर को होगा फैसला लिएंडर पेस चयन के लिए उपलब्ध

कोलकाता, आइएएनएस : महान टेनिस खिलाड़ी लिएंडर पेस पाकिस्तान के खिलाफ डेविस कप टाई के लिए उपलब्ध हैं जिसके कारण भारत और उसके चिर-प्रतिद्वंद्वी के बीच इस मैच के खेले जाने की उम्मीद बढ़ गई है। नॉन प्लेइंग कप्तान महेश भूपति और दिग्गज डबल्स खिलाड़ी रोहन बोपन्ना ने सुरक्षा कारणों के चलते इस्लामाबाद जाने से मना कर दिया जिसके बाद अखिल भारतीय टेनिस संघ (एआइटीए) को पेस के पास जाना पड़ा। अंतरराष्ट्रीय टेनिस महासंघ (आइटीएफ) चार नवंबर को आयोजन स्थल की जांच करेगा और एआइटीए ने भी उससे मैच को तटस्थ स्थान पर आयोजित कराने का निवेदन किया है, लेकिन पेस के चयन के लिए उपलब्ध होने के बाद टीम में अच्छे खिलाड़ियों को चुना जा सकता है। एआइटीए के एक सूत्र ने कहा, लिएंडर एक दिग्गज हैं और यह हम सभी जानते हैं। उनका अनुभव अमूल्य होगा। हमारे पास जीवन जैसे अन्य अच्छे खिलाड़ी हैं जो शीर्ष 100 रैंकिंग में हैं और हम उन्हें चुन सकते हैं। उन्होंने भी खुद को उपलब्ध कराया है जो इतना बुरा नहीं है। भूपति और बोपन्ना के अलावा, रामकुमार रामनाथन, सुमित नागल और शशि कुमार ने पाकिस्तान जाने से मना कर दिया है। प्रजनेश गुनेश्वरण 29 नवंबर को शादी कर रहे हैं जिसके कारण वह भी चयन के लिए उपलब्ध नहीं हैं। एआइटीए को आयोजन स्थल के चुने जाने का इंतजार कर रहा है और उसके बाद ही खिलाड़ियों की फाइनल एंट्री पर निर्णय लिया जाएगा। अगर टाई 29-30 नवंबर के बीच तटस्थ स्थान पर होता है तो सभी खिलाड़ी उपलब्ध होंगे।

सूत्र ने कहा, मैं लिएंडर के बारे में नहीं जानता (यदि टाई पाकिस्तान में आयोजित होता है तो)। देखिए टीम का ऐलान होना बाकी है। उन्होंने सिर्फ खुद को उपलब्ध कराया है। पेस आखिरी बार पिछले साल अप्रैल में डेविस कप में दिखे थे।

लिएंडर पेस। (फाइल)

महिला खिलाड़ियों ने पीएम मोदी के अभियान की सराहना की

▸ **'भारत की लक्ष्मी' नाम का यह अभियान पीएम मोदी की सोच पर आधारित है**

▸ **सोशल मीडिया में भारत की लक्ष्मी हैशटैग के साथ ज्यादा से ज्यादा कहानियां शेयर करने को भी कहा था**

नई दिल्ली, प्रेट्र : देश की स्टार शटलर साइना नेहवाल, छह बार की विश्व चैंपियन मेरी कॉम और टेबल टेनिस खिलाड़ी मनिका बत्रा सहित कई महिला खिलाड़ियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के महिला सशक्तिकरण की दिशा में चलाए अभियान की सराहना की। 'भारत की लक्ष्मी' नाम का यह अभियान पीएम मोदी की सोच पर आधारित है।

पीएम मोदी ने कहा था कि क्या इस दीपावली पर ऐसी महिलाओं का सम्मान हम कर सकते हैं, भारत की इस लक्ष्मी के सम्मान का कार्यक्रम कर सकते हैं। उन्होंने कहा, 'हमारे आसपास कई ऐसी बेटियां, महिलाएं होंगी जो अपनी मेहनत, लगन और प्रतिभा से परिवार, समाज और देश का नाम रोशन कर रही हैं, असाधारण काम कर रही होंगी।' उन्होंने सोशल मीडिया में भारत की लक्ष्मी हैशटैग के साथ ज्यादा से ज्यादा कहानियां शेयर करने को भी कहा था। साइना ने ट्विटर पर लिखा, 'दीपावली पर महिलाओं को सशक्त करने और उन्हें सम्मानित करने के अभियान के लिए पीएम मोदी का शुक्रिया। इससे हमें ज्यादा मेहनत करने और भारत को गौरवान्वित करने के लिए प्रेरणा मिलती है।' मेरी कॉम ने भी मोदी का शुक्रिया दिया। दरअसल, केंद्रीय खेल मंत्री किरण रिजिजू ने ट्वीट किया था जिसमें उन्होंने लिखा कि मोदी ने देश में महिलाओं की असाधारण उपलब्धि पर जश्न मनाने की अपील की थी। मीराबाई चानू, हिमा दास और निकहत जरीन समेत अन्य महिला खिलाड़ियों ने भी अपने अनुभव शेयर किए और इस अभियान के लिए मोदी का धन्यवाद दिया।

विविध

अनूठा है भारत का परिवार कल्याण कार्यक्रम : प्रोफेसर एमी

आइएएनएस, जयपुर: अमेरिका के जॉन हॉपकिन्स ब्लूमबर्ग स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ इंस्टीट्यूट की प्रोफेसर एमी ओ. टूसी का कहना है कि भारत में परिवार कल्याण कार्यक्रम अनूठा है। हालांकि यहां अब भी बेटियों के मुकाबले बेटे की चाहत हावी है, इसलिए लिंगानुपात असंतुलित है और कई इलाकों में शादी होना मुश्किल हो रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत में लड़कों को शादी के लिए लड़कियां नहीं मिलती हैं। अमेरिकी प्रोफेसर का मानना है कि यहां का परिवार कल्याण कार्यक्रम कई मायनों में अनूठा है। एक तो यहां सरकार परिवार कल्याण कार्यक्रम चलाती है, दूसरा यहां दशकों से नसबंदी और विशेषकर महिला नसबंदी पर फोकस है। इसके अलावा यहां गर्भनिरोधक सेवाएं काफी परिपक्व हो गई हैं।

प्रोफेसर एमी जनसंख्या, परिवार और प्रजनन स्वास्थ्य क्षेत्र में काम कर रही हैं। वह जयपुर स्थित इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ मैनेजमेंट एंड रिसर्च यूनिवर्सिटी में आई थीं। उन्होंने नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे तीन और चार में गर्भनिरोधकों के प्रचलन में कमी के कारणों पर अध्ययन प्रस्तुत किया। यह अध्ययन बिल एंड मिलिंडा गेट्स फाउंडेशन एक प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग विश्लेषण के तहत किया गया है।

भारत में गर्भनिरोधकों की सफलता के बारे में उन्होंने कहा कि आर्थिक रूप से भारत अब इसका फायदा उठा रहा है, क्योंकि यहां ज्यादा संख्या ऐसे लोगों की है, जो काम कर रहे हैं और इस जनसंख्या पर बच्चों और बुजुर्गों का भार कम है। वर्ष 1999 से 2017 के बीच भारत की प्रति व्यक्ति जीडीपी 1880 डॉलर से बढ़कर 7060 डॉलर तक पहुंच गई है। इसका बड़ा कारण जन्मदर का कम होना है और यह गर्भनिरोधकों के अधिक इस्तेमाल से भी जुड़ा है। भारत अब इस फायदे के दूसरे चरण की तरफ बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि इसकी चुनौतियां भी हैं। यहां महिलाओं के लिए रोजगार के अवसर कम हुए हैं। इस दिशा में समाज और सरकार को काफी काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि समाज को लड़के या लड़की में भेदभाव की भावना को छोड़ना चाहिए और दोनों को स्वस्थ्य जीवन जीने का अवसर देना चाहिए।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने बिहार की कानून व्यवस्था को लेकर जताया अफसोस

राज्य ब्यूरो, पटना

दिवाली की पूर्व संध्या पर बिहार भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डा. संजय जायसवाल ने ब्लॉग लिखकर उपचुनाव परिणामों पर आत्ममंथन की नसीहत दी है। उनका मानना है कि उपचुनाव हमें अपनी कार्यशैली के बारे में पुनः आकलन करने की जरूरत बताता है। राजग के साथ सब कुछ ठीक नहीं होने का संकेत देते हुए जायसवाल ने कई पुरानी बातें इस अंदाज में याद दिलाईं कि वैसा होता तो हम जरूर जीतते।

जायसवाल ने पुराने दिनों को याद करते हुए ब्लॉग में लिखा है कि 2010 के विधानसभा चुनावों में हम तीन चौथाई से ज्यादा बहुमत पाने में सफल हुए थे। इसका सबसे महत्वपूर्ण कारण था बिहार की कानून-व्यवस्था में हुआ अभूतपूर्व सुधार और भाजपा-जदयू के कार्यकर्ताओं के बीच का अद्भुत समन्वय। उस समय बिहार की कानून-व्यवस्था पूरे भारत में सर्वश्रेष्ठ मानी जा रही थी। दूसरा भाजपा-जदयू कार्यकर्ताओं के परस्पर सहयोग से ब्लाक तक में लोगों के काम आसानी से हो जाते थे। आज हमें इन दोनों मसलों पर आत्म विवेचना की जरूरत है।

जायसवाल ने लिखा है कि इस उपचुनाव की चर्चा दरौंदा का जिक्र किए बगैर अधूरी है। यहां यह स्पष्ट करना जरूरी है कि दरौंदा में विद्रोह भाजपा कार्यकर्ताओं का नहीं था, बल्कि भाजपा और जदयू कार्यकर्ताओं का सम्मिलित विद्रोह था। अगर हम बेलहर में समझाने में सफल नहीं होते तो वहां भी कुछ ऐसे ही होता। आज भी गोपालगंज में जदयू के पूर्व विधायक सरकारी भ्रष्टाचार के खिलाफ धरने पर बैठते हैं। लेकिन अगर यही कार्य भाजपा के किसी पूर्व विधायक ने किया होता तो मुझ पर उसके निष्कासन का दबाव होता।

उन्होंने लिखा भाजपा की खासियत है कि हम अपनी हार से सीखते हैं। इतिहास गवाह है हर हार के बाद हम और मजबूत होकर उभरे हैं। भले ही यह मुख्य चुनाव नहीं थे और इनका सरकार की सेहत पर कोई फर्क भी नही पड़ने वाला, फिर भी इस परिणाम को ठंडे बस्ते में डालने की नहीं बल्कि क्या कमी रह गई उसकी समग्र समीक्षा करने की जरूरत है।

गठबंधन की गांठ

▸ **डॉ संजय जायसवाल ने कहा, 2010 की शानदार जीत के पीछे थी सर्वश्रेष्ठ कानून व्यवस्था वाली छवि**

डा. संजय जायसवाल। (फाइल)

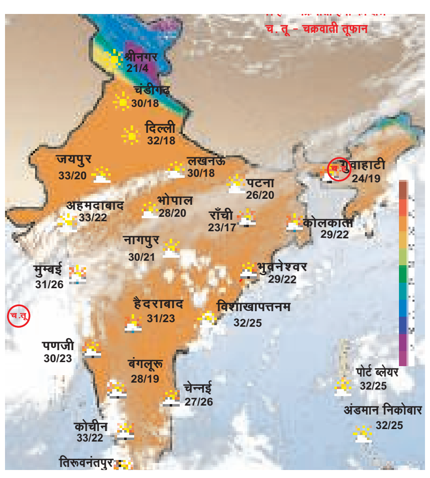

मौसम विशेष

पंजाब राजस्थान, हरियाणा व दिल्ली में मुख्यतः साफ आसमान के साथ शीतल सुबह में धुंध रहेगी। दिन आरामदायक बना रहेगा। प्रदूषण में हल्की वृद्धि जारी रहेगी। रात का मौसम शीतल रहेगा। जम्मू-कश्मीर व हिमाचल प्रदेश में सुबह ठंडी और छिटपुट बादलों के साथ दिन सहज रहेगा।

भारत के मुख्य शहरों का तापमान:

शहर		शहर	
मुम्बई	32/25/व	अहमदाबाद	32/17/आंबा
कोलकाता	31/23/सा	बड़ौदा	30/22/व
चेन्नई	30/23/व	नागपुर	31/21/व
हैदराबाद	32/23/व	इन्दौर	26/19/सा
बंगलूरू	29/18/सा	राँची	27/23/सा
त्रिवेन्द्रम	31/24/व	पटना	31/21/सा
गुवाहाटी	29/21/आंबा	जमशेदपुर	30/23/व
गंगटोक	13/-1/व	पुणे	29/21/व

हैप्पी दिवाली...

ओडिशा के पुरी स्थित समुद्र तट पर अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त सैंड आर्टिस्ट सुदर्शन पटनायक ने दीपावली पर सैंड कलाकृति बनाकर लोगों को अनूठी शुभकामनाएं दीं। प्रेट्र

झूठी शान के लिए युवक की पीट-पीटकर हत्या

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : सोनिया विहार इलाके में झूठी शान के लिए एक युवक की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। युवक प्रेमिका के घर उसका रिश्ता मांगने गया था। इससे नाराज होकर तलाकशुदा महिला के भाई ने किसी भारी वस्तु से युवक के सिर पर कई वार कर दिए। महिला प्रेमी को बचाने के लिए चिल्लाती रही। इसी बीच उसने घायल के भाई को फोन कर घटना की सूचना दी। मौके पर पहुंचे भाई ने युवक को ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया, वहां कुछ घंटों बाद युवक ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। मृतक की शिनाख्त सोनू मिश्रा (24) के रूप में हुई है।

सोनिया विहार पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर लिया है। वारदात के बाद से आरोपित फरार हैं। पुलिस उपायुक्त वेद प्रकाश सूर्या ने बताया कि शुरुआती जांच में प्रेम-प्रसंग में हत्या की बात सामने आ रही है। सभी पहलुओं से मामले की जांच की जा रही है। सोनू परिवार के साथ साढ़े चार पुश्ता, सोनिया विहार में किराये के मकान में रहते थे। वह घर के पास ही मेडिकल स्टोर चलाते थे।

साप्ताहिक राशिफल

रविवार 27 अक्टूबर, 2019 से शनिवार 2 नवम्बर, 2019 तक — पं. बी. बी. शास्त्री 'देवेश'

मेष (चू,चे,चो,ला,ली,लू,ले,लो,आ)
व्यापार, नौकरी, उद्योग के कार्य में प्रगति, अर्थ साधन उचित, साझेदारी में सावधानी, चिंता का समाधान, सामाजिक कार्य का योग, शिक्षा में एकाग्रता, संतान की प्रगति, क्रोध–ईर्ष्या से बचें, दांपत्य में सुख, राजनीतिक अपयश, अनुबंध की प्राप्ति, गणपति लक्ष्मी की आराधना, शुभ अंक 2

वृष (इ,ऊ,ए,ओ,पा,वी,वू,वे,वो)
अर्थ साधन में प्रयास, सलाह से कार्य करें, धन के आवागमन में सावधानी, रचनात्मक कार्य करें, साधनों की पूर्ति, चयन में सफलता, जोड़ो में दर्द, रक्त विकार योग, शत्रु पक्ष प्रभावी, दांपत्य में सुख, वाहन में सावधानी, राजनीतिक प्रयास सार्थक, गणपति कुबेर का पूजन करें, शुभ अंक 1

मिथुन (का,की,कू,घ,ड,छ,के,को,हा)
व्यापारिक, नौकरी, उद्योग के कार्य में सफलता, धनागम में सफलता, महिला से सहयोग, विदेश कार्य में सफलता, सामाजिक कार्य का योग, साधनों की पूर्ति, प्रणय में सुख, मनोरंजन भ्रमण योग, राजनीतिक प्रयास सफल, वाहन में सावधानी, श्री लक्ष्मी की आराधना करें, शुभ अंक 2

कर्क (ही,हू,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो)
अर्थ साधन में सफलता, व्यापारिक क्षेत्र में वृद्धि, अति विश्वास से बचें, पारिवारिक सहयोग, वाहन आभूषण योग, संतान से सहयोग, चयन में सफलता, मित्रों से सहयोग, दांपत्य में सुख, रुका कार्य संपन्न, पद स्थान परिवर्तन, योग, श्री गणपति कुबेर की आराधना से लाभ, शुभ अंक 4

सिंह (मा,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे)
नौकरी, उद्योग, व्यापार के कार्य में प्रगति, धनागम में सफलता, प्रतिस्पर्धा से चिंता, कल्पना से बचें, यथार्थ से कार्य करें, साधनों की पूर्ति, संतान से सहयोग, शिक्षा में अवरोध, नेत्र पीड़ा योग, ज्वलनशील वस्तुओं से सावधानी, श्री कुबेर गणपति आराधना से लाभ, शुभ अंक 5

कन्या (टो,पा,पी,पू,ष,ण,उ,पे,पो)
व्यापार, नौकरी और उद्योग के कार्य में प्रगति, अर्थ साधन अच्छा, साझेदारी में तनाव, साधनों की पूर्ति, शिक्षा में अवरोध, चयन में देरी, मित्रों से सावधान, ससुराल से सहयोग, रुके कार्य संपन्न, राजनीतिक सफलता, श्री गणपति लक्ष्मी की आराधना से लाभ, शुभ अंक 6

तुला (रा,री,रू,रे,रो,ता,ती,तू,ते)
धनागम में सफलता, भावुकता से बचें, अपने लक्ष्य का ध्यान रखें, आत्मविश्वास से कार्य करें, संतान से सहयोग, शिक्षा में रुचि, रक्त विकार व त्वचा विकार योग, दांपत्य में सुख, वाहन में सावधानी, राज्य पक्ष से सावधान, श्री लक्ष्मी कुबेर की आराधना से लाभ व्यय अधिक, शुभ अंक 7

वृश्चिक (तो,ना,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू)
व्यापार, नौकरी और उद्योग के कार्य में सफलता, अर्थ साधन अच्छा, दिनचर्या व्यस्ततम, कार्य करने वालों से सावधान, विशेष व्यक्ति से सहयोग होगा, पारिवारिक चिंता, साधनों की पूर्ति, चयन में सफलता, शिक्षा में एकाग्रता, वाद–विवाद से बचें, श्री लक्ष्मी कुबेर, की आराधना लाभ ।शुभ अंक 8

धनु (ये,यो,भा,भी,भू,धा,फा,ढा,भे)
व्यापार, नौकरी, उद्योग के कार्य में प्रगति, धनागम में सफलता, धैर्य एवं सलाह से कार्य करें, पारिवारिक सहयोग, भ्रम एवं संशय से बचें, शिक्षा में रुचि, मित्रों से लाभ, ईर्ष्या से बचें, दांपत्य में सुख, निजी संबंधों में सुधार, मनोरंजन, भ्रमण योग, श्री गणपति लक्ष्मी की आराधना से लाभ, शुभ अंक 8

मकर (भो,जा,ज,खी,खू,खे,खो,गा,गी)
अर्थ साधन अच्छा, आत्म चिंतन करें, विदेश कार्य के अवसर, समाज में यश, वाहन साज सज्जा, अध्ययन में रुचि, शत्रु पक्ष परास्त, वाणी पर संयम, निजी संबंधों में सुधार, अधिकारी से सहयोग, श्री गणपति कुबेर की आराधना से लाभ, शुभ अंक 2

कुम्भ (गू,गे,गो,सा,सी,सू,से,सा,दा)
अच्छा निर्णय सलाह से करें, धन निवेश में सावधानी, विदेश कार्य में सफलता, लक्ष्य का ध्यान रखें, संतान के लिए योजना, चयन में सफलता, मित्रों से विरोध, जीवन साथी का मिलन, वाहन में सावधानी, श्री लक्ष्मी कुबेर की आराधना से लाभ, शुभ अंक 2

मीन (दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची)
व्यापार , नौकरी, उद्योग के कार्य में प्रयास से सफलता, अर्थ साधन अच्छा, व्यापारिक क्षेत्र में विस्तार, नए विचारों को अपनाएं, विदेश से समाचार, ईर्ष्या और कुसंग से बचें, अग्नि से सावधान, जीवन साथी का मिलन, धर्म में रुचि, श्री गणपति लक्ष्मी की आराधना से लाभ, शुभ अंक 4

इंफेंट्री डे (पैदल सेना दिवस) मनाने की शुरुआत हुई

27 अक्टूबर के दिन को पैदल सेना दिवस के तौर पर मनाया जाता है। यह दिन भारत की पैदल सेना के शौर्य गाथा का प्रतीक है। 1947 में आज ही भारत ने पहली बार पाकिस्तान के हमले का मुंहतोड़ जवाब दिया था।

सबसे पुरानी में से एक न्यूयॉर्क मेट्रो लाइन की शुरुआत हुई

1904 में आज ही न्यूयॉर्क सिटी सब-वे के नाम से पहचाने जाने वाली न्यूयॉर्क की मेट्रो लाइन की शुरुआत हुई थी। यह दुनिया के सबसे पुराने पब्लिक ट्रांसपोर्ट सिस्टम में से एक है। इसमें 468 स्टेशन हैं और हर रोज औसतन साठ लाख यात्री इसमें सफर करते हैं।

भारत के पहले दलित राष्ट्रपति थे केआर नारायणन

भारत के दसवें राष्ट्रपति केआर नारायणन का जन्म 1920 में आज ही केरल में हुआ था। 1944-45 के बीच वे हिंदू और टाइम्स ऑफ इंडिया जैसे अखबारों में काम किया। इसी दौरान महात्मा गांधी का इंटरव्यू लिया। म्यांमार, जापान, ब्रिटेन और वियतनाम जैसे देशों में भारत के राजदूत रहे। तीन बार लोकसभा सदस्य रहे। राजीव गांधी की सरकार में केंद्रीय मंत्री रहे। 1997 से 2002 तक राष्ट्रपति रहे नारायणन कार्यकाल के दौरान चुनावों में मतदान करने वाले पहले भारतीय राष्ट्रपति थे। 9 नवंबर, 2005 को उनका देहांत हो गया।

...तो इन वजहों से डूबा टाइटेनिक

अप्रैल 1912 में अपनी पहली यात्रा के दौरान ही उस जमाने का सबसे शानदार, विशालकाय और सुरक्षित जहाज टाइटेनिक की विशाल हिमखंड से टकराने के बाद अटलांटिक महासागर में जलसमाधि बन गई थी। इस घटना में करीब 1500 सौ लोग मारे गए थे। पहली बार इसके हिमखंड से टकराने और समुद्र में समाने की वजहें एक डॉक्यूमेंट्री में सामने आई हैं। टेन मिस्टेक्स दैट संक द टाइटेनिक नामक डॉक्यूमेंट्री को दुनिया के जाने-माने जहाज विशेषज्ञों ने सालों-साल शोध करने के बाद तैयार किया है। चैनल 5 पर इसे आज दिखाया जाएगा। डॉक्यूमेंट्री में बताया गया है कि जहाज के रास्ते को देखने के लिए जिन अधिकारियों की तैनाती की गई थी, उनसे उस कक्ष की चाबी ही गुम हो गई थी जिसमें दूरबीन रखी थी। ऐसी ही हैरतअंगेज 10 चूकों के चलते विशालकाय पोत समुद्र में समा गया और दुनिया के सामने एक बड़ी त्रासदी छोड़ गया।

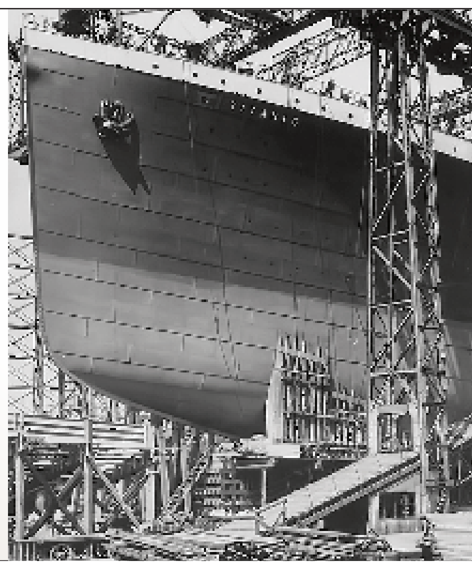

खिड़कियों को खोलने से भी ज्यादा नुकसान हुआ

टाइटेनिक जहाज के रुकते ही यात्री परेशान हो उठे। वे अपने पास की छोटी खिड़कियों को खोलकर देखने लगे कि आखिर क्या हुआ है। हालांकि सभी यात्रियों को जहाज की छत पर जाने को कहा गया था, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। जहाज पर सवार लोग लाइफ बोट पर जाने से पूर्व 12 खिड़कियों को खुला छोड़ गए। इससे जहाज में तेजी से पानी भरना शुरू हो गया। टाइटेनिक में ऐसी सैकड़ों खिड़कियां थीं।

मशीनों से नहीं हुआ था कीलें लगाने का काम

टाइटेनिक के आगे का हिस्सा इतना बड़ा था कि इसमें कील लगाने का काम हाथ से करना पड़ा था। जहाज में 30 लाख कीलें लगी हुई थीं। उच्च गुणवत्ता वाली कीलें लगाने के लिए बड़ी हाइड्रोलिक मशीन की जरूरत होती, लेकिन वहां ऐसा करना संभव नहीं था। यहां मैनुअली ही लोहे की कीलें लगाई जाती थीं, जिससे इनकी गुणवत्ता कमतर रही। ऐसे में हिमखंड से टकराते ही जहाज का यह हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। जहाज के इस भाग के टूटने से पानी भर गया।

कुछ अन्य जानकारियां

- हिमखंड दिखने के 30 सेकंड बाद ही टाइटेनिक टकरा गया था।
- जहाज को डूबने में दो घंटे 40 मिनट लगे थे।
- टाइटेनिक जब डूबा, उस दिन उसके सफर का चौथा दिन था।
- यह उस समय दुनिया का सबसे बड़ा जहाज था, जिसकी लंबाई 882 फीट थी।

तेज थी रफ्तार

डॉक्यूमेंट्री में बताया गया है कि 17 अप्रैल को न्यूयॉर्क पहुंचने के लिए टाइटेनिक औसतन 18 नॉट से ज्यादा तेज रफ्तार से चल रहा था। धीमी गति से आपदा को बचाया जा सकता था। टाइटेनिक के कप्तान एडवर्ड को तेज रफ्तार से जहाज चलाने के लिए जाना जाता था। लोग उनके साथ यात्रा करना पसंद करते थे। वह अपने यात्रियों को जितनी जल्दी हो सके गंतव्य तक पहुंचाने के प्रयास में रहते थे। टाइटेनिक में सवार यात्री भी न्यूयॉर्क जल्दी पहुंचना चाहते थे। उन्हें मालूम था कि कप्तान स्मिथ उन्हें सही समय पर वहां पहुंचा देंगे।

कप्तान स्मिथ

दूरबीन वाले केबिन की चाबी नहीं थी

डॉक्यूमेंट्री के मुताबिक, टाइटेनिक इसलिए डूबा क्योंकि उस समय ड्यूटी पर मौजूद अधिकारियों के पास उस केबिन की चाबी नहीं थी, जिसमें दूरबीन रखी हुई थी। इससे आगे के हिमखंड को नहीं देखा जा सका।

इधर-उधर की

काठमांडू में कुत्तों की पूजा कर मनती है दीपावली

काठमांडू, एजेंसी : वैसे तो दीपावली भारत सहित दुनिया के लगभग सारे देशों में मनाई जाती है, लेकिन एक देश ऐसा भी है, जहां यह पर्व कुछ अलग ढंग से मनाया जाता है। पड़ोसी देश नेपाल में कुत्तों की पूजा की जाती है। नेपाल में इस प्रकाशपर्व को तिहार कहा जाता है। यह बिल्कुल वैसे ही मनाई जाती है, जैसे भारत में दिवाली मनाई जाती है। लेकिन इसके अगले ही दिन एक और दिवाली मनाई जाती है। इस दिवाली को कुकुर तिहार कहा जाता है। कुकुर तिहार पर कुत्तों की पूजा की जाती है। उनके लिए खास व्यंजन भी तैयार किए जाते हैं। साथ ही उन्हें दही का सेवन कराया जाता है। खास बात यह है कि यह दिवाली यहीं खत्म नहीं होती बल्कि पांच दिन चलती है। इस दौरान लोग अलग-अलग जानवर जैसे गाय, कुत्ते, कौआ, बैल आदि की पूजा करते हैं। लोग ऐसा इसलिए करते हैं क्योंकि उनकी कामना होती है कि कुत्ते हमेशा उनके साथ बने रहें। कुकुर तिहार में विश्वास करने वाले लोग कुत्ते को यम देवता का संदेशवाहक मानते हैं।

अब फैशन के लिए भी सुझाव देगा आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस

तकनीक ▶ अमेरिकी वैज्ञानिकों ने विकसित किया नया एआइ सिस्टम

अच्छे कपड़ों के चुनाव करने में होगी आसानी

ह्यूस्टन, प्रेट्र : विज्ञान और तकनीकी के युग में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआइ) हर क्षेत्र में अपनी पहुंच बना रहा है, जिससे महज कुछ ही मिनटों में हमारी बड़ी से बड़ी समस्याओं का समाधान हो जाता है। अब वैज्ञानिकों ने एक ऐसा आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस सिस्टम तैयार किया है, जो किसी भी कपड़े की फोटो का विश्लेषण कर यह सुझाव दे सकता है कि वह आप पर अच्छा लगेगा या नहीं।

एक नए अध्ययन में अमेरिकी शोधकर्ताओं ने कहा, 'फैशन प्लस प्लस नामक यह सिस्टम 'विजुअल रिकॉग्नाइजिंग सिस्टम' की मदद से कपड़ों के रंग, पैटर्न, बनावट और आकार का विश्लेषण करता है और किसी भी व्यक्ति के लिए सबसे सटीक कपड़ों का चुनाव करने में मदद करता है।' शोधकर्ताओं ने कहा कि यह सिस्टम बताता है कि किस रंग की पैंट पर किस प्रकार की शर्ट पहनने से आप आकर्षक लग सकते हैं। इसके अलावा यह कपड़ों के कई विकल्पों को आपके सामने रखता है।

दूर करेगा चुनाव की परेशानी : टेक्सास यूनिवर्सिटी की शोध छात्रा किमबर्ली हसियाओ ने कहा, 'इस सिस्टम से हमें फैशनेबल कपड़ों को खोजने में आसानी होगी।' उन्होंने कहा कि जब हमारे सामने कई तरह के कपड़े होते हैं तो हमें यह सुनिश्चित करने में थोड़ा परेशानी आती है कि कौन-से कपड़े हमारे शरीर के लिए सबसे ज्यादा उपयुक्त होंगे। लेकिन नए सिस्टम में ऐसी क्षमता है कि इसमें दसियों प्रकार के कपड़ों की इमेज को अपलोड करने के बाद भी यह सबसे उपयुक्त, प्रभावी और कम प्रभावी कपड़ों को अलग-अलग कर सकता है।

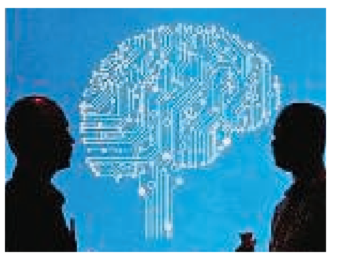

सुधार सकते हैं सिस्टम की क्षमता : हसियाओ ने कहा, 'फैशन समय के साथ-साथ बदलता रहता है। एआइ को नए तरह के कपड़ों की इमेज दिखाकर उसकी क्षमता में भी सुधार किया जा सकता है।' प्रोफेसर ग्रूमन और शोध छात्रा हसियाओ दक्षिण कोरिया के सियोल में अगले सप्ताह आयोजित होने वाले 'कंप्यूटर विजन' कार्यक्रम में इस सिस्टम को प्रस्तुत करेंगे।

डाटा सेट के जरिये लगाता है अनुमान : शोधकर्ताओं ने कहा, 'अन्य दूसरी एआइ प्रणालियों की तरह ही 'फैशन प्लस प्लस' भी डाटा सेट के जरिये अनुमान लगाने में सक्षम है।' उन्होंने कहा कि यह विंटेज लुक के कपड़ों में अच्छे कपड़ों का चुनाव नहीं कर पाता, क्योंकि इसे इंटरनेट में हाल के वर्षों में शेयर की गई फैशन के जुड़ी फोटो की मदद से प्रशिक्षित किया गया है। यह इसकी एक खामी है, जिसे भविष्य में कुछ बदलाव कर ठीक किया जा सकता है।

दोस्त जैसा है सिस्टम

अमेरिका के ऑस्टिन स्थित यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सास के प्रोफेसर क्रिस्टन ग्रूमन ने कहा, 'हमारा मानना है कि यह सिस्टम एक दोस्त जैसा है, जो आपको यह बताता है कि आप पर किस प्रकार के कपड़े अच्छे लग सकते हैं और कपड़े पहनने के बाद यह सुझाव देता है कि वह आप पर फब भी रहे हैं या नहीं?' 'फैशन प्लस प्लस' को फैशन के शौकीनों द्वारा ऑनलाइन साइटों पर शेयर की गई 10 हजार से ज्यादा इमेजों का उपयोग करके प्रशिक्षित किया गया है।

अब फेसबुक में पढ़ी जा सकेंगी खबरें न्यूज टैब किया शुरू

वाशिंगटन, एएफपी : फेसबुक ने पेशेवर तरीके से प्रस्तुत कंटेंट के साथ अपना समर्पित न्यूज टैब शुरू किया है। सोशल मीडिया नेटवर्क ने पत्रकारिता को प्रोत्साहन देने और झूठी सूचना का प्रचार करने वाले प्लेटफार्म की अपनी छवि को साफ करने के लिए यह कदम उठाया है।

पत्रकारिता को प्रोत्साहन देने और झूठी सूचना के प्रचार पर रोक के लिए कंपनी ने उठाया कदम

न्यूज सेक्शन यूजर्स सामान्य फीड से अलग होगा और इसमें साझेदार समाचार संगठनों से सामग्री ली जाएगी। फेसबुक न्यूज लेबल वाला न्यूज टैब लोगों को जिन खबरों को वे देखेंगे, उनपर ज्यादा नियंत्रण प्रदान करेगा। लोग अपनी पसंद की खबरों की विस्तृत संभावना तलाश सकेंगे। फेसबुक न्यूज टैब में योगदान देने वाले कुछ समाचार संगठनों को भुगतान कर सकता है, लेकिन भी तक इसके बारे में कोई जानकारी जारी नहीं की गई है। सोशल मीडिया ने करीब 200 समाचार संगठनों के साथ समझौता किया है। यह पहल फेसबुक के संस्थापक मार्क जुकरबर्ग के क्वालिटी जर्नलिज्म को प्रोत्साहन देने और वायरल छल कपट से अलग पेशेवर कंटेंट से पाठकों की मदद करने के आह्वान के अनुरूप है।

भाभा एटॉमिक सेंटर को साइबर सुरक्षा देगी स्वदेशी तकनीक

हिमांशु मिश्र, बरेली

- बरेली के अक्षत कक्कड़ ने तैयार किया सिक्योर नेटवर्क एक्सेस सिस्टम
- गॉड पार्टिकल की खोज में हो चुके हैं शामिल, यंग इंजीनियर अवॉर्ड मिलेगा

भाभा एटॉमिक रिसर्च सेंटर (बीएआरसी) को अब साइबर सुरक्षा के लिए दूसरों पर आश्रित नहीं रहना पड़ेगा। बरेली के अक्षत और उनकी टीम ने भाभा के लिए विशेष साइबर सुरक्षा तकनीक तैयार की है। इसके लिए उन्हें 30 अक्टूबर को यंग इंजीनियर अवॉर्ड से सम्मानित किया जाएगा।

बिहारीपुर के अक्षत कक्कड़ और उनकी टीम ने सिक्योर नेटवर्क एक्सेस सिस्टम (एसएनएएस) तैयार किया है। पिता गोपाल विनोदी शहर के जाने-माने कवि हैं। अक्षत बताते हैं कि यह तकनीक एटॉमिक सेंटर की हर गतिविधि को पूरी तरह से साइबर सुरक्षा प्रदान करने में सक्षम है। अभी तक सेंटर को इसके लिए दूसरों से मदद लेनी पड़ती थी। अक्षत को इस उपलब्धि के लिए भाभा के पूर्व निदेशक डॉ. एएन प्रसाद की ओर से 30 अक्टूबर को यंग इंजीनियर अवॉर्ड से सम्मानित किया जाएगा।

कोशिश करने वाले भी पकड़े जाएंगे : अक्षत बताते हैं कि सिक्योर नेटवर्क एक्सेस सिस्टम के जरिए हम भाभा के सभी सिस्टम को सुरक्षा प्रदान कर सकते हैं। अगर कोई बाहर या अंदर से भी सुरक्षा में सेंध की कोशिश करेगा तो वह पकड़ में आ जाएगा। सेंटर के किसी भी सिस्टम से कोई सूचना बाहर भी नहीं जा सकती है। इसके पहले अक्षत को भाभा की तरफ से जेनेवा में हुई गॉड पार्टिकल की खोज के लिए भी भेजा गया था।

पोखरण टेस्ट के बाद अमेरिका ने मदद से किया था इन्कार : 1998 में पोखरण न्यूक्लियर टेस्ट के बाद अमेरिका ने भाभा एटॉमिक रिसर्च सेंटर को किसी भी तरह की मदद देने से इन्कार कर दिया था। जब कभी मदद देने के लिए स्वीकृति भी दी तो उन्हें यह बताना पड़ता था कि हम उनकी तकनीक का कहां और कैसे प्रयोग करेंगे। इसलिए भाभा के विशेषज्ञों की टीम ने हर तरह की तकनीक पर खुद से काम करना शुरू कर दिया।

इंजीनियरिंग की पढ़ाई के बाद ही मिल गई थी नौकरी : अक्षत ने 2005 में श्रीराममूर्ति स्मारक इंजीनियरिंग कॉलेज से इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्यूनिकेशन ब्रांच में बीटेक की पढ़ाई की है। इसके बाद उन्हें भाभा एटॉमिक रिसर्च सेंटर में साइंटिफिक ऑफिसर पद पर नौकरी मिल गई थी। तब से लेकर वह भाभा के लिए कई तकनीक तैयार कर चुके हैं।

दूसरे देशों से भी तकनीक लेना खतरे से खाली नहीं : अक्षत बताते हैं कि आमतौर पर हम अन्य देशों से कई तकनीक लेते हैं, लेकिन यह खतरे से खाली नहीं होता। जब भी दूसरा देश कोई तकनीक देता है तो मजबूरन हम उस पर आश्रित हो जाते हैं।

शोध अनुसंधान

दही से कम हो सकता है फेफड़े के कैंसर का खतरा

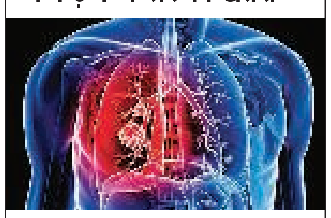

एक नए अध्ययन में पाया गया है कि उच्च फाइबर और दही युक्त आहार के सेवन से फेफड़ा कैंसर के खतरे को कम किया जा सकता है। इस तरह के आहार से हृदय रोग और गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल कैंसर में फायदा होने की बात पहले ही साबित हो चुकी है। शोधकर्ताओं के अनुसार, यह नया निष्कर्ष अमेरिका, यूरोप और एशिया में करीब 14 लाख वयस्कों पर किए गए अध्ययनों के आंकड़ों के विश्लेषण के आधार पर निकाला गया है। इससे यह जाहिर हुआ कि इस तरह का आहार फेफड़ों के कैंसर से भी बचाव कर सकता है। अध्ययन में शामिल किए गए प्रतिभागियों को फाइबर और दही के सेवन के आधार पर पांच समूहों में बांटा गया था। सबसे ज्यादा दही और फाइबर का सेवन करने वालों में फेफड़ों के कैंसर का खतरा 33 फीसद कम पाया गया। अमेरिका के वेंडरबिल्ट इनग्राम कैंसर सेंटर की शोधकर्ता शियाओ ओयू ने कहा, 'हमारा अध्ययन उच्च फाइबर और दही के सेवन के संदर्भ में मजबूत साक्ष्य मुहैया कराता है।' -एएनआइ

ज्वालामुखी में विस्फोट

हिंद महासागर के रियूनियन द्वीप पर स्थित ज्वालामुखी पर विस्फोट के बाद कई किलोमीटर तक लावा फैल गया। यह दुनिया के सर्वाधिक सक्रिय ज्वालामुखी में से एक है। एक वर्ष के अंतराल में शनिवार को इसमें पांचवी बार विस्फोट हुआ है। एएफपी

ग्रेटा ने देखा ग्लेशियर का पिघलना

संयुक्त राष्ट्र में अपने भाषण से दुनियाभर के नेताओं को झकझोर देने वाली स्वीडन की 16 वर्षीय ग्रेटा थनबर्ग ने तेजी से पिघल रहे कनाडा के कोलंबिया आइसफील्ड में अथाबास्का ग्लेशियर का दौरा किया। उनके साथ यूनिवर्सिटी ऑफ सस्केचेवान के जल वैज्ञानिक प्रो. जॉन पोमरॉय भी थे। पोमरॉय ने उन्हें बताया कि जलवायु परिवर्तन से ना सिर्फ ग्लेशियर पिघल रहे हैं बल्कि दुनिया को अतिवृष्टि और बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदाओं का भी सामना करना पड़ रहा है। कनाडा दुनिया के उन चुनिंदा देशों में है, जहां मीठे पानी की उपलब्धता सबसे अधिक है। रायटर

स्क्रीन शॉट

भारत आना चाहते हैं गैब्रियल लूना

हॉलीवुड फिल्म टर्मिनेटर फ्रेंचाइजी की छठी किस्त 'टर्मिनेटर : डार्क फेट' एक्शन की नई डोज के साथ आ रही है। फिल्म में टर्मिनेटर की भूमिका में अंधाधुंध एक्शन करते एक बार फिर अर्नाल्ड श्वार्जनेगर नजर आएंगे। वहीं सुपरहीरो सीरीज 'मार्वल्स एजेंट्स ऑफ शिल्ड' से शोहरत बटोरने वाले गैब्रियल लूना पहली बार टर्मिनेटर सीरीज का हिस्सा बने हैं। फिल्म में रेव 9 टर्मिनेटर की भूमिका निभा रहे गैब्रियल भारतीय संस्कृति से अनजान नहीं हैं। वह बताते हैं, 'मैंने अपनी पत्नी के साथ 'ब्लैक स्नो' नामक शो बनाया था। उसमें मैंने स्टॉप्स लैस्की का किरदार निभाया था। यह किरदार भारतीय था और यह बहुत ही सुंदर था। भारतीय लोगों पहनावा बहुत ही खूबसूरत होता है। उसके बाद मुझे और मेरी पत्नी को भारत की सभ्यता और संस्कृति के बारे में गहनता से जानने का अवसर मिला। बहरहाल, हम दोनों हमेशा से भारत आने के ख्वाहिशमंद हैं। कुछ दिनों पहले हम न्यूजीलैंड में थे। वहां एक नवविवाहित भारतीय जोड़े से मुलाकात हुई। उन्होंने हमें अपनी शादी की पूरी रस्मों के बारे में बताया। शादी की रस्में किसी उत्सव की तरह होती हैं। पूरे परिवार का एकसाथ संगीत कार्यक्रम में नाचना और गाना अद्भुत है। उन्होंने हमें भी आमंत्रित किया। हमने उन्हें बताया कि हम वहां जाने की तैयारी में हैं।' 'टर्मिनेटर डार्क फेट' एक नवंबर को रिलीज होगी।

इस बार दिवाली की बड़ी पार्टी नहीं देंगी एकता कपूर

एकता कपूर उन बॉलीवुड शख्सियतों में शामिल हैं, जिन्हें दिवाली मनाने का खास शौक है। लेकिन हर साल की तरह इस साल एकता दिवाली पर कोई बड़ी पार्टी आयोजित नहीं कर रही हैं। वे इस बार साधारण तरीके से दिवाली मनाएंगी। एक छोटी-सी पार्टी आयोजित की जाएगी, जिसमें उनके खास दोस्त शामिल होंगे। बताया जा रहा है कि इस साल एकता के घर का रिनोवेशन चल रहा है, इसलिए वह अपने घर में ज्यादा बड़ी पार्टी आयोजित नहीं कर पा रही हैं। कंटेट क्वीन एकता ने हाल ही में दिशा पाटनी को लेकर बनाई जा रही फिल्म का टाइटिल 'केटीना' घोषित किया है। साथ ही उन्होंने फिल्म में दिशा का फर्स्ट लुक भी शेयर किया। इसके बाद से उनके फैंस में फिल्म को लेकर उत्सुकता बढ़ गई है। लगता है यह फिल्म भी उनकी पिछली फिल्म 'ड्रीम गर्ल' की तरह बॉक्स ऑफिस में कमाल दिखाएगी। 'केटीना' की कहानी राज शांडिल्य ने लिखी है और इसका निर्देशन अमीषा छिब्बर कर रही हैं।

कमजोरियों को ताकत बनाने का संदेश देगी 'बाला' : आयुष्मान

अपनी फिल्मों के कंटेंट को लेकर आयुष्मान खुराना काफी सतर्क हैं। वह लगातार ऐसी फिल्मों का चयन कर रहे हैं जिसमें मनोरंजन के साथ संदेश भी रहता है। 'बरेली की बर्फी', 'शुभ मंगल सावधान', 'बधाई हो', 'ड्रीम गर्ल' उसकी ताजा मिसाल हैं। उनकी अगली फिल्म 'बाला' है।

यह फिल्म गंजेपन से जूझ रहे एक लड़के की कहानी है। बालों को सिर पर उगाने के लिए वह तमाम तरह के जतन करता है। बालों के झड़ने के चलते उसे कई बार ग्लानि महसूस होती है। वह घरेलू से लेकर चिकित्सकीय उपचार कराने के तमाम हथकंडे अपनाता है। आयुष्मान के मुताबिक, यह फिल्म बाहरी से ज्यादा अंदरूनी खूबसूरती की अहमियत रेखांकित करती है। यह इंसान को अपनी कमजोरियों को अपनी ताकत बनाने का संदेश देती है।

फिल्म में उनके साथ भूमि पेडणेकर और यामी गौतम हैं। भूमि उसमें सांवली लड़की की भूमिका में हैं। फिल्म का निर्देशन 'स्त्री' फेम अमर कौशिक ने किया है। फिल्म सात नवंबर को रिलीज होगी।

जीनोम सीक्वेंसिंग से आनुवांशिक बीमारियों का निदान

मिलेगी मदद

वैज्ञानिकों ने किया 1008 लोगों के जीनोम का अध्ययन, बीमारियों के सटीक एवं त्वरित पहचान और उपचार में होगी आसानी

नई दिल्ली, आइएसडब्ल्यू : भारतीय वैज्ञानिकों ने एक परियोजना के तहत देश के विभिन्न समुदाय के लोगों की संपूर्ण जीनोम सीक्वेंसिंग की है। इस पहल के अंतर्गत 1008 लोगों के जीनोम का अध्ययन किया गया है। इससे प्राप्त आंकड़ों का उपयोग दुर्लभ आनुवांशिक बीमारियों के निदान, कैंसर जैसी जटिल बीमारियों के उपचार, नई दवाओं के विकास और विवाह पूर्व भावी जोड़ों के आनुवांशिक परीक्षण में किया जा सकता है।

इंडिजेन नामक यह परियोजना इस वर्ष अप्रैल में वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआइआर) द्वारा शुरू की गई थी। इस परियोजना का संचालन सीएसआइआर से संबद्ध जीनोमिकी और जीव विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली एवं कोशकीय और आणविक जीव विज्ञान केंद्र, हैदराबाद के वैज्ञानिकों ने किया है।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. हर्ष वर्धन ने इस परियोजना के बारे में बताते हुए कहा 'प्रिसिजन मेडिसिन के उभरते क्षेत्र में तकनीकी जानकारी, आधारभूत आंकड़ों और घरेलू क्षमता के विकास में संपूर्ण जीनोम सीक्वेंसिंग महत्वपूर्ण हो सकती है। यह पहल बीमारियों की सटीक एवं त्वरित पहचान व उपचार के लिए आनुवांशिक लक्षणों तथा संवेदनशीलता आदि का निर्धारण करने में बेहद उपयोगी साबित हो सकती है।' जीनोमिकी और समवेत जीव विज्ञान संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिक श्रीधर शिवासुब्बु ने बताया कि इस परियोजना के अंतर्गत देश के अलग-अलग समुदायों के करीब 1400 लोगों के नमूने एकत्रित किए गए थे। इनमें से 1008 नमूनों का जीनोमिक विश्लेषण किया गया है।

प्रतीकात्मक

आणविक जीव विज्ञान केंद्र के निदेशक डॉ. राकेश मिश्रा ने बताया कि एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में हस्तांतरित होने वाली आनुवांशिक बीमारियों के कुशल एवं किफायती परीक्षण और दवाओं के प्रतिकूल प्रभाव से बचाव के लिए फार्माकोजेनेटिक परीक्षण इस परियोजना के अन्य लाभों में शामिल हैं।

विश्व स्तर पर, कई देशों ने बीमारी के लिए अद्वितीय आनुवांशिक लक्षण, संवेदनशीलता का निर्धारण करने के लिए अपने नागरिकों के नमूने के जीनोम सीक्वेंसिंग का कार्य किया है। यह पहली बार है कि भारत में इतने बड़े स्तर पर संपूर्ण जीनोम विस्तृत अध्ययन किया गया है।

एप की भी ली जा रही मदद : डॉ. हर्ष वर्धन ने इस मौके पर इंडीजीनोम कार्ड और 'इंडिजेन मोबाइल एप' के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि इसकी मदद से प्रतिभागी और चिकित्सक दोनों चिकित्सीय दृष्टि से उपयोगी जानकारी का उपयोग कर सकते हैं। उन्होंने जोर दिया कि यह एप गोपनीयता और डेटा सुरक्षा को सुनिश्चित करता है, जो वैयक्तिक जीनोमिक्स को बड़े पैमाने पर लागू करने के लिए महत्वपूर्ण हो सकता है।

स्वदेशी तकनीक का प्रयोग : सीएसआइआर के महानिदशेक डॉ. शेखर सी. मांडे ने कहा, 'यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि भारत अपनी अनूठी मानव विविधता के जीनोमिक डाटा का पर्याप्त रूप से प्रतिनिधित्व करता है। यह भी कम अहम नहीं है कि भारत बड़े पैमाने पर जीनोम डाटा उत्पादन, प्रबंधन, विश्लेषण, उपयोग और उसके संचार में स्वदेशी क्षमता विकसित कर सकता है।'

अपने पापा को सुपरहीरो मानते हैं विराट कोहली

क्रिकेट के मैदान से अब विराट कोहली बढ़ चले हैं टेलीविजन की ओर। विराट कोहली पर बनी एनीमेटेड सुपरहीरो सीरीज 'सुपर वी' में विराट कोहली का एनीमेटेड अवतार दिखेगा। इस शो के संदर्भ में शनिवार को मुंबई में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान विराट कोहली ने 'कुल्फी कुमार बाजेवाला' शो की बाल कलाकार कुल्फी उर्फ आकृति शर्मा से बातचीत की। इस मौके पर विराट ने अपने पसंदीदा सुपरहीरो का जिक्र करते हुए कहा कि उन्हें बचपन में कैप्टन प्लैनेट और स्पाइडरमैन बहुत पसंद था। आगे विराट ने बताया कि वास्तविक जीवन के सुपरहीरो मेरे पिता हैं। वह अब इस दुनिया में नहीं हैं, लेकिन उन्होंने मेरे करियर को लेकर जो निर्णय लिए हैं, वह मेरे लिए सही साबित हुए हैं। उन्होंने हमारे सामने जो उदाहरण सेट किए थे, उसका असर मुझ पर काफी हुआ है। मैं बचपन में क्रिकेट खेलता था, इस दौरान वह मेरे करियर को कोई और दिशा दे सकते थे। उन्होंने क्रिकेट पर ही फोकस रखा। उनके निर्णय की वजह से मेरे करियर का रास्ता आसान हो गया। उसके बाद आगे केवल मेहनत काम आती है।' शो का प्रीमियर विराट कोहली के जन्मदिन यानी पांच नवंबर को होगा। विराट ने अपनी जर्सी के डिजाइन के बने केक को भी काटा।